ज्ञान शांति मैत्री

# वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा
# 2015-16

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

हिंदी प्रति

संरक्षक
प्रो. गिरीश्वर मिश्र
प्रो. आनंद वर्धन शर्मा

संपादक
डॉ. अमित विश्वास

विशेष सहयोग
डॉ. शोभा पालीवाल
डॉ. अनिर्बाण घोष
श्री देवाशीष मिश्रा

ले–आउट एवं डिज़ाइन
श्री राजेश आगरकर

सहयोग
श्री बी.एस. मिरगे
श्री सुरेश कुमार
श्री आमोद गुजर

प्रकाशन प्रभारी
श्री राजेश कुमार यादव

प्रकाशक
डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, कुलसचिव
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

मुद्रक
रुचिका प्रिंटर्स, दिल्ली–110032

## कुलगीत

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
चेतना का दीप है यह, ज्ञान का हिमालय
हिंदी विश्वविद्यालय...

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
नस्ल, धर्म और देशों की सीमाएँ टूट रहीं
एक पाँव रखकर देखो सौ राहें फूट रहीं
सत्य, अहिंसा और शोध के सपनों का महालय
हिंदी विश्वविद्यालय...

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
मटमैली चट्टानों का वर्धा का यही पठार
बंजर पर हरयाली की जय प्रतीक साकार
दुर्लभ पांडुलिपियों का यह अनुपम संग्रहालय
हिंदी विश्वविद्यालय...

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
विद्या, बुद्धि, मनीषा की इस तपोभूमि का ताप बनें
चिंतन का आलाप बनें, अपने दीपक आप बनें
अंधकार के विरुद्ध है यह, महाज्योति प्रज्ञालय
हिंदी विश्वविद्यालय...

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

ज्ञान शांति मैत्री

**महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय**

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
गांधी हिल्स, वर्धा – 442 001 (महाराष्ट्र) भारत
फोन / Phone : 07152–230901 / 230905 फैक्स / Fax : 07152–230903
वेबसाइट / Website : www.hindivishwa.org

# वार्षिक प्रतिवेदन : एक झलक

स्थापना : भारत की संसद द्वारा 1996 में पारित अधिनियम के
अंतर्गत 1997 में महात्मा गांधी की कर्मभूमि वर्धा में
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) की स्थापना की गई।
**क्षेत्रफल : लगभग 212 एकड़**

## विद्यापीठ / केंद्र

विद्यापीठ : 08 विभाग : 14 केंद्र : 04
क्षेत्रीय केंद्र : 1. इलाहाबाद, 2. कोलकाता

## अनुदान

(धनराशि लाख रुपयों में)

| | |
|---|---|
| मानव संसाधन विकास मंत्रालय : (पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एण्ड टीचिंग) | 269.00 |
| विश्वविद्यालय अनुदान आयोग : | 6473.42 |
| योजना : | 3840.00 |
| गैर–योजना : | 122.76 |
| अन्य : (आईसीएसएसआर, आईसीपीआर आदि) : | 41.62 |
| **योग :** | **6784.04** |

## संचालित पाठ्यक्रम

मुख्य परिसर (वर्धा) : 106 (एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा)
क्षेत्रीय केंद्र (इलाहाबाद) : 09 (एम.ए., एम.फिल., डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा)
क्षेत्रीय केंद्र (कोलकाता) : 06 (एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., सर्टिफिकेट)
दूर शिक्षा निदेशालय : 12 (स्तानक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा)
**कुल : 133**

## विद्यार्थियों की संख्या

मुख्य परिसर (वर्धा) : 718 क्षेत्रीय केंद्र (इलाहाबाद) : 92
क्षेत्रीय केंद्र (कोलकाता) : 24 दूर शिक्षा निदेशालय : 871
**कुल : 1,705**

## उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या

डिप्लोमा / पीजी डिप्लोमा / एडवांस्ड डिप्लोमा : 301
एम.ए. : 106 एम.फिल. : 156 पी.एच.डी. : 22
**कुल : 585**

## कर्मियों की संख्या

शैक्षणिक : 88 गैर–शैक्षणिक : 97
**कुल : 185**

## केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधन

पुस्तकें : 1,19,411 संदर्भ ग्रंथ : 3,807
पत्रिकाएं : 100 शोध प्रबंध : 124
लघु शोध प्रबंध : 1,293

प्रायोजित शोध परियोजनाएं : 20

# - अनुक्रमणिका -


| | |
|---|---|
| कुलपति संदेश ... | 001 |
| प्रख्यात आगंतुक | 012 |
| सांविधिक अधिकारी | 013 |
| सांविधिक निकाय | 014 |
| • कार्य परिषद | 014 |
| • विद्या परिषद | 015 |
| • अध्ययन मंडल | 016 |
| • वित्त समिति | 017 |
| • भवन निर्माण समिति | 017 |
| स्कूल बोर्ड | 018 |
| विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष / केंद्र निदेशक / प्रभारी | 019 |
| विभिन्न समितियों के संयोजक / समन्वयक / अधिकारी | 020 |
| विदेशियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम | 021 |
| आवासीय लेखक | 022 |
| विश्वविद्यालय के विद्यापीठ | 023 |
| 1. भाषा विद्यापीठ | 024 |
| 2. साहित्य विद्यापीठ | 033 |
| 3. संस्कृति विद्यापीठ | 041 |
| 4. अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ | 053 |
| 5. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ | 058 |
| 6. शिक्षा विद्यापीठ | 069 |
| 7. प्रबंधन विद्यापीठ | 081 |
| क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद | 082 |
| क्षेत्रीय केंद, कोलकाता | 085 |
| दूर शिक्षा निदेशालय | 087 |
| अस्पताल | 089 |
| शिशु विहार | 089 |

| | |
|---|---|
| लैबोरेट्री इन इन्फॉरमेटिक्स फॉर द लिबरल आर्ट्स (लीला) | 090 |
| व्यवसाय परामर्श, रोजगार सूचना एवं नियोजन प्रकोष्ठ | 091 |
| प्रकाशन विभाग | 092 |
| आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ | 093 |
| स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय | 094 |
| जनसंपर्क कार्यालय | 096 |
| महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय | 097 |
| पर्यावरण क्लब | 098 |
| राजभाषा विभाग | 099 |
| खेल समिति | 099 |
| शोध सहायता प्रकोष्ठ | 101 |
| परिसर विकास विभाग | 102 |
| राष्ट्रीय सेवा योजना | 103 |
| हिंदी समय डॉट कॉम | 104 |
| जन सूचना कार्यालय | 105 |
| प्रवेश प्रकोष्ठ | 106 |
| परीक्षा विभाग | 115 |
| विद्यार्थियों को दी जानेवाली सुविधाएँ | 117 |
| नेट / जेआरएफ / आरजीएनएफ / अन्य शोधवृत्ति | 118 |
| विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं गैर–शैक्षणिक कर्मी | 120 |
| गतिविधियाँ | 124 |
| लेखा प्रतिवेदन | 135 |
| छायाचित्र झलकियाँ | 185 |

## कुलाध्यक्ष

श्री प्रणब मुखर्जी
राष्ट्रपति, भारत

## कुलाधिपति

प्रो. कपिल कपूर

## कुलपति

प्रो. गिरीश्वर मिश्र

## समकुलपति

प्रो. चित्तरंजन मिश्र

## कुलसचिव

डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र

# कुलपति संदेश...

यह विश्वविद्यालय भारतीय संसद द्वारा पारित एक असाधारण अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया है। इस अधिनियम का अनुमोदन माननीय राष्ट्रपति महोदय ने 8 जनवरी, 1997 को किया और इसी तिथि को यह भारत के गजट में भी प्रकाशित हुआ। इस अधिनियम के अनुसार यह विश्वविद्यालय शोध और अध्यापन के द्वारा हिंदी भाषा व साहित्य के विकास तथा संवर्धन के उद्देश्य से स्थापित किया गया। इससे यह अपेक्षित है कि हिंदी भाषा अपनी व्यावहारिक क्षमताओं का इस तरह विकास करेगी कि वह एक अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में अपनी पहचान बनाकर जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपना प्रभाव एवं महत्व स्थापित कर सके।

भारत के राष्ट्रीय नेतृत्व और हिंदी के शुभेच्छुओं की यह हार्दिक इच्छा थी कि हिंदी भाषा को संयुक्त राष्ट्र संघ जैसे विश्व मंच पर उचित स्थान प्राप्त हो, जिससे भारत के लोगों की भावनाओं को उचित ढ़ंग से व्यक्त किया जा सके। हिंदी भाषा न केवल समस्त भारतीयों के संवाद का माध्यम रहे, बल्कि दुनिया के सभी हिस्सों में रहनेवाले भारतवंशी लोगों के साथ भी संवाद का माध्यम बन सके। अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की क्षमताओं को विकसित करना राष्ट्रीय नेतृत्व और हिंदी प्रेमियों का स्वप्न था। यह स्वप्न 29 दिसंबर, 1997 को इस विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ साकार हुआ। यह विश्वविद्यालय हिंदी भाषा को साहित्य और संस्कृति में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में दृढ़ता से स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय का सूत्र वाक्य 'ज्ञान, शांति, मैत्री' ही उसका मार्गदर्शक सिद्धांत है। वैयक्तिक और सामाजिक विकास के अवसर प्रदान करने का उद्यम गांधीवादी उद्देश्य के अनुकूल है। नैतिक व्यवहार, वैश्विक भ्रातृत्व और सांस्कृतिक आदान–प्रदान महात्मा गांधी के विचारों की बुनियादी आधारभूमि है। यह विश्वविद्यालय इन मूल्यों और विचारों को अपने पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों में आत्मसात करने के लिए प्रयासरत है। इस समय विश्वविद्यालय अहिंसा और शांति अध्ययन, स्त्री अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, दलित तथा जनजातीय अध्ययन, साहित्य, मीडिया अध्ययन, डायस्पोरा, समाज कार्य, प्रबंधन, शिक्षाशास्त्र व मनोविज्ञान जैसे अनुशासनों में अकादमिक कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहा है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय हिंदी को तकनीक और व्यापार के क्षेत्र की वैकल्पिक भाषा के रूप में विकसित करने की दिशा में सक्रिय है। इस परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय में नाटक व फिल्म अध्ययन, अनुवाद और निर्वचन, प्रौद्योगिकी अध्ययन, कंप्यूटेशनल भाषा विज्ञान और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में मानक स्तरों पर विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित हैं।

यह एक आवासीय विश्वविद्यालय है। इसके क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता और इलाहाबाद में संचालित हैं। इसका एक दूर शिक्षा निदेशालय भी है जिसमें बी.एड., एम.बी.ए., बी.लिब. के साथ अनेक स्नतकोत्तर विषयों में अध्यापन की सुविधा उपलब्ध है। एक अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में उच्च अध्ययन का यह संस्थान भारतीय सांस्कृतिक दृष्टि और परंपराओं को समाहित करते हुए आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उच्च अध्ययन में उत्कृष्टता पाने की दिशा में यत्नशील है।

## विश्वविद्यालय के लक्ष्य

शिक्षा के वैकल्पिक दृष्टिकोण को समाहित करते हुए विश्वविद्यालय ने एक लचीली अध्ययन–अध्यापन व्यवस्था का निर्माण किया है, जिससे योग्य शिक्षकों को आकर्षित किया जा सके, शैक्षणिक मानकों को उच्च स्तर का बनाया जा सके, विभिन्न क्षेत्रों में शोध कार्य को बढ़ावा दिया जा सके एवं प्रतिभाओं को प्रेरित किया जा सके। यह विश्वविद्यालय दूर शिक्षा के माध्यम को भी स्वीकार करता है। विश्वविद्यालय आज के संदर्भों में उपयुक्त तकनीकी

जरूरतों को आत्मसात किए हुए है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य समूह केवल हिंदी भाषी समुदाय तक ही सीमित न हो कर गैर–हिंदी क्षेत्रों तक हिंदी को पहुंचने के लिए प्रतिश्रुत है। यह कार्य वैश्वीकरण के वर्तमान प्रवाह में और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह विश्वविद्यालय बहुभाषिकता के परिवेश में हिंदी की भूमिका से अवगत है। यहाँ इस बात को रेखांकित किया जा सकता है कि भारत एक ऐसा भाषिक क्षेत्र है, जहाँ विभिन्न भाषाओं की साझेदारी ही भारत की अस्मिता को निर्धारित करती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह बहुविध भाषिक परिदृश्य भारतीय ज्ञान परंपरा और विश्व की दूसरी ज्ञान परंपराओं के बीच सेतु का कार्य करता है। विश्वविद्यालय बहुभाषिक पर्यावरण पर बल देता है।

विश्वविद्यालय का प्रयास हिंदी को एक ऐसी भाषा के रूप में प्रस्तुत करने का है जो अपनी संवाद क्षमता के कारण भारतीय समाज में पारस्परिक संवाद को सुनिश्चित करती है। यह उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी, भारतवंशियों के एक बड़े भाग की भाषा है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे लोगों के समूह और संस्थाएं विद्यमान हैं, जिनकी रुचि भारत और हिंदी दोनों में ही है।

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों में हिंदी भाषा और साहित्य के विकास व संवर्धन के साथ विभिन्न ज्ञानानुशासनों में शोध हेतु सांस्थानिक सुविधाएँ प्रदान करना, हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं के साथ तुलनात्मक अध्ययन को बढ़ावा देना, संबंधित क्षेत्रों के विषय में जानकारी जुटाना, अनुवाद व निर्वचन के क्षेत्र में अध्यापन, शोध और प्रशिक्षण कार्य को बढ़ावा देना, हिंदी की कार्यात्मक क्षमता विकसित करना, हिंदी के विद्वानों से संपर्क करना एवं हिंदी के प्रति लगाव रखने वाले लोगों को हिंदी के अध्यापन और शोध कार्य से संबद्ध करने के साथ दूर शिक्षा के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना शामिल है।

## विश्वविद्यालय के उद्यम

विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों के अनुरूप हिंदी को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित स्थान दिलाने के लिए कटिबद्ध है। विदेशी छात्रों को हिंदी अध्ययन कराने के साथ विदेशी भाषाओं में पाठ्यक्रमों के संचालन के अतिरिक्त विश्वविद्यालय अध्ययन–अध्यापन के नए संसाधनों का विकास करने के लिए प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय अधिनियम के परिनियम 16(1) के अंतर्गत विश्वविद्यालय में आठ विद्यापीठ हैं– भाषा विद्यापीठ, साहित्य विद्यापीठ, संस्कृति विद्यापीठ, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, शिक्षा विद्यापीठ, प्रबंधन विद्यापीठ एवं विधि विद्यापीठ। विश्वविद्यालय में संचालित सृजन विद्यापीठ को समाप्त कर दिया गया है। सृजन विद्यापीठ के तहत संचालित नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग को साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत प्रर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग के रूप में संचालित किया जा रहा है। संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र को बदल कर जनसंचार विभाग के रूप में परिवर्तित किया गया है।

विश्वविद्यालय में 8 विद्यापीठों के 18 विभागों/केंद्रों के माध्यम से विविध ज्ञानानुशासनों में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. व डिप्लोमा स्तर के 133 पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के इलाहाबाद और कोलकाता स्थित क्षेत्रीय केंद्रों में भी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। यहां का पाठ्यक्रम च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) से संचालित है। देश के विभिन्न भू–भागों एवं विदेशों से भी छात्र यहां अध्ययन हेतु आते हैं। विश्वविद्यालय परिसर में पूरी तरह से वाई–फाई की सुविधा है। विश्वविद्यालय परिसर में औषधीय पौधों के उद्यान को भी विकसित किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में एक प्रकाशन विभाग है, जिसके अंतर्गत महत्वपूर्ण विषयों की पुस्तकें, पत्रिकाएँ एवं जर्नल नियमित रूप से प्रकाशित होते हैं। विश्वविद्यालय के निम्नलिखित प्रयासों को मुख्य रूप से रेखांकित किया जा सकता है –

1. विभिन्न ज्ञानानुशासनों में उपलब्ध सृजनात्मक पुस्तकों का अनुवाद करना और विश्व की दूसरी भाषाओं में उपलब्ध ज्ञान को हिंदी में उपलब्ध कराना।
2. दुनिया भर में फैले विभिन्न भारतवंशी विद्वानों और हिंदी के विद्वानों के बीच संवाद स्थापित करना।
3. हिंदी में हुए अध्ययनों और शोधकार्यों को सूचीबद्ध करना।

4. हिंदी साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियों को विश्व की दूसरी भाषाओं (यथा फ्रेंच, स्पेनिश, चीनी, जापानी आदि) में अनूदित करना।
5. हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाना।
6. दूसरी विधाओं और ज्ञानानुशासनों को हिंदी भाषा में कार्य करने में सक्षम बनाना।

## नई पहल

### शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का मूल्यांकन फरवरी, 2015 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा संपन्न हुआ जिसमें विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ। नैक पीयर समूह ने विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी साहित्य और भाषा को लोकप्रिय बनाने के लिए किए गए कार्य, विशेष रूप से विदेशी विद्यार्थियों के लिए निर्मित पाठ्यक्रम की सराहना की।

शैक्षणिक पद विज्ञापित किए गए और चयन संपन्न किया गया। परिणामस्वरूप अंग्रेजी, उर्दू, समाज कार्य, संस्कृत, बौद्ध अध्ययन और शिक्षा विषयों में 16 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की गई। अब रोलिंग विज्ञापन जारी किया जा रहा है और आवेदक ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं।

शैक्षणिक कर्मियों की क्षमता उन्नत करने की दृष्टि से विश्वविद्यालय द्वारा अध्यापकों को पुनश्चर्या व अभिविन्यास पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाता है। अधिकांश अध्यापकों ने ये पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिए हैं। पिछले सत्र में विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही शोध प्रविधि, समाज कार्य, अनुवाद अध्ययन, शिक्षा में मूल्य और मूडल प्लेटफार्म आदि विषयों पर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। नैक द्वारा प्रायोजित एक कार्यशाला उच्च शिक्षा में गुणवत्ता हेतु सुधारों पर विचार हेतु मार्च 2016 में विश्वविद्यालय में संपन्न की गई।

विश्वविद्यालय के अध्यापकों द्वारा विगत 5 वर्षों में 400 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए। 40 पुस्तकों का संपादन किया गया, 45 पुस्तकों का प्रकाशन हुआ और विभिन्न पुस्तकों में 119 अध्याय प्रकाशित हुए हैं।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा सीबीसीएस पर पश्चिमी क्षेत्र के कुलपतियों की बैठक मुंबई में आयोजित की गई और सत्र 2015–16 में विद्या–परिषद की संस्तुति के बाद उसे स्वीकृत व लागू किया गया।

विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रमों की निरंतर समीक्षा और नवीनीकरण किया जाता है तथा प्रत्येक अकादमिक सत्र में अध्ययन मंडल व स्कूल बोर्ड द्वारा परीक्षण किया जाता है।

विश्वविद्यालय में अनेक नए पाठ्यक्रम आरंभ किए गए। सत्र 2015–16 में नाटक और फिल्म अध्ययन में बी. वोक पाठ्यक्रम शुरू किया गया। भाषा और साहित्य के अध्ययन के विस्तार की दृष्टि से सत्र 2016–17 से मराठी, उर्दू, संस्कृत व अंग्रेजी विषय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किए जाने की प्रक्रिया आरंभ की गई। शिक्षा विद्यापीठ द्वारा सत्र 2015–16 से तीन नए पाठ्यक्रम –शिक्षा में स्नातकोत्तर, एम.फिल और शोध के पाठ्यक्रम आरंभ किए गए। इसी सत्र में द्विवर्षीय बी.एड. का पाठ्यक्रम आरंभ हुआ। विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा द्विवर्षीय बी.एड., एम.एड. तथा बी.एड. समेकित पाठ्यक्रम आरंभ करने की अनुमति प्राप्त हुई।

विश्वविद्यालय में सत्र 2015–16 से सामुदायिक महाविद्यालय में टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम आरंभ हुआ। यह पाठ्यक्रम हाशिए के समाज के विद्यार्थियों और मुख्य धारा से अलग–थलग पड़े विद्यार्थियों का कौशल विकसित करने में सहायक होगा।

विश्वविद्यालय में समस्त स्नातकोत्तर एवं शोध विद्यार्थियों को दो पाठ्यक्रमों में भाग लेना अनिवार्य है। इनमें भाषा में एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम तथा दूसरा कम्प्यूटर अनुप्रयोग में एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम शामिल हैं। विश्वविद्यालय में चीनी, स्पेनिश, जापानी और फ्रेंच भाषा के अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है। विद्यार्थी स्वेच्छा से हिंदी या मातृभाषा के अतिरिक्त विश्वविद्यालय में पढ़ाई जा रही भारतीय भाषाओं में से किसी एक का चयन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त

भारतीय चिंतकों, मानवाधिकार और पर्यावरण अध्ययन से संबद्ध पाठ्यक्रम संचालित किए गए हैं।
शोध प्रविधि में डिप्लोमा, उर्दू, अंग्रेजी, संस्कृत, भाषा और जेंडर अध्ययन, दलित वैचारिकी, तुलनात्मक धर्म में प्रमाणपत्र/डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा, समाज कार्य में स्नातक, एनजीओ प्रबंधन, इंडियन डायस्पोरा, कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, योग और स्वास्थ्य अध्ययन में डिप्लोमा, बौद्ध अध्ययन, पर्यटन और गाइडिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, फॉरेंसिक साइंस में डिप्लोमा और बौद्ध अध्ययन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम आरंभ किए गए हैं।

## शोध में सुधार

क. विश्वविद्यालय भक्ति अध्ययन में सेण्टर फॉर एक्सेलेन्स के विकास के लिए प्रयास कर रहा है। इस हेतु यू.जी.सी. को प्रस्ताव भेजा जा चुका है।
ख. मदन मोहन मालवीय शिक्षा मिशन के अंतर्गत हिंदी का शिक्षण–प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई है। इसके प्रथम चरण में निम्नलिखित गतिविधियां की गईं :

- 'मध्यकालीन साहित्य का वर्तमान' विषय पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन
- 'मूडल के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण' विषय पर कार्यशाला
- 'कक्षा और पाठ्यपुस्तक से परे सीखने की संस्कृति' विषय पर सेमिनार का आयोजन

## आंतरिक संसाधन संवर्धन

विश्वविद्यालय स्थापना काल से ही अकादमिक वातावरण को संवर्धित किया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अलावा अन्य स्रोतों से भी अनुदान की व्यवस्था की है। उल्लेखनीय है कि आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा कई परियोजना कार्य विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों को प्रदान किये गए हैं।

वर्तमान सत्र में विश्वविद्यालय ने आधारभूत एवं अकादमिक संसाधनों की प्राप्ति के लिए कई मंत्रालयों से संपर्क किया। संस्कृति मंत्रालय ने विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए टैगोर संस्कृति संकुल के विकास हेतु रुपये 8.97 करोड़ का अनुदान स्वीकृत किया है। इस सुविधा से विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला विभाग को सहयोग प्राप्त होगा। म.गां.अं.हिं.वि. में विदेशी छात्रों को विभिन्न स्तरों के हिंदी पाठ्यक्रम उपलब्ध कराये जाते हैं। यहाँ पर अमेरिका, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, हंगरी, श्रीलंका, चीन, मॉरिशस, पोलैंड, क्रोएशिया, थाईलैंड, जापान, नेपाल और साउथ कोरिया जैसे देशों से विद्यार्थी आते हैं। विश्वविद्यालय ने उक्त देशों में स्थित दस (10) विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षिक विनिमय कार्यक्रम के अनुबंध किए हैं। विदेशी विद्यार्थियों के लिए भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद से भी अनुदान प्राप्त होता है।

विश्वविद्यालय ने संस्कृति मंत्रालय को विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव भेजा है। इसमें अमृतलाल नागर पीठ, दीन दयाल उपाध्याय उद्यान योजना, महिला छात्रावास में मदुरई सुब्बालक्ष्मी महिला छात्रावास खंड, भारतरत्न बिस्मिल्ला खान मुक्ताकाश मंच उल्लेखनीय हैं। इन परियोजनाओं की कुल लागत 9 करोड़ रूपये है। विश्वविद्यालय ने नवीनीकृत ऊर्जा संसाधनों के विकास के लिए 2 करोड़ रूपये के लिए प्रस्ताव भेजा है। इन योजनाओं के अतिरिक्त सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को एक और महिला छात्रावास का प्रस्ताव भेजा गया है।

## आधारभूत संरचना (भवन)

विश्वविद्यालय स्थापना काल के दौरान दिल्ली में किराये के भवन में कार्य करना प्रारम्भ किया था। दिल्ली कार्यालय का प्रयोग विश्वविद्यालय की विकास की योजनाओं के संदर्भ में होने वाली बैठकों के लिए किया गया। वर्धा में भूमि के आवंटन और खरीद के उपरांत वर्ष 2002 से विश्वविद्यालय ने वर्धा में कार्य करना प्रारम्भ किया। वर्ष 2006 से भवन निर्माण का कार्य प्रारम्भ हुआ। कई भवन पूर्ण हो चुके हैं, जबकि वित्त की समस्या के कारण कुछ भवनों का निर्माण कार्य रुका हुआ है। पिछले दो वर्षों से विश्वविद्यालय द्वारा इन भवनों के निर्माण को पूर्ण करने के लिए आवश्यक अनुदान हेतु यू.जी.सी. से अनुरोध किया गया है। लंबित परियोजनाओं की सूची इस प्रकार है:

- अकादमिक भवन (लगभग पूर्ण होने वाला है)
- दूर शिक्षा भवन (लगभग पूर्ण होने वाला है)
- पुरुष छात्रावास सं. 4 (लगभग पूर्ण होने वाला है)
- पुरुष छात्रावास सं. 5 (अपूर्ण)
- पुरुष छात्रावास सं. 6 (अपूर्ण)
- साहित्य संग्रहालय (अपूर्ण)
- टैगोर सांस्कृतिक संकुल (अपूर्ण)
- छप्पन आवासीय भवन (अपूर्ण)
- महिला छात्रावास –2 (प्रारम्भ होना है)
- केंद्रीय विद्यालय भवन (प्रारम्भ होना है)
- वित्त अधिकारी एवं पुस्तकालय भवन (अपूर्ण)

उपर्युक्त परियोजनाओं के अतिरिक्त विश्वविद्यालय को खेल सुविधा के लिए इनडोर और आउटडोर स्टेडियम का विकास केंद्रीय विद्यालय के लिए मुक्ताकाश मंच, अकादमिक ब्लॉक, 30 संकाय सदस्यों के लिए आवासीय भवन, शिक्षा संकाय के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास, शोधार्थियों के लिए छात्रावास, विदेशी विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की परियोजना महत्वपूर्ण हैं।

### क. वाइब्रेंट आवासीय परिसर

विश्वविद्यालय के पास समता भवन, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ भवन, भाषा विद्यापीठ भवन, संस्कृति विद्यापीठ भवन, महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय भवन, कैंटीन, प्रशासनिक भवन है तो वहीं 18 लेक्चरर क्वाटर्स, 30 शिक्षकेतर कर्मी आवास, 11 प्रोफेसर्स क्वाटर, कुलपति आवास, प्रतिकुलपति आवास, कुलसचिव आवास, 106 कमरों का सावित्रीबाई महिला छात्रावास, 76 कमरों का गोरख पांडेय पुरूष छात्रावास, 64 कमरों का बिरसा मुण्डा पुरूष छात्रावास, 56 कमरों का फादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास तथा 28 कमरों का बाबा नागार्जुन अतिथि गृह हैं। ये सभी भवन कलात्मक सौन्दर्य का उत्कृष्ठतम नमूना है। इतना ही नहीं, 42 कमरों का शहीद भगत सिंह छात्रावास, 32 कमरों का सुखदेव छात्रावास, 100 कमरों का राजगुरू छात्रावास, ट्रांजिट हॉस्टल, एक हज़ार क्षमता वाले ऑडिटोरियम, साहित्य विद्यापीठ के भवन निर्माण का कार्य द्रुत गति से चल रहा है। विश्वविद्यालय में 7.2 किलोमीटर का सीमेंट मार्ग और साढे पांच किलोमीटर तक दर्जनों स्ट्रीट लाइट का भी समुचित प्रबंध आकर्षक है।

### सांस्कृतिक पुरोधाओं से मुलाकात

मुंबई–नागपुर हाईवे पर 212 एकड़ भूमि में फैले परिसर में आप आज भी जहां भी जाइए, आपको लगेगा कि किसी न किसी तरफ से कोई आ या जा रहा है–लाठी टेकते गांधी, विनोवा, दिनकर या स्वामी सहजानंद? सहजानंद और राहुल जी तो वहां खड़े बतिया रहे हैं–शायद 'किसान आंदोलन' कृषक आत्महत्या और 'सेज' या ऐसे किसी मसले पर। लबादा ओढ़े कौन आता दिख रहा है– गुरूदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर या महाप्राण निराला? और ये झुके–झुके–से कौन चले जा रहे हैं– हबीब तनवीर, शमशेर, बाबा नागार्जुन, अज्ञेय या केदारनाथ अग्रवाल? 'गांधी टीले' पर आपको लाठी टेक कर आते हुए गांधी जी और उनके तीन बंदर मिल जाएंगें तो कबीर टीले में कबीर समेत पांच महान निर्गुण संत कवि–कबीर, नानक, तुकाराम, रैदास और दादू। अंतरराष्ट्रीय छात्रावास पर फादर कामिल बुल्के आपको स्वागत करते हुए नजर आएंगें तो केंद्रीय पुस्तकालय में राहुल सांकृत्यायन, संग्रहालय में स्वामी सहजानन्द जी, नागार्जुन सराय में बाबा नागार्जुन, नजीर हाट में नजीर अकबराबादी और छात्राओं के छात्रावास की निगहबानी करती भारत की प्रथम शिक्षिका सावित्री बाई फुले। एक तरफ बिरसा मुण्डा हैं, भगत सिंह हैं तो दूसरी तरफ हॉस्टल की विडंबनाओं के शिकार गोरख पाण्डेय भी। मुख्य प्रवेश द्वार पर 'गोदान' की गाय आपको प्रेमचंद मार्ग पर ले जाती है तो 'भारत दुर्दशा' के 'दुर्दशाग्रस्त पात्रों' से शुरू होती सड़क–आपको भारतेन्दु मार्ग पर, यहीं से पंख तोलती हैं नये भारत के नवनिर्माण की नयी उड़ानें...। वाटर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, जल संरक्षण, मेजर ध्यानचंद्र क्रीडांगन जैसे इको फ्रैण्डली विकास की

नयी–नयी कड़ियां आकर्षित करती हैं। अपने आधुनिक भवनों, खूबसूरत लैण्डस्केप के साथ विदर्भ के शुष्क प्रांतर में यह विश्वविद्यालय एक नखलिस्तान–सा खिल रहा है।

### विद्यार्थी केंद्रित गतिविधियाँ

- विश्वविद्यालय द्वारा जेंडर से संबधित शिकायतों के निवारण के लिए एक समिति बनाई गई है। यह क्रियाशील है। विश्वविद्यालय में यौन शोषण से जुड़ी कुछ शिकायतें दर्ज की गयी। इन मामलों में समिति की रिपोर्ट के आधार पर निर्णय लिए गए। विश्वविद्यालय द्वारा शून्य सहनशीलता की नीति को अपनाया गया है। इसके अलावा स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा जेंडर संवेदनशीलता, स्त्री सशक्तिकरण, महिलाओं से जुड़ी हिंसा एवं अन्य समस्याओं के संदर्भ में संवेदनशीलता विकास हेतु संगोष्ठी और कार्यशाला का आयोजन किया जाता है।
- विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति और जनजाति प्रकोष्ठ भी है। यह इन वर्गों से जुड़ी समस्याओं को संबोधित करता है। यदि कोई शिकायत या समस्या दर्ज की जाती है तो यह प्रकोष्ठ उनकी आवश्यकताओं को संज्ञान में लेता है।
- विद्यार्थियों के अकादमिक, व्यक्तिगत, मनोसामाजिक परामर्श एवं निर्देशन के लिए विश्वविद्यालय में परामर्शदाता सलाहकार और मेंटर की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक विभाग में एक अकादमिक सलाहकार हैं। यह सुनिश्चित किया जाता है कि सत्र के प्रथम दिन से ही विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकता अनुरूप निर्देशन एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाय। विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष और अधिष्ठाता विद्यार्थियों को विभिन्न मुद्दों से जुड़ी सलाह एवं सहायता प्रदान करते हैं। महिला विद्यार्थियों को मनोवैज्ञानिक और व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने के लिए एक महिला काउंसिलर की भी नियुक्ति की गई है। वह उन्हें योग की ट्रेनिंग भी प्रदान करती है।
- विश्वविद्यालय में एक समान अवसर प्रकोष्ठ भी है जो दिव्यांग और अन्य विशिष्ट आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों की जरूरतों का ध्यान रखता है।
- विश्वविद्यालय ने एक समस्या निदान प्रकोष्ठ का भी गठन किया है इसके अंतर्गत अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण, छात्रावास के वार्डन, एन्टी रैगिंग कमेटी, भेदभाव निषेध अधिकारी, अन्य प्रशासनिक अधिकारी और शिक्षक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- विश्वविद्यालय दिव्यांग विद्यार्थियों को बाधामुक्त परिवेश उपलब्ध कराता है। यह ध्यान रखा जाता है कि इन विद्यार्थियों को आवागमन में समस्या न हो, ऐसे प्रत्येक विद्यार्थियों की कक्षा और रहने की व्यवस्था संबंधित भवनों के भू–तल पर ही की गई है। विश्वविद्यालय ऐसे विद्यार्थियों की अन्य आवश्यकताओं का भी ध्यान रखता है।

## ई–गवर्नेंस के लिए पहल

क. नैड NAD एक विशिष्ट नवाचार आधारित प्रगतिशील कदम है जो शैक्षिक दस्तावेजों और प्रमाणपत्रों के डिजीटलीकरण में सहायता प्रदान करता है। यह डिजिटल अकादमिक प्रमाणों को वास्तविकता में अभ्यास में लाने की संभावना से युक्त है। यह विद्यार्थियों, अकादमिक संस्थाओं और अकादमिक योग्यताओं को प्रमाणित करने वाली संस्थाओं के लिए सक्रिय अकादमिक स्थान है। यह विभिन्न बोर्डों और विश्वविद्यालय को एकीकृत करता है और इस प्रकार से प्रमाणपत्रों की प्रमाणिकता को स्वीकृत करता है।

ख. ऑन लाइन प्रवेश

विश्वविद्यालय ने एडमिशन ऑटोमेटेशन सिस्टम नामक एक सॉफ्टवेयर विकसित किया है जो ऑन लाइन प्रवेश पोर्टल की तरह कार्य करता है। विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए ऑन लाइन आवेदन कर सकते हैं। उनके शैक्षिक प्रमाणपत्रों को जाँचा जाता है। एन.ई.एफ.टी. के द्वारा ऑन लाइन परीक्षा शुल्क जमा करने की सुविधा भी उपलब्ध है। इन कार्यों को सरल करने के लिए विश्वविद्यालय ने सी.सी.एवेन्यू कंपनी से समझौता किया है। विश्वविद्यालय द्वारा इस दिशा में निमनलिखित कदम उठाए गए हैं–

- विद्यार्थियों के रिकॉर्ड को व्यवस्थित करना
- ऑन लाइन प्रवेश फॉर्म जमा करना

- विद्यार्थियों की विशिष्टताओं का ब्यौरा तैयार करना
- ऑन लाइन शुल्क जमा करना
- ऑन लाइन आवेदन जाँच करना आदि।

### ग. सूचना प्रौद्योगिकी का अधिकतम प्रयोग (प्रशासन, मानव संसाधन, वित्त) वेतन पंजिका

विश्वविद्यालय द्वारा वित्त विभाग के लिए कर्मचारियों के वेतन संबंधी कार्यों को करने के लिए पे रोल सिस्टम का विकास किया गया है। इससे कोई भी कर्मचारी वेतन पर्ची, जी.पी.एफ., एन.सी.पी.एफ., एल.आई.सी. आदि की सूचना प्राप्त कर सकता है। अपनी यूजर आई.डी. और पासवर्ड का प्रयोग करते हुए अपनी वेतन पर्ची मुद्रित कर सकता है। इस तंत्र की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैः

- ऑन लाइन वेतन पर्ची
- आयकर की गणना
- फॉर्म–16 उपलब्ध कराना आदि।

विश्वविद्यालय में प्रशासन, वित्त एवं अन्य विभाग ई–दस्तावेजों को तैयार करने का कार्य करते हैं। ई–मेल के प्रयोग द्वारा इको फ्रेंडली, हरित परिसर के विकास कार्य किया जा रहा है। वित्त विभाग के द्वारा लेखांकन के लिए कई प्रकार के सॉफ्टवेयरों का प्रयोग किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की योजना आई.आई.टी.,कानपुर द्वारा विकसित बी.जी.ए.एस. लेखांकन योजना को अपनाने की है। इसके संदर्भ में कर्मचारियों को ऑन लाइन प्रशिक्षण दिया जा चुका है और सॉफ्टवेयर को सर्वर में इन्स्टॉल किया जा चुका है।

### घ. वेबसाइट

विश्वविद्यालय द्वारा www.hindivishwa.org नामक वेबसाइट विकसित की गई है। यह वेबसाइट सामग्री प्रबंधन तंत्र पर आधारित है। दैनंदिन अद्यतन होना और नए रूपों में प्रस्तुति इसकी विशेषताएं हैं।
विश्वविद्यालय में एस.एम.एस. गेटवे सुविधा द्वारा विद्यार्थियों को तुरंत सूचनाएं उपलब्ध करायी जाती हैं।

### च. वाई–फॉई परिसर

विश्वविद्यालय में कक्षाएं, छात्रावास तथा परिसर वर्ष 2009 से ही पूर्णतः वाई–फॉई युक्त है। कैंपस कनेक्ट परियोजना द्वारा इसे और मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

### आवासीय लेखक

विश्वविद्यालय में 'आवासीय लेखक' का एक विशिष्ट उपक्रम है। इसके अन्तर्गत लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकारों और विद्वानों को विश्वविद्यालय परिसर में रहते हुए उनके परियोजना कार्यों को पूर्ण करने का अवसर दिया जाता है। इसके अलावा वे विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में व्याख्यान आदि देते हैं और विद्यार्थियों से अन्तःक्रिया करते हैं। वर्तमान में आवासीय लेखक के रूप में प्रो. अजित कुमार दलाल, सुश्री चित्रा मुद्गल और प्रो. रमेश दवे परिसर में हैं। इसके अलावा एडजंक्ट प्रोफेसर के रूप में भी विद्वानों को आमंत्रित किया जाता है जो विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिवेश के उन्नयन में मदद करते हैं।

### पीएच.डी. और एम.फिल. पाठ्यक्रम

पीएच.डी. और एम.फिल. पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षाओं को अनिवार्य किया गया है। ये शोधार्थी कोर्स वर्क, जिसमें शोध प्रविधि अपरिहार्य हिस्सा है, के सहभागी बनते हैं। पाठ्यक्रमों में अंतरअनुशासनात्मकता को स्थान दिया गया है। इन्हें सेमिनार प्रस्तुति और शोध प्रबंध जमा करने से पूर्व प्रस्तुति देनी होती है जिसमें बाह्य विशेषज्ञ उपस्थित होते हैं। शोध प्रबंध का नया प्रारूप निर्धारित किया जा चुका है। शोध प्रबंध का तीन बाह्य परीक्षकों द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

## विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि हेतु लगातार प्रयास किया जा रहा है। विश्वविद्यालय हिंदी, अंग्रेजी और मराठी भाषाओं के राष्ट्रीय, स्थानीय और राज्य स्तरीय अखबारों में प्रवेश विज्ञापन प्रकाशित कराता है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी प्रवेश सूचना उपलब्ध होती है। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य और कर्मी निकटवर्ती क्षेत्रों के महाविद्यालय तथा समुदाय से संपर्क करते हैं तथा उन्हें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के विषय में जानकारी देते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा नवाचार आधारित नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं जो सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री, परास्नातक और एम.फिल. व पीएच.डी. स्तर के हैं। विश्वविद्यालय में विदेशी विद्यार्थियों को हिंदी भाषा, साहित्य तथा संस्कृति की शिक्षा देने के लिए अधिगम मॉड्यूल के विकास पर बल दे रहा है। परिणामस्वरूप विदेशी विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि हुई है। वर्तमान में चीन, थाईलैण्ड, बेल्जियम, इटली और श्रीलंका के विद्यार्थी यहां पढ़ रहे हैं। इन प्रयासों के फलस्वरूप विगत दो वर्षों में विद्यार्थियों के नामांकन में दो गुनी वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा भी कई पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। ये पाठ्यक्रम लोकप्रिय हो रहे हैं। भारतवर्ष के 14 विभिन्न केंद्रों पर दूर शिक्षा निदेशालय की परीक्षा आयोजित की जाती है।

## नए कार्यक्रम

बी.वोक. कार्यक्रम, दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र और सामुदायिक महाविद्यालय के लिए उठाए गए कदम :

यू.जी.सी. द्वारा वर्ष 2015 में बी.वोक. कार्यक्रम की स्वीकृति प्रदान की गई। विश्वविद्यालय को दो कार्यक्रम (क. एक्टिंग और स्टेज डिजाइन, ख. फिल्म निर्माण) चलाने को कहा गया। सत्र 2015–16 में कुछ ही विद्यार्थियों ने इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया। संकाय संदस्यों द्वारा इस कार्यक्रम के प्रचार के लिए विशेष प्रयास किए गए। इसके सकारात्मक परिणाम आए। सत्र 2016–17 में इन पाठ्यक्रमों की समस्त सीटें भर गयीं। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों की सहभागिता उत्साहजनक है। इसके अंतर्गत तीन विजिटिंग संकाय सदस्य कार्य कर रहे हैं। विषय विशेषज्ञों द्वारा कार्यशालाओं का आयोजन इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू है। विभिन्न कला शैलियों, ड्रामा और फिल्म निर्माण, फोटोग्राफी, वस्त्र सज्जा, रूपसज्जा, पटकथा लेखन और मंच सज्जा से संबंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। हाल ही में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यशालाओं की सूची इस प्रकार है :

- मंच सज्जा पर प्रो. रमेश लखमापुरे द्वारा कार्यशाला।
- नाट्य चित्रांकन और चित्र तकनीकी पर प्रो. शेखर सोनी द्वारा कार्यशाला।
- नाट्य योग और मानव अभियांत्रिकी पर प्रो. प्रशांत परकाले द्वारा कार्यशाला
- मंच सज्जा विषय पर श्री संतोष जिंदल द्वारा कार्यशाला।

## विश्वविद्यालय–समुदाय पारस्परिक संबंध

विश्वविद्यालय में अध्ययन–अध्यापन और शोध के ऐसे परिवेश का विकास किया गया है जो न केवल समुदाय के संदर्भों में स्थापित है बल्कि समुदाय के साथ पारस्परिक संबंध को भी पुष्ट करता है। शिक्षा विभाग ने ग्रामीण विद्यालयों के साथ संबंध विकसित किए हैं। इन विद्यालयों में सेवापूर्व अध्यापकों को 6 माह के शिक्षण कार्य के लिए भेजा जाता है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा सेवारत शिक्षकों के लिए दो वर्षीय अध्यापक शिक्षा (दूर एवं मुक्त शिक्षा) कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसमें भी अधिकांश अध्यापक ग्रामीण पृष्ठभूमि के हैं। वे अपने अनुभवों और सूझ से विश्वविद्यालय को लाभान्वित करते हैं। इसी प्रकार समाज कार्य विभाग द्वारा पांच गाँवों को गोद लिया गया है। विभाग के अध्यापक और विद्यार्थी समुदाय के साथ प्रत्यक्षतः संलग्नता द्वारा संपोषणीय विकास के लिए प्रयासरत हैं। प्रबंधन विभाग ने स्थानीय लघु उद्योगों की इकाइयों के साथ समझौते किए हैं। इसके अनुसार विश्वविद्यालय के विद्यार्थी और उद्योगों के कर्मियों में पारस्परिक संबंध विकसित हुआ है। ये पहल युवाओं को कुशलता आधारित रोजगारोन्मुख कार्यक्रमों के लिए प्रोत्साहित और प्रशिक्षित करती है।

शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ऐसे कार्यों को प्रोत्साहित करता है जो हाशिए के वर्गों की दुनिया को अकादमिक

अध्ययन की विषय वस्तु बनाते हैं। आदिवासी समूहों के देशज ज्ञान की खोज, वंचित समूहों की मनोसामाजिक दशा, विकास की गांधीवादी दृष्टि ऐसे कुछ क्षेत्रों के उदाहरण हैं। अपने संकाय सदस्यों को समुदाय के विमर्श से जोड़ने के लिए उक्त क्षेत्रों पर आधारित शोध योजनाओं को अनुदान प्रदान किया गया है। इस प्रकार की कुछ परियोजनाओं के उदाहरण निम्नवत हैं:

- उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों का घरेलू हिंसा पर प्रभाव
- राष्ट्र बनाम आख्यानः 21 वीं शताब्दी में राष्ट्रवाद
- सामाजिक पूंजी और किसान आत्महत्या
- महात्मा गांधी की कर्मभूमि वर्धा में सामाजिक जीवन, परंपरा और परिवर्तन

विश्वविद्यालय में समुदाय की प्रत्यक्ष सहभागिता को सुनिश्चित करने के लिए गांव के सरपंचों और शिक्षकों की बैठक आहूत की जाती है। इन बैठकों का उद्देश्य उनकी दृष्टियों को समझना और विश्वविद्यालय के अभ्यासों को इस दृष्टि से लाभान्वित करना है। यह उल्लेखनीय है कि इन बैठकों में सरपंच और शिक्षक बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं और विश्वविद्यालय को अपना सहयोग प्रदान करते हैं।

## विचार और शोध का सृजन और संवर्धन

विश्वविद्यालय द्वारा नियमित रूप से पत्रिकाओं और पुस्तकों का प्रकाशन किया जाता है। विश्वविद्यालय का यह प्रयास, विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय के इतर अध्येताओं, शोधकर्ताओं को अपने विचार को साझा करने, शास्त्र में योगदान करने और अन्य अध्येताओं की दृष्टि को जानने का मौका देता है। विश्वविद्यालय द्वारा चार पत्रिकाएं प्रकाशित की जाती हैं।

**बहुवचन** : यह हिंदी साहित्य, भाषा और आलोचना की प्रतिष्ठित पत्रिका है। अब तक इसके पचास अंक प्रकाशित हो चुके हैं। जैसा इस पत्रिका के नाम का अर्थ है वैसे ही इसमें अनेक विचार दृष्टियों और विधाओं को सम्मिलित किया जाता है। हाल में ही इसके विषय क्षेत्र का विस्तार करते हुए इसमें अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों की सामग्री को प्रकाशित किया गया है। मीडिया और समाज विशेषांक इसका उदाहरण है।

**पुस्तक–वार्ता** : यह द्विमासिक पत्रिका है। इसमें पुस्तकों की आलोचना प्रकाशित की जाती हैं। इसमें प्रकाशित विस्तृत और विश्लेषणात्मक आलोचना पाठकों को समसामयिक पुस्तकों की एक विहंगम जानकारी देती है।

**ताना–बाना** : यह विश्वविद्यालय की एक विशिष्ट वार्षिक पत्रिका है जो कला और संस्कृति से संबंधित विषयों को सम्मिलित करती है। यह भारत के विविधता भरे परिवेश में पुष्पित पल्लवित हो रही संस्कृतियों से परिचित कराती है।

**हिंदी : लैंग्वेज, डिसकोर्स एण्ड राइटिंग** : यह अंग्रेजी में प्रकाशित पत्रिका है जो गैर–हिंदी भाषी अध्येताओं को हिंदी भाषा के विमर्शों से परिचित कराती हैं। अब तक इसके 9 अंक प्रकाशित हो चुके हैं।

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अधिकांश विभागों और केंद्रों के द्वारा अपनी ई–पत्रिका प्रकाशित की जाती है। ये विद्यार्थियों में लेखन कुशलताओं का विकास करती है। निमित्त एवं संवर्धन इन पत्रिकाओं के उदाहरण हैं। विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के लब्ध–प्रतिष्ठ साहित्यकारों के रचना संचयन का भी प्रकाशन किया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा तुलनात्मक साहित्य कोश और हिंदी के मौखिक इतिहास के चार खंडों का प्रकाशन किया गया है।

हिंदी और विदेशी व अन्य भारतीय भाषाओं के बीच प्रभावी संप्रेषण के लिए विश्वविद्यालय द्वारा शब्दकोशों के निर्माण का प्रयास किया जा रहा है–

1. वर्धा हिंदी शब्दकोश (प्रकाशित)
2. भोजपुरी–हिन्दी–अंग्रेजी शब्दकोश (प्रकाशनाधीन)
3. हिंदी–स्पैनिश–अंग्रेजी शब्दकोश (प्रक्रिया में)

4. हिंदी–फ्रेंच–अंग्रेजी शब्दकोश (प्रक्रिया में)
5. फ्रेंच–हिंदी–अंग्रेजी शब्दकोश (प्रक्रिया में)
6. जापानी–हिंदी–अंग्रेजी शब्दकोश (प्रक्रिया में)

विश्वविद्यालय हिंदी के अलावा अन्य विषयों में भी अध्ययन सामाग्री का विकास कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा छह खण्डों में सामाजिक विज्ञान कोश का प्रकाशन किया जा चुका है। वर्तमान में टी.एल.सी. एच.एस. परियोजना के अंतर्गत कुछ अन्य विश्वकोशों और पुस्तकों के प्रकाशन का कार्य प्रगति पर है।

## सफलता की कहानियाँ

### क. हिंदी के लिए तकनीकी–सुगम परिवेश का विकास

**हिंदी समय** : विश्वविद्यालय ने अपने लक्ष्यों के अनुरूप तकनीकी के लिए और तकनीकी में प्रयुक्त भाषा के रूप में हिंदी को स्थापित किया है। हिंदी साहित्य की वैश्विक पहुँच को सुगम करने के लिए हिंदी भाषा और साहित्य की ई–संचयिता तैयार की है। इसे हिंदी समय डॉट कॉम के नाम से जाना जाता है। गूगल ने इसे हिंदी पाठकों के द्वारा खोजी जाने वाली साइट के रूप में पहचाना है। यह भी उल्लेखनीय है कि प्रत्येक दिन लगभग 5000 लोग इस वेबसाइट पर आते हैं। इसे प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे शुक्रवार को अद्यतन किया जाता है। इसे पढ़ने के लिए, शोध के लिए, संदर्भ सामग्री के रूप में और जानकारी खोजने के लिए प्रयुक्त किया जाता है।

**सॉफ्टवेयर** : ऐसा माना जाता है कि हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसका कम्प्यूटर पर प्रयोग करना कठिन है क्योंकि इसे सहयोग कर पाने वाले सॉफ्टवेयरों का अभाव है जो कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने को सरल कर सके। इस दिशा में योगदान करते हुए विश्वविद्यालय ने कुछ सॉफ्टवेयरों का विकास किया है। इसके उदाहरण यहां दिए जा रहे हैं–

- सक्षम, हिंदी वर्तनी जाँचक
- आई ब्राउजर पहला इण्टरनेट एक्सप्लोरर, जिसे लिम्का रिकॉर्ड बुक में दर्ज किया गया है।
- आचार्य, हिंदी व्याकरण जाँचक
- कुशल, हिंदी अक्षर जाँचक
- प्रखर, देवनागरी फॉण्ट परिवर्तक
- यूनीदेव, यूनीकोड फॉण्ट परिवर्तक

### ख. ईपीजी पाठशाला

वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा परास्नातक स्तर पर हिंदी साहित्य के शिक्षण के लिए 280 ई–अधिगम मॉड्यूल बनाए जा रहे हैं। यह परियोजना पूर्ण होने वाली है। हिंदी अध्ययन के लिए ई–प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय की एक और उपलब्धि होगी

### स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय

विश्वविद्यालय की एक विशेषता स्वामी सहजानन्द सरस्वती संग्रहालय है जहाँ हिंदी के लब्ध–प्रतिष्ठ साहित्यकारों की रचना सामग्री, पत्र, पांडुलिपियां आदि सुरक्षित हैं। अभी यह संग्रहालय अकादमिक भवन में अस्थाई रूप से चल रहा है। इस संग्रहालय के भवन के निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ लेकिन वित्ताभाव में पूर्ण नहीं हो सका। इस भवन की प्रस्तावित लागत रुपये 12 करोड़ है। विद्यार्थियों, शोधर्थियों और आमजन के लिए उपयोगी इस भवन को पूर्ण करने के लिए भी वित्त की आवश्यकता है।

**लीला** :

इस विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण विभाग–लीला (Laboratory in Informatics For the Liberal Arts) है जो इस

शताब्दी की विश्वव्यवस्था में सामान्य और शिक्षा क्षेत्र में विशेष सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की केंद्रीय उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने अभिकलन से प्रगाढ़ व्यावहारिक परिचय को अनिवार्य पाठ्यचर्या के रूप में अपनी पाठसंहिता के अंतर्गत रखा है। भारत का यह ऐसा पहला विश्वविद्यालय है जहाँ इस परिकल्पना को साकार किया गया है, यहाँ एम.ए. की डिग्री तभी प्रदान की जाती हैं जब विद्यार्थी कंप्यूटर में भी दक्ष हों और साथ ही भारतीय व विदेशी भाषा का ज्ञान हो जाए।

**विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र** : विश्वविद्यालय द्वारा अकादमिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए 5 क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया, जिसके अनुपालन में सर्वप्रथम कोलकाता एवं इलाहाबाद में क्षेत्रीय केंद्र खोले गए।

**दूर शिक्षा निदेशालय** : विश्वविद्यालय का दूर शिक्षा निदेशालय सक्रियता से कार्य कर रहा है। दूरस्थ माध्यम से विश्वविद्यालय में 13 पाठ्यक्रम संचालित हैं, जिसमें स्नातक, परास्नातक, सामान्य तथा प्रबंधन विषयों के पाठ्यक्रम शामिल हैं।

विश्वविद्यालय ने अपने परिवेश के सामाजिक–सांस्कृतिक जीवन को प्रभावित करने के लिए प्रयास किया है। सामाजिक कार्य से जुड़े कई सांस्कृतिक, शैक्षणिक, साहित्यिक कार्यक्रम यहाँ नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के साथ विश्वविद्यालय के सामान्य कर्मियों की नियमित भागीदारी रहती है। विश्वविद्यालय ने साहित्य, नागरिक जीवन और अकादमिक क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान करने वाले भारतवंशियों को डी. लिट्. की मानद उपाधि से सम्मानित किया है। इसी क्रम में 2008 में मॉरीशस की विशिष्ट साहित्यिक विभूति श्री अभिमन्यु अनत और 2009 में मॉरीशस के राष्ट्रपति सर अनिरुद्ध जगन्नाथ को इन उपाधियों से सम्मानित किया गया था।

विश्वविद्यालय का शिकायत निवारण प्रकोष्ठ विद्यार्थियों और कर्मियों की जरूरतों को पूरा करता है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को रोजगार संबंधी मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराता है साथ ही विशिष्ट कौशलों का प्रशिक्षण भी देता है। विश्वविद्यालय का परिसर एक पर्यावरण–मित्र परिसर है। यह विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उपयुक्त कौशल के साथ नेतृत्व की भूमिका में प्रशिक्षित करने के लिए प्रयत्नशील है। वह समाज के विकास के लिए विद्यार्थियों में योग्य मानवीय संसाधन का विकास कर उनकी प्रतिभाओं को निखारेगा।

विश्वविद्यालय का वर्ष 2015–16 का वार्षिक प्रतिवेदन और लेखा प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष का अनुभव हो रहा है। इसमें विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों और उपलब्धियों का विवरण सम्मिलित किया गया है। इसे तैयार करने में डॉ. अमित विश्वास ने विशेष प्रयास किया है, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। आशा है यह विवरण विश्वविद्यालय की गतिविधियों से न केवल परिचित कराने में सहायक होगा, बल्कि विश्वविद्यालय की यात्रा को भी रेखांकित करेगा और भविष्य की योजनाओं के लिए भी प्रेरणादायी होगा।

**प्रो. गिरीश्वर मिश्र**
कुलपति

# प्रख्यात आगंतुक

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्राथमिक सरोकारों में से महत्वपूर्ण यह है कि पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और पाठ्यसामग्री को नई शताब्दी की चुनौतियों और प्रश्नाकुलता के अनुरूप अद्यतन करते हुए इस क्षेत्र में नए विकल्पों को ज्ञात कर विकसित और विन्यस्त किया जाए। यह विश्वविद्यालय युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं के अनुरूप पारंपरिक पाठ्यक्रमों से इतर ज्ञान के विविध अनुशासनों में शोध एवं मूल्यपरक शिक्षा को वरीयता देता है, इसलिए यहाँ अध्ययन–अध्यापन और अनुसंधान के क्षेत्रों में नई प्रविधि विकसित करने के उद्देश्य से विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञों से रू–ब–रू भी कराया जाता है। अपनी अवधारणा के मुताबिक विश्वविद्यालय ने अपने–अपने क्षेत्र के अनेक विद्वानों और जीवंत प्रतिभाओं से खुद को जोड़ा है। वर्ष 2015–16 में अध्ययन–अध्यापन के लिए विभिन्न अनुशासनों के शैक्षिक आयोजनों में अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने विश्वविद्यालय में उपस्थित हो कर यहाँ के अकादमिक परिवेश को समृद्ध किया।

1. प्रो. सुखदेव थोरात
2. पद्मश्री शोभना नारायण
3. प्रो. केदारनाथ सिंह
4. श्री टी.बी. सुब्बाराव
5. डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
6. प्रो. विमल थोरात
7. प्रो. नंदकिशोर आचार्य
8. श्री जियांग जिंगकुई
9. डॉ. इंदिरा गाजिएवा
10. प्रो. अच्युतानंद मिश्र
11. प्रो. रामशरण जोशी
12. प्रो. निर्मला जैन
13. प्रो. मानसिंह परमार
14. श्री एलेक्जांडर
15. प्रो. आनंद प्रकाश
16. श्री नवनीत मिश्र
17. प्रो. वेदप्रकाश मिश्र
18. श्रीमती छाया पाटील
19. श्री राजेंद्र उपाध्याय
20. श्री विजय कुमार मल्होत्रा
21. प्रो. यशोधारा मिश्रा
22. प्रो. एन. सुन्दरम
23. श्री जयराम फगरे
24. सुश्री चंदन तिवारी
25. प्रो. के.के. गोस्वामी
26. डॉ. दामोदर खडसे
27. प्रो. राममोहन पाठक
28. डॉ. उल्हास जाजू
29. श्री बसंत भाई
30. प्रो. दूधनाथ सिंह

## सांविधिक अधिकारी

| | | |
|---|---|---|
| श्री प्रणब मुखर्जी | : | कुलाध्यक्ष |
| प्रो. कपिल कपूर | : | कुलाधिपति |
| प्रो. गिरीश्वर मिश्र | : | कुलपति |
| प्रो. चित्तरंजन मिश्र | : | समकुलपति |
| प्रो. सूरज प्रसाद पालीवाल | : | कुलानुशासक |
| प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल | : | संकायाध्यक्ष (भाषा विद्यापीठ) |
| प्रो. कृष्ण कुमार सिंह | : | संकायाध्यक्ष (साहित्य विद्यापीठ) |
| प्रो. एल. कारूण्यकरा | : | संकायाध्यक्ष (संस्कृति विद्यापीठ) |
| प्रो. चित्तरंजन मिश्र | : | संकायाध्यक्ष (अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ) |
| प्रो. मनोज कुमार | : | संकायाध्यक्ष (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ) |
| प्रो. अरबिंद कुमार झा | : | संकायाध्यक्ष (शिक्षा विद्यापीठ) तथा (प्रबंधन विद्यापीठ) |
| डॉ. मैत्रेयी घोष | : | पुस्तकालयाध्यक्ष |
| श्री पी. सरदार सिंह | : | वित्ताधिकारी |
| डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र | : | कुलसचिव |

# सांविधिक निकाय

## कार्य परिषद

कार्य परिषद विश्वविद्यालय के प्रबंध एवं प्रशासन का सर्वोच्च निकाय है, जिसे कुलाध्यक्ष की अनुमति से परिनियम बनाने की शक्ति प्राप्त है। विनियम विश्वविद्यालय की प्राधिकृत संस्था द्वारा परिनियम एवं अध्यादेश को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं। प्रत्येक परिनियम, अध्यादेश एवं विनियम संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत किए जाते हैं और भारत के राजपत्र में प्रकाशित होते हैं।

## कार्य परिषद के सदस्य –

| | | |
|---|---|---|
| 1 | प्रो. गिरीश्वर मिश्र | कुलपति एवं अध्यक्ष |
| 2 | प्रो. चित्तरंजन मिश्र | समकुलपति एवं सदस्य |
| 3 | प्रो. अनंत राम त्रिपाठी | सदस्य |
| 4 | प्रो. निर्मला जैन | सदस्य |
| 5 | प्रो. एस. तंकमणि अम्मा | सदस्य |
| 6 | प्रो. सुधीश पचौरी | सदस्य |
| 7 | प्रो. सदानंद शाही | सदस्य |
| 8 | प्रो. राजीव संगल | सदस्य |
| 9 | श्री रविंद्र कालिया | सदस्य |
| 10 | प्रो. मनोज कुमार | सदस्य |
| 11 | प्रो. अनिल कुमार राय | सदस्य (01.07.2015 तक) |
| 12 | प्रो. एल. कारूण्यकरा | सदस्य (06.01.2016 तक) |
| 13 | प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल | सदस्य (31.07.2015 से 06.01.2016तक) |
| 14 | प्रो. अरबिंद कुमार झा | सदस्य (15.02.2016 से) |
| 15 | प्रो. कृष्ण कुमार सिंह | सदस्य (15.02.2016 से) |
| 16 | डॉ. अन्नपूर्णा चर्ल | सदस्य |
| 17 | डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी | सदस्य |
| 18 | डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र | कुलसचिव एवं पदेन सचिव |

कार्य परिषद की 54वीं बैठक 30 जून, 2015 को तथा 55वीं बैठक 19 दिसंबर, 2015 को संपन्न हुई।

## विद्या परिषद

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. गिरीश्वर मिश्र<br>कुलपति एवं अध्यक्ष | महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा |
| 2. | प्रो. चित्तरंजन मिश्र<br>समकुलपति एवं सदस्य | अधिष्ठाता : अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा |
| 3. | प्रो. मनोज कुमार, सदस्य | अधिष्ठाता : मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ /<br>निदेशक : म.गां. फ्यू. गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र,<br>म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 4. | प्रो. एल. कारूण्यकरा, सदस्य | अधिष्ठाता : संस्कृति विद्यापीठ / निदेशक : डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर<br>सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 5. | प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, सदस्य | अधिष्ठाता : साहित्य विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 6. | प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, सदस्य | अधिष्ठाता : भाषा विद्यापीठ / विभागाध्यक्ष, भाषा अध्ययन विभाग /<br>निदेशक, भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 7. | प्रो. अरबिंद कुमार झा, सदस्य | अधिष्ठाता : शिक्षा विद्यापीठ / प्रबंधन विद्यापीठ / विभागाध्यक्ष, शिक्षा<br>विभाग तथा वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 8. | प्रो. अनिल कुमार राय, सदस्य | अधिष्ठाता : विद्यार्थी कल्याण / निदेशक, संचार एवं मीडिया अध्ययन<br>केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 9. | प्रो. सूरज प्रसाद पालीवाल, सदस्य | कुलानुशासक / विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग,<br>म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 10. | प्रो. सुरेश शर्मा, सदस्य | विभागाध्यक्ष, नाट्यकला एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग,<br>म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 11. | प्रो. विजय कुमार कौल, सदस्य | विभागाध्यक्ष, कंप्यूटेशनल भाषा विज्ञान विभाग /<br>निदेशक, प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 12. | प्रो. देवराज, सदस्य | विभागाध्यक्ष, अनुवाद अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 13. | प्रो. नपेंद्र प्रसाद मोदी, सदस्य | विभागाध्यक्ष, विकास एवं शाति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 14. | डॉ. फरहद मलिक, सदस्य | विभागाध्यक्ष, मानवविज्ञान विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 15. | डॉ. सुप्रिया पाठक, सदस्य | प्रभारी विभागाध्यक्ष, स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा |
| 16. | डॉ. राजीव रंजन राय, सदस्य | विभागाध्यक्ष, प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग,<br>म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 17. | डॉ. सुरजीत कुमार सिंह, सदस्य | प्रभारी निदेशक, डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र,<br>म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 18. | प्रो. संतोष कुमार भदौरिया, सदस्य | प्रोफेसर, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, |
| 19. | प्रो. शंभु गुप्त, सदस्य | प्रोफेसर, स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 20. | डॉ. अन्नपूर्णा चर्ल, सदस्य | एसाशिएट प्रोफेसर, अनुवाद अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 21. | डॉ. प्रीति सागर, सदस्य | एसोशिएट प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग,<br>म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 22. | डॉ. रविंद्र तु. बोरकर, सदस्य | क्षेत्रीय निदेशक / एसोशिएट प्रोफेसर, दूर शिक्षा निदेशालय,<br>म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा |
| 23. | डॉ. शोभा पालीवाल, सदस्य | एसोशिएट प्रोफेसर / अकादमिक संयोजक, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 24. | श्री पीयूष प्रताप सिंह, सदस्य | सहायक प्रोफेसर, प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 25. | डॉ. धरवेश कठेरिया, सदस्य | सहायक प्रोफेसर, प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 26. | डॉ. अवंतिका शुक्ला, सदस्य | सहायक प्रोफेसर, स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 27. | डॉ. शंभू जोशी, सदस्य | सहायक प्रोफेसर, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 28. | डॉ. मैत्रेयी घोष, सदस्य | पुस्तकालयाध्यक्ष, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |
| 29. | प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, सदस्य | प्रोफेसर, शिक्षा मनोविज्ञान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण,<br>श्री अरविंदो मार्ग, नई दिल्ली। |
| 30. | श्री लीलाधर मंडलोई, सदस्य | निदेशक, भारतीय ज्ञानपीठ, 18 इंस्टीट्यूशनल एरिया,<br>पोस्ट बॉक्स नं. 3113, लोधी रोड, नई दिल्ली |
| 31. | प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, सदस्य | साहित्यिकी, डी–54, निराला नगर, लखनऊ |
| 32. | श्रीमती चित्रा मुद्गल, सदस्य | जी–57, मेघा अपार्टमेंट्स, मयूर विहार, फ़ेज–1, नई दिल्ली |
| 33. | श्री सुनील फरसोले, सदस्य | बुनियादी तालीम समिति, सेवाग्राम |
| 34. | सुश्री अर्चना थूल, सदस्य | सहायक प्रोफेसर, भाषाविज्ञान विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय,<br>एम.जी. रोड, फोर्ट, मुंबई |
| 35. | श्री रजनीश अग्रहरि, सदस्य | विद्यार्थी प्रतिनिधि, शोधार्थी, शिक्षा विद्यापीठ |
| 36. | सुश्री रजनी झा, सदस्य | विद्यार्थी प्रतिनिधि, साहित्य विद्यापीठ |
| 37. | डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, पदेन सचिव | कुलसचिव, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा |

विद्या परिषद की 23 वीं बैठक 23 जून, 2015 को संपन्न हुई।

| क्र. | विभाग | गठन की तिथि | बैठक की तिथि | बाह्य विशेषज्ञ |
|---|---|---|---|---|
| 1. | भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग | 05.05.2015 | 11.03.2016 | प्रो. के. एल. वर्मा, रायपुर<br>डॉ. राम भावसार, उतर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव |
| 2. | कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग | 10.11.2014 | 17.06.2015 | डॉ. राम भावसार<br>प्रो. विनीत चैतन्य |
| 3. | हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग | 28.10.2014 | 14.11.2014<br>18.06.2015 | प्रो. अनंत मिश्र<br>प्रो. वीणा दाढे, नागपुर |
| 4. | विकास एवं शांति अध्ययन विभाग | 13.02.2013 | 29.07.2015 | प्रो.सुबोध नारायण मालाकार, जे.एन.यू, नई दिल्ली<br>प्रो. पुष्पा मोतियानी, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद,<br>डॉ. एम.एल. कासारे, यशवंत महाविद्यालय, वर्धा |
| 5. | स्त्री अध्ययन विभाग | 07.10.2014 | 16.06.2015<br>27.01.2016 | प्रो. आशा शुक्ला, भोपाल<br>डॉ. कुसुम त्रिपाठी, मुंबई |
| 6. | डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो–कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र | 23.09.2014 | 16.06.2015 | प्रो. प्रदीप आगलावे<br>डॉ. के. वाई. रत्नम |
| 7. | डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र | 08.05.2015 | 19.06.2015<br>11.03.2016 | प्रो. एम. एल. कासारे<br>प्रो. भाऊ लोखंडे<br>श्री विश्वेश्वर महादेव हाडके |
| 8. | अनुवाद अध्ययन विभाग | 20.03.2015 | 15–16 अप्रैल, 2015 | प्रो. के. नारायण मूर्ति, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद<br>डॉ. जगदीश शर्मा, इग्नू, नई दिल्ली |
| 9. | जनसंचार विभाग | 28.10.2014 | 18.06.2015 | प्रो. डी.के.पोखरापुरकर, पुणे<br>श्री पंकज नयन पाण्डेय, रायपुर |
| 10. | महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र | 23.09.2014 | 15.06.2015<br>02.03.2016 | प्रो. एस.एन.चौधरी<br>प्रो. प्रदीप देशमुख |
| 11. | मानवविज्ञान विभाग | 31.10.2014 | 18.04.2016 | प्रो.पी.सी. जोशी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली<br>प्रो. अरूण कुमार, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर |
| 12. | प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं नाटक) विभाग | | 17.12.2015 | श्री योगेश्वर गंधे, पुणे<br>डॉ. जयंत शेवतेकर, औरंगाबाद |
| 13. | शिक्षा विभाग | 22.05.2015 | 17.06.2015 | प्रो. वी. एस. शुक्ला<br>प्रो. भारती बावेजा |
| 14. | मनोविज्ञान विभाग | 11.07.2014 | 17.06.2014 | प्रो. के.एन. त्रिपाठी, बरकतुल्लाह वि.वि., भोपाल |
| | | | | |

## वित्त समिति

1. प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति एवं अध्यक्ष

सदस्य

2. प्रो. चित्तरंजन मिश्र, समकुलपति

3. संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

4. संयुक्त सचिव (के.वि. एवं भाषा)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

5. संयुक्त सचिव (के.वि.)
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
   बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली

6. डॉ. अनंतराम त्रिपाठी
   प्रधान मंत्री, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति
   हिंद नगर, वर्धा

7. डॉ. अब्दुल बारी अब्दुल अज़ीज़
   प्रधानाध्यापक
   जी.एस. कॉलेज ऑफ कॉमर्स
   सिविल लाइंस, वर्धा

8. श्री अनंत जी. गोडबोले
   28, धर्मपेठ हाउसिंग सोसायटी लेआऊट
   दीनदयाल नगर, नागपुर

9. श्री पी. सरदार सिंह
   वित्ताधिकारी एवं पदेन सचिव

वित्त समिति की 25 वीं बैठक 05.06.2015 को तथा 26 वीं बैठक 24.07.2015 को संपन्न हुई।

## भवन निर्माण समिति

1. प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति एवं अध्यक्ष
   म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

सदस्य

2. प्रो. चित्तरंजन मिश्र, समकुलपति
   म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

3. प्रो. अरबिंद कुमार झा
   म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
   अधिष्ठाता : योजना

4. श्री पी. एस. सिंह
   म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
   वित्ताधिकारी

5. श्री सचिन एस. लाम्बे
   प्लॉट नं. 44–45, राजेंद्र नगर, हिंगना रोड,
   नागपुर–440036
   (पी.एम.सी.)

6. प्रो. आर.जी. बैस
   वरिष्ठ प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग,
   बापूराव देशमुख कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग,
   सेवाग्राम, वर्धा

7. अधीक्षण अभियंता
   (केंद्रीय लोक निर्माण विभाग)
   सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, सेमिनरी हिल्स, नागपुर

8. डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र
   कुलसचिव एवं पदेन सचिव
   म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

भवन निर्माण समिति की 27 वीं बैठक 03 जून, 2015, 28 वीं बैठक 03 दिसंबर, 2015 तथा 29 वीं बैठक 03 फरवरी, 2016 को संपन्न हुई।

# स्कूल–बोर्ड

| क्र. | विद्यापीठ | गठन | बाह्य विशेषज्ञ |
|---|---|---|---|
| 1. | भाषा विद्यापीठ | 10.09.2013 | प्रो. अरुण चतुर्वेदी, आगरा<br>प्रो. एम. वेंकटेश्वर, हैदराबाद |
| 2. | साहित्य विद्यापीठ | 01.12.2014 | प्रो. आर.एस. सर्राजु, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद<br>प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर |
| 3. | संस्कृति विद्यापीठ | 29.08.2013 | प्रो. मैत्रेयी चौधरी, जे.एन.यू., दिल्ली<br>श्रीमती इंदू अग्निहोत्री, सीडब्ल्यूडीएस, दिल्ली |
| 4. | अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ | 02.05.2013 | प्रो. पी.सी. जैन, जेएनयू, दिल्ली<br>प्रो. हेमंत दरबारी, सी–डैक, पुणे |
| 5. | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ | 28.10.2014 | प्रो. पी.बी. सेनगुप्ता<br>प्रो. शम्सुल इस्लाम |
| 6. | सृजन विद्यापीठ | 30.01.2013 | प्रो. सचिन तिवारी, इलाहाबाद<br>प्रो. संस्कार देसाई, मुंबई |
| 7. | शिक्षा विद्यापीठ | 22.05.2014 | प्रो. वी.एस. शुक्ल, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा<br>प्रो. भारती बावेजा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली |

| विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष / केंद्र निदेशक / प्रभारी | |
|---|---|
| विभागाध्यक्ष : भाषा अध्ययन विभाग | प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल |
| विभागाध्यक्ष : कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग | प्रो. विजय कुमार कौल |
| निदेशक : भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र | प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल |
| प्रभारी : विदेशी शिक्षण प्रकोष्ठ | प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल |
| विभागाध्यक्ष : हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग | प्रो. कृष्ण कुमार सिंह |
| विभागाध्यक्ष : विकास एवं शांति अध्ययन विभाग | डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी |
| प्रभारी विभागाध्यक्ष : स्त्री अध्ययन विभाग | डॉ. सुप्रिया पाठक |
| निदेशक : डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर–सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र | प्रो. एल. कारूण्यकरा |
| निदेशक : महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र | प्रो. मनोज कुमार |
| प्रभारी निदेशक : डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र | डॉ. सुरजीत कुमार सिंह |
| विभागाध्यक्ष : अनुवाद अध्ययन विभाग | प्रो. देवराज |
| प्रभारी विभागाध्यक्ष : डायस्पोरा अध्ययन विभाग | डॉ. राजीव रंजन राय |
| निदेशक : जनसंचार विभाग | प्रो. अनिल कुमार राय |
| विभागाध्यक्ष : मानवविज्ञान विभाग | डॉ. फरहद मलिक |
| विभागाध्यक्ष : नाट्यकला एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग तथा भारतीय तथा पाश्चात्य कला एवं सौंदर्य शास्त्र का केंद्र | प्रो. सुरेश शर्मा |
| विभागाध्यक्ष : शिक्षा विभाग | प्रो. अरबिंद कुमार झा |
| निदेशक : नेहरू अध्ययन केंद्र | प्रो. अरबिंद कुमार झा |
| निदेशक : अंबेडकर अध्ययन केंद्र | प्रो. मनोज कुमार |
| प्रभारी विभागाध्यक्ष : मनोविज्ञान विभाग | डॉ. अरूण प्रताप सिंह |
| विभागाध्यक्ष : प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग | प्रो. अरबिंद कुमार झा |
| निदेशक : दूर शिक्षा निदेशालय | प्रो. अरबिंद कुमार झा |
| प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद | प्रो. संतोष कुमार भदौरिया |
| प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता | डॉ. कृपाशंकर चौबे |
| प्रभारी, लीला | श्री गिरीश चन्द्र पांडेय |
| प्रभारी, परीक्षा | श्री कौशल किशोर त्रिपाठी |

| विभिन्न समितियों के संयोजक/समन्वयक/अधिकारी | |
|---|---|
| प्रभारी/संयोजक | समितियाँ |
| प्रो. गिरीश्वर मिश्र | कुलपति एवं अध्यक्ष नवाचार क्लब/आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकाष्ठ/पुस्तकालय सलाहकार समिति/रैंगिंग विरोधी समिति |
| प्रो. चित्तरंजन मिश्र | पारदर्शिता अधिकारी/अध्यक्ष, अनुपयोगी वस्तुओं की नीलामी हेतु समिति |
| प्रो. मनोज कुमार | समन्वयक, सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ/विश्वविद्यालय उद्योग प्रकोष्ठ लायजन ऑफिसर, अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ |
| प्रो. सूरज प्रसाद पालीवाल | समन्वयक, शिकायत निवारण प्रकोष्ठ/अध्यक्ष, सौंदर्यीकरण एवं परिसर स्वच्छता समिति/स्वास्थ्य समिति/नोडल अधिकारी, रैंगिंग विरोधी दल |
| प्रो. के.के. सिंह | अध्यक्ष, प्रवेश समिति |
| प्रो. अनिल कुमार राय | समन्वयक, सूचना प्रौद्योगिकी नीति मसौदा समिति/अध्यक्ष, सामुदायिक महाविद्यालय परियोजना |
| डॉ. रूपेश कुमार सिंह | समन्वयक, आखर अद्यतन/अधीक्षक, भगत सिंह छात्रावास |
| प्रो. अरबिंद कुमार झा | समन्वयक, उपचारात्मक कोचिंग |
| प्रो. विजय कुमार कौल | प्रभारी, खेल समिति/समन्वयक, ज्ञान प्रकोष्ठ |
| प्रो. सुरेश शर्मा | सहपाठ्यक्रम एवं सामाजिक–सांस्कृतिक गतिविधि प्रकोष्ठ, प्रभारी, स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय |
| डॉ. रवि कुमार | समन्वयक, ज्ञान प्रबंधन पॉलिसी निर्माण समिति |
| श्री अनिर्वाण घोष | समन्वयक, व्यवसाय परामर्श, रोज़गार सूचना एवं नियोजन प्रकोष्ठ/पर्यावरण क्लब/ अधीक्षक, फादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास |
| डॉ. अन्नपूर्ण सी. | समन्वयक, महिला उत्पीड़न के विरुद्ध समिति |
| डॉ. उमश कुमार सिंह | संयोजक, समान अवसर प्रकोष्ठ |
| डॉ. सुप्रिया पाठक | समन्वयक, जेंडर संवेदनशीलता समिति |
| डॉ. अवंतिका शुक्ला | प्रभारी, वाद–विवाद प्रकोष्ठ, वार्डन, सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास |
| डॉ. शंभू जोशी | पूर्व छात्र संघ एवं पालक संचार प्रकोष्ठ/अधीक्षक, गोरख पांडेय छात्रावास |
| डॉ. अशोनाथ त्रिपाठी | प्रतियोगी परीक्षाओं एवं नेट/सेट के लिए अनुशिक्षण कक्षाएँ तथा व्यवसायोन्नति प्रकोष्ठ |
| श्री राजेश कुमार यादव | राजभाषा समिति/न.रा.का.स./हिंदी विश्व ब्लॉग/प्रकाशन प्रभारी |
| श्री. राकेश श्रीमाल | संयोजक, वर्धा संस्कार प्रकोष्ठ |
| डॉ. निशीथ राय | उत्पाद विकास सेल |
| श्री कौशल किशोर त्रिपाठी | |
| श्री जगदीप सिंह दांगी | तकनीकी प्रबंधन दल |
| श्री अंजनी कुमार राय | |
| श्री गिरीश चन्द्र पांडेय | |
| श्री अरविंद कुमार | |
| श्री नरेंद्र सिंह | विशेष कर्तव्य अधिकारी/प्रभारी, नागार्जुन सराय अतिथि गृह |
| डॉ. धूपनाथ प्रसाद | अधीक्षक, बिरसा मुण्डा छात्रावास |

# विदेशियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रमुख दायित्वों में से एक हिंदी को विश्वभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करना भी है। अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी के विकास के लिए केंद्रीय और समन्वयक अभिकरण के रूप में कार्य करने के लिए भी विश्वविद्यालय निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय ने सौपें गए और अपेक्षित दायित्वों को पूरा करने के लिए विदेशी शिक्षण प्रकोष्ठ की स्थापना की है। यह प्रकोष्ठ विदेशी विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों का संचालन, प्रबंधन, नियमन और शिक्षण करता है। अब तक इन पाठ्यक्रमों में यूरोप, अमेरिका और एशिया के विभिन्न देशों– जर्मनी, पोलैंड, बेल्जियम, क्रोएशिया, हंगरी, श्रीलंका, थाईलैंड, मॉरिशस, चीन, मलेशिया, जापान, सिंगापुर, नेपाल, कोरिया, यू.एस.ए. आदि के विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर चुकें हैं। विश्वविद्यालय ने विभिन्न महाद्वीपों के 11 देशों के विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक अनुबंध किया है। ये देश हैं –श्रीलंका, हंगरी, मॉरिशस, जापान, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, रूस, चीन।

**संचालित पाठ्यक्रम :–**

| क्र. | पाठ्यक्रम का नाम | अवधि | लक्ष्य / पात्रता |
|---|---|---|---|
| 1 | आधार पाठ्यक्रम | 4 सप्ताह | ऐसे विदेशी विद्यार्थी जिनका हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि से कोई परिचय नहीं है। |
| 2 | अल्पावधि गहन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम | 4 सप्ताह | ऐसे विदेशी विद्यार्थी जिन्होंने कम–से–कम एक सेमेस्टर का हिंदी पाठ्यक्रम पूरा किया है । |
| 3 | प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम | 12 सप्ताह (3 माह) | उन विदेशी विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम का शिक्षण जिनके साथ विश्वविद्यालय का अनुबंध है। |
| 4 | डिप्लोमा पाठ्यक्रम | 2 सेमेस्टर (कोई विद्यार्थी 1 सेमेस्टर की पढ़ाई के बाद प्रमाणपत्र लेकर पाठ्यक्रम छोड़ सकता है।) | हिंदी भाषा से सामान्य परिचय अथवा 4 सप्ताह का आधार पाठ्यक्रम |
| 5 | बी.ए. हिंदी : भाषा, साहित्य और संस्कृति | 6 सेमेस्टर | 10+2 और / डिप्लोमा पाठ्यक्रम |
| 6 | एम.ए. हिंदी | 4 सेमेस्टर | बी. ए. हिंदी : भाषा, साहित्य और संस्कृति |
| 7 | पीएच.डी. | 4–10 सेमेस्टर | संबद्ध विषय में 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि अथवा समतुल्य |

**शुल्क** : US $ 300 प्रतिमाह (शिक्षण शुल्क, छात्रावास, भोजन, बिजली, इंटरनेट और व्यायामशाला / जिम की सुविधाएँ सम्मिलित)।

**सुविधाएँ** : फ़ादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास (वातानुकूलित) में आवासीय सुविधा, वातानुकूलित व्याख्यान कक्ष, कंप्यूटर प्रयोगशाला, आइसीटी कक्ष एवं भाषा प्रयोगशाला, इंटरनेट (वाई–फाई), व्यायामशाला एवं क्रीड़ा–स्थल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, छात्र–मित्र।

## आवासीय लेखक (राइटर-इन-रेजीडेंस)

विश्वविद्यालय में एक अनूठी संकल्पना के तहत 'राइटर–इन–रेजीडेंस' का पद सृजित किया गया है, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर में अकादमिक और सांस्कृतिक वातावरण को विकसित करना है। प्रभात त्रिपाठी पहले आवासीय लेखक (राइटर–इन–रेजीडेंस) थे। उसके बाद गांधीवादी विचारक प्रो. नन्द किशोर आचार्य, प्रख्यात रंगकर्मी हबीब तनवीर, आलोक धन्वा, राजकिशोर, से.रा. यात्री, सुरेश शर्मा, विजय मोहन सिंह, संजीव, विनोद कुमार शुक्ल, दूधनाथ सिंह, ऋतुराज, प्रो. वागीश शुक्ल, मदन सोनी और डॉ. अरुणेश नीरन परिसर में रहते हुए सृजन और अध्ययन करते रहे हैं। विश्वविद्यालय ने तीन नए राइटर–इन–रेजीडेंस प्रो. अजित कुमार दलाल, सुश्री चित्रा मुद्गल, प्रो. रमेश दवे की नियुक्ति की है। यह पद इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विभिन्न अनुशासनों के विद्यार्थी आवासीय लेखकों से मिलकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं, जिससे उन्हें अपने शोध कार्य में मदद मिलती है। आवासीय लेखकों की उपस्थिति से परिसर में संवाद और शैक्षिक वातावरण जीवंत होता है।

### प्रो. अजित कुमार दलाल

मनोविज्ञानी व अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

जन्म : 08 सितंबर, 1950

शिक्षा : एम.ए., पीएच.डी.

कृतियाँ : Health Briefs and Coping with Chronic Diseases, Qualitative Research on Well-Being and Self-Growth : Contemporary Indian Perspectives, New Direction in Health Psychology, Handbook of Indian Psychology, Social Dimension of Health and Well-Being, Introduction to Psychology (Part II), New Directions in Indian Psychology (vol.1) : Social Psychology, The Mind Matters : Disability Attitudes and Community Rehabilitation, Psychology for Better Living, Human Resources Development : Psychological perspectives, Attribution Theory and Research etc.

सम्मान : फूलब्राइट सीनियर रिसर्च फैलोशिप, यूजीसी कैरियर अवार्ड, रॉकफेलर फाउंडेशन अवार्ड आदि।

संपर्क :
94 अशोक नगर,
उदयपुर–313001 (राजस्थान)
मो. : 9559432340
ई–मेल : ajitkdalal@gmail.com

### सुश्री चित्रा मुद्गल

(कथाकार एवं स्त्री विमर्शकार)

जन्म : 10 दिसंबर, 1944

शिक्षा : एम.ए., पीएच.डी.

कृतियाँ : उपन्यास– एक जमीन अपनी, आवां, गिलिगडु, कहानी संग्रह– भूख, जहर ठहरा हुआ, लाक्षाग्रह, अपनी वापसी, इस हमाम में, ग्यारह लंबी कहानियाँ, जिनावर, लपटें, जगदंबा बाबू गाँव आ रहे हैं, मामला आगे बढ़ेगा अभी, केंचुल, आदि–अनादि, लघुकथा संकलन–बयान, कथात्मक रिपोर्ताज– तहखानों मे बंद, लेख– बयार उनकी मुठ्ठी में, बाल उपन्यास–जीवक, माधवी कन्नगी, मणिमेख, बालकथा संग्रह– दूर के ढोल, सूझ बूझ, देश–देश की लोक कथाएँ, नवसाक्षरों के लिए– जंगल, नाट्य रूपांतर– पंच परमेश्वर तथा अन्य नाटक, सद्गति तथा अन्य नाटक, बूढ़ी काकी तथा अन्य नाटक।

सम्मान : व्यास सम्मान, इंदु शर्मा कथा सम्मान, साहित्य भूषण, वीर सिंह देव सम्मान।

संपर्क :
जी. 57, मेधा अपार्टमेंट्स, मयूर विहार फेज 1 एक्सटेंशन, दिल्ली–110091
फोन. : 011–22711371, मो. 9873123237
ई–मेल : mail@chitramudgal.info

### प्रो. रमेश दवे

(शिक्षाविद् एवं कथाकार)

जन्म : 07 नवंबर, 1935

शिक्षा : एम.ए.

कृतियाँ : कहानी एवं उपन्यास– देह दीक्षा, प्रेम चन्द की रुह, रोम का रोमांच, प्रश्न युग, सुगंध के हाथ, आलोचना– समकालीन अफ्रीकी साहित्य, समकालीन रचना और विचार, कृश्ण बलदेव : गल्प का विकल्प, आलोचना समय और साहित्य, आलोचना : अंत का आरंभ, आलोचना की उत्तर परंपरा, बाल साहित्य– बच्चा–बच्चा गाए, कुलबुली कूकी, नाटक– एक नहीं था अफलातून, सुल्तान अहमद का हुक्मनामा, चीख आदि।

सम्मान : नंददुलारे वाजपेयी आलोचना सम्मान, म.प्र.सा. अकादमी, शताब्दी संदर्भ सारस्वत सम्मान आदि।

संपर्क :
एस.एच. 19, ब्लॉक–8, सहयाद्रि परिसर, भदभदा रोड, दुष्यंत कुमार त्यागी मार्ग, भोपाल–462003 (म.प्र.)
फोन : 0755–2777048
मो. 9406523071
ई–मेल : rameshdave12@rediffmail.com

# विश्वविद्यालय के विद्यापीठ

## भाषा विद्यापीठ

भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग
भाषाविज्ञान विभाग
प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र
भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र
विदेशी शिक्षण प्रकोष्ठ

## साहित्य विद्यापीठ

हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं नाटक) विभाग

## संस्कृति विद्यापीठ

विकास एवं शांति अध्ययन विभाग
स्त्री अध्ययन विभाग
डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र
डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र

## अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

अनुवाद अध्ययन विभाग
प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग

## मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

जनसंचार विभाग
महात्मा गांधी फ्यूजी–गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र
मानवविज्ञान विभाग

## शिक्षा विद्यापीठ

शिक्षा विभाग
मनोविज्ञान विभाग

## प्रबंधन विद्यापीठ

प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

## विधि विद्यापीठ

(इस विद्यापीठ के अंतर्गत पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने की प्रक्रिया जारी है।)

# 1. भाषा विद्यापीठ

यह विद्यापीठ हिंदी भाषा की प्रभावी कार्यात्मक क्षमता के विकास के प्रति समर्पित है। इस हेतु यह विद्यापीठ हिंदी भाषा के वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी अध्ययन में संलग्न है। यहाँ पर भारतीय भाषाओं के परिप्रेक्ष्य में विशेषतः देश और दुनिया की भाषाओं के साथ तुलनात्मक अध्ययन और शोध पर विशेष कार्य किया जा रहा है। यह विद्यापीठ शोध, शिक्षण और प्रशिक्षण के विविध पाठ्यक्रमों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में हिंदी की प्रभावी भूमिका को रेखांकित करने के साथ विद्यार्थियों के लिए रोज़गार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयत्नशील है।

इस विद्यापीठ के अंतर्गत निम्नलिखित विभाग और केंद्र संचालित हैं :

1.1 भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
1.2 कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग
1.3 भाषाविज्ञान विभाग
1.4 प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र
1.5 भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र
1.6 विदेशी शिक्षण प्रकोष्ठ

## 1.1 भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

इस विभाग के उद्देश्य हैं : 1. भाषा प्रौद्योगिकी के नए उभरते अनुशासन में विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तायुक्त रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करना, 2. हिंदी भाषा का सम्यक विकास तथा अन्य भारतीय एवं विदेशी भाषाओं के साथ संवाद स्थापित करना, 3. उपलब्ध भाषा वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय ज्ञान को हिंदी में प्रस्तुत कर विश्व क्षितिज पर उपस्थित भाषाओं के साथ समकक्षता अर्जित करना, 4. भाषावैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय अनुसंधानों के द्वारा छात्रों को आत्मनिर्भर बनाना और अग्रणी भूमिका के लिए तैयार करना और 5. अद्यतन भाषा प्रौद्यौगिकी से परिचय और हिंदी हेतु उसके अनुप्रयोग का प्रशिक्षण प्रदान करना।

### संचालित पाठ्यक्रम

इस विभाग के अंतर्गत भाषा प्रौद्योगिकी में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. और हिंदी भाषा शिक्षण में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

### प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| हनुमानप्रसाद शुक्ल | प्रोफ़ेसर | 03.01.2013 | पीएच.डी. | महात्मा सर्वेश : जीवन और साहित्य | भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा शिक्षण, भारतीय काव्यशास्त्र, तुलनात्मक साहित्य |
| अनिल कुमार पाण्डेय | सह प्रोफ़ेसर | 15.06.2010 | पीएच.डी. | हिंदी और बंगाली विधेय पदबंध संरचना का व्यतिरेकी विश्लेषण | ध्वनिविज्ञान, रूपविज्ञान, वाक्यविज्ञान |
| एच.ए. हुनगुंद | सहायक प्रोफेसर | 22.12.2006 | पीएच.डी. | डॉ. बालशौर रेड्डीः व्यक्तित्व एवं कृतित्व | भाषा एवं भाषाविज्ञान और अनुवाद |
| अनिल कुमार दुबे | सहायक प्रोफेसर | 27.12.2006 | पीएच.डी. | श्रीलाल शुक्ल के उपन्यास साहित्य का अनुशीलन | रूपविज्ञान भाषाशिक्षण |
| धनजी प्रसाद | सहायक प्रोफेसर | 13.08.2012 | पीएच.डी. | हिंदी संबंधवाची रचनाओं का आर्थी विश्लेषण : एक संगणकीय मॉडल | प्राकृतिक भाषा संसाधन (NLP) रूपविज्ञान, वाक्यविज्ञान, अर्थविज्ञान |

## गतिविधियाँ

1. (05 अक्टूबर, 2015). प्रो.रामबख्श मिश्र का 'क्षेत्रकार्यपरक भाषावैज्ञानिक शोध प्रविधि' विषय पर विशेष व्याख्यान।
2. (07 अक्टूबर, 2015). प्रो.रामबख्श मिश्र का 'समाज भाषावैज्ञानिक शोध प्रविधि' विषय पर विशेष व्याख्यान।
3. (08 अक्टूबर, 2015). प्रो.ठाकुर दास का 'ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक विश्लेषण' विषय पर विशेष व्याख्यान।
4. (09 अक्टूबर, 2015). प्रो.ठाकुर दास का 'भाषा शिक्षण व्यतिरेकी विश्लेषण और त्रुटि विश्लेषण' विषय पर विशेष व्याख्यान।
5. (16 फरवरी, 2016). डॉ.किशोर वासवानी का 'हिंदी उद्योग' विषय पर विशेष व्याख्यान।
6. (12 मार्च, 2016). डॉ.राम भावसार का 'मशीनी अनुवाद में सांख्यिकी पद्धति' विषय पर विशेष व्याख्यान।

## शोध परियोजनाएँ

डॉ. धनजी प्रसाद, 'हिंदी टैग्ड लघु–कार्पस निर्माण' विषय पर शोध परियोजना पूर्ण, विश्वविद्यालय द्वारा वित्तपोषित।

## संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण

### शुक्ल, हनुमानप्रसाद

– (10–12 सितंबर, 2015). भोपाल में आयोजित 10 वें विश्व हिंदी सम्मेलन में सहभागिता।
– (18–19 सितंबर, 2015). मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर और साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'हिंदी का कथेतर गद्य' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी में रिपोर्ताज' पर व्याख्यान।
– (27–28 अक्टूबर, 2015). राजस्थान विश्वविद्यालय और राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय सौंदर्यशास्त्र विमर्श' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय सौंदर्यशास्त्र' पर वक्तव्य।
– (26 फरवरी, 2016). विश्वविद्यालय के साहित्य विद्यापीठ द्वारा 'मध्यकालीन हिंदी साहित्य का वर्तमान' विषय पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'मध्यकालीन साहित्य का वर्तमान : जायसी कृत पद्मावत का संदर्भ' पर व्याख्यान।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कक्षा व पाठ्यपुस्तकों से परे अधिगम की संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।

### पाण्डेय, अनिल कुमार

– (14 सितंबर, 2015). महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकीकरण संस्थान, वर्धा द्वारा आयोजित हिंदी कार्यशाला में 'हिंदी संरचना' और 'हिंदी की ध्वनि व्यवस्था' विषय पर व्याख्यान।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कक्षा व पाठ्यपुस्तकों से परे अधिगम की संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहअध्यक्षता।
– (19–20 मार्च, 2016). राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरु द्वारा प्रायोजित एवं विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'उच्च शिक्षा का भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य' सत्र की सहअध्यक्षता।

### हुनगुंद, एच. ए.

– (10–12 सितंबर, 2015). भोपाल में आयोजित 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में सहभागिता।
– (15–16 अक्टूबर, 2015). जी.एच.कॉलेज हावेरी, कर्नाटक, यूजीसी, नई दिल्ली तथा शिक्षक संघ, म.गं.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'हिंदी के प्रचार–प्रसार में दक्षिण भारत के साहित्यकारों का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी के प्रचार–प्रसार में डॉ.बालशौरी रेड्डी जी का योगदान' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (4–5 मार्च, 2016). भवन्स विवेकानंद कॉलेज, सैनिकपुरी (सिंकदराबाद) एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में 'बालशौरि रेड्डी : समग्र चिंतन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डॉ. बालशौरि रेड्डी जी का बाल साहित्य एवं उसकी भाषा' शोध पत्र प्रस्तुत।

**दुबे, अनिल कुमार**
– (28 जनवरी, 2016). यशवंत महाविद्यालय द्वारा 'पॉजीटिव साइकोलॉजिकल कैपीटल एण्ड वेल बीइंग' विषय पर आयोजित राज्यस्तरीय कार्यशाला में सहभागिता।
– (19–20 फरवरी, 2016). नैक, बेंगलुरु द्वारा प्रायोजित तथा आईक्यूएसी, यशवंत महाविद्यालय, वर्धा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

**प्रसाद, धनजी**
– (09 दिसंबर, 2015 से 05 जनवरी, 2016). पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित 108वें अभिविन्यास कार्यक्रम में सहभागिता।
– (12–14 मार्च, 2016). हिंदी विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में 'साहित्येतर हिंदी लेखन एवं सूचना प्रौद्योगिकी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'साहित्येतर हिंदी लेखन में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका' पर व्याख्यान।

**प्रकाशन**
**शुक्ल, हनुमानप्रसाद**
– (2015). रामस्वरूप चतुर्वेदी (भारतीय साहित्य के निर्माता श्रृंखला के अंतर्गत), नई दिल्ली : साहित्य अकादमी।
– (जुलाई–अक्टूबर, 2015). 'छत्ते का अमृतकोश', गगनांचल, 4–5, 32–34, नई दिल्ली : भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, भारत सरकार।

**पाण्डेय, अनिल कुमार**
– (जनवरी, 2016). 'हिंदी में सरल क्रिया', शोध प्रवाह, 6 (1), 79–84, लखनऊ।
– (फरवरी, 2016). 'हिंदी में मिश्रक्रिया, निमित्त (ई.–पत्रिका), 4, 35–37, वर्धा : म.ग.अं.हि.वि.।

**दुबे, अनिल कुमार**
– (जनवरी, 2016). 'सेजेस्टोंपीडिया', शोध प्रवाह, 6 (1), 23–29, वाराणसी।

**प्रसाद, धनजी**
– (जुलाई, 2015). 'देश का आर्थिक विकास और भारतीय भाषाएँ', शांति (ई.–जर्नल) , 4, 125–130, अहमदाबाद।
– (जुलाई, 2015). 'हिंदी आ भोजपुरी में सर्वनाम आ परसर्ग', समकालीन भोजपुरी साहित्य, 33, 85–87, देवरिया : अंतरराष्ट्रीय भोजपुरी सचिवालय (राष्ट्रीय इकाई)।
– (जुलाई–अक्टूबर, 2015). 'स्वनिम सिद्धांत', शोध प्रेरक, 5, 58–60, लखनऊ : वीर बहादुर सेवा संस्था।
– (अक्टूबर, 2015). 'डिजिटल इंडियाः सूचना प्रौद्योगिकी में भारत के बढ़ते कदम', विज्ञान आपके लिए, 4, 15–17, गाजियाबाद : लोक विज्ञान परिषद।
– (अक्टूबर, 2015). 'नियम–आधारित हिंदी व्याकरण जाँचक : स्वरूप और प्रक्रिया', मीडिया पथ, 2, 40–45, बलिया।
– (अक्टूबर, 2015). 'डिजिटल इंडिया में भाषा प्रौद्योगिकी का महत्व', निमित्त (ई.–पत्रिका), 3, 41–43, वर्धा : मगांअंहिंवि।

## 1.2 कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग

भाषा विद्यापीठ के अंतर्गत स्थापित कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स विभाग देश का एक अनूठा विभाग है जो कि कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न पाठ्यक्रमों को पूर्णतः हिंदी माध्यम से सन् 2008 से निरंतर संचालित कर रहा

है। प्राकृतिक भाषा का कंप्यूटर टेक्नोलॉजी माध्यम द्वारा मानवहित में नवीन एप्लिकेशन सॉफ़्टवेयर निर्माण एवं अध्ययन कार्य संगणकीय भाषाविज्ञान अर्थात कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स है। संगणकीय भाषाविज्ञान, भाषा प्रौद्योगिकी का एक विशिष्ट एवं अनिवार्य अंग होते हुए प्रौद्योगिकी के अन्य आयामों जैसे कि स्पीच टेक्नॉलॉजी, डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग, इमेज प्रोसेसिंग इत्यादि से परिपूर्ण है। इस विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का उद्देश्य अंतरानुशासिक विषयों जैसे भाषाविज्ञान, संगणक विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों में छात्रों को प्रशिक्षित करना है। ये कार्यक्रम छात्रों पर केंद्रित हैं और नवाचारों को बढ़ावा देने वाले हैं। कार्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य छात्रों में समीक्षात्मक सोच का निर्माण करना है। विभाग में प्रयुक्त की जाने वाली शिक्षण पद्धति है– सैद्धांतिक चर्चा, हैंड्स ऑन सेशन, छात्रों द्वारा प्रस्तुति पर चर्चा शोध क्षेत्र, प्राकृतिक भाषा संसाधन, मशीनी अनुवाद, भाषा संश्लेषण, वाक कॉर्पस, हिंदी : ओ.सी.आर., संगणक विज्ञान, कृत्रिम बुद्धि, संज्ञान विज्ञान, फॉरेन्सिक भाषाविज्ञान। विभाग का उद्देश्य वर्तमान परिदृश्य में प्रौद्योगिकी की आवश्यकताओं के अनुरूप हिंदी के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करना है। विभाग भाषा तकनीकी और कंप्यूटर के प्रायोगिक ज्ञान हेतु आधुनिक प्रयोगशाला और आईसीटी कक्षाओं से परिपूर्ण है।

## संचालित पाठ्यक्रम

इस विभाग के अंतर्गत एम.ए. (कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स), एम.फिल. (कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स), पीएच.डी. (कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स) पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

## प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| विजय कुमार कौल | प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष | 13.08.2012 | पीएच.डी. | कश्मीरी संयुक्त क्रियाओं का अर्थ विन्यासात्मक अध्ययन | सैद्धांतिक भाषाविज्ञान, कंप्यूटेशनल / अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, |
| जगदीप सिंह दांगी | सह प्रोफ़ेसर एवं प्रभारी विभागाध्यक्ष | 18.05.2012 | बी.ई. (सी.एस.ई.) | ... | सूचना प्रौद्योगिकी (आई. टी.) स्थानीयकरण एवं सॉफ्टवेयर विकास (हिंदी) |
| शमीम फ़ातमा | सहायक प्रोफ़ेसर* | 25.08.2014 | पीएच.डी. | थीटा थेयरी का उर्दू और अंग्रेज़ी भाषा में अनुप्रयोग का तुलनात्मक अध्ययन | वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान, मशीन अनुवाद |
| आम्रपाल शेंदरे | सहायक प्रोफ़ेसर* | 16.09.2015 | एम.फिल. | ... | प्राकृतिक भाषा संसाधन, मशीनी अनुवाद |

(* अस्थाई)

## संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण

### कौल, विजय कुमार

– (12–13 अगस्त, 2015). भाषाविज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा 'संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान और कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान : समकालीन भाषा विज्ञान में उभरते रुझान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भाषाविज्ञान में वर्तमान रुझान : कश्मीर के विशेष संदर्भ में' पर व्याख्यान।

– (28–29 नवंबर, 2015). भाषाविज्ञान विभाग, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा 'सिंटैक्टिक टायपोलॉजी : लैंग्वेज कॉन्टैक्ट एण्ड कन्वर्जेंस' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सिंटैक्टिक टायपोलॉजी विथ स्पेशल रिफरेंस टू कश्मीरी' पर व्याख्यान।

### दांगी, जगदीप सिंह

– (10–12 सितंबर, 2015). भोपाल में आयोजित 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में विभिन्न हिंदी सॉफ्टवेयर पर एक प्रदर्शनी का संयोजन करते हुए अपने स्वविकसित विभिन्न हिंदी सॉफ्टवेयर का लाइव डेमॉस्ट्रेशन और पावर पॉइंट प्रजेंटेशन

किया, जिनमें सक्षम – प्रथम हिंदी वर्तनी परीक्षक (लिम्का बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स, 2015 में दर्ज), वर्धा हिंदी शब्दकोश (हिंदी–हिंदी शब्दकोश), प्रखर देवनागरी फ़ॉन्ट परिवर्तक– (अस्की/इस्की फ़ॉन्ट्स से यूनिकोड फ़ॉन्ट), यूनिदेव– (यूनिकोड फ़ॉन्ट से अस्की/इस्की फ़ॉन्ट्स में परिवर्तन हेतु), शब्दज्ञान– (हिंदी–अंग्रेज़ी–हिंदी शब्दकोश), प्रखर देवनागरी लिपिक– (यूनिकोडित रेमिंगटन टंकण प्रणाली आधारित), प्रलेख देवनागरी लिपिक– (यूनिकोडित फ़ॉनेटिक इंग्लिश टंकण प्रणाली आधारित), शब्द–संग्राहक, आई–ब्राउजर++ – प्रथम हिंदी इंटरनेट एक्सप्लोरर (लिम्का बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स, 2007 में दर्ज), शब्दकोश (हिंदी–अंग्रेजी–हिंदी), अंग्रेजी–हिंदी शब्दानुवादक (ग्लोबल वर्ड ट्रांसलेटर) आदि सॉफ्टवेयर प्रमुख हैं।

– (17 मार्च, 2016). महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगीकरण संस्थान, वर्धा में यूनिकोड एवं फ़ॉन्ट परिवर्तक विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'यूनिकोड एवं फ़ॉन्ट परिवर्तक' पर व्याख्यान।

**फ़ातमा, शमीम**

– (29–30 जनवरी, 2016). गांधी स्टडीज सेंटर, न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एण्ड साइंस कॉलेज, वर्धा में 'अंतरानुशासनिक' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता।

**शेंदरे, आम्रपाल**

– (21– 23 जनवरी, 2016). उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव द्वारा 'प्राकृतिक भाषा संसाधन एवं प्रतिमा संसाधन' विषय पर आधारित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
– (23 फरवरी, 2016). इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 'अनुवाद अध्ययन की शोध प्रविधि' विषय पर आधारित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

**प्रकाशन**

**दांगी, जगदीप सिंह**

– (10 अप्रैल, 2015). 'प्रौद्योगिकी सुलभ है हिंदी', हिंदी समय, वर्धा : म.ग.अं.हिं.वि.।
– (10 जुलाई, 2015). 'दी फर्स्ट हिंदी लैंग्वेज़ स्पैल–चेक सॉफ्टवेयर', पीसीक्वेस्ट, 1
– (06 सितंबर, 2015). 'तकनीकी के संग हिंदी की उड़ान', इन्स्टन्टख़बर, 1
– (07 सितंबर, 2015). 'विश्व हिंदी सम्मेलन में प्रदर्शित होगा सॉफ्टवेयर', दैनिक भास्कर, 4
– (09 सितंबर, 2015). 'फर्स्ट हिंदी लैंग्वेज़ स्पैल–चेक सॉफ्टवेयर फाइंड्स ए स्पेशल प्लेस इन वर्ल्ड हिंदी कॉन्फ्रेंस', न्यूज 18, 1
– (20 सितंबर, 2015). 'हिंदी को वाजिब हक देने का समय', दिव्यहिमाचल, 9
– (25 सितंबर, 2015). 'इंटरनेट की दुनिया में हिंदी डोमेन डॉट भारत', हिंदीसमय, वर्धा : म.ग.अं.हिं.वि.।
– (01 नवंबर, 2015). 'नेताजी से मुलाकात', दिव्यहिमाचल, 9
– (30 दिसंबर, 2015). 'एक आह्वान!', प्रतिलिपि, 1

**फ़ातमा, शमीम**

– (2016). 'प्रिडिकेट एण्ड देयर आर्ग्यूमेंट्स', दिल्ली : शिप्रा पब्लिकेशन।

**उपलब्धियाँ**

– (15 मार्च, 2016). विश्वनाथ सार्वे (शोधार्थी, एम.फिल), अमित कुमार झा एवं श्री अंजनी कुमार राय (सिस्टम एनालिस्ट) द्वारा राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में सॉफ्टवेयर पर प्रस्तुतीकरण।

## 1.3 भाषाविज्ञान विभाग

### संचालित पठ्यक्रम

इस विभाग के अंतर्गत भाषाविज्ञान में एम.ए., और एम.फिल.पाठ्यक्रम संचालित हैं।

## 1.4 प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र

प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र की स्थापना सन् 2008 में हुई। केंद्र का मूल उद्देश्य भाषा संसाधन, प्राकृतिक भाषा प्रोसेसिंग, कृत्रिम बुद्धि, फ़ॉन्ट रूपांतरण आदि के क्षेत्र में अनुसंधान और सॉफ्टवेयर विकास के लिए पूर्णतः समर्पित होते हुए प्रौद्योगिकी के अन्य आयामों जैसे कि स्पीच टेक्नॉलॉजी, डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग, इमेज प्रोसेसिंग इत्यादि से परिपूर्ण है। यहाँ भाषा तकनीकी और कंप्यूटर के प्रायोगिक ज्ञान हेतु आधुनिक प्रयोगशाला और आईसीटी युक्त कक्षा है।

### संचालित पाठ्यक्रम

इस केंद्र के तहत डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन), एम.आई.एल.ई. (मास्टर ऑफ इन्फॉरमेटिक्स एण्ड लैंग्वेज इंजीनियरिंग) तथा पीएच.डी. इन्फॉरमेटिक्स एण्ड लैंग्वेज इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

### गतिविधियाँ

1. 'मनोभाषाविज्ञान : न्यूरो नेटवर्किंग' विषय पर 11 सितंबर, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो.आर.सी. शर्मा ने विशेष व्याख्यान दिया।
2. 'आर्य और द्रविड़ : नस्ल–भेद और उपनिवेशवाद' विषय पर 22 सितंबर, 2015 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो. राज नाथ भट्ट ने विशेष व्याख्यान दिया।

### प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| प्रो. विजय कुमार कौल | प्रोफ़ेसर | 13.08.2012 | पीएच.डी. | कश्मीरी संयुक्त क्रियाओं का अर्थ विन्यासात्मक अध्ययन | सैद्धांतिक भाषाविज्ञान, कंप्यूटेशनल/अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, |
| जगदीप सिंह दांगी | सह प्रोफ़ेसर | 18.05.2012 | बी.ई. (सी.एस.ई.) | ... | सूचना प्रौद्योगिकी (आई. टी.) स्थानीयकरण एवं सॉफ्टवेयर विकास (हिंदी) |
| पीयूष प्रताप सिंह | सहायक प्रोफ़ेसर | 21.03.2007 | एम.सी.ए. | ... | सूचना प्रौद्योगिकी |

### संगोष्ठी/सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/व्याख्यान/प्रस्तुतिकरण

### सिंह, पीयूष प्रताप

– (11–15 जनवरी, 2016). डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय में 'सूचना प्रौद्योगिकी' विषय पर व्याख्यान।
– (29–30 जनवरी, 2016). गांधी स्टडीज सेंटर, न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एण्ड साइंस कॉलेज, वर्धा में अंतरानुशासनिक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधी तथा तकनीक' विषय पर व्याख्यान।
– (15–19 फरवरी, 2016), ऐश्वर्या कॉलेज, जोधपुर द्वारा 'नेटवर्किंग' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'कंप्यूटर नेटवर्किंग' विषय पर व्याख्यान।

– (15–19 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कल्चर ऑफ लर्निंग : बियोंड क्लासरूम्स एण्ड टेक्स्टबुक्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पर्सपेक्टिव ऑफ टेक्नीकल एजूकेशन बियोंड क्लासरूम एण्ड टेक्स्टबुक' शोध पत्र प्रस्तुत।

**प्रकाशन**

**सिंह, पीयूष प्रताप**

– (2016). 'नॉलेज बेस्ड स्ट्रक्चर डिसक्रिप्शन लैंग्वेज फॉर टेक्स्ट समराइजेशन विथ 6 डब्ल्यू. इन्फॉरमेशन नेटवर्क', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट ट्रेंड इन इंजीनियरिंग एण्ड रिसर्च, 2 (6), 23–34

– (2016). 'इम्प्लीमेंटेशन ऑफ 6 डब्ल्यू बेस्ड प्रीसिपिटेशन स्ट्रक्चर फॉर टेस्क्ट समराइजेशन यूजिंग व्ही.बी. नेट 11, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर साइंस एण्ड सिक्यूरिटी, 5 (2), 66–76

**उपलब्धियाँ**

प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो.विजय कुमार कौल को हैंकुक यूनिवर्सिटी फॉर फॉरेन स्टडीज़, सिओल (साउथ कोरिया) द्वारा विदेशी प्रोफ़ेसर के रूप में एक वर्ष (मार्च, 2016 से फरवरी, 2017) के लिए आमंत्रित किया गया।

## 1.5 भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र

भारत में विदेशी भाषाओं के जानकारों की मांग अधिकाधिक बढ़ने की संभावना और महत्ता को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र अब विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई है। इसके अंतर्गत भाषाओं की समझ विकसित करने हेतु बोलने, पढ़ने और लिखने पर समान रूप से बल दिया जाता है साथ ही इन भाषाओं से संबंधित साहित्य और संस्कृति की समझ को विकसित करने हेतु सीबीसीएस के आधार पर पाठ्यक्रम संचालित हैं। चीनी एवं स्पेनिश में भी शोध पाठ्यक्रम संचालित हैं।

**संचालित पाठ्यक्रम**

इस केंद्र के अंतर्गत एम.फिल. चीनी, एम.फिल.स्पेनिश और फ्रेंच, चीनी, स्पेनिश व जापानी भाषाओं में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा व एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

**गतिविधियाँ**

1. 'चीनी लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 5–11 अक्टूबर, 2015 को किया गया जिसमें चीनी भाषा के सहायक प्रोफ़ेसर अनिर्बाण घोष ने प्रशिक्षण दिया।
2. चीनी लिपि–लेखन प्रतियोगिता का आयोजन 12 अक्टूबर, 2015 को किया गया जिसमें चीनी भाषा के सहायक प्रोफ़ेसर अनिर्बाण घोष ने मार्गदर्शन किया।
3. 'जापानी लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 5–11 अक्टूबर, 2015 को किया गया जिसमें जापानी भाषा के सहायक प्रोफ़ेसर सन्मति जैन ने प्रशिक्षण दिया।
4. जापानी लिपि–लेखन प्रतियोगिता का आयोजन 12 अक्टूबर, 2015 को किया गया जिसमें जापानी भाषा के सहायक प्रोफ़ेसर सन्मति जैन ने मार्गदर्शन किया।

**शोध परियोजनाएँ**

**कुमार, रवि**

– भारत–लैटिन अमेरिकी संबंध : साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अंतरसंबंधों का अन्वेषण

**घोष, अनिर्बाण**
– हिंदी–चीनी–अंग्रेज़ी विषय आधारित शिक्षार्थी शब्दकोश
– चीनी–हिंदी–अंग्रेज़ी विषय आधारित शिक्षार्थी शब्दकोश

**जैन, सन्मति**
– हिंदी–जापानी–अंग्रेज़ी विषय आधारित शिक्षार्थी शब्दकोश
– जापानी–हिंदी–अंग्रेज़ी विषय आधारित शिक्षार्थी शब्दकोश

**प्राध्यापक विवरण**

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| रवि कुमार | सहायक प्रोफ़ेसर | 21.03.2007 | पीएच.डी. स्पेनिश | क्यूबा में 1986 से राजनैतिक और आर्थिक सुधार प्रक्रिया | स्पेनिश/लैटिन अमेरिकन अध्ययन |
| अनिर्बाण घोष | सहायक प्रोफ़ेसर | 09.07.2007 | एम.ए. चीनी | ... | चीनी भाषा एवं संस्कृति |
| सन्मति जैन | सहायक प्रोफ़ेसर | 24.07.2013 | एम.ए. जापानी | ... | जापानी भाषा एवं संस्कृति |
| संदीप कुमार | सहायक प्रोफ़ेसर | 19.01.2016 | पीएच.डी. फ्रेंच | केबेक और भारतीय उपन्यासों में कुंठा | फ्रेंच भाषा एवं साहित्य |

**संगोष्ठी/सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/व्याख्यान/प्रस्तुतिकरण**

**कुमार, रवि**
– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत।
– (02 अक्टूबर, 2015). न्यू आर्ट्स कॉमर्स एण्ड साइंस कॉलेज, वर्धा द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में व्याख्यान।
– (07–14 अक्टूबर, 2015). विश्वविद्यालय द्वारा 'व्यक्तित्व विकास शिविर' में व्याख्यान।
– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत।
– (29–30 जनवरी, 2016). न्यू आर्ट्स कॉमर्स साइन्स कॉलेज, वर्धा द्वारा 'बी द चेंज यू वांट टु सी इन द वर्ल्ड' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में व्याख्यान तथा एक सत्र की अध्यक्षता।
– (15–16 मार्च 2016). विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्पेनिश लर्निंग इन हिंदी मीडियम : ए लूक इंटू असपेक्ट्स बियोंड क्लासरूम एण्ड टेक्स्टबुक्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।

**घोष, अनिर्बाण**
– (6–13 अप्रैल, 2015). कनफ्यूसियास संस्थान, मुख्यालय (हानपान), कोलकाता स्थित चीन गण प्रजातंत्र के कनसुलेट ऑफिस एवं विश्वभारती शांति निकेतन, चीनी भाषा एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'चीनी भाषा के शिक्षकों के लिए विदेशी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम' में सहभागिता।
– (12–13 अगस्त, 2015). कोलकाता सोसाइटी फॉर एशियन स्टडीज, कोलकाता द्वारा 'एनडीए सरकार की नई शासन व्यवस्था एवं चीन–भारत संपर्क : आशा और अनिश्चितता' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संरचना का समय : चीन–भारत द्विपक्षीय संपर्क 1991 से 1995 तक' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (10–12 सितंबर, 2015). भोपाल में आयोजित 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में सहभागिता।

**जैन, सन्मति**
– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी में 'आध्यात्मिकता, परंपरा और मीडिया : जापान के विशिष्ट संदर्भ में' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (14–16 नवंबर, 2015). श्री स्याद्वाद महाविद्यालय, वाराणसी द्वारा 'भारतीय संस्कृति के विकास में जैन धर्म का अवदान' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय युवा संगोष्ठी में 'जैन धर्म एवं जापानी परंपराओं में पर्यावरण संरक्षण' शोध पत्र

प्रस्तुत।
– (18–20 जनवरी, 2016), विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जापान में आध्यात्मिक संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों के विस्तार में मीडिया की भूमिका' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (02 मार्च, 2016). राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, भोपाल द्वारा 'जैन सिद्धांतों की वर्तमान प्रासंगिकता' नामक विषय पर आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में 'जापानी संस्कृति में अहिंसा की अवधारणा : जैन सिद्धांत के विशेष संदर्भ में' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कक्षा व पाठ्य पुस्तकों से परे अधिगम की संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जापानी समाज में शिक्षण कक्षों एवं पाठ्य पुस्तकों से परे अधिगम की संस्कृति : एक दृष्टिकोण' शोध पत्र प्रस्तुत।

**प्रकाशन**

**कुमार, रवि**

– (मार्च, 2016). 'एनवायरनमेंट कंजरवेशन एण्ड अवेयरनेस', रिव्यू ऑफ लिटरेचर, 3 (8), 1–10.

**घोष, अनिर्बाण**

– (2015). 'संघर्ष, सहयोग एवं व्यापार : भारत–चीन संबंधों में शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व (1950–1954)', साहित्य और अनुवाद में पूछताछ (सं.सुशांत कुमार मिश्र एवं अवधेश कुमार मिश्र), 390–411, नई दिल्ली : लक्ष्मी प्रकाशन।

## 1.6 विदेशी शिक्षण प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी के विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। जोहान्सबर्ग में हुए नवें विश्व हिंदी सम्मेलन में विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी शिक्षण के लिए मानक पाठ्यक्रम निर्माण का विशेष दायित्व विश्वविद्यालय को सौंपा गया था। मानक पाठ्यक्रम निर्माण कर इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है तथा इसके अनुरूप पाठ्यक्रम संचालित हैं। विदेशी विद्यार्थियों के लिए विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण के कई पाठ्यक्रम संचालित हैं– इनमें 3–4 सप्ताह के गहन हिंदी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, 3 और 6 माह के प्रमाणपत्र तथा एक वर्ष का डिप्लोमा पाठ्यक्रम मुख्य है। अब तक इन पाठ्यक्रम में यूरोप, अमेरिका और एशिया के कई देशों–जर्मनी, पोलैंड, बेल्जियम, क्रोएशिया, हंगरी, श्रीलंका, थाइलैंड, मॉरीशस, चीन, मलेशिया, जापान, सिंगापुर, नेपाल, कोरिया, यू.एस.ए. आदि के विद्यार्थी अध्ययन कर चुके हैं। कई देशों के विद्यार्थी विभिन्न अनुशासनों में अध्ययनरत हैं। इस केंद्र के अंतर्गत आधार पाठ्यक्रम, अल्पावधि गहन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, डिप्लोमा पाठ्यक्रम, बी.ए. हिंदी : भाषा, साहित्य और संस्कृति, एम.ए. हिंदी, पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। मुख्यतः हिंदी, अनुवाद–प्रौधौगिकी, शिक्षाशास्त्र, भाषा–प्रौधौगिकी, कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान एवं विदेशी भाषाओं के अध्यापकों और शोध विद्यार्थियों के सहयोग से पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

**विश्वविद्यालय के सहयोगी प्राध्यापक**

प्रो. उमाशंकर उपाध्याय
प्रो. विजय कुमार कौल
डॉ. अनिल कुमार दुबे
श्री सन्मति जैन
डॉ. शमीम फातमा
डॉ. अनवर अहमद सिद्दीक़ी
डॉ. सतीश पावड़े
डॉ. पुरंदरदास
प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल
प्रो. अरबिन्द कुमार झा
डॉ. रवि कुमार
श्री लेखराम दन्नाना
श्री जगदीप सिंह दांगी
डॉ. उमेश कुमार सिंह
डॉ. रूपेश कुमार सिंह
प्रो. देवराज
डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय
श्री अनिर्बाण घोष
डॉ. हिमांशु शेखर
डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी
डॉ. बीरपाल सिंह यादव
डॉ. राजीव रंजन राय

# 2. साहित्य विद्यापीठ

यह विद्यापीठ भारतीय तथा विश्वसाहित्य के साथ संवाद स्थापित करने और तुलनात्मक अध्ययन एवं शोध कार्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य के प्रति समर्पित है। विद्यापीठ की मूल संकल्पना देश–दुनिया के भाषायी एवं साहित्यिक वैविध्य के पीछे सक्रिय समान मानवीय चेतना और उसकी सृजनशीलता में साम्य की धारणा पर अवलम्बित है। वैश्विक दृष्टिकोण से भाषा और साहित्य बहुविधागत है, किन्तु उनके सर्जक मानस और आस्वादक चिह्न, अपने संस्कारों के भेद के बावजूद, बुनियादी प्रकृति में एक से है। इस कारण विभिन्न भाषाओं के साहित्य के बीच संवाद की अपार संभावनाएँ हैं। इन संभावनाओं का सन्धान और शोध, विद्यापीठ की वरीयताएं हैं। साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत दो विभाग हैं –

2.1 हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग

2.2 प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग

## 2.1 हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग

हिंदी साहित्य का भारतीय तथा विश्व भाषाओं के साहित्य के साथ संवाद और तुलनात्मक अध्ययन एवं शोध इस विभाग की मुख्य गतिविधियाँ हैं। विभिन्न भाषाओं के साहित्य से संवाद की संभावनाओं का संधान एवं शोध विभाग की उच्च प्राथमिकता है। विभाग में ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों और कलाओं के साथ साहित्य के घनिष्ठ संबंध को दृष्टिगत रखते हुए अंतरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध पर विशेष बल दिया जाता है। विभाग में तुलनात्मक साहित्य अध्ययन को वरीयता दी जाती है। इसमें हिंदी साहित्य को आधार बनाकर हिंदीतर भारतीय साहित्य एवं विश्व साहित्य के अध्ययन में तुलनात्मक साहित्य अध्ययन–पद्धति का प्रमुखता से उपयोग किया जाता है। हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग समग्रता में साहित्य के अध्ययन–अध्यापन एवं शोध के लिए प्रतिबद्ध है।

### संचालित पाठ्यक्रम

साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग के अंतर्गत एम.ए. हिंदी साहित्य, एम.ए. हिंदी तुलनात्मक साहित्य, एम.फिल. हिंदी साहित्य, एम.फिल. तुलनात्मक साहित्य, और पीएच.डी. तुलनात्मक साहित्य पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

### प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| सूरज पालीवाल | प्रोफ़ेसर | 17.07.2009 | पीएच.डी. | फणीश्वर नाथ रेणु के कथा साहित्य का सामाजिक–राजनीतिक अध्ययन | हिंदी कथा साहित्य हिंदी आलोचना |
| कृष्ण कुमार सिंह | प्रोफ़ेसर | 01.07.2010 | पीएच.डी. | अवतारवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि : भक्तिकालीन हिंदी साहित्य के संदर्भ में | भक्ति कालीन साहित्य |
| प्रीति सागर | सह प्रोफ़ेसर | 20.07.2009 | पीएच.डी. | मैथिलीशरण गुप्त क काव्य पर महाभारत का प्रभाव | आधुनिक हिंदी कविता |
| रामानुज अस्थाना | सहायक प्रोफ़ेसर | 21.12.2006 | पीएच.डी. | जयशंकर प्रसाद (हिंदी) और भारतीदासन (तमिल) के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन | भक्ति साहित्य तुलनात्मक साहित्य |
| अशोक नाथ त्रिपाठी | सहायक प्रोफ़ेसर | 21.12.2006 | पीएच.डी. | निराला के कथा साहित्य का उत्तर आधुनिक अध्ययन | हिंदी आलोचना |
| उमेश कुमार सिंह | सहायक प्रोफ़ेसर | 04.01.2007 | पीएच.डी. | गुरु नानक देव और संत रविदास की कविता का तुलनात्मक अध्ययन | हिंदी तुलनात्मक अध्ययन |
| बीरपाल सिंह यादव | सहायक प्रोफ़ेसर | 10.07.2009 | पीएच.डी. | प्रगतिवादी साहित्य चिंतन और रामविलास शर्मा | हिंदी आलोचना |
| सुनील कुमार | सहायक प्रोफ़ेसर | 21.07.2009 | पीएच.डी. | स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में बाल मनोविज्ञान | कथा साहित्य |
| रूपेश कुमार सिंह | सहायक प्रोफ़ेसर | 17.06.2010 | डी.फिल. | रामविलास की साहित्येतिहास संबंधी मान्यताएँ और इतिहास दृष्टि | हिंदी आलोचना नव सामाजिक विमर्श |

## गतिविधियाँ

1. 'केदारनाथ अग्रवाल का काव्य' विषय पर 01 अप्रैल, 2015 को डॉ. अशोक त्रिपाठी ने विशेष व्याख्यान दिया।
2. 'गांधी और प्रेमचंद' विषय पर 08 अप्रैल, 2015 को प्रो. सुरेन्द्र दूबे ने विशेष व्याख्यान दिया।
3. 'जयशंकर प्रसाद के साहित्य चिंतन की व्यावर्तक विशेषताएं' विषय पर 16 जुलाई, 2015 को डॉ. ओमप्रकाश सिंह ने विशेष व्याख्यान दिया।
4. 'पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला' का आयोजन 15–16 जून, 2015 को भाषा विद्यापीठ सभागार में किया गया, जिसमें प्रो. दयाशंकर त्रिपाठी और प्रो. वीणा दाढ़े बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे।
5. 'भक्ति द्राविड़ ऊपजी' विषय पर 18 अगस्त, 2015 को डॉ. एम. सुंदरम् ने विशेष व्याख्यान दिया।
6. 'कविता और हमारा समय' विषय पर 19 अक्टूबर, 2015 को डॉ. ध्रुव शुक्ल ने विशेष व्याख्यान दिया।
7. 'मार्क्स, आंबेडकर और गांधी' विषय पर 24 दिसंबर, 2015 को प्रो. सुधाकर गायकवाड़ ने विशेष व्याख्यान दिया।
8. 'दिनकर : इतिहास बोध और रचना–प्रक्रिया' विषय पर 02 फरवरी, 2016 को प्रो. बहादुर मिश्र ने विशेष व्याख्यान दिया।

## संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण

### पालीवाल, सूरज

– (10–12 सितंबर, 2015). भोपाल में आयोजित 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में सहभागिता।
– (24–26 सितंबर, 2015). भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली तथा हिंदी विभाग, विश्व भारती, शांतिनिकेतन के तत्वावधान में 'आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का जीवन दर्शन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान।
– (11 जनवरी, 2016). उर्दू विभाग, रातुम विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा आयोजित 'कहानी पाठ' में वक्तव्य।
– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी' में 'मीडिया का राजनीतिक अर्थशास्त्र' विषयक सत्र की अध्यक्षता।
– (8–9 फरवरी, 2016). हिंदी विभाग, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अमृतलाल नागर : सृजन संदर्भ' में अमृतलाल नागर की कहानियाँ' विषयक सत्र की अध्यक्षता।

### सिंह, कृष्ण कुमार

– (29 अक्टूबर, 2015). हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद के हिंदी विभाग में 'संत काव्य की प्रासंगिकता' विषय पर विशेष व्याख्यान।
– (07 जनवरी, 2016). रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा विश्व हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उद्घाटन वक्तव्य।
– (16–29 फरवरी, 2016). विश्वविद्यालय के हिंदी का शिक्षण–प्रशिक्षण केंद्र द्वारा 'मध्यकालीन हिंदी साहित्य का वर्तमान' विषय पर आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम में 'संत साहित्य का वर्तमान' विषय पर व्याख्यान।

### अस्थाना, रामानुज

– (15–16 अक्टूबर, 2015). हिंदी विभाग, जी.एच. कॉलेज, हावेरी द्वारा 'हिंदी के प्रचार–प्रसार में दक्षिण भारत के साहित्यकारों का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'तमिलनाडु में हिंदी की दशा–दिशा एवं स्थान–मान' विषयक आलेख प्रस्तुत।
– (16–29 फरवरी, 2016). विश्वविद्यालय के हिंदी का शिक्षण–प्रशिक्षण केंद्र द्वारा 'मध्यकालीन हिंदी साहित्य का वर्तमान' विषय पर आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम में सहभागिता।
– (13 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के सामुदायिक महाविद्यालय द्वारा 'प्राचीन भारतीय साहित्य में वस्त्र उद्योग' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान।

**त्रिपाठी, अशोक नाथ**

– (28–30 जुलाई 2015). भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित और विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र 'आध्यात्मिकता और मीडिया' प्रस्तुत।

– (31 अक्टूबर–01 नवंबर, 2015). रामकुमार केवलरामानी कन्या महाविद्यालय, दादा रामचंद्र बाखरू सिंधु महाविद्यालय, पी.डब्ल्यू.एस. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नागपुर और केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के तत्वावधान में 'हिंदी आलोचना : इक्कीसवीं सदी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र 'आलोचना की उत्तर आधुनिक दृष्टि : एक अवधारणात्मक विश्लेषण' प्रस्तुत।

– (18–20 जनवरी 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संत परंपरा और मीडिया' पर वक्तव्य।

– (08–09 फरवरी, 2016). सावित्री बाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित 'अमृत लाल नागर का साहित्य : सृजन और संदर्भ' शीर्षक राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध आलेख प्रस्तुत।

– (19–20 फरवरी, 2016). विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ और नैक, बेंगलुरू के संयुक्त तत्वावधान में 'उच्चशिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएं एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र 'उच्च शिक्षा में पहुँच का सवाल : दूर शिक्षा के संदर्भ में' प्रस्तुत।

**कुमार, सुनील**

– (11 अप्रैल, 2015). डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जयंती महोत्सव, वर्धा द्वारा 'डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के विचार और आज का युवा वर्ग' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान।

– (14 अप्रैल, 2015). डॉ. अंबेडकर मेडिको एसोसिएशन, महात्मा गांधी इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, वर्धा द्वारा बाबासाहेब डॉ.बी.आर. अंबेडकर की 124 वीं जयंती पर आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान।

– (19 अप्रैल, 2015). डॉ.बी.आर. अंबेडकर मिशनरी वेलफ़ेयर एसोसिएशन, मोहाली, पंजाब द्वारा बाबासाहेब डॉ.बी.आर. अंबेडकर की 124वीं जयंती पर आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान।

– (03 मई, 2015). गोंडवाना जंगोम दल, मरकसुर, कारंजा, वर्धा द्वारा आयोजित गोंडी धर्म व संस्कृति सम्मेलन में व्याख्यान।

– (09 अगस्त, 2015). उलगुलान आदिवासी साहित्य व सांस्कृतिक मंच, वर्धा द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान।

– (09 अगस्त, 2015). आदिवासी बिरसा मुंडा अधिकार व शिक्षा समिति, वर्धा द्वारा विश्व जागतिक आदिवासी दिवस उत्सव के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान।

– (13 अगस्त, 2015). ट्राइबल स्टूडेंट्स फोरम, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा इंटरनेशनल इंडिजिनस डे सेलिब्रेशन के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान।

– (14 अगस्त, 2015). अंग्रेज़ी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित 'आज का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक परिदृश्य और हिंदी साहित्य' विषय पर व्याख्यान।

– (16 अगस्त, 2015). हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद के एएसएफ–बीएसएफ–टीएसएफ द्वारा आयोजित 'चैलेंजेज़ इन फ्रंट ऑफ द दलित मूवमेंट इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषय पर व्याख्यान।

– (21 सितंबर से 10 अक्टूबर, 2015). जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में मानव संसाधन विकास केंद्र, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा संचालित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता।

– (30 अक्टूबर से 01 नवंबर, 2015). जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एवं रमणिका फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आदिवासी सेमिनार, कहानी–पाठ एवं पुस्तक मेला में वक्तव्य।

– (05 जनवरी, 2016). विद्याभारती कॉलेज, नागपुर विश्वविद्यालय, सेलू, वर्धा द्वारा डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर का 125वीं

जयंती समारोह में व्याख्यान।
– (09 जनवरी, 2016). आदिवासी एकता विचार मंच, वणी, यवतमाल द्वारा 'आदिवासी समाज की समस्याएँ और उनका समाधान' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान।
– (07 फरवरी, 2016). गोंडवाना महिला व युवा जंगोम दल, वर्धा द्वारा आयोजित पाँचवे गोंडी भाषा दिन और धर्म सम्मेलन में व्याख्यान।
– (09 फरवरी, 2016). बामसेफ़ तथा भारत मुक्ति मोर्चा, वर्धा द्वारा आयोजित जिला स्तरीय प्रबोधन महासम्मेलन में व्याख्यान।
– (16–29 फरवरी, 2016). विश्वविद्यालय के महामना पं.मदन मोहन मालवीय शिक्षा मिशन के अंतर्गत संचालित 'हिंदी का शिक्षण–प्रशिक्षण केंद्र' द्वारा 'मध्यकालीन हिंदी साहित्य का वर्तमान' विषय पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता।
– (29–31 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा 'विकास की राजनीति, देशज प्रतिरोध एवं जेण्डर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान।

**सिंह, रूपेश कुमार**
– (16–29 फरवरी, 2016). विश्वविद्यालय के महामना पं.मदन मोहन मालवीय शिक्षा मिशन के अंतर्गत संचालित 'हिंदी का शिक्षण–प्रशिक्षण केंद्र' द्वारा 'मध्यकालीन हिंदी साहित्य का वर्तमान' विषय पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता।
– (13 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के सामुदायिक महाविद्यालय द्वारा 'भारतीय वस्त्र उद्योग में कौशल विकास' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में शोध पत्र 'भारतीय वस्त्र उद्योग और हिंदी साहित्य' प्रस्तुत।
– (29–30 मार्च, 2016). डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के मानव विज्ञान विभाग द्वारा 'हॉरीजन्स ऑफ ट्राइवल डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र 'भूमंडलीकरण के प्रभाव में आदिवासी समाज' प्रस्तुत।

**प्रकाशन**
**पालीवाल, सूरज**
– (मार्च–अप्रैल, 2015). 'उसने कहा था : रेशम से कढ़े सालू का स्वप्न और यथार्थ', परिकथा।
– (अप्रैल, 2015). 'विचारहीन समाज का अंधेरा', नया ज्ञानोदय।
– (अप्रैल–जून, 2015). 'संपत्तिशास्त्र : दारुण जीवन का दस्तावेज', बहुवचन, 45, 35–40, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
– (जून, 2015). 'विपात्र के पचास वर्ष', पक्षधर, 18.
– (जुलाई–अक्टूबर, 2015). 'विश्व हिंदी सम्मेलन अपेक्षाओं का परिप्रेक्ष्य', गगनांचल।
– (जुलाई–सितंबर, 2015). 'भीष्मजी की कहानियों के बहाने उनकी सामाजिक दृष्टि पर चर्चा', बनास जन।
– (सितबर 2015). 'हिंदी का वैश्विक भविष्य', नया ज्ञानोदय।
– (जनवरी–जून, 2016). 'दुनिया ठेके पर नहीं बदली जाती', लमही ।
– (जनवरी–मार्च, 2016 ). 'विमर्शों से अलग स्त्री', प्र. इरावती।

**सिंह, कृष्ण कुमार**
– (मई–अगस्त, 2015). 'साहित्य की उभरती प्रवृत्तियाँ', पुस्तक–वार्ता, 58–59, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।

**त्रिपाठी, अशोक नाथ**
– (मार्च–अप्रैल, 2015). 'हिंदी कविता के पचास वर्ष को समझने की कोशिश', पुस्तक–वार्ता, 57, 50–54, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
– (अप्रैल–जून, 2015) 'आचार्य द्विवेदी के समाज विमर्श में किसान', बहुवचन, 45, 41–45, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि।

– (मई–अगस्त, 2015). 'एक पत्रिका के प्रकाशन यात्रा का रोचक ब्यौरा', पुस्तक–वार्ता, 58–59, 71–76, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
– (सितंबर–अक्टूबर, 2015). 'हम खुद हिंदी के हो जाएं, हिंदी में सोचें और हिंदी पर सोचें', पुस्तक–वार्ता, 60, 50–54, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
– (नवंबर–दिसंबर, 2015). 'फिर भी भरपेट भोजन के लिए तरसता किसान', पुस्तक–वार्ता, 61, 50–54, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
– (2015). 'आलोचना की उत्तर आधुनिक दृष्टि : एक अवधारणात्मक विश्लेषण', हिंदी आलोचना : इक्कीसवीं सदी (सं. गीता सिंह, सपना तिवारी, मिथिलेश अवस्थी), 386–395, नागपुर : आस्था प्रकाशन।

**कुमार, सुनील**
– (13–19 अप्रैल, 2015). 'जिसने भी संघर्ष झेला है..', सेंट्रल टुडे, 03, नागपुर।
– (अप्रैल, 2015). 'कुंदन की वापसी', अंतिम जन, 56–57, नई दिल्ली।
– (मई, 2015). 'ब्रह्मन्याय', फॉरवर्ड प्रेस, 73–77, नई दिल्ली।
– (जून, 2015). 'संभ्रांत लोग','भ्रष्टाचार', युद्धरत आम आदमी, 27, नई दिल्ली।
– (अगस्त, 2015). 'बहुजन संगठनों ने जलाई रखी है अलख', फॉरवर्ड प्रेस, 14–15, नई दिल्ली।
– (अगस्त, 2015). 'जातिगत जनगणना से परहेज किसको है', दलित दस्तक, 20, नई दिल्ली।
– (सितंबर, 2015). 'दलित छात्र राजनीति की जरूरत', दलित दस्तक, 16–19, नई दिल्ली।
– (अक्टूबर, 2015). 'बाबू शेडमाके', दलित आदिवासी दुनिया, 06, नई दिल्ली।
– (दिसंबर, 2015). 'लगते तो नहीं हो', गोंडवाना दर्शन, 23, रायपुर।
– (फरवरी–अप्रैल, 2016). 'दलितों के लिए नहीं है गांधी का 'ग्राम–स्वराज', उन्मुक्त, 13–15, कोलकाता।
– (2016). 'तुलसीराम और बहुजन समाज पार्टी', तुलसीराम : व्यक्तित्व और कृतित्व (सं. श्रीधरम), 180–183, गाजियाबाद : अंतिका प्रकाशन।

**सिंह, रूपेश कुमार**
– (2016). 'आदिवासी और प्रतिऔपनिवेशिक चिंतन', उत्तर–आधुनिकता और आदिवासी विमर्श (सं. डॉ. विनोद विश्वकर्मा), 1–4, दिल्ली : जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स।
– (2016). 'भूषण का युगबोध और काव्यकला', रीतिकाव्य मूल्यांकन के नए आयाम (सं. डॉ. प्रभाकर सिंह), 251–260, दिल्ली : राजकमल प्रकाशन।
– (2016). 'लोकतंत्र और नक्सलवाद', दि इक्वेनिमिस्ट, 2, इलाहाबाद।

**उपलब्धियाँ**
09 अगस्त, 2015 को उलगुलान आदिवासी साहित्य एवं सांस्कृतिक मंच, गोंडवाना महिला जंगोम दल तथा गोंडवाना युवा जंगोम दल, वर्धा द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सुनील कुमार प्रथम 'गोंडवाना भूषण सम्मान' से सम्मानित।

## 2.2 प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं नाटक) विभाग

इस विभाग के अंतर्गत फ़िल्म एवं नाट्यकला के उन पक्षों के अध्ययन को प्रमुखता दी जाती है, जिन्हें प्रायः अध्ययन की मुख्यधारा में सम्मिलित नहीं किया गया है, जैसे फ़िल्म एवं नाट्य समालोचना तथा समीक्षा, कला प्रशासन, मंच व्यवस्था, नाट्य एवं फ़िल्म लेखन प्रविधियाँ आदि। इसके अतिरिक्त मंच प्रस्तुतियाँ एवं फ़िल्म निर्माण भी इस पाठ्यक्रम के अभिन्न अंग के रूप में नियमित रूप से संचालित होते हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अतिथि विशेषज्ञों के निर्देशन में आयोजित

व्याख्यान एवं कार्यशालाएँ विद्यार्थियों को विशद अनुभव एवं अधुनातन ज्ञान प्रदान करती हैं।

**संचालित पाठ्यक्रम**

इस विभाग के अंतर्गत बी.वोक.(फ़िल्म निर्माण), बी.वोक. (अभिनय एवं मंच विन्यास), प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं नाटक) में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. और भारतीय एवं पाश्चात्य कला तथा सौंदर्यशास्त्र में पी.जी.डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

**प्राध्यापक विवरण**

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| सुरेश शर्मा | प्रोफ़ेसर | 06.03.2012 | पीएच.डी. | 'साठोत्तरी हिंदी कविता' | फ़िल्म, नाटक तथा पत्रकारिता |
| सतीश पावड़े | सहायक प्रोफ़ेसर | 15.07.2010 | पीएच.डी. | मराठी नाटकों पर एब्सीजर्ड नाटक का प्रभाव | नाटक |

**गतिविधियाँ**

1. 'अभिनय' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 4 से 6 अगस्त, 2015 को कोलकता के डॉ. विश्वजीत विश्वास ने मार्गदर्शन किया।
2. 'एडवान्स अभिनय' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 19 से 28 अगस्त, 2015 को बंगलोर के डॉ. के. आर.उपेन्द्र ने मार्गदर्शन किया।
3. 'मेकअप तथा कॉश्च्यूम डिजाइनिंग' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 31 अगस्त से 4 सितंबर, 2015 को पुणे की नीरजा पटवर्धन ने मार्गदर्शन किया ।
4. 'भारतीय रंगमंच, विश्व रंगमंच' विषय पर 7 से 11 सितंबर, 2015 को मुंबई के डॉ. मंगेश बन्सोड ने व्याख्यान दिया।
5. 'भारतीय काव्यशास्त्र' विषय पर 21 से 25 सितंबर, 2015 को जयपुर के डॉ. पवन श्योराण ने व्याख्यान दिया।
6. 'नाटक एवं फ़िल्मों में अभिनय' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में 30 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2015 को हरियाणा की डॉ. गीता अग्रवाल ने मार्गदर्शन किया।
7. 'पपेटरी थिएटर' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 10 फरवरी, 2016 को हैदराबाद की डॉ.पद्मिनी रंगराजन ने मार्गदर्शन किया ।
8. 'मंच आलोकन एवं मंच विन्यास' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 16 से 18 मार्च, 2016 को नागपुर के प्रो. रमेश लखमापुरे ने मार्गदर्शन किया।
9. विश्वविद्यालय के 18वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान डॉ. सतीश पावड़े के निर्देशन में 'हे राम' तथा 'राज से स्वराज तक' नाटक का मंचन 30–31 दिसंबर, 2015 को विद्यार्थियों द्वारा किया गया।
10. डॉ. सतीश पावड़े के निर्देशन में 'कमला' नाटक का मंचन महाराष्ट्र हिंदी नाट्य समारोह, नागपुर में 23 जनवरी 2016 को किया गया।

**संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण**

**पावड़े, सतीश**

– (27–28 जुलाई, 2015). 'डायमेंशन्स ऑफ लिट्रेचर एण्ड जेंडर इश्यूज'विषय पर एस.आर.टी.एम. यूनिवर्सिटी, नांदेड़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र 'लिंगभाव (एल.जी.बी.टी.) पर आधारित मराठी नाटक' प्रस्तुत।

– (28–30 जुलाई, 2015). 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जन माध्यमों का रंगमंचीय सरोकार : आज का परिदृश्य' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (1 अगस्त, 2015). 'माइक्रोफोन्स का संगीत में प्रयोग' विषय पर महिला महाविद्यालय, अमरावती द्वारा आयोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रंगमंचीय नाट्य प्रस्तुति में माइक्रोफोन्स का प्रयोग' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (25 सितंबर, 2015). 'भारतीय चिंतक तथा समाज सुधारकों का समाज सुधार आंदोलनों में योगदान' विषय पर इतिहास विभाग, लो.बा.अ. महिला महाविद्यालय, यवतमाल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्रयोगशील रंगमंच के संदर्भ में महात्मा फुले का तृतीय रत्न नाटक' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (05–06 अक्टूबर, 2015). 'हिंदी सिनेमा, दलित और आदिवासी विमर्श' विषय पर पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'फिल्मों में दलित विमर्श प्रेम कहानी के बहाने' शोध पत्र प्रस्तुत ।

– (30–31 अक्टूबर, 2015). 'साहित्य में स्त्री तथा भूमंडलीकरण में माध्यमों की स्थिति' विषय पर एम.ए.टी.एस. विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी नाटकों में नारी' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (31 अक्टूबर–1 नवंबर, 2015). 'हिंदी आलोचना और इक्कसवीं सदी' विषय पर पी.डब्ल्यु.एस. कला तथा वाणिज्य महाविद्यालय, नागपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी रंगमंच का उत्तर आधुनिक चरित्र' एक आलोचनात्मक वैचारिकी' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (06–07 नवंबर, 2015). 'हिंदी नाटक और रंगमंच : प्रासंगिकता और चुनौतियाँ' विषय पर पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भूमंडलीकरण, उत्तर आधुनिकता और रंगमंच' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (11–12 दिसंबर, 2015). 'चेंजिंग पर्सपेक्टिव इन इंडियन म्यूजिक एण्ड ड्रामा' विषय पर डॉ.बा.अं. विश्वविद्यालय, औरंगाबाद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द थिएटर ऑफ द ओप्रेस्ड : अंतर क्रियात्मक तथा सर्जनशील नाट्य पद्धति' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (28 दिसंबर, 2015). 'रिथिन्किंग इंपॉवरमेंट ऑफ शेड्यूल्ड कास्ट एण्ड ट्राइब विमेन' विषय पर डॉ.अंबेडकर समाज कार्य महाविद्यालय, वर्धा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्त्री पक्ष के संदर्भ में महात्मा फुले का तृतीय रत्न नाटक' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (08–09 जनवरी, 2016). 'द मेटाफोर्सिस ऑफ एजुकेशन एण्ड विमेन' विषय पर श्री दादा साहेब गवई चेरिटेबल ट्रस्ट, तक्षशिला तथा अंबेडकर कॉलेज, अमरावती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नारी प्रश्न और नाटकों में प्रतिबिंब' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (08–09 जनवरी, 2016). 'भारतीय सिनेमा : कल, आज और कल' विषय पर वी.पी.एम. जोशी तथा बेडेकर कॉलेज, थाणे (मुंबई) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बदल रहा है मराठी सिनेमा' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (4–20 जनवरी, 2016). इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता।

– (18–20 जनवरी, 2016). 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सामाजिक परिवर्तन के लिए रंगमंच और माध्यमों की भूमिका' शोध पत्र प्रस्तुत ।

– (28–30 जनवरी, 2016). 'इंटरएक्टिविटी एण्ड परफॉरमेंस' विषय पर कला एवं संस्कृति निदेशालय, गोवा द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मराठी का पार्टिसिपेटरी थिएटर' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (29–30 जनवरी, 2016) 'बी द चेंज यू वांट टू सी इन द वर्ल्ड' विषय पर गांधी अध्ययन केंद्र, एन.ए.सी.एस. सी., वर्धा द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधी विचारों की प्रासंगिकता और नाट्य साहित्य' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (14–29 फरवरी, 2016). विश्वविद्यालय के साहित्य विद्यापीठ तथा टीएलसीएच द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता।

– (4–7 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'ऑनलाइन (मुडुल) अध्यापन' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।

– (15–16 मार्च, 2016). 'कल्चर ऑफ लर्निंग बियोंड क्लासरूम एण्ड टेक्स्ट बुक्स' विषय पर विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नाट्य शिक्षण : नाट्य प्रशिक्षण में लेबोरेटरी थिएटर' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (19–20 मार्च, 2016). 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर विश्वविद्यालय के आई. क्यू.ए.सी. द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्रदर्शनकारी कलाओं में शोध पद्धति की चुनौतियाँ' शोध पत्र प्रस्तुत।

## प्रकाशन

### पावड़े, सतीश

– (अगस्त, 2015). 'रंगमंचीय नाट्य प्रस्तुति में माइक्रोफोन्स का प्रयोग', दर्ज, 2, 38–41, अमरावती : महिला महविद्यालय।
– (अक्टूबर–दिसंबर, 2015). 'नाट्यानुवाद नाट्य रूपांतरण प्रक्रिया', अनुसृजन (ई.–पत्रिका), 1, 126–129, वर्धा : म.गां. अं.हि.वि., वर्धा।
– (2016). 'गाडगेबाबांची लोकसंवादी कीर्तन शैली', वैराग्यमूर्ति गाडगेबाबा, 73–78, अमरावती : अनघादित्या प्रकाशन।
– (2016). 'सामाजिक परिवर्तन के लिए रंगमंच', मूल्यानुगत मीडिया के मायने, 70–72, दिल्ली : शिवालिक प्रकाशन।
– (2015). 'हिंदी रंगमंच का उत्तर आधुनिक चरित्र', हिंदी आलोचना, 326–330, नागपुर : आस्था प्रकाशन।
– (जनवरी, 2016). 'गांधी विचारों की प्रासंगिकता और नाट्यसाहित्य', बी द चेंज यू वांट टु सी, 1, 434–436, वर्धा : न्यू आर्ट्स कॉलेज।
– (फरवरी, 2016). 'नारी और विद्रोह', बदलता भारतीय परिदृश्य और स्वतंत्र्योत्तर हिंदी नाटक, 1, 172–173, दिल्ली : पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज।
– (मार्च, 2016). 'भाषा–संस्कृति–समाज के परिप्रेक्ष्य में भरत का नाट्यशास्त्र', रंग अभियान, 38, 25–30, बाघा–बिहार : नाट्य विद्यालय।
– (सितंबर, 2015). 'प्रायोगिक रंगभूमीच्या संदर्भात ज्योतिबा फुले यांचे तृतीय रत्न', द कंट्रीब्यूशन एण्ड इम्पैक्ट ऑफ इंडियन फिलोसॉफी', 108–112, यवतमाल : एल.बी.ए. महिला महाविद्यालय।
– (दिसंबर, 2015). 'कीर्तनातून संवाद साधणारे लोकसंत गाडगेबाबा', कर्मयोगी, 4, 61–64, नागपुर : छांदस प्रकाशन।
– (2015). 'नाटकीय वक्तव्य', रंग और व्यंग, नागपुर : शरद प्रकाशन।
– (2016). 'नंगा सत्य', नंगा सत्य, 79–87, दिल्ली : शिल्पायन प्रकाशन।

## उपलब्धियाँ

– प्रो. सुरेश शर्मा द्वारा वर्ष 2015 में 'बापूकुटी' सेवाग्राम आश्रम पर वृत्तचित्र का निर्माण।
– डॉ. सतीश पावड़े को संगीत नाटक अकादेमी (संस्कृति मंत्रालय), भारत सरकार द्वारा 'मेलघाट के आदिवासी तथा पारंपरिक कलाओं के अध्ययन' के लिए शोधवृत्ति प्रदान की गई तथा म.गां.अं.हि.वि.,वर्धा द्वारा वर्ष 2015–16 के लिए उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया गया।

# 3. संस्कृति विद्यापीठ

यह विद्यापीठ संस्कृति एवं समाज विज्ञान के अन्य विमर्शों को समाहित करते हुए बहुसांस्कृतिक अकादमिक विकास के प्रति समर्पित है। विश्वविद्यालय की भूमिका को निश्चित करने तथा यहाँ संचालित कार्यक्रमों के लिए गांधी दृष्टि के साथ यह विद्यापीठ शांतिपूर्ण विकास के मूल्यों का मार्ग प्रशस्त करता है। आज के यथार्थ को स्वीकारते हुए मूलवासियों एवं आदिवासियों की जीवन दृष्टि को, स्त्री, दलित एवं अन्य दमित वर्गों के सामाजिक न्याय प्राप्त करने के संघर्ष को अकादमिक बहसों के जरिए सामने लाना इस विद्यापीठ की समग्र दृष्टि एवं कार्यक्रमों का अभिन्न हिस्सा है। इस विद्यापीठ के अंतर्गत निम्न विभाग और केंद्र हैं :

3.1 विकास एवं शांति अध्ययन विभाग
3.2 स्त्री अध्ययन विभाग
3.3 डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर–सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र
3.4 डॉ. भदंत आनंद कौशल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र

## 3.1 विकास एवं शांति अध्ययन विभाग

विकास एवं शांति अध्ययन भारत में सामाजिक विज्ञान के अध्ययन के क्षेत्र में एक प्रभावशाली कदम है। यह विषय विकास की अवधारणा और शांति से संबद्धता को व्यापक दायरे में समझने की एक दृष्टि देता है। अंतरानुशासनिक चरित्र का यह पाठ्यक्रम विकास की अवधारणा, उसकी चुनौतियाँ, मानव सुरक्षा, नैतिक दृष्टि, सुशासन, विकेंद्रीकरण, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं इसकी राजनीति के साथ–साथ भू–राजनीति एवं सतत् विकास की शिक्षा को अपने में शामिल करता है। विकास एवं शांति के विभिन्न पहलुओं को व्यापक दृष्टि से व्याख्यायित करने वाला यह पाठ्यक्रम न सिर्फ विद्यार्थियों के कौशल एवं क्षमता निर्माण में वृद्धि करता है, बल्कि उन्हें विकास एवं शांति के क्षेत्र में आनेवाली समस्याओं और चुनौतियों को वैश्विक संदर्भ में समझ कर स्थानीय स्तर पर उसके समाधान के लिए प्रेरित भी करेगा और साथ ही देश और समाज के नीति–निर्धारण एवं विकास की नई रणनीति तय करने में भी मददगार होगा।

विकास संबंधी मूल्यों एवं सिद्धांतों के प्रति गंभीर अध्ययन व शोध के साथ–साथ मानवता के लिए प्रतिबद्धता पैदा करने के उद्देश्य से यह पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

**संचालित पाठ्यक्रम**

इस विभाग के अंतर्गत विकास एवं शांति अध्ययन में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. और गांधी अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

**प्राध्यापक विवरण**

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| नृपेन्द्र प्रसाद मोदी | सह प्रोफेसर | 22.03.2007 | पीएच.डी. | सर्वोदय विचार में लोक नीति का स्वरुप : एक समीक्षात्मक अध्ययन | गांधी एवं शांति अध्ययन, राजनीति |
| राकेश मिश्र | सहायक प्रोफेसर | 16.03.2007 | पीएच.डी. | गांधीजी और किसान आंदोलन | शांति अध्ययन, इतिहास और मीडिया |
| मनोज कुमार राय | सहायक प्रोफेसर | 16.03.2007 | पीएच.डी. | आधुनिक युग में योग और शांति की गांधीवादी अवधारणा की प्रासंगिकता | कानून गांधीविचार और दर्शन शास्त्र |
| डी. एन. प्रसाद | सहायक प्रोफेसर | 20.03.2007 | पीएच.डी. | महात्मा गांधी का शैक्षणिक चिंतन | गांधी साहित्य एवं शांति अध्ययन |
| चित्रा माली | सहायक प्रोफेसर | 15.06.2010 | पीएच.डी. | अहिंसक प्रतिरोध के बदलते स्वरुप | अहिंसा एवं शांति अध्ययन और मानवाधिकार |

## शोध परियोजनाएँ

1. 'इम्पैक्ट ऑफ दि पॉलिसी ऑफ लिब्रलाइजेशन, प्राइवेटाइजेशन एण्ड ग्लोबेलाइजेशन ऑन डोमेस्टिक वायलेंस : फोकस ऑन द माइग्रेंट फेमिलीज फ्रॉम बिहार टू दिल्ली, नोएडा एण्ड गुड़गांव' विषय पर डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, डॉ. राकेश मिश्रा और डॉ. सुमित सौरभ को संयुक्त रूप से आई.सी.एस.एस.आर.,नई दिल्ली द्वारा वृहत शोध परियोजना स्वीकृत की गई।
2. 'भारतीयता की पहचान और कुबेरनाथ' विषय पर डॉ. मनोज कुमार राय को कनिष्ठ शोध परियोजना।

## गतिविधियाँ

1. व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत 'भारतीय लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियाँ' विषय पर 30 जून, 2015 को प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने व्याख्यान दिया।
2. 'महिला सशक्तिकरण और भारतीय लोकतंत्र' विषय पर 30 जुलाई, 2015 को आयोजित व्याख्यान समारोह में गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद की प्रो. पुष्पा मोतियानी ने व्याख्यान दिया।
3. 'शांति शिक्षा की सैद्धांतिकी' विषय पर 03 अगस्त, 2015 को शिक्षा विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. अरबिन्द कुमार झा ने व्याख्यान दिया।
4. 'युवाओं से जीवन के बारे में' विषय पर 20 अगस्त, 2015 को सर्व सेवा संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अमरनाथ भाई ने व्याख्यान दिया।
5. 'वर्तमान विकास नीति और गांधीवादी प्रबंधन' विषय पर 12 अक्टूबर, 2015 को कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्याख्यान दिया।

## पोस्ट डॉक्टरल फेलो (पी.डी.एफ.)

1. डॉ. अर्चना पाठ्या, विषय : '21वीं सदी में शिक्षा की चुनौतियां एवं संभावनाएँ', विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित।
2. डॉ. विलास महादेवराव वाणी, विषय : 'उदारीकरण, कृषि विकास एवं किसान आत्महत्याएँ : विदर्भ प्रदेश (महाराष्ट्र)', भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित।
3. डॉ. मुकेश कुमार, विषय : 'अति पिछड़ा वर्ग का राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण', भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित।

## संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण

### मोदी, नृपेन्द्र प्रसाद

– (29 सितंबर, 2015). जवाहर नवोदय विद्यालय, वर्धा द्वारा आयोजित 'हिंदी पखवाड़ा' कार्यक्रम में वक्तव्य।
– (29 जनवरी, 2016). 'बी द चेंज यू वांट टू सी इन दी वर्ल्ड : महात्मा गांधी' विषय पर न्यू आर्ट्स, साइंस एवं कॉमर्स कॉलेज, वर्धा के गांधी अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महिला शिक्षा और सशक्तीकरण' पर वक्तव्य।
– (30 जनवरी, 2016). शासकीय कन्या महाविद्यालय, इटारसी (मध्यप्रदेश) द्वारा 'महिला शिक्षा के समक्ष उपस्थित चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान एवं सत्र की अध्यक्षता।
– (16–29 फरवरी, 2016). विश्वविद्यालय के हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग द्वारा मध्यकाल का वर्तमान (भक्ति आंदोलन के संदर्भ में) शीर्षक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'मध्य कालीन संत कवियों का गांधी चिंतन पर प्रभाव' विषय पर व्याख्यान।
– (26–27 फरवरी, 2016). गांधी अध्ययन केंद्र, डिग्री कॉलेज ऑफ फिजिकल एजूकेशन, एच.वी.एम. अमरावती द्वारा 'गांधी विचारों का स्थायित्व वर्तमान परिपेक्ष्य में' विषय पर आयोजित छठे राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान तथा तीन सत्र

की अध्यक्षता।
– (13–15 मार्च, 2016). हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा नागपुर में आयोजित 68वें अधिवेशन एवं संगोष्ठी में सहभागिता।
– (19–20 मार्च, 2016). राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बैंगलुरु द्वारा प्रायोजित एवं विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान एवं सह–अध्यक्षता।

**मिश्रा, राकेश**
– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मीडिया और नवाचार' पर आलेख प्रस्तुत।
– (7–9 अगस्त, 2015). विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पूर्वोत्तर के संदर्भ में पॉलिटिकल करेक्टनेस की समस्या' पर शोध पत्र प्रस्तुत।
– (8 अगस्त, 2015). ई.जेड.सी.सी., कोलकाता में 'विजय तेंदुलकर के नाटकों में सामाजिक हिंसा' विषय पर व्याख्यान।
– (15–16 अक्टूबर, 2015). नागपुर में आयोजित संगमन 21 में 'प्रतिरोध और रचनात्मकता का अंतःसंबंध' विषय पर व्याख्यान।
– (24–26 अक्टूबर, 2015). आइसेक्ट विश्वविद्यालय, भोपाल में 'साहित्य की चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान।
– (16–29 फरवरी, 2016). विश्वविद्यालय के हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग द्वारा 'मध्यकाल का वर्तमान (भक्ति आंदोलन के संदर्भ में)' विषय पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता।
– (19–20 मार्च, 2016). राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बैंगलुरु द्वारा प्रायोजित एवं विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान।
– (28–29 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'शिक्षण, सीखने और जानने की दृष्टियों में बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की सह–अध्यक्षता।

**राय, मनोज कुमार**
– (29 सितंबर–19 अक्टूबर, 2015). काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 'महामना मालवीय और उनकी दृष्टि' विषय पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता।
– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।
– (25 जनवरी, 2016). इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति वि.वि. द्वारा आयोजित शोध–प्रविधि कार्यशाला में 'शोध में नैतिकता' विषय पर व्याख्यान।
– (26–27 मार्च 2016). नेहरु मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डॉ. अंबेडकर एक उदारवादी चिंतक' विषय पर व्याख्यान।
– (30 मार्च, 2016). प्रेमचंद और साझा संस्कृति पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'साझा संस्कृति बनाम समन्वय संस्कृति' पर पत्र वाचन।
– (31 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के सामुदायिक महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'भारतीय वस्त्रोद्योग में कौशल विकास' विषय पर व्याख्यान।

**प्रसाद, डी.एन.**
– (17–19 जुलाई, 2015). मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, भोपाल द्वारा आयोजित 22वीं पावस व्याख्यानमाला में 'महिला कथाकारों द्वारा नए रास्ते की तलाश : संदर्भ राजी सेठ का तत्सम की वसुधा' विषय पर व्याख्यान।

– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अभिव्यक्ति की छटपटाहट : इंडियन ओपीनियन की अवधारणा और सत्याग्रह–संघर्ष' शोध पत्र प्रस्तुत एवं सत्र संयोजक।
– (10–12 सितंबर, 2015). भोपाल में आयोजित दसवें विश्व हिंदी सम्मेलन में सहभागिता।
– (25 सितंबर, 2015). लोकनायक बापूजी अणे महिला महाविद्यालय, यवतमाल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय चिंतकों एवं सामाजिक सुधारकों का अवदान एवं प्रभाव' विषय पर वक्तव्य।
– (15–16 अक्टूबर, 2015). हुद्लेप्पा हल्लिकेरी कॉलेज, हावेरी, कर्नाटक द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'दक्षिण भारत के साहित्यकारों का योगदान' शोध पत्र प्रस्तुत एवं एक सत्र की अध्यक्षता।
– (21–23 नवंबर, 2015). राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित 38 वें भारतीय गांधी अध्ययन समिति के गांधी विमर्श में 'पाठ्य और प्रसंग : गांधी विमर्श बनाम हिन्द स्वराज' पर बीज वक्तव्य।
– (20 दिसंबर, 2015). विदर्भ हिंदी साहित्य सम्मेलन, नागपुर द्वारा आयोजित सम्मेलन में 'हिंदी की वैश्विक यात्रा' पर पत्र वाचन।
– (22–23 दिसंबर, 2015). हिंदी विभाग, सरदार पटेल महाविद्यालय, चंद्रपुर एवं महाराष्ट्र हिंदी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 'हिंदी साहित्य की कालजयी रचनाएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एक था चंदर एक थी सुधा' पर पत्र वाचन।
– (3–4 जनवरी, 2016). गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद द्वारा गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, गुजरात में आयोजित सांस्कृतिक परिसंवाद कार्यक्रम में 'प्रवासी साहित्य, संस्कृति और समाज : मातृभूमि और विस्थापन' पर व्याख्यान।
– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र अध्यक्षता।
– (14–15 फरवरी, 2016). मध्यप्रदेश दलित साहित्य अकादमी, उज्जैन द्वारा 'डॉ. अंबेडकर तथा जातिविहिन समतामूलक समाज : चुनौतियाँ एवं समाधान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'समतामूलक समाज की अवधारणा में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिष्ठापना' शोध पत्र प्रस्तुत एवं अध्यक्षता।
– (29 फरवरी–01 मार्च, 2016). अखिल भारतीय नई तालीम समिति, सेवाग्राम आश्रम, वर्धा द्वारा 'नई शिक्षा नीति और नई तालीम' विषय पर आयोजित परिसंवाद कार्यक्रम में सहभागिता।
– (13–15 मार्च, 2016). हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा नागपुर में आयोजित 68 वें अधिवेशन में 'राष्ट्रभाषा की अस्मिता' पर पत्र वाचन।
– (19–20 मार्च, 2016). राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बैंगलुरु द्वारा प्रायोजित तथा विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता–संवर्धन : समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शिक्षण की अपेक्षा सीखने पर अधिक बल होना चाहिए' पर पत्र वाचन।

**माली चित्रा**

– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पब्लिक स्फियर और मीडिया' पर पत्र वाचन।
– (21–23 नवंबर, 2015). राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित 38 वें भारतीय गांधी अध्ययन समिति के गांधी विमर्श में 'स्त्री और पर्यावरण' पर पत्र वाचन।
– (19–20 मार्च, 2016). राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बैंगलुर द्वारा प्रायोजित तथा विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'उच्च शिक्षा : जीवन की गुणवत्ता और विकास' पर पत्र वाचन।
– (29–31 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई

दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'मध्य भारत में देशज संस्कृति, भाषा एवं जेंडर के प्रश्न' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विकास की राजनीति और आंदोलनों का स्वरुप' पर पत्र वाचन।

**प्रकाशन**

**मोदी, नृपेन्द्र प्रसाद**

– (जून, 2015). 'स्वच्छ एवं समर्थ भारत', राजघाट समाधि पत्रिका, 2, 28–33, नई दिल्ली : राजघाट समिति।
– (2015) 'महात्मा गांधी और हिंदी', हिंदी का वैश्विक परिदृश्य (नवें विश्व हिंदी सम्मेलन की पुस्तक), 32–34, वर्धा : म. गां.अं.हि.वि.।
– (सितंबर, 2015). 'गांधीजी और तकनीक', राजघाट समाधि, 3, 16–19, नई दिल्ली : राजघाट समाधि।

**मिश्रा, राकेश**

– (अप्रैल–जून, 2015). 'हिन्द स्वराज : पाठ की संरचना और निहितार्थ', पूर्वग्रह, 149 भोपाल : भारत भवन।
– (जनवरी–मार्च, 2016). 'रचना में न्यायबोध की माँग', अकार, कानपुर।

**राय, मनोज कुमार**

– (2015). 'हिन्द स्वराज : अरथ अमित आखर अति थोरे', दिल्ली : लोकायत प्रकाशन।
– (1–15 जून, 2015). संस्कृति का शेषनाग, यथावत।
– (जून, 2015). चंद्रमा मनसों जाता, गर्भनाल ।
– (जुलाई–दिसंबर, 2015). कलिकाल का विद्वत समाज, निमित्त (ई.–पत्रिका), वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
– (मार्च–जून, 2016). 'भारतीय कला के भागीरथ आनंद कुमार स्वामी', हिन्दुस्तानी जबान
– (अक्टूबर–दिसंबर, 2015). 'गहि न जाई अस अभ्दुत बानी', चिंतन सृजन
– (जुलाई–दिसंबर, 2015). 'नक्सलपंथ का लौह–मृदंग और महात्मा गांधी', दि इक्वैनिमिस्ट
– (2015). 'बाणभूमि का सरस्वती–साधक पुराण–पुरुष', डॉ.गंगासागर राय स्मृति ग्रंथ,

**प्रसाद, डी.एन.**

– (अप्रैल, 2015) 'तुलनात्मक अध्ययन की पारस्परिकता', समकालीन भारतीय साहित्य', 178, 202–204, नई दिल्ली : साहित्य अकादेमी।
– (अप्रैल, 2015). 'जहाँ से उजास बनाम उजास की घरोहर', वागर्थ, 237, 97–98, कोलकाता : भारतीय भाषा परिषद।
– (मई, 2015). 'शांति शिक्षा की व्यावहारिकता', अंतिमजन, 5, 23–26, नई दिल्ली : गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति।
– (जुलाई, 2015). 'ग्लोबलाइजेशन : इसेंस ऑफ हॉर्मोनी फॉर पीस', इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइंस एण्ड ऑर्गेनाइजेशनल बिहैवियर, 4, 36–40, वर्धा : मनोविज्ञान विभाग, म.ग.अं.वि.।
– (जुलाई, 2015). 'समतानिष्ठ भारतीय समाज की अवधारणा', नागफनी, 19–20, 26–28, मसूरी।
– (जुलाई–सितंबर, 2015). 'गाँधी चिंतन का निचोड़ : स्वराज', कर्तव्य चक्र, 4, 49–50, शामली : कर्तव्य शिक्षण सेवा समिति।
– (जुलाई–सितंबर, 2015). 'सत्याग्रह : अहिंसक प्रतिरोध की प्रविधि', चिंतन–सृजन, 1, 56–72, दिल्ली : आस्था भारती।
– (जुलाई–सितंबर, 2015). 'हिंदी शब्दकोश की रुप संरचना', शोध दिशा, 30, 143–149, बिजनौर : हिंदी साहित्य निकेतन।
– (सितंबर, 2015). 'गाँधी जी की भाषा–नीति', तथ्य भारती, 204, 34–37, कोटा।
– (सितंबर, 2015). 'गाँधी चिंतन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी', राजघाट समाधि पत्रिका, 3, 11–12, नई दिल्ली : राजघाट समाधि समिति।
– (सितंबर, 2015). 'लज्जा : प्रसाद का स्त्रैण–बोध और नारी–शील', विश्वभारती पत्रिका, 1–2, 110–118, शांतिनिकेतन : विश्वभारती।

– (अक्टूबर, 2015). 'आत्मकथा : जीवन दर्पण का प्रतिबिंब', वीणा, 10, 19–23, इन्दौर : श्रीमध्यभारत हिंदी साहित्य समिति।
– (अक्टूबर, 2015). 'गाँधी, हिंदी और हिंदुस्तानी', अभिनव इमरोज, 10, 65–69, नई दिल्ली : सभ्या प्रकाशन।
– (अक्टूबर, 2015). 'दसवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन का निहितार्थ', तथ्य भारती, 205, 36–37,40, कोटा।
– (नवंबर–दिसंबर, 2015) 'दिनकरजी' 'धर्मयुग' को भारतीजी की उच्चकोटि की रचना मानते थे', अक्षरा, 141, 55–58, भोपाल : मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति।
– (दिसंबर, 2015). 'हिंदी की वैश्विक यात्रा', पूर्णा, 8, 21–24, नागपुर : विदर्भ हिंदी साहित्य सम्मेलन।
– (दिसंबर, 2015). 'हिंदी की प्रचार संस्थाओं का ऐतिहासिक गौरव–ग्रंथ', राष्ट्रभाषा, 12, 7–10, वर्धा : राष्ट्रभाषा प्रचार समिति।
– (दिसंबर, 2015). 'आलोचना का लोचन आलोकित होता है डॉ.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी की आलोचना धर्मिता से', अभिनव इमरोज, 12, 114–116, नई दिल्ली : सभ्या प्रकाशन।
– (2015). 'अभिव्यक्ति की छटपटाहट : इंडियन ओपीनियन की अवधारणा और सत्याग्रह–संघर्ष', आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव (सं.प्रो.अनिल कुमार राय), 121–132, लातूर : प्रवर्तन पब्लिकेशन।
– (2015). 'एक था चन्दर एक थी सुधा', हिंदी साहित्य की कालजयी रचनाएँ (सं. डॉ. मधुकर खराटे), 162–166, कानपुर : श्रीराम प्रकाशन।
– (2016). 'ग्लोबलाइजेशन : इसेंस ऑफ हॉर्मोनी फॉर पीस', इंडियन पर्सपेक्टिव ऑफ पीस एण्ड डेवलपमेंट : लीडिंग टू ग्लोबल हॉर्मोनी एण्ड यूनिटी (सं. प्रो.रवीन्द्र कुमार), 27–33, पिलानी : श्रीधर विश्वविद्यालय।

**माली, चित्रा**

– (अप्रैल–मई, 2015). '21वीं सदी और पितृसतात्मक नज़रिया', संगम, 1–3 33–3, पटियाला।
– (जनवरी–मार्च, 2016). 'इकोफेमिनिज्म और वैश्विक पर्यावरणीय बहस', कर्तव्य चक्र, 3, 19–21, शामली : कर्तव्य शिक्षण सेवा समिति।

## 3.2 स्त्री अध्ययन विभाग

स्त्री–अध्ययन वस्तुतः स्त्रीवादी दृष्टिकोण की निरंतरता में एक अभिप्रयास है जो प्रत्येक व्यक्ति की मानवता एवं समतामूलक समाज में विश्वास करता है। यह समाज के प्रत्येक तबके के अनुभवों को केंद्र में रखकर ज्ञान के प्रति एक नया दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है जो समतामूलक ज्ञान की रूढ़ सीमाओं को तोड़कर ज्ञान को उसके वृहद रूप में प्रस्तुत करता है। अंतर–अनुशासनिक विषय होने के कारण यह अन्य विषयों के साथ ज्ञानात्मक संबंध भी स्थापित करता है। स्त्री अध्ययन की शुरूआत इस तथ्य के साथ हुई है कि स्त्री या पुरुष होना मात्र जैविकीय ही नहीं, सामाजिक निर्मित्ति भी है।

'स्त्री अध्ययन' सिर्फ स्त्रियों का या स्त्रियों के लिए ही विषय नहीं है बल्कि यह विभिन्नताओं का संयोजन है। यह 'संपूर्ण मानवता' का अध्ययन है जिसके जरिए हम हाशिए पर खड़े उन सभी समूहों का अध्ययन करते हैं जिसे मुख्यधारा का ज्ञान नजरअंदाज करता है तथा हाशिए पर मानकर चलता है।

विश्वविद्यालय का यह स्त्री–अध्ययन विभाग अपने वास्तविक जनतांत्रिक स्वरूप में स्त्री–अध्ययन की मूल अभिप्रेरणाओं से संचालित है। हम इसे स्त्री–विमर्श का अंतरराष्ट्रीय केंद्र बनाने में प्रयासरत हैं। हिंदी माध्यम में स्त्री–अध्ययन को पूर्णकालिक विषय के रूप में शुरू किए जाने के निम्नलिखित उददेश्य हैं– 1. हिंदी माध्यम में व्यवस्था के सत्तापरक संरचना की पड़ताल करते हुए जेंडर संवेदनशील दृष्टिकोण को विकसित करना, 2. हिंदी भाषा के वृहत्तर परिप्रेक्ष्य में स्त्री विषयक प्रश्नों एवं अधिकारों से विद्यार्थियों को अवगत कराना, 3. जेंडर न्याय के प्रति प्रतिबद्धता पैदा कर समतामूलक समाज की दिशा में पहलकदमी, 4.सत्तामूलक एवं एकांगी ज्ञान को चुनौती देते हुए हाशिए के ज्ञान को केंद्र में लाना, 5. अकादमिक एवं सामाजिक आंदोलनों के बीच संबंध स्थापित करवाना, 6.अकादमिक एवं सामाजिक यथार्थ के बीच के

अंतर को समाप्त करना, 7. दूर शिक्षा कार्यक्रम के द्वारा समाज के हर तबके विशेष तौर पर शिक्षा से वंचित तबके की उच्च शिक्षा तक पहुँच आसान बनाना।

## संचालित पाठयक्रम

इस विभाग के अंतर्गत स्त्री अध्ययन में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., अंशकालीन स्नातकोत्तर डिप्लोमा और देशज संस्कृति, भाषा और जेंडर पर स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

## प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| शंभु गुप्त | प्रोफेसर | 13.07.2010 | पीएच.डी. | हिंदी संत काव्य में सूक्ति विधान | साहित्यालोचना, साहित्य का नारीवादी अध्ययन |
| सुप्रिया पाठक | सहायक प्रोफेसर | 20.03.2007 | पीएच.डी. | पारसी हिंदी रंगमंच एवं महिलाएं | स्त्री एवं मीडिया, रंगमंच एवं स्त्री, नारीवादी सैद्धांतिकी, भाषा एवं साहित्य, नारीवादी शोध प्रविधि |
| अवन्तिका शुक्ला | सहायक प्रोफेसर | 27.04.2007 | पीएच.डी. | कथक की परंपरा, घराने एवं स्त्री प्रश्न | स्त्री एवं श्रम, प्रदर्शन कलाओं में स्त्रियाँ, जाति, वर्ग एवं जेंडर के प्रश्न, नारीवादी शोध प्रविधि |
| चरनजीत | सहायक प्रोफेसर* | 18.09.2015 | एम.फिल. | सीमा क्षेत्र में महिला प्रश्न : गुरदासपुर जिले के विशेष संदर्भ में | स्त्री अध्ययन, प्रवास और डायस्पोरा |

(* अस्थाई)

## शोध परियोजनाएँ

सुप्रिया पाठक, शिक्षा, जेंडर एवं राष्ट्रीय नीतियां : एक नारीवादी अध्ययन, विश्वविद्यालय द्वारा वित्तपोषित।
अवन्तिका शुक्ला, परिवार की बदलती अवधारणा और नौकरीशुदा एकल गृहस्थ (विवाहित) महिलाएँ : एक जेंडरगत अध्ययन।

## गतिविधियाँ

1. 'महिला एवं कानून' प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन स्त्री अध्ययन विभाग तथा पार्टनर्स फॉर लॉ इन डेवलेपमेंट, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 09–11 अप्रैल, 2015 को किया गया।
2. प्रेमचंद जयंती के अवसर पर 'प्रेमचंद के साहित्य में स्त्री' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन 31 जुलाई, 2015 को किया गया।
3. 'देशज संस्कृति, भाषा और जेंडर' विषय पर व्याख्यान समारोह का आयोजन 8–10 अगस्त, 2015 को किया गया जिसमें आई.आई.आई.टी., हैदराबाद के प्रो.नन्द किशोर आचार्य ने संस्कृति, भाषा और जेंडर पर वक्तव्य दिया।
4. स्त्री अध्ययन विभाग तथा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के संयुक्त तत्वावधान में 'मानवाधिकार पर एक दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजन 03 अक्टूबर, 2015 को किया गया। टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई की प्रो.इलीना सेन तथा सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश खैरनार ने विमर्श किया।
5. 'जेंडर एवं शिक्षा' विषय पर सात दिवसीय (4–10 अक्टूबर, 2015) पाठ्यक्रम का आयोजन स्त्री अध्ययन विभाग तथा निरंतर संस्था, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।
6. 'जेंडर एवं स्वास्थ' विषय पर कार्यशाला का आयोजन स्त्री अध्ययन विभाग तथा समा (Sama: Resource Group for Women & Health, New Delhi), नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 18–20 नवंबर, 2015 को किया गया।
7. 'साहित्य, सिनेमा और समाज' विषय पर विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद के डॉ.एम.वेंकटेश्वर ने 14 जनवरी, 2016 को विशेष व्याख्यान दिया।

8. 'महिलाओं तथा बच्चों की तस्करी आंधप्रदेश के विशेष संदर्भ में' विषय पर हैदराबाद विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग, विभागाध्यक्ष, प्रो.रेखा पांडे ने 02 फरवरी, 2016 को विशेष व्याख्यान दिया।
9. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (08 मार्च, 2016) के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, अभिनेत्री असीमा भट्ट तथा प्रसिद्ध लेखिका चित्रा मृद्गल ने व्याख्यान दिया।
10. 'मध्य भारत में देशज संस्कृति भाषा एवं जेंडर के प्रश्न' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन स्त्री अध्ययन विभाग एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान,अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 29–31 मार्च, 2016 को किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो.इलीना सेन, प्रो.नंदकिशोर आचार्य, प्रो.रेखा पाण्डेय, डॉ.सोमा सेन, डॉ.शुभ्रा नगालिया, डॉ.उमाकांत चौबे, प्रो.प्रदीप देशमुख, प्रो.विना दाढे, प्रो.सुरेश खैरनार, श्रीमती चित्रा मृद्गल ने अपने विचार व्यक्त किए।

## संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण

### पाठक, सुप्रिया

– (9–11 अप्रैल, 2015). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा 'महिला एवं क़ानून' विषय पर आयोजित कार्यशाला की समन्वयक।
– (31 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा 'प्रेमचंद के साहित्य में स्त्री' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का संयोजन।
– (3 अक्टूबर, 2015). मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली एवं विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा 'मानवाधिकार एक दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का संयोजन।
– (4–10 अक्टूबर, 2015). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग एवं निरंतर, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'जेंडर और शिक्षा' विषय पर आयोजित कार्यशाला का संयोजन।
– (18–20 नवंबर, 2015). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग एवं समा (महिला व स्वास्थ्य संदर्भ समूह), नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'जेंडर और स्वास्थ्य' विषय पर आयोजित कार्यशाला में संयोजक।
– (9 मार्च, 2016). अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इंडिया पीस सेंटर, नागपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'लेट मी स्पीक' विषय पर व्याख्यान।
– (29–31 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'मध्य भारत में देशज संस्कृति, भाषा एवं जेंडर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की समन्वयक।

### शुक्ला, अवन्तिका

– (3 जनवरी, 2015). सावित्री बाई फुले के जन्म दिवस के अवसर पर 'सावित्री बाई फुले की वर्तमान प्रासंगिकता' विषय पर व्याख्यान समारोह का आयोजन।
– (8 अप्रैल, 2015). विश्वविद्यालय के सावित्री बाई फुले छात्रावास में 'मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता' हेतु व्याख्यान का आयोजन।
– (9–11 अप्रैल, 2015). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा 'महिला एवं क़ानून' विषय पर आयोजित कार्यशाला का संयोजन।
– (4 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय द्वारा डिजिटल इंडिया सप्ताह के अंतर्गत 'डिजिटल इंडिया आंदोलन भारतीय समाज को शक्तिशाली बनाएगा' विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में सहभागिता।
– (13 अगस्त, 2015). विश्वविद्यालय के डिबेटिंग सोसायटी द्वारा 'भारतीय लोकतंत्र खतरे में है' विषय पर वाद– विवाद प्रतियोगिता का आयोजन।

– (18–30 अक्टूबर, 2015). टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस, मुंबई द्वारा 'सोशल साइंस कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप इन रिसर्च मैथोडोलोजी' विषय आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
– (29 दिसंबर, 2015). विश्वविद्यालय के 18वें स्थापना दिवस के अवसर पर ज़िला स्तरीय गांधी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन।
– (30 दिसंबर, 2015). विश्वविद्यालय के 18वें स्थापना दिवस के अवसर पर 'असहिष्णुता के मुद्दे पर पुरस्कार लौटाना राजनीति प्रेरित है' विषय पर ज़िला स्तरीय वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन।
– (12–15 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 'जनतंत्र में मतदाता की भूमिका एवं मतदान का महत्त्व' विषय पर आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में सहभागिता।
– (8 मार्च, 2016). अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कौन गढ़ता है भारतीय नारी की परिभाषा' विषय पर आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में सहभागिता।
– (9 मार्च, 2016). अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इंडिया पीस सेंटर, नागपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'लेट मी स्पीक' विषय पर व्याख्यान।
– (19 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के आतंरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ तथा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू के संयुक्त तत्वावधान में 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत।
– (29–31 मार्च, 2016). 'मध्य भारत में देशज संस्कृति, भाषा एवं जेंडर' विषय पर विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन।

**चरनजीत**

– (3 अक्टूबर, 2015). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'मानवाधिकार पर एक दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
– (4–10 अक्टूबर, 2015). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग एवं निरंतर, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'जेंडर और शिक्षा' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
– (18–20 नवंबर, 2015). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग एवं समाः (महिला व स्वास्थ्य संदर्भ समूह), नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'जेंडर और स्वास्थ्य' विषय पर आयोजित कार्यशाला का संयोजन।
– (11 फरवरी, 2016). मातृसेवा संघ समाजकार्य संस्थान, नागपुर द्वारा 'शोध समस्या एवं शोध प्रस्ताव निर्माण' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
– (14 फरवरी, 2016). मातृसेवा संघ समाजकार्य संस्थान, नागपुर तथा सपेर कॉलेज, इसराइल के संयुक्त तत्वावधान में 'भारत तथा इसराइल की कृषि की वास्तविकताएँ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।
– (29–31 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'मध्य भारत में देशज संस्कृति, भाषा एवं जेंडर के प्रश्न' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सह–संयोजक।

**प्रकाशन**

**पाठक, सुप्रिया**

– (2015). 'शिक्षा एवं जेंडर के प्रश्न', संवर्धन (ई.–पत्रिका), 1, 15–17, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
– (मार्च, 2016). 'नारीवादी साहित्य विमर्श के समक्ष चुनौतियाँ', हिंदी समय, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।

**शुक्ला, अवन्तिका**

– (सितंबर, 2015). 'सबसे पहले आपको ईमानदार होना चाहिए' (शोभना नारायण का अवन्तिका शुक्ला से संवाद), ताना

बाना, 1, 42–52, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
– (जनवरी, 2016). 'महिला आंदोलन 1990 के बाद', समयांतर, 47(4), 69–74, नई दिल्ली।
– (जनवरी, 2016). 'कत्थक में स्त्री की आवाज और प्रतिरोधी स्वर (विशेष संदर्भ : नृत्य में नवाचार एवं सामाजिक राजनैतिक मुद्दे)', हिंदी टेक (ई.–पत्रिका), वर्धा।
– (जनवरी, 2016). 'अच्छी लड़कियाँ प्रेम नहीं करतीं', हिंदी समय, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
– (जनवरी, 2016). 'सीता के मिथक का विकास' (अनु.), द ड्वलप्मेंट ऑफ सीता मिथ : ए केस स्टडी ऑफ वूमेन एंड लिटरेचर (उमा चक्रवर्ती), हिंदी समय, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
– (फरवरी, 2016). 'स्त्री आत्मकथाएँ एवं उनका प्रतिरोधी स्वरूप', चौपाल, 1, 1–7, एटा।
– (27 मार्च, 2016). 'सीता के मिथक का विकास मिथ और साहित्य में महिलाएँ' (अनु.) द डेवलपमेंट ऑफ सीता मिथ : ए केस स्टडी ऑफ वूमेन एंड लिट्रेचर (उमा चक्रवर्ती), सहारा समय, 11 यू.पी. : नोएडा।

## 3.3 डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर–सिदो–कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र

डॉ.बाबा साहेब अंबेडकर सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र के उद्देश्य निम्न हैं : 1.दलित एवं आदिवासी अध्ययन की सैद्धांतिकी का विकास, 2. दलित एवं आदिवासी अध्ययन के स्वरुप, क्षेत्र एवं आयामों को परिभाषित एवं विकसित करना, 3. दलित एवं आदिवासी अध्ययन की प्रासंगिकता, 4. दलित एवं आदिवासी विकास के मुद्दों की समझ पैदा करना, 5. दलित एवं आदिवासियों के अधिकार एवं संरक्षण के लिए नीतियों को बनाना, 6.दलित एवं आदिवासियों के सशक्तिकरण के लिए अंबेडकर की विचारधारा की समझ विकसित करना और उनके ऊपर होने वाले सभी प्रकार के अत्याचारों एवं हिंसा के विरोध में स्वर को मुखर करना, 7. भारतीय दलित एवं अमेरिकन अश्वेत समुदायों के साथ अन्य देशों के वंचित समूहों का तुलनात्मक अध्ययन करना और भारतीय आदिवासी समाज तथा अन्य देशों के आदिवासी समाज के साझे मुद्दों के प्रति समझ पैदा करना साथ ही उनके सशक्तिकरण के लिए विभिन्न देशों की सरकारों और उन देशों में निवास कर रहे दूसरे समुदायों के बीच संवेदनशीलता पैदा करना।

### संचालित पाठ्यक्रम

इस केंद्र के अंतर्गत दलित एवं जनजाति अध्ययन में एम.ए., एम.फिल. और पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

### प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| एल.कारूण्यकरा | प्रोफेसर / निदेशक | 23.04.2008 | एम.फिल. पीएच.डी. | बौद्ध दृष्टि का आधुनिकीकरण : अंबेडकर तथा चौदहवें दलाई लामा का योगदान | दलित अध्ययन |

### गतिविधियाँ

1. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 'दलित और सामाजिक बदलाव' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन 14 अप्रैल, 2015 को किया गया।
2. 'आदिवासी परंपरा और आधुनिकता' विषय पर चर्चा का आयोजन 10 अगस्त, 2015 को किया गया।
3. 'दलित राजनीति' विषय पर आयोजित व्याख्यान समारोह में हैदराबाद विश्वविद्यालय के डॉ.के.वाई. रत्नम ने 14 मार्च, 2016 को व्याख्यान दिया।
4. 'अंबेडकर एवं राष्ट्रवाद' विषय पर आयोजित व्याख्यान समारोह में डॉ. नितीन राऊत ने 16 मार्च, 2016 को विशेष व्याख्यान दिया।

**संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण**

**कारूण्यकरा, एल.**

– (23 सितंबर, 2015). इग्नू, नई दिल्ली में अंबेडकर विचार के पाठ्यक्रम निर्माण हेतु विशेषज्ञ सदस्य के रूप में सहभागिता।

– (26–27 फरवरी, 2016). महू विश्वविद्यालय द्वारा 'कमज़ोर वर्गों के सामाजिक उत्थान में डॉ.बी.आर. अंबेडकर की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्तव्य।

## 3.4 डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र

वर्धा स्थित राष्ट्रभाषा प्रचार समिति में 14 अप्रैल, 2004 को बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की जयंती के दौरान कार्यक्रम के अध्यक्ष व म.गां.अं.हिं.वि. के तत्कालीन कुलपति प्रो. जी. गोपीनाथन द्वारा भारतीय संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर के अगाध हिंदी–प्रेम एवं हिंदी के प्रति उनकी संवैधानिक प्रतिबद्धता को देखकर और भारत में बौद्ध धम्म एवं दर्शन को पुनर्जीवित करने के उनके कार्य को सुदृढ़ आधार प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय में 'बौद्ध अध्ययन केंद्र' की आधारशिला रखी गई। बौद्ध अध्ययन व पालि भाषा एवं साहित्य में पठन–पाठन और शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 11 वीं पंचवर्षीय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की इपोक मेकिंग थिंकर्स योजना के अंतर्गत वर्ष 2007–2008 में यह केंद्र स्थापित किया गया।

### संचालित पाठ्यक्रम

इस केंद्र के अंतर्गत बौद्ध अध्ययन में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. तथा बौद्ध अध्ययन, पालि भाषा एवं साहित्य, बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग, तिब्बती भाषा एवं धर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और पालि भाषा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

### प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| सुरजीत कुमार सिंह | सहायक प्रोफेसर | 01.07.2010 | पीएच.डी. | बौद्ध अध्ययन | बौद्ध अध्ययन बौद्ध दर्शन, पालि भाषा |
| रवि शंकर सिंह | सहायक प्रोफेसर* | 15.10.2009 | पीएच.डी. | बौद्ध अध्ययन | बौद्ध अध्ययन बौद्ध दर्शन, पालि भाषा तिब्बती भाषा, तिब्बती भाषा, बौद्ध पर्यटन |
| शुंभांगी शंभरकर | सहायक प्रोफेसर* | 07.08.2014 | पीएच.डी. | बौद्ध अध्ययन | बौद्ध अध्ययन बौद्ध दर्शन, पालि भाषा तिब्बती भाषा, तिब्बती भाषा, बौद्ध पर्यटन |

(* अस्थाई)

### गतिविधियाँ

1. केंद्र के पर्यटन डिप्लोमा के छात्र विकास कुमार द्वारा भद्रावती बौद्ध गुफाओं की पर्यटक यात्रा पर निर्मित फ़िल्म का लोकार्पण डॉ. एम. एल. कासारे ने 11 अप्रैल, 2015 को किया।
2. केंद्र के विद्यार्थियों द्वारा हस्तलिखित भित्तिपत्रिका का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा 15 अगस्त, 2015 को किया गया।
3. बौद्ध धम्म से जुड़ी फ़िल्में तथा वृत्तचित्रों का तीन दिवसीय महोत्सव 18–20 अगस्त, 2015 को आयोजित किया गया।
4. डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन व्याख्यानमाला–2016 के अंतर्गत 05 जनवरी, 2016 को भदंत विमलकित्ती गुणसिरी, कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र और संकायाध्यक्ष प्रो.एल.कारूण्यकरा ने व्याख्यान दिए।

### शोध परियोजना

सिंह, सुरजीत कुमार– वर्धा शहर के बौद्धों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति का अध्ययन, विश्वविद्यालय की शोध

परियोजना के अंतर्गत वित्तपोषित, अवधि एक वर्ष।

**संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण**

**सिंह, सुरजीत कुमार**

– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी में 'धार्मिक व आध्यात्मिक खबरों का स्वरूप : दैनिक भास्कर के विशेष संदर्भ में' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (6 अगस्त, 2015). हिरोशिमा दिवस के अवसर पर फ्यूजी गुरूजी मेमोरियल ट्रस्ट, वर्धा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'विश्व शांति की आवश्यकता' विषय पर व्याख्यान।

– (24–26 अक्टूबर, 2015). साँची बौद्ध–ज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 'धर्मों के बीच सद्भाव और मानव कल्याण' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सम्राट अशोक के कल्याणकारी बौद्ध धम्म की रूपरेखा' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (11 दिसंबर, 2015). पीडब्ल्यूएस आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज, नागपुर द्वारा 'वैश्विक सामाजिक जीवन पर बौद्ध धम्म का प्रभाव' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का वैश्विक समुदाय पर प्रभाव' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी में 'समाचार पत्रों की धार्मिक खबरों का स्वरूप' शोध पत्र प्रस्तुत।

**शंभरकर, शुभांगी**

– (24–26 अक्टूबर, 2015), 'धर्मों के बीच सद्भाव और मानव कल्याण' विषय पर साँची बौद्ध–भारतीय अध्ययन विश्वविद्यालय, साँची और इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में इंदौर में आयोजित तृतीय अंतरराष्ट्रीय धर्म धम्म संगोष्ठी में शोध पत्र 'बौद्ध धम्म का कल्याणकारी स्वरूप' प्रस्तुत।

**प्रकाशन**

**सिंह, सुरजीत कुमार**

– (सितंबर, 2015). 'ज्ञान की विविधतापूर्ण दुनिया में हमारी वस्तुनिष्ठता कैसे बने', निमित्त (ई. पत्रिका), 3, 52–56, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।

– (अक्टूबर, 2015). 'डॉ. भीमराव अंबेडकर के बाद बौद्ध धम्म की दिशा व दशा', दलित दस्तक, 5, 24–27, नई दिल्ली।

– (फरवरी, 2016). 'नहीं चाहिए एक और एकलव्य', दलित दस्तक, 9, 14–17, नई दिल्ली।

**सिंह, रवि शंकर**

– (2015). 'दि आर्यन पाथ ऑफ दि बुद्धा', दि इक्यूपमिस्ट, 1, 67–70, वर्धा।

– (2015). 'नक्सली हिंसा एवं पर्यावरण संरक्षण', दि इक्यूपमिस्ट, 2, 240–249, वर्धा।

– (2015). 'मैत्री की भावना का अंतरराष्ट्रीय भ्रातृत्व में योगदान, बौद्ध धर्म : नई सदी, नई दृष्टि, 274–282, दिल्ली : अटलांटिक प्रकाशन।

**शंभरकर, शुंभांगी**

– (अप्रैल, 2015). 'आचार्य बुद्धघोष का पालि साहित्य कर्म', निब्बानबोधि, 9, 66–68, कुशीनगर : कुशीनगर भिक्षु संघ।

– (अप्रैल, 2015). 'बौद्ध ध्यान साधना पद्धति का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महत्व', संगायन, अंक 6, 76–79, दिल्ली : पालि भाषा एवं साहित्य अनुसंधान परिषद।

– (मई, 2015). 'बुद्धकालीन सामाजिक व दार्शनिक व्यवस्था', नागपुर : संज्ञान प्रकाशन।

– (अगस्त, 2015). 'विश्व शांति स्तूप की संकल्पना', नागपुर : संज्ञान प्रकाशन।

**अन्य**

– केंद्र के प्रभारी निदेशक डॉ. सुरजीत कुमार सिंह द्वारा बौद्ध अध्ययन की अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका–संगायन का संपादन।

# 4. अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

विश्वविद्यालय में अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ हिंदी के माध्यम से विविध ज्ञानानुशासनों कें साथ संबद्ध हो कर शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध की सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस विद्यापीठ के अंतर्गत अनुवाद अध्ययन विभाग देश का एकमात्र ऐसा विभाग है, जो अनुवाद की तकनीकी, प्रणालीगत और रोज़गारपरक संभावनाओं को यथार्थ में परिणत करने के लिए सतत प्रयासरत है।

इस विद्यापीठ में दो विभाग हैं :
4.1 अनुवाद अध्ययन विभाग
4.2 प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग

## 4.1 अनुवाद अध्ययन विभाग

वैश्वीकरण के इस दौर में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिन–प्रति–दिन अनुवाद की महत्ता बढ़ती जा रही है। इसे बहुआयामी एवं स्वायत्त अनुशासन के रूप में पहचान मिल चुकी है। इस विद्यापीठ के अंतर्गत अनुवाद अध्ययन विभाग देश का एकमात्र विभाग है, जो अनुवाद की तकनीकी प्रणालीगत और रोज़गारपरक संभावनाओं को यथार्थ में परिणत करने के लिए सतत प्रयासरत है। इस विद्यापीठ का लक्ष्य विद्यार्थियों को अनुवाद के क्षेत्र में संस्थागत प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें कुशल अनुवादक बनाने में सहयोग प्रदान करने के साथ ही अनुवाद के माध्यम से संस्कृतियों के मध्य आपसी समझ को बढ़ाना और राष्ट्रीय एकता तथा अंतरराष्ट्रीय बंधुत्व की भावना को बल देना है। इसके अलावा केंद्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारियों एवं निजी क्षेत्रों के अनुवादकों/दुभाषियों को समय–समय पर प्रशिक्षित करना भी विभाग का दायित्व है।

**संचालित पाठ्यक्रम**

इस विभाग के अंतर्गत अनुवाद अध्ययन में एम.ए, एम.फिल., पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही अनुवाद, प्रयोजनमूलक हिंदी, अनुवाद (मराठी) और निर्वचन में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

**प्राध्यापक विवरण**

| नाम | पद | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| देवराज | प्रोफेसर | 10.01.2013 | पीएच.डी. | नई कविता में रोमानी और यथार्थवादी अवधारणाओं की भूमिका (सन् 1950 से 1970 तक) | आधुनिक कविता |
| अन्नपूर्णा सी. | सह प्रोफेसर | 2.01.2007 | पीएच.डी. | अनुवाद मूल्यांकन, | अनुवाद मूल्यांकन और अनुवाद समीक्षा |
| अनवर अहमद सिद्दीकी | सहायक प्रोफेसर | 21.12.2006 | पीएच.डी. | आठवें दशक के प्रयोगशील प्रतिनिधि अनूदित हिंदी नाटक : भाषागत एवं रंगमंचीय प्रयोग | (नाटक), प्रयोजनमूलक हिंदी |
| राम प्रकाश यादव | सहायक प्रोफेसर | 09.07.2009 | पीएच.डी. | हिंदी साहित्य के इतिहास में मान एवं मूल्य | अनुवाद अध्ययन, सामाज भाषा विज्ञान |
| हरप्रीत कौर | सहायक प्रोफेसर | 28.08.2012 | पीएच.डी. | समकालीन हिन्दी और पंजाबी स्त्री कविता में स्त्री विमर्श–संदर्भ 1990 के बाद की कविता | कविता |
| गोपाल राम | सहायक प्रोफेसर | 06.12.2012 | एम.फिल. | ... | भाषा विज्ञान |

## गतिविधियाँ

1. 'शोध–प्रविधि और शोध की चुनौतियाँ' विषय पर हैदराबाद के प्रो.एम.वेंकटेश्वर ने 13 जनवरी, 2016 को विशेष व्याख्यान दिया।
2. विभाग द्वारा दो ई–पत्रिकाओं–अनुसृजन (त्रैमासिक) और ट्रांस फ्रेम (द्विमासिक) का प्रकाशन किया जाता है।

## शोध परियोजनाएं

डॉ. हरप्रीत कौर को 'पंजाबी लोकगीतों का हिंदी लिप्यंतरण व लोकगीतों में निहित प्रतिरोध के स्वर का विश्लेषणात्मक अध्ययन' पर विश्वविद्यालय द्वारा लघु शोध परियोजना स्वीकृत, (रु. 50,000/–)।

## संगोष्ठी/सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/व्याख्यान/प्रस्तुतिकरण

### चर्ल, अन्नपूर्णा

– (16–17 अक्टूबर, 2015). बी.आर.डिग्री और पी.जी.कॉलेज, विशाखपट्टनम द्वारा आंध्रप्रदेश में 'स्नातक स्तर पर हिंदी के पठन–पाठन की समस्याएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आंध्र प्रदेश में स्नातक स्तर पर हिंदी के पठन–पाठन की समस्याएं गद्य के संदर्भ में' पर व्याख्यान।
– (22–23 नवंबर, 2015). 'अक्षरा' साहिती सांस्कृतिक, सेवा पीठम्, के.बी.एन. कॉलेज, विजयवाड़ा एवं हिंदी विभाग, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर द्वारा 'समकालीन साहित्य की वैचारिकी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'समकालीन साहित्य और अनुवाद' पर व्याख्यान।
– (3–4 मार्च, 2016) आदिकवि नन्नय विश्वविद्यालय, तेलुगु विभाग तथा अक्षरा साहिती सांस्कृतिक सेवा पीठम्, राजमंड्री द्वारा आधुनिक युग में 'हिंदी–तेलुगु साहित्य का पदार्पण : महावीर प्रसाद द्विवेदी, गुरजाडा और गिडुगु का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गुरजाडा कृत कन्याशुल्कम नाटक का हिंदी अनुवाद' पर व्याख्यान।

### रामप्रकाश यादव

– (29 सितंबर, 2015). वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, वर्धा में एक दिवसीय राजभाषा कार्यशाला में दो सत्रों में 'शुद्ध हिंदी कैसे लिखें' और 'विविध पत्रों के प्रारूप' पर व्याख्यान।
– (27 फरवरी, 2016). शासकीय कमला नेहरु कन्या महाविद्यालय, बालाघाट में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कथाकार प्रेमंचद एवं हिंदी गजलकार दुष्यंत कुमार' पर व्याख्यान।
– (12–14 मार्च, 2016). 'मूडल्स के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का शिक्षण' विषय पर विश्वविद्यालय के हिंदी अध्ययन का शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
– (मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में 'अनुवाद सैद्धांतिकी' विषय पर सात विशेष व्याख्यान।

### कौर, हरप्रीत

– (16–19 फरवरी 2016). विश्वविद्यालय के साहित्य विद्यापीठ द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता।
– (12–14 मार्च 2016).'मूडल्स के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का शिक्षण' विषय पर विश्वविद्यालय के हिंदी अध्ययन का शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।

## प्रकाशन

### देवराज

– (2015). 'जहाँ बाँस फूलते हैं–ज्वालामुखी के अंतरंग का साक्षात्कार', श्री प्रकाश मिश्र की साहित्य साधना की परख (सं. सुरेश चंद्र), 125, कानपुर : क्वालिटी बुक पब्लिशर्स।
– (अप्रैल–जून, 2015). 'हिंदी मणिपुर में साहित्यिक–सांस्कृतिक सेतु की भूमिका', अनुसृजन (ई–पत्रिका), 1, 65–75, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।

– (जुलाई–सितंबर, 2015). 'मणिपुर का संस्कृत, हिंदी और अन्य भाषाओं से संवाद', अनुसृजन (ई–पत्रिका), 02, 37–51, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।
– (सितंबर, 2015). 'मणिपुर का अन्य भाषाओं से संवाद', गगनांचल, नई दिल्ली : भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद।
– (अक्टूबर–दिसंबर, 2015). 'मणिपुरी बाल साहित्य का इतिहास', अनुसृजन (ई–पत्रिका), 03, 66–74, वर्धा : म.गां.अं. हिं.वि.।
– (अक्टूबर–दिसंबर, 2015). 'कविता का पाठ और हमारा संवाद', अनुसृजन, 03, (ई–पत्रिका), 03, 94–99, वर्धा : म.गां. अं.हिं.वि.।
– (दिसंबर, 2015). 'पांच कविताएँ', सृजन (सं. एस.टी.मेरवाड़े), 29, विजयपुर : सौम्य प्रकाशन।
– (जनवरी, 2016). 'मणिपुर में हिंदी का विकास और शिक्षण', सार्थक (वेब पत्रिका), 03, अमेरिका।
– (जनवरी–मार्च, 2016). 'भारतीय साहित्य, जन समाज एवं संस्कृति : अंतः संवाद', अनुसृजन (ई–पत्रिका), 04, 45–53, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।

**चर्ल, अन्नपूर्णा**

– (जुलाई–सितंबर, 2015). 'विश्व मानव गुर्रमजाषुवा', अमर अक्षरा, 1, 136–145, राजमहेंद्रवरम् : अक्षरा साहित्य सेवा पीठम्।
– (21 सितंबर, 2015). 'दक्षिण में हिंदी की दशा और दिशा' (एक हृदय हो भारत जननी), दैनिक भास्कर, 4, नागपुर संस्करण।
– (सितंबर–अक्टूबर, 2015). 'कामायनी का अंग्रेज़ी अनुवाद : एक मूल्यांकन', ट्रॉन्स फ्रेम (ई–पत्रिका), 1, 26–29, वर्धा : म.ग.अं.हि.वि.।
– (नवंबर, 2015). 'अनुवाद के क्षेत्र में आलोचना बनाम समीक्षा', हिंदी आलोचना–इक्कीसवीं सदी, 289–294, नागपुर : आस्था प्रकाशन।
– (नवंबर–दिसंबर, 2015). 'बोनज़ाय जिंदगी (अनूदित कहानी)', ट्रॉन्स फ्रेम (ई–पत्रिका), 2, 38–41, वर्धा : म.गां.अं.हि. वि.।
– (दिसंबर, 2015). 'प्रथम कालजयी कृति कामायनी और अनुवाद (तेलुगु अनुवाद के विशेष संदर्भ में)', हिंदी की कालजयी रचनाएँ, 238–245, कानपुर : श्रीराम प्रकाशन।
– (जनवरी, 2016). 'अनुवाद साहित्य चितंन और चुनौतियाँ', भारतीय भाषाओं का अनूदित साहित्य, लातूर : शिल्पा प्रकाशन।
– (मार्च–अप्रैल, 2016). '1857 और तेलुगु नवजागरण', ट्रॉन्स फ्रेम (ई–पत्रिका), 4, 63–65, वर्धा : म.गां.अं.हि.वि.।

**कौर, हरप्रीत**

– (अप्रैल–जून, 2015). 'स्त्री काव्य का रचना संसार – विषय क्षेत्र, भाषा और शिल्प संदर्भ पंजाबी और हिन्दी कवितायें, अनुसृजन (ई.–पत्रिका), वर्धा : म.गां.अं.हि.वि.।
– (अक्टूबर, 2015). 'साहिबां तु माडी कित्ती नीं जे पता हुंदा तु इंज करनी मैं ल्योंदा नाल भरांवा नूँ–पंजाबी किस्सा काव्यों के अनुतरित्त स्त्री प्रश्न', अनुसृजन (ई.–पत्रिका), 53–65, वर्धा : म.गां.अं.हि.वि.।

**उपलब्धियाँ**

– डॉ. रामप्रकाश यादव को राष्ट्रीय आजाद हिंद सेना और देश गौरव नेताजी सुभाष फाउंडेशन द्वारा विदर्भ हिंदी साहित्य सम्मेलन, नागपुर प्रेक्षागृह में 23 दिसंबर, 2015 को शिक्षा रत्न पुरस्कार।
– नेपाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कुडुख सम्मेलन में एम.फिल. छात्रा दीप्ति एक्का के शोध आलेख 'कुडुख भाषा के त्योहार गीतों का हिंदी अनुवाद और लोकसांस्कृतिक अध्ययन' को बेस्ट रिसर्च अवार्ड 15 जून, 2015 को मिला।

## 4.2 प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग

प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग का गठन अंतर–अनुशासनिक शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ संचालित करने के लिए किया गया है। इस विभाग में सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी अनुशासनों यथा : समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीति विज्ञान, साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन आदि के संधि–क्षेत्र में डायस्पोरा से जुड़े विभिन्न मुद्दों का अनुशीलन किया जा रहा है। विश्व संस्कृति में भारतीय डायस्पोरा एक महत्वपूर्ण और कुछ संदर्भों में विशिश्ट स्थान निर्मित कर रहा है। वर्तमान भारतीय डायस्पोरा का उद्भव अंग्रेज़ों द्वारा भारत में राजनैतिक प्रभुत्व स्थापित करने तथा उसे औपनिवेशिक शासन प्रणाली के हिस्से के रूप में अंगीकार करने से मुख्यतः जुड़ा है। 19वीं शताब्दी में अनुबंधित श्रमिकों के रूप में बड़े पैमाने पर भारतीयों को सुदूरवर्ती औपनिवेशिक बागान क्षेत्रों में ले जाया गया। इन्हीं परिस्थितियों में मॉरीशस, त्रिनिदाद, सूरीनाम, दक्षिण अफ्रीका, फिजी, श्रीलंका, गयाना, मलेशिया एवं अन्य देशों में बसे भारतीय मूल के लोगों ने विविध गतिविधियों से एक विशिष्ट पहचान निर्मित की हैं। इस विभाग द्वारा औपनिवेशिक युग से वर्तमान तक भारतीय डायस्पोरा के गठन संचालन की प्रक्रिया का अध्ययन किया जा रहा है। विभाग के अध्ययन एवं शोध गतिविधियों का केंद्र–बिंदु अनुबंध आधारित श्रम व्यवस्था एवं वैश्वीकृत प्रवासन तंत्रों से निर्मित भारतीय डायस्पोरा है। विभाग के उद्देश्य निम्न हैं– 1. प्रवासन तथा स्वभूमि (होमलैंड) : स्मृतियाँ, वृत्तांत एवं मौखिक इतिहास, 2. वैश्विक तथा राश्ट्रीय स्तर पर पहचान का संघर्ष एवं भारत में उभरती नृजातीय–चेतना के संदर्भ में भारतीय डायस्पोरा, 3. मेज़बान समाजों (होस्ट सोसाइटी) के सामाजिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक–तकनीकी तथा आद्योगिक विकास में भारतीय डायस्पोरा का योगदान, 4. डायस्पोरा तथा भारतीय राज्यः संस्थाएँ, अभिकरण एवं नीतियाँ, 5. भारतीय डायस्पोरा का नृजाति–विवरणात्मक अध्ययन।

### संचालित पाठ्यक्रम

इस विभाग के अंतर्गत प्रवासन एवं डायस्पोरा में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. और भारतीय डायस्पोरा में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

### प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| राजीव रंजन राय | सहायक प्रोफेसर | 24.06.2010 | डी.फिल. (मानवविज्ञान) | सोशियो–इकोनामिक स्टेटस, हेल्थ एंड वेलबींग ऑफ ए सोशल ग्रुप इन हैबिटिंग इन रूरल एंड अर्बन एरिया इन गोरखपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ ईस्टर्न उत्तर प्रदेश। | अंतरराष्ट्रीय प्रवासन डायस्पोरा और ट्रांसनेशनलिज्म |
| मुन्नालाल गुप्ता | सहायक प्रोफेसर | 27.05.2013 | पीएच.डी. | झारखंड आंदोलन एवं राज्य निर्माण का संथाल जनजाति की संस्कृति पर प्रभाव | भारतीय प्रवासन एवं डायस्पोरा, भारतीय इतिहास और गांधी विचार। |

## गतिविधियाँ

1. भारत सरकार, विदेश मंत्रालय द्वारा भोपाल में 10–12 सितंबर, 2015 को आयोजित 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में विश्वविद्यालय द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें विभाग द्वारा 'गिरमिटिया देशों में हिंदी' शीर्षक पोस्टर–प्रदर्शनी के आयोजन में सहभागिता की गई।
2. विश्वविद्यालय के 18वें स्थापना दिवस (29 दिसंबर) के अवसर पर 'चेतना का दीप हिंदी विश्वविद्यालय' प्रदर्शनी का आयोजन विभाग द्वारा किया गया।

## संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण

### राय, राजीव रंजन

– (20–21 फरवरी, 2016). ग्लोबल रिसर्च फोरम ऑन डायस्पोरा एण्ड ट्रांसनेशनलिज्म द्वारा माइग्रेशन, डायस्पोरा एण्ड डेवलपमेंट विषय पर इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सोशियो कल्चरल डायनामिक्स ऑफ इंडियन डायस्पोरा इन यू.एस.: सम रिफ्लेक्सन्स' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (12–14 मार्च, 2016). 'मूडल के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का शिक्षण' विषय पर विश्वविद्यालय के हिंदी अध्ययन का अधिगम केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता ।

### गुप्ता, मुन्नालाल

– (15 मई–11 जून, 2015). यू.जी.सी. ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर, राँची विश्वविद्यालय, राँची में 'अंतर–अनुशासनिक' विषय आयोजित अभिविन्यास पाठ्यक्रम में सहभागिता।

– (21–22 सितंबर, 2015). 'साहित्य में वृद्ध विमर्श' विषय पर यूजीसी द्वारा रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय, पटना में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय डायस्पोरा में वृद्धजन' विषयक शोध आलेख प्रस्तुत।

– (20–21 फरवरी, 2016). ग्लोबल रिसर्च फोरम ऑन डायस्पोरा एण्ड ट्रांसनेशनलिज्म द्वारा 'माइग्रेशन, डायस्पोरा एण्ड डेवलपमेंट' विषय पर इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंडियन इंडेन्चर लेबर माइग्रेशन : हिस्टोरियोग्राफी एण्ड सोर्स' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (27–29 फरवरी, 2016). विश्वविद्यालय के म.गां.फ्यू.गु. समाज कार्य अध्ययन केंद्र और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'युवा रचनात्मकता कार्यशाला' में सहभागिता।

– (12–14 मार्च, 2016). 'मूडल के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का शिक्षण' विषय पर विश्वविद्यालय के हिंदी अध्ययन का अधिगम केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

## प्रकाशन

### राय, राजीव रंजन एवं गुप्ता, मुन्नालाल (संयुक्त)

– (सितंबर, 2015). 'प्रवासन एवं डायस्पोरा : शोध का उभरता क्षेत्र', एशियन मिरर (ई. पत्रिका), 2, 35–49, झारखंड।

– (जुलाई–दिसंबर, 2015). 'भारतीय प्रवासन और डायस्पोरा का इतिहास', 3, 23–28, पूर्वोत्तर भारतीय दर्पण, कोहिमा : नागालैंड राष्ट्रभाषा प्रचार समिति।

– (अक्टूबर–दिसंबर, 2015). 'महात्मा गांधी और गिरमिटिया', अनुसृजन (ई. पत्रिका), 3, 89–93, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।

### गुप्ता, मुन्नालाल

– (2015). 'प्राकृतिक त्रासदी एक सच', निमित्त (ई. पत्रिका), 1, 27, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।

# 5. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इस विद्यापीठ में संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र (जनसंचार विभाग), म.गां. फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र और मानवविज्ञान विभाग संचालित हैं। मानवविज्ञान विभाग की स्थापना 17 सितंबर 2009 को की गई। मानवविज्ञान में आधुनिक शिक्षा के साथ रोजगार के नए अवसरों के अनुरूप विद्यार्थियों को शिक्षित किया जाता है। विषय से सबंधित शोध को बढ़ावा देना इस विभाग का मुख्य उद्देश्य है। मानवविज्ञान का प्रमुख अध्ययन क्षेत्र जनजातीय समुदाय है। इसलिए विदर्भ और महाराष्ट्र के अन्य क्षेत्रों में बसे जनजातीय समुदाय पर शोध इस विभाग का मुख्य कार्य है। फोरेंसिक साइंस में स्नातकोत्तर डिप्लोमा इस विभाग का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पाठ्यक्रम है।

इस विद्यापीठ के अंतर्गत निम्नलिखित केंद्र एवं विभाग संचालित हैं :
5.1 जनसंचार विभाग (पूर्व में, संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र)
5.2 म.गां. फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र
5.3 मानवविज्ञान विभाग

## 5.1 जनसंचार विभाग

जनसंचार विभाग (पूर्व में, संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र) मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत आता है। जनसंचार विभाग वर्ष 2004 में स्थापित किया गया। यह विभाग अपने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को संचार के विविध क्षेत्रों में तकनीकी सूक्ष्मता की विकसित समझ तथा अपने विषय की विशेषज्ञता प्रदान करता है। यह विभाग स्तरीय शोध के लिए निरंतर गतिशील है। विभाग द्वारा राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर के मीडिया शोध विशेषज्ञों को आमंत्रित कर ज्ञानवर्द्धन के प्रयास किए जा रहे हैं। जनसंचार विभाग मीडिया अध्ययन के लिए नई सूचना प्रौद्योगिकी के साथ जुड़कर विशेष कार्यक्रमों को चलाता है, जैसे मीडिया शोध में गुणवत्ता, तात्कालिक विषयों पर लेखन, कौशल आधारित शिक्षा, मीडिया प्रशिक्षण, जनसंपर्क एवं विज्ञापन की नई प्रवृत्तियाँ, नवाचार और मीडिया प्रबंधन, पत्रकारिता के नैतिकमूल्य, टीवी और फ़िल्म निर्माण, विद्यार्थियों में सूचना तकनीक की कुशलता आदि। विभाग के समृद्ध विभागीय पुस्तकालय, अत्याधुनिक उपकरण से लैस स्टूडियो, न्यूज तथा तकनीक प्रशिक्षण कक्ष के उपयोग द्वारा अध्ययनरत विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास किया जाता है। टीवी निर्माण में उच्च व्यावसायिक गुणवत्ता की दृष्टि से विद्यार्थियों को अच्छा प्रशिक्षण मिलने हेतु मीडिया लैब में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे एवं अन्य सामग्री का प्रयोग किया जाता है। स्मार्ट क्लास रूम, अपडेट कंप्यूटर सुविधाओं के साथ ही विद्यार्थियों को टीवी कार्यक्रम निर्माण एवं ग्राफिक्स डिजाइन के लिए एपल मैक प्रो कंप्यूटर की सुविधा भी मीडिया लैब में उपलब्ध है। समकालीन सामाजिक प्रतिमान के समानांतर मीडिया क्षेत्र में नई दिशा देना विभाग का लक्ष्य है।

### संचालित पाठ्यक्रम

इस विभाग के अंतर्गत एम.ए.जनसंचार, एम.एससी. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, एम.फिल.जनसंचार, पीएच.डी.जनसंचार, जनसंपर्क एवं विज्ञापन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

## प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| अनिल कुमार राय | प्रोफेसर | 07.07.2009 | पीएच.डी | उत्तर प्रदेश में महिलाओं का सशक्तिकरण और जनमाध्यम : पंचायती राज संस्थाओं का विश्लेणात्मक अध्ययन | इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (टी.वी. कार्यक्रम निर्माण) रिर्पोटिंग एवं फ़ीचर लेखन |
| कृपाशंकर चौबे | सह प्रोफेसर | 23.07.2009 | पीएच.डी | हिंदी पत्रकारिता : परिवर्तन और प्रवृत्तियाँ | प्रिंट मीडिया एवं साहित्य |
| धरवेश कठेरिया | सहायक प्रोफेसर | 07.03.2007 | पीएच.डी | सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन में जनमाध्यमों की भूमिका–जबलपुर के परिपेक्ष्य में (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया–फिल्म एवं टीवी के विशेष संदर्भ में) | इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (टी.वी. पत्रकारिता) |
| अख्तर आलम | सहायक प्रोफेसर | 10.07.2009 | पीएच.डी | मुस्लिम महिलाओं के सशक्तीकरण में हिंदी पत्रों का योगदान (गोरखपुर, आजमगढ़, वाराणसी मण्डल के संदर्भ में | प्रिंट मीडिया और जनसंपर्क |
| संदीप वर्मा | सहायक प्रोफेसर | 15.06.2010 | एम.फिल. | वेब पत्रकारिता : विषवस्तु, प्रस्तुति एवं प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन | वेब–इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और मीडिया विधि |
| राजेश लेहकपुरे | सहायक प्रोफेसर | 16.06.2010 | एम.ए. | ... | प्रिंट मीडिया, विज्ञापन एवं जनसंपर्क |
| रेणु सिंह | सहायक प्रोफेसर | 22.06.2010 | पीएच.डी | डिजिटल डिवाइड इन हायर एजुकेशन | विकास संचार |

## गतिविधियाँ

1. संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी' का आयोजन 28–30 जुलाई, 2015 को किया गया।
2. जनसंचार विभाग और नया मीडिया मंच, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वाधान में 19 नवंबर, 2015 को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सोशल मीडिया विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया।
3. जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी का आयोजन 18–20 जनवरी, 2016 को किया गया।

## शोध परियोजनाएँ

1. अख्तर आलम, 'स्वास्थ्य जागरुकता और नुक्कड़ नाटक : संचार दृष्टिकोणीय अध्ययन', विश्वविद्यालय की शोध परियोजना के अंतर्गत लघु शोध परियोजना स्वीकृत (राशि रु. 45 हजार)।
2. धरवेश कठेरिया, 'महात्मा गांधी की कर्मभूमि वर्धा में सामाजिक जीवन : परंपरा और परिवर्तन' आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित (राशि रु. 4.5 लाख)।
3. रेणु सिंह, 'ए स्टडी ऑफ दी रोल ऑफ पार्टीसिपेटिरी कम्यूनिकेशन ऑन दी हेल्थ इमपॉवरमेंट ऑफ विलेजर्स, विश्वविद्यालय की शोध परियोजना के अंतर्गत लघु शोध परियोजना स्वीकृत (राशि रु. 50 हजार)।

## संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण

### राय, अनिल कुमार

– (26 जून 2015). स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड़ में 'हिंदी पत्रकारिता में शोध की स्थिति' विषय

पर व्याख्यान।
– (21–22 जुलाई, 2015). भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय के पूर्व क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता द्वारा 'सांस्कृतिक डाक्यूमेंटरीज की तकनीक' विषय पर आयोजित कार्यशाला में वक्तव्य।
– (23–24 जुलाई, 2015). उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान और महाबोधि विद्या परिषद, सारनाथ द्वारा 'पत्रकारिता और साहित्य के नए आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बीज वक्तव्य।
– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी में निदेशक संयोजक के रूप में सहभागिता।
– (7 अगस्त, 2015). यूकेआइईआरआई और सीएमसी अकादमी द्वारा 'भारत में मीडिया और शिक्षा संचार की दृष्टि' विषय पर आयोजित सिंपोजियम में सहभागिता।
– (2–3 सितंबर, 2015). एमगिरी, वर्धा द्वारा 'सामुदायिक रेडियो' पर आयोजित संगोष्ठी में वक्तव्य।
– (10–12 सितंबर, 2015). भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा भोपाल में आयोजित दसवें विश्व हिंदी सम्मेलन में सहभागिता।
– (14–15 सितंबर, 2015). भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा हंसराज कॉलेज, नई दिल्ली में 'जर्नलिज्म, टर्मिनोलोजी प्रोस्पेक्ट्स एण्ड चैलेंजेस' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्तव्य।
– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी में निदेशक संयोजक के रूप में सहभागिता।
– (11–13 फरवरी, 2016). भारतीय शिक्षण मण्डल, नागपुर द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सह–संयोजक के रूप में सहभागिता।
– (20–21 फरवरी, 2016). बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 'आधुनिक भारत और उभरती हुई अर्थव्यवस्था का परिप्रेक्ष्य : पुराने मुद्दे और नई चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्षता।

**चौबे, कृपाशंकर**
– (11 अप्रैल, 2015). भारत–नेपाल अंतःसंबंध विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्तव्य।
– (05 दिसंबर, 2015). विश्व हिंदी सम्मेलन की उपलब्धियाँ और सीमाएं विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता।
– (10 जनवरी, 2016). रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया, नागपुर द्वारा विश्वविद्यालय में आयोजित विश्व हिंदी दिवस समारोह में 'विश्व भाषा के रूप में हिंदी' विषय पर व्याख्यान।
– (18 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी में व्याख्यान।
– (21 फरवरी, 2016). म.ग.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस समारोह में बीज वक्तव्य।
– (27 फरवरी, 2016). विश्वविद्यालय के म.गां.फ्यू.गु.स.कार्य अध्ययन केंद्र और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय युवा रचनात्मकता शिविर में 'पत्रकारिता और युवा रचनात्मकता' विषय पर व्याख्यान।
– (30 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा 'मध्य भारत में देशज संस्कृति, भाषा एवं लिंग के प्रश्न' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।

**आलम, अख्तर**
– (2–4 अप्रैल, 2015). राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा ऑल इंडिया मीडिया एजुकेटर्स कॉन्फेरेंस में 'मूल्यनिष्ठ समाज के निर्माण में जनमाध्यमों का योगदान' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।
– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आध्यात्मिक चेतना के विकास में मीडिया की भूमिका'

शोध पत्र प्रस्तुत।
– (3 अक्टूबर, 2015). डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर आर्ट्स एवं कॉमर्स कालेज, औरंगाबाद द्वारा 'रिसेंट ट्रेंड्स इन टीचिंग एण्ड रिसर्च : अपर्च्यूनिटी नेचर एण्ड फीचर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी पत्रकारिता का विकासात्मक मूल्यांकन' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (9–10 अक्टूबर, 2015). कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा 'कबीर : महान संचारक 'विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कबीर : एक संचारक' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (28 दिसंबर, 2015). डॉ.अंबेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, वर्धा द्वारा 'रिथिंकिंग इंपॉवरमेंट ऑफ एससी एण्ड एसटी वुमेन : चैलेंजेस एण्ड स्ट्रेटेजिस' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महिलाओं के शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास में फुले दंपत्ति का योगदान' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी में शोध पत्र 'गांधी की आध्यात्मिकता और सामाजिक बदलाव' प्रस्तुत।
– (29–30 जनवरी, 2016). न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एण्ड साइंस कॉलेज, वर्धा द्वारा 'बी द चेंज यू वांट टू सी इन द वर्ल्ड : महात्मा गांधी,' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गीता–बोध मंगल प्रभात और गांधी जीवन दर्शन' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (26–27 फरवरी, 2016). यू.जी.सी. शासकीय कमला नेहरु महिला कॉलेज, बालाघाट (म.प्र.) द्वारा 'हिंदी गजलकार दुष्यंत कुमार' पर आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में 'दुष्यंत कुमार की गजलों में ओजस्वी स्वर' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (13 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के सामुदायिक महाविद्यालय द्वारा 'भारतीय वस्त्र उद्योग में कौशल विकास' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'खादी वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने में मीडिया की भूमिका' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (15–16 मार्च 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कक्षा व पाठ्य पुस्तकों से परे अधिगम की संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मीडिया : पाठ्यचर्या संस्कृति से परे शिक्षण का माध्यम' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (19–20 मार्च, 2016). नैक, बैंगलुरु एवं विश्वविद्यालय के आयक्यूएसी द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में 'मूल्य आधारित शिक्षा' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (29–30 मार्च, 2016). यू.जी.सी. शासकीय कमला नेहरू महिला कॉलेज, बालाघाट (म.प्र.) द्वारा 'मीडिया और स्त्री' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'समकालीन हिंदी सिनेमा में स्त्री की बदलती छवि' शोध पत्र प्रस्तुत।

**वर्मा, संदीप कुमार**
– (26 अगस्त, 2015). एएसएसओसीएचएएम (असोचेम) द्वारा आयोजित सातवीं वार्षिक राष्ट्रीय समिट में 'साइबर नेटवर्क सुरक्षा : 2015 : सेकुरिंग दी डिजिटल इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।
– (29–29 नवंबर, 2015). आईआईटी, खड़गपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वेब संचार सिस्टम और साइबर अपराध' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत।
– (19 मार्च, 2016). जनसंचार विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'मीडिया लिट्रेसी : प्रोग्रेस एण्ड चैलेन्जेस इन डेवेलपिंग कंट्रीज़' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्फेरेंस में पत्र वाचन।
– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी में व्याख्यान।

**लेहकपुरे, राजेश**
– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव,' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मीडिया नवाचार में डिजिटल तकनीक की संभावनाएँ' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव,' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मीडिया नैतिकता की बदलती प्रवृत्ति' शोध पत्र प्रस्तुत।

**सिंह, रेणु**

– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव,' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ग्रामीण महिलाओं पर राजनीति एवं मीडिया का प्रभाव' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (23–24 नवंबर, 2015). विश्वविद्यालय के एशियन कांग्रेस फॉर मीडिया एण्ड कम्यूनिकेशन, इंडिया चैप्टर, कोलकाता द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पॉलिटिकल कम्यूनिकेशन थ्रू स्पीचेस : स्पेशल रेफरंस बिहार इलेक्शन 2015' शोध पत्र प्रस्तुत।

**प्रकाशन**

**राय, अनिल कुमार**

– (जून, 2015). 'पर्यावरणीय असंतुलन, किसान आत्महत्या और मीडिया का हस्तक्षेप (विदर्भ के विशेष संदर्भ में)' शांति (ई–जर्नल), 04 (14), 15–20, रोहतक।

– (जुलाई, 2015). 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव', (सं. अनिल कु.राय व अख्तर आलम), लातूर : प्रवर्तन प्रकाशन।

– (जनवरी, 2016). 'मूल्यानुगत मीडिया के मायने' (सं. अनिल कु.राय व अख्तर आलम), दिल्ली : शिवालिक प्रकाशन।

**चौबे, कृपाशंकर**

– (मई–अगस्त, 2015). 'उदारीकरण के बाद का बंगला साहित्य', 'पुस्तक–वार्ता', वर्धा : मं.गां.अं.हिं.वि.।

– (सितंबर–अक्टूबर 2015). 'अभिनंदन का अभिप्राय हो आकलन', पुस्तक–वार्ता, 60, 25–28, वर्धा : मं.गां.अं.हिं.वि.।

– (जुलाई–सितंबर, 2015). 'हिंदी पत्रकारिता और साहित्य का अंतरसंबंध,' बहुवचन, 46, 130–140, वर्धा : मं.गां.अं.हिं.वि.।

– (सितंबर, 2015). 'बंगला रंगमंच का इतिहास और वर्तमान', तानाबाना, 1, 105–113, वर्धा : मं.गां.अं.हिं.वि.।

– (दिसंबर, 2015). 'पाठबहार हिंदी तृतीय श्रेणी (सं.)' (कक्षा 03 के लिए पाठ्य–पुस्तक), पश्चिम बंगाल सरकार प्रकाशन।

– (दिसंबर, 2015). 'पाठबहार हिंदी चतुर्थ श्रेणी' (कक्षा 04के लिए पाठ्य–पुस्तक), पश्चिम बंगाल सरकार प्रकाशन।

**कठेरिया, धरवेश**

– (अक्टूबर, 2015). 'मोबाइल उपयोगकर्ता का मानवीय व्यवहार पर प्रभाव' इंडियन स्ट्रीम रिसर्च जर्नल, 05, 1–7, सोलापुर : लक्ष्मी बुक पब्लिकेशन।

– (नवंबर, 2015). 'संचार के सशक्त माध्यम के रूप में रेडियो' (कार्यक्रम ''मन की बात'' के विशेष संदर्भ में), गोल्डन रिसर्च थॉट्स, 05, 1–8, सोलापुर : लक्ष्मी बुक पब्लिकेशन।

– (दिसंबर, 2015). 'फेसबुक का उपयोग, दायित्व और सीमाएं' (महिला उपयोगकर्ता के विशेष संदर्भ में), रिव्यू ऑफ रिसर्च, 05, 1–8, सोलापुर : लक्ष्मी बुक पब्लिकेशन।

– (अक्टूबर–दिसंबर, 2015). 'मीडिया वैविध्य और सांस्कृतिक परिवर्तन', कम्युनिकेशन टुडे, 4 (12), 177–182, जयपुरः प्रकाशन विभाग, कम्युनिकेशन टुडे।

**आलम, अख्तर**

– (जुलाई, 2015). 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव', (सं.अनिल कु.राय व अख्तर आलम), लातूर : प्रवर्तन प्रकाशन।

– (अप्रैल–जून, 2015). 'हिंदी के युग प्रवर्तक संपादक आचार्य द्विवेदी', बहुवचन, 45, 46–50, वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.।

– (2015). 'भारतीय फिल्मों में मीडिया दृष्टि', सिनेमा का सौंदर्यशास्त्र, 1, 46–49, मथुरा : जवाहर पुस्तकालय

– (जुलाई, 2015). 'जनमाध्यमों का बाज़ारीकरण और भविष्य की संभावनाएं, आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक

बदलाव, 1, 424–31, लातूर : प्रवर्तन पब्लिकेशन।
– (अप्रैल–जून, 2015). 'भारतीय मजदूर और बाबा साहेब अंबेडकर की दृष्टि', शोध खनिज, 2, 1–4, दिल्ली : अमृतकुमार प्रकाशन।
– (अप्रैल–जून, 2015). राष्ट्रीय समाचार पत्रों में दलित चेतना की खबरों की प्रस्तुतीकरण का अध्ययन', शोध खनिज 1(2), 24–31, दिल्ली : अमृतकुमार प्रकाशन।
– (2016). 'गांधी की आध्यात्मिकता और सामाजिक बदलाव', मूल्यानुगत मीडिया के मायने, 349–354, दिल्ली : शिवालिक प्रकाशन।
– (जनवरी, 2016). 'मूल्यानुगत मीडिया के मायने' (सं.अनिल कु.राय व अख्तर आलम), दिल्ली : शिवालिक प्रकाशन।

**वर्मा, संदीप कुमार**
– (दिसंबर, 2015). 'साइबर सेकुरिटी एण्ड साइबर क्राइम इन एडुकेशन एण्ड ट्रेड–कॉमर्स सैक्टर', गोरखपुर सोशल साइंटिस्ट ।
– (दिसंबर, 2015). 'टेलीविजन कॉमेडी शो और स्त्री मुक्ति व समानता के पहलू', गोरखपुर सोशल साइंटिस्ट।

**लेहकपुरे, राजेश**
– (जुलाई 2015). 'मीडिया नवाचार में डिजीटल तकनीक की संभावनाएँ', आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव, 475–484, लातूर : प्रवर्तन प्रकाशन।
– (अगस्त, 2015), 'शिक्षा पद्धति में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका', संशोधन समीक्षा, 5, 80–83, अमरावती : आधार प्रकाशन।
– (सितंबर–अक्टूबर, 2015). 'अन एनालिटिकल स्टडी ऑफ अमिताभ बच्चन स्टारड्म ऑन सोशल मीडिया', ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय अंतरानुशासनिक शोध जर्नल, 5, 499–508.
– (अक्टूबर–दिसंबर, 2015). 'आसमां चूमता मीडिया कारोबार', कम्यूनिकेशन टुडे, 17, 190–195, जयपुर : संजीव भानावत प्रकाशन।

**सिंह, रेणु**
– (जून–अगस्त, 2015). 'सामाजिक हस्तक्षेप के रूप में सिनेमा' (सं. अरविंद कुमार), निरुप्रह, 5, 116–120, दिल्ली : अनंग प्रकाशन।
– (जुलाई, 2015). 'ग्रामीण महिलाओं पर राजनीति एवं मीडिया का प्रभाव', आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव, 470–474, लातूर : प्रवर्तन प्रकाशन।
– (2016). 'द्वेषपूर्ण भाषणों का राजनीतिक संचार पर प्रभाव' (सं.अनिल कुमार राय व अख्तर आलम) मूल्यानुगत मीडिया के मायने, 344–348, दिल्ली : शिवालिक प्रकाशन।

## 5.2 महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र

विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2009 में की गई। देश के प्रचलित मानकों के साथ चल रहा समाज कार्य पाठ्यक्रम राष्ट्रहित में एक चुनौती के रूप में गांधी–मूल्यों का प्रसार करते हुए स्वाबलंबन की सीख देता है। यह पाठ्यक्रम शास्त्रीय अध्ययन मात्र नहीं बल्कि कार्य व्यवहार का विशाल क्षेत्र निर्मित करता है, जिससे जीवन और जीविका दोनों की सुरक्षा संभव हो पाती है। केंद्र अपने पाठ्यक्रमों के माध्यम से ऐसे सुप्रशिक्षित विद्यार्थियों को तैयार करने को प्रयत्नशील है जो अकादमिक एवं व्यावहारिक तौर पर समाज के तमाम अन्यायों एवं शोषण के प्रति आवाज मुखर करते हुए सशक्त हस्क्षेप कर सामाजिक न्याय पर आधारित समाज का निर्माण कर सके। केंद्र प्रचलित समाज कार्य के पठन–पाठन में एक सशक्त हस्तकक्षेप करते हुए ऐसे मानव संसाधनों

को प्रशिक्षित करने का प्रयास करेगा जो समाज में सह संवेदी होते हुए समाज कार्य की नई प्रविधि एवं दृष्टिकोणों की खोज कर सकें साथ ही ऐसा करते हुए अद्यतन तकनीकों के प्रयोग के माध्यम से समाज के साथ अपने ज्ञानोत्पादन को साझा कर सके ।

## संचालित पाठ्यक्रम

इस केंद्र के अंतर्गत समाज कार्य में स्नातक (बी.एस.डब्ल्यू.), स्नातकोत्तर (एम.एस.डब्ल्यू.), एम.फिल..(समाज कार्य), पीएच.डी. (समाज कार्य) और एन.जी.ओ.प्रबंधन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

## प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| मनोज कुमार | निदेशक | 23.03.2007 | पीएच.डी | शांति सेनाः सिद्धांत एवं व्यवहार | गांधी अध्ययन<br>सामाजिक नीति<br>सामाजिक विकास |
| मिथिलेश कुमार | सहायक प्रोफेसर | 26.11.2015 | पीएच.डी | सूचना का अधिकारः आलोचनात्मक अध्ययन | शांति अध्ययन<br>शोध प्रविधि |
| शिवसिंह बघेल | सहायक प्रोफेसर* | 10.08.2014 | पीएच.डी. | एच.आई.व्ही/एड्स संक्रमितों हेतु कार्यरत शासकीय एवं गैरसरकारी संगठनों की भूमिका एक मूल्यांकनात्मक अध्ययन : मध्य प्रदेश क्षेत्र के विशेष संदर्भ में। | एन.जी.ओ. प्रबंधन |
| अमोद गुर्जर | सहायक प्रोफेसर* | 18.09.2015 | एमएसडब्ल्यू | ... | शोध प्रविधि<br>ग्रामीण विकास<br>बाल अधिकार |

(* अस्थाई)

## गतिविधियाँ

1. अगस्त से दिसंबर, 2015 तक एम.एस.डब्यू. (प्रथम छमाही) एवं बी.एस.डब्ल्यू. (प्रथम छमाही) के विद्यार्थियों द्वारा वर्धा के मगन संग्रहालय, ग्रामोपयोगी विज्ञान केंद्र, एमगिरी, चेतना विकास केंद्र, सेवाग्राम आश्रम, शारदा मूकवधिर विद्यालय, नालवाडी, श्री छाया बालगृह, महारोगी सेवा समिति, दत्तपुर, गांधी नगर वडार बस्ती आदि संस्थाओं का भ्रमण एवं अध्ययन किया गया।
2. अगस्त से दिसंबर, 2015 तक एम.फिल., एम.एस.डब्ल्यू. (तृतीय छमाही) एवं एन.जी.ओ. प्रबंधन के विद्यार्थियों द्वारा वर्धा जिले के अंतर्गत पांच गांवों (तामसवाड़ा, बोरगांव, गणेशपुर, चिखली एवं जामनी) का अध्ययन कार्य एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
3. गांधी जयंती के अवसर पर 02 अक्टूबर, 2015 को समाज कार्य केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तत्वावधान में स्वच्छता संबंधी जागरूकता कार्यक्रम (तामसवाड़ा, बोरगांव, गणेशपुर, चिखली एवं जामनी) में आयोजित किया गया।
4. केंद्र द्वारा 04 अक्टूबर 2015 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।
5. समाज कार्य प्रैक्टिकम विषय पर 27–30 अक्टूबर 2015 को केंद्र के एम.फिल. एवं एम.एस.डब्ल्यू. (तृतीय सेमेस्टर) के छात्र–छात्राओं द्वारा गढचिरौली, हेमलकसा आदि का शैक्षणिक भ्रमण किया गया।
6. नवंबर 2015 में केंद्र के समस्त विद्यार्थियों द्वारा क्षेत्र कार्य के संदर्भ में नागपुर स्थित संस्थाओं का भ्रमण एवं अध्ययन किया।
7. जनवरी से मार्च, 2016 तक क्षेत्र कार्य के संदर्भ में एम.एस.डब्ल्यू. (चतुर्थ छमाही) के छात्र–छात्राओं द्वारा एम.आई.डी.सी., शुगर फैक्ट्री, महारोगी सेवा समिति दत्तपुर (वर्धा), ग्रामोपयोगी विज्ञान केंद्र (वर्धा), एमगिरी (वर्धा), इत्यादि

संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य किया गया।

8. एम.एस.डब्ल्यू.(द्वितीय छमाही) एवं बी.एस.डब्ल्यू. (द्वितीय छमाही) के विद्यार्थियों द्वारा पांच गांवों (तामसवाड़ा, बोरगांव, गणेशपुर, चिखली एवं जामनी) में फैमली प्रोफाइल तैयार कर क्षेत्र कार्य की प्रविधियों (वैयक्तिक कार्य, समूह कार्य एवं सामुदायिक संगठन) द्वारा पी.आर.ए., आर.आर.ए. एवं एल.एफ.ए. तकनीक का प्रयोग कर समस्या समाधान का कार्य किया।
9. 'समाज कार्य व्यवसाय' विषय पर मातृ सेवा संघ समाज कार्य संस्थान, नागपुर के प्राचार्य डॉ. जॉन मीनाचेरी ने 04 सितंबर, 2015 को व्याख्यान दिया।
10. 'शोध वार्ता कार्यक्रम' के अंतर्गत 10 सितंबर, 2015 को श्री छाया बालगृह, वर्धा के डॉ.उषा मुरलीधर थाले ने विशेष व्याख्यान दिया।
11. गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के सहयोग से 'राष्ट्रीय युवा रचनात्मक शिविर' का आयोजन 27–29 फरवरी, 2016 को किया गया। जिसमें गांधी एवं समाज कार्य से संबंधित विद्वानों को आमंत्रित किया गया। इसमें संपूर्ण भारत एवं विश्वविद्यालय से 100 प्रतिभागियों एवं पांच गांवों (तामसवाड़ा, बोरगांव, गणेशपुर, चिखली एवं जामनी) से 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
12. केंद्र द्वारा 'भारत समाज कार्य दिवस' का आयोजन 17 मार्च, 2016 को किया गया जिसमें वर्धा में संचालित समाज कार्य विषय से संबंधित पांच कॉलेजों को आमंत्रित किया गया और समाज कार्य सिद्धांत एवं क्षेत्र कार्य विषय पर खुली चर्चा का आयोजन किया गया।
14. केंद्र द्वारा 12 फरवरी, 2016 को मातृ सेवा संघ समाज कार्य संस्थान, नागपुर के सहयोग से 'शोध–प्रस्ताव' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
15. केंद्र द्वारा 14 फरवरी, 2016 को सपोर कॉलेज, इजराइल के सहयोग से भारत एवं इजराइल में कृषि यथार्थ विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

## शोध परियोजनाएँ

1. 'राष्ट्र बनाम आख्यान : 21वीं सदी में भारतीय राष्ट्रवाद', भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वृहत शोध परियोजना (कुल राशि 18 लाख) प्रदत्त। मुख्य पर्यवेक्षक : प्रो. मनोज कुमार, सह–पर्यवेक्षक : डॉ. मिथिलेश कुमार।
2. 'सामाजिक पूँजी और किसान आत्महत्या', भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वृहत शोध परियोजना (कुल राशि 10 लाख) प्रदत्त। मुख्य पर्यवेक्षकः डॉ. शंभू जोशी, सह–पर्यवेक्षक : डॉ. मिथिलेश कुमार।
3. ट्रेंड्स, चैलेंजेस एण्ड प्रोसपेक्ट्स ऑफ फिनांसियल मैंनेजमेंट एमोंग फारमर्स (फील्ड स्टडी ऑफ फारमर्स ऑफ देवली ब्लॉक, वर्धा), म.ग.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा द्वारा प्रदत्त शोध परियोजना (कुल राशि रु. 75 हजार)। मुख्य पर्यवेक्षकः डॉ. मिथिलेश कुमार, सह–पर्यवेक्षक : श्री आमोद गुर्जर।

## संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण

### कुमार, मनोज

– (18–20 जनवरी, 2016). भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।
– (14 फरवरी, 2016). सपोर कॉलेज, इजराइल एवं मातृ सेवा संघ समाज कार्य संस्थान, नागपुर के सहयोग से 'भारत एवं इजराइल में कृषि यथार्थ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सह–अध्यक्षता।

### कुमार, मिथिलेश

– (18–20 जनवरी, 2016). भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सामाजिक सभ्यतागत

बदलाव, बाजारवाद और मीडिया' विषयक सत्र की सह–अध्यक्षता एवं आलेख प्रस्तुत।
– (14 फरवरी, 2016). सपोर कॉलेज, इजराइल एवं मातृ सेवा संघ समाज कार्य संस्थान, नागपुर के सहयोग से 'भारत एवं इजराइल में कृषि यथार्थ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सामाजिक पूँजी और किसान आत्महत्या' शोध पत्र प्रस्तुत।

**बघेल, शिव सिंह**
– (14 फरवरी, 2016). सपोर कॉलेज, इजराइल एवं मातृ सेवा संघ समाज कार्य संस्थान, नागपुर के सहयोग से 'भारत एवं इजराइल में कृषि यथार्थ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

**गुर्जर, आमोद**
– (14 फरवरी, 2016). सपोर कॉलेज, इजराइल एवं मातृ सेवा संघ समाज कार्य संस्थान, नागपुर के सहयोग से 'भारत एवं इजराइल में कृषि यथार्थ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एग्रेरियन रिएलीटिज इन इंडिया, इम्पैक्ट ऑफ सोशल एण्ड टेक्नोलॉजिकल चेंजेस' विषयक आलेख प्रस्तुत।
– (06 मार्च, 2016). 'वर्तमान समय में बाल एवं महिला अस्तित्व की चेतना' विषय पर यशवंतराव चौहान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ द्वारा आयोजित परिसंवाद में मुख्य वक्ता।

**प्रकाशन**
**कुमार, मिथिलेश**
– (2015). 'चिपको आंदोलन एवं गांधी दृष्टि', हिंदी समय, वर्धा : म.गं.अं.हि.वि.।
– (2016). 'धर्म, सत्ता और हिंसा' (सं.), दिल्ली : राजकमल प्रकाशन।

**बघेल, शिव सिंह**
– (2015). 'नक्सलवाद, छत्तीसगढ़ की राजनीति और आदिवासी', द इक्यूविमिस्ट, 2, 93–101, वर्धा : ओरिएंटेड इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट।
– (जुलाई, 2015). 'वैश्वीकरण एवं मीडिया', आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव, लातूर : प्रवर्तन प्रकाशन।
– (2016). 'हिन्द स्वराज में चिकित्सा और बदलती भारतीय जीवन शैली', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव नॉलेज कंसेप्ट (ई.–पत्रिका), 4, 14–16.

**उपलब्धियां**
– केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. मिथिलेश कुमार को इंटरनेशनल ऐशोसिएशन फॉर वर्ल्ड पीस (संयुक्त राष्ट्र की ई.सी.ओ.एस.ओ.सी., डी.पी.आई., युनिसेफ, युनेस्को से संबद्व) द्वारा 21 मार्च 2016 को सोशल वर्क एजुकेशन एंड प्रोमोसन अवार्ड प्राप्त हुआ।

## 5.3 मानवविज्ञान विभाग

मानवविज्ञान विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण विभाग है। इस विभाग की स्थापना 2009 में की गई। मानवविज्ञान का लक्ष्य उत्कृष्ट शिक्षण एवम् शोध के साथ–साथ विषय के अन्य पक्षों को भी उन्नत करना है। विदर्भ क्षेत्र में स्थित यह विभाग विशाल जनजातीय समुदाय पर महत्वपूर्ण अध्ययन कर रहा है। जिसमें विदर्भ क्षेत्र की विभिन्न जनजातीय संस्कृतियाँ प्रमुखतः शामिल हैं। मानवविज्ञान मनुष्य के जैव–सांस्कृतिक विकास के इतिहास का अध्ययन है। इसमें विज्ञान व मानविकी दोनों ही अनुशासन सम्मिलित है। विभाग में सामाजिक–सांस्कृतिक, जैविक एवं न्यायालयिक मानवविज्ञान में विशेष शैक्षणिक

कार्य चल रहा है। जिसका उददेश्य मानव के जैव–सांस्कृतिक पहलुओं पर विशेष प्रकाश डालना है। इस विषय का सरोकार मानव जीवन एवं समाज दोनों से जुड़ा होने के कारण काफी रुचिकर भी है। विभाग की प्रयोगशाला तथा संग्रहालय समृद्ध हैं। मानवविज्ञान विभाग की प्रयोगशाला समृद्ध है। विभागीय पुस्तकालय में लगभग 200 से अधिक उत्तम एवं विशिष्ट पुस्तकें हैं।

**एथनोग्राफिक संग्रहालय**– यह विभाग एथनोग्राफिक संग्रहालय के रूप में भारत के विभिन्न आदिवासी समुदायों की भौतिक संस्कृति को संरक्षित करने के लिए प्रयासरत है, जिसके तहत विभाग द्वारा 'इथनोग्राफिक संग्रहालय' की स्थापना की गई है। यह संग्रहालय, सहस्त्र वर्षों में विकसित बहुमूल्य जनजातीय संस्कृतियों की जीवन–शैली को समेकित रूप से संजोने और विलुप्त हो रही बहुमूल्य जनजातीय संस्कृतियों के संरक्षण एवं पुनर्जीवीकरण हेतु शोध एवं संकलन की भूमिका सुनिश्चित करने का प्रयास है। भिन्नता और तकनीकी का यही ज्ञानतंत्र जनजातीय समाजों की भौतिक संस्कृति का निर्माण करता है। मध्य भारत के जनजातीय समाज की जीवन–शैली के भौतिक पहलू उस ज्ञान व्यवहार को पहचान दिलाना और आम जन में इससे जुड़े ज्ञान की विशेषताओं को चिन्हित करना इस संग्रहालय का मुख्य उद्देश्य है।

## संचालित पाठ्यक्रम

इस विभाग के अंतर्गत मानवविज्ञान में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. और फोरेंसिक साइंस में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

## प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| फरहद मलिक | सह प्रोफेसर | 06.07.2010 | पीएच.डी. | एथनीसिटी एंड ट्राइबल अनरेस्टः एन एंथ्रोपोलोजीकल इनक्वायरी इन मध्य प्रदेश एण्ड वेस्ट बंगाल | सामाजिक–सांस्कृतिक मानवविज्ञान |
| वीरेन्द्र प्रताप यादव | सहायक प्रोफेसर | 16.6.2010 | पीएच.डी. | सोशल मोबिलिटी अमंग द ओबीसीज़ ऑफ उत्तर प्रदेश विद स्पेशल रिफरेंस टू द डायनॉमिक्स ऑफ यादवज़ इमरजिंग एज़ डोमिनेन्ट कास्ट | सामाजिक–सांस्कृतिक मानवविज्ञान |
| निशीथ राय | सहायक प्रोफेसर | 16.6.2010 | पीएच.डी. | एन इथनोआरकियोलाजिकल स्टडी ऑफ 'मवासी' ट्राइब इन सतना डिस्ट्रिक्ट ऑफ मध्य प्रदेश एलोंग विथ देयर हेल्थ एण्ड लिव्ड इन इन्वायरनमेंट | शारीरिक मानवविज्ञान |
| बी.के. पाटिल | सहायक प्रोफेसर* | 20.01.2014 | एम.एस.सी. | ... | न्यायिक विज्ञान |
| राकेश प्रताप | सहायक प्रोफेसर* | 07.08.2014 | पीएच.डी. | मुस्लिम पिछड़ा वर्गः गोरखपुर, उ.प्र. के मोमिन अंसार की सामाजिक–आर्थिक परिस्थिति | सामाजिक–सांस्कृतिक मानवविज्ञान |

(* अंशकालीन)

**शोध परियोजना**

डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव, 'शासकीय प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की स्थिति (वर्धा जिले के विशेष संदर्भ में)' विश्वविद्यालय द्वारा लघु शोध परियोजना स्वीकृत।

**संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण**

**मलिक, फरहद**

– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।

– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।

**यादव, वीरेन्द्र प्रताप**

– (29–30 मार्च, 2016). डॉ. हरि सिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर द्वारा 'होराइजन्स ऑफ ट्राइबल डेवलेपमेंट' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विकास एवं आदिवासी समाज' शोध पत्र प्रस्तुत।

**राय, निशीथ**

– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की सह–अध्यक्षता।

– (16–29 फरवरी, 2016). महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के अर्थशास्त्र विभाग में 'कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम फॉर सोशल साइंस फेकल्टी मेम्बर्स' में सहभागिता।

– (29–30 मार्च, 2016). डॉ. हरि सिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर द्वारा 'होरोजोंस ऑफ ट्राइबल डेवलेपमेंट' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रिथिंकिंग ट्राइबल डेवलेपमेंट विथ एमिक एप्रोच' शोध पत्र प्रस्तुत।

**प्रकाशन**

**मलिक, फरहद**

– (2015). 'ट्राइबल अनरेस्ट इन सेंट्रल इंडिया, कॉजेस, चैलेंजेज एंड पॉसिबिलिटिस' (सं. मुखर्जी एण्ड मलिक), नई दिल्ली : के के पब्लिकेशन।

– (2015). 'माओइस्ट वायलेन्स, एन्टी–नक्सल मूवमेंट एण्ड ट्राइबल राइट : अन्डरस्टैंडिंग द ट्राइबल सिचुएशन ऑफ छत्तीसगढ़', ट्राइबल अनरेस्ट इन सेंट्रल इंडीया : कॉजेज चैलेंजेज एण्ड पॉसिबिलिटीज (सं. मुखर्जी एण्ड मलिक), 71–86, नई दिल्ली : के. के. पब्लिकेशन।

– (2016). 'कन्जरवेशन, डिसप्लेसमेंट एण्ड ट्राइबल राइट : एन एन्थ्रोपॉलोजीकल स्टडी ऑन ट्राइबल ईशूज इन अचानकमार टाइगर रिजर्व', इंडियन जनरल ऑफ रिसर्च इन एन्थ्रोपॉलोजी, 2(1), 45–5.

**यादव, वीरेन्द्र प्रताप**

– (2015). 'नक्सलवाद की उत्पत्ति में मानव मन एवं चिंतन की भूमिका', द इक्वानामिस्ट, 1, 193–195, इलाहाबाद : ओरिएण्टल इंस्टीटयूट ऑफ हयूमन डेवलेपमेंट।

**राय, निशीथ**

– (जून, 2015). 'अंडरस्टैंडिंग ट्राइब एण्ड ट्राइबल अनरेस्ट', जनरल ऑफ सोशल एण्ड पॉलिटिकल स्टडीज,(1), 81–92, इलाहाबाद : राजनीति शास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय।

– (अप्रैल–जून, 2015). 'अंडरस्टेडिंग कॉनटूअरस ऑफ कॉनफ्लिक्ट', द इकानामिस्ट, 1 (1), 58–66, इलाहाबाद : ओरिएन्टल इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन डेवलेपमेंट।

– (जुलाई, 2015). 'द रेसप्लेनडेन्ट इटरनल इंडिया', भारतीय मान्यप्रद, 3 (1), 78–90, अहमदाबाद : भारतीय विद्या भवन।

# 6 शिक्षा विद्यापीठ

म.ग.अं.हिं.वि. का शिक्षा विद्यापीठ वैयक्तिक और सामाजिक जीवन में सकारात्मक बदलाव की पहल और हस्तक्षेप करने वाले समर्पित छात्रों, शोधार्थियों व अध्यापकों का प्रगतिशील समुदाय है। शिक्षा विद्यापीठ पारस्परिक संवाद, क्रियाकलाप एवं विचार–विमर्श के माध्यम से ज्ञान के सहनिर्माण, शोध आधारित विश्लेषणात्मक एवं रचनात्मक ज्ञानराशि के विकास के लिए सतत प्रयत्नशील है। इस प्रयत्न की अन्तर्निहित धारणा यह है कि शिक्षा मनुष्य के जीवन को न्यायोचित और समतामूलक अवसर प्रदान करने हेतु एवं समग्र विकास की संभावनाओं का अन्वेषण करने हेतु सशक्त बनाने के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं सार्वकालिक प्रयास है। इस विद्यापीठ के अंतर्गत निम्न दो विभाग संचालित हैं–

6.1 शिक्षा विभाग

6.2 मनोविज्ञान विभाग

## 6.1 शिक्षा विभाग

शिक्षा विद्यापीठ म.गां.अं.हिं.वि.वि. की अकादमिक शाखाओं में अपेक्षाकृत एक नव परिवर्धन है जिसका प्रारंभ वर्ष 2014 में शिक्षाशास्त्र में दो–वर्षीय एम.ए. पाठ्यक्रम से हुआ था। शिक्षा विद्यापीठ ने अपेक्षाकृत बहुत कम समय में ही पर्याप्त विस्तार प्राप्त कर लिया है। वर्ष 2015 में शिक्षा विद्यापीठ में अकादमिक विस्तार के नए आयाम तब जुड़े जब शिक्षा विभाग में दो वर्षीय शिक्षा में स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम (छात्र संख्या– 50), तीन सेमेस्टर अवधि का शिक्षाशास्त्र में मास्टर ऑफ फ़िलॉसफ़ी (एम.फिल.) पाठ्यक्रम एवं शिक्षाशास्त्र में डॉक्टर ऑफ फ़िलॉसफ़ी (पीएचडी) पाठ्यक्रम का संचालन प्रारंभ हुआ। विभिन्न पाठ्यक्रमों के कुशल संचालन को सुनिश्चित करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा विद्यापीठ के शिक्षा विभाग में शिक्षकों की नियुक्ति की गयी। अध्यापक शिक्षा व शैक्षिक अनुसंधान के एक प्रमुख संस्थान के रूप में अपने को प्रतिष्ठित करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह विद्यापीठ अपने उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में सतत प्रयत्नशील है और अपने अकादमिक स्वरूप को व्यापक करने हेतु विद्यापीठ में नवाचारी पाठ्यक्रमों को प्रारंभ किया जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षण परिषद ने शिक्षा विभाग को दो वर्षीय मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.) पाठ्यक्रम (छात्र संख्या– 50) तथा तीन वर्षीय बी.एड.–एम.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम को सत्र 2016–17 से प्रारंभ करने की स्वीकृति दी है।

शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण अधिगम वातावरण उपलब्ध कराने हेतु विभाग में पर्याप्त भौतिक व शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता है। शिक्षा विभाग के विभागीय पुस्तकालय में समुचित संख्या में पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ ग्रंथ, शोध पत्रिकाएँ तथा अन्य उपयुक्त पत्र–पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। इसके साथ ही छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न शैक्षणिक व शोध संसाधनों का उपयोग करने के लिए निर्बाध वाई–फ़ाई सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। इसके अतिरिक्त शिक्षा विभाग ने प्रदर्शनकारी कलाओं के लिए विभिन्न वाद्ययंत्रों एवं संगीत के अन्य उपकरणों से परिपूर्ण एक समृद्ध संसाधन केंद्र की स्थापना की है। शिक्षा विद्यापीठ ने विद्यार्थियों खेल–कूद व पाठ्यसहगामी गतिविधियों आदि के आयोजन हेतु मुक्तिबोध भवन (जिसमें शिक्षा विद्यापीठ स्थित है) के पीछे एक क्रीड़ास्थल का निर्माण भी किया है। शैक्षणिक गतिविधियों के साथ विविध पाठ्यसहगामी क्रियाओं के अनूठे संगम की अवधारणा को साकार करते हुए शिक्षा विद्यापीठ का शिक्षा विभाग अनेकानेक सांस्कृतिक व साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन भी करता है जिसके फलस्वरूप छात्रों को अपने कौशल एवं क्षमताओं को विकसित व परिष्कृत करने के कई अवसर प्राप्त होते हैं।

### संचालित पाठ्यक्रम

इस विभाग के अंतर्गत शिक्षा शास्त्र में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. और बी. एड., बी.एड.–एम.एड. (एकीकृत), एम. एड. पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

## प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| अरबिन्द कुमार झा | प्रोफ़ेसर | 17.09.2014 | पीएच.डी. | ऐपिस्टीमॉलजीकल इम्पोर्ट ऑफ न्याय फिलॉसफी | ज्ञानमीमांसा और शिक्षणशास्त्र, गणित शिक्षण, गणित और विज्ञान का दर्शनशास्त्र |
| बी.ई. गोटे | प्रोफ़ेसर* | 21.12.2015 | पीएच.डी. | महाराष्ट्र शासन मान्य प्राथमिक स्तर की पाठ्य पुस्तकों का चिकित्सक अध्ययन | पाठ्यक्रम एवं शैक्षिक अनुसंधान |
| गोपाल कृष्ण ठाकुर | सह प्रोफ़ेसर | 18.11.2015 | पीएच.डी. | डेवलपमेंट ऑफ़ ए मॉडल केमिस्ट्री लेबोरेटरी करिकुलम एट +2 लेवल एंड स्टडीइंग इट्स इफेक्टिवनेस | विज्ञान दर्शन एवं शिक्षा दर्शन विज्ञान शिक्षण |
| शिरीष पाल सिंह | सह प्रोफ़ेसर | 01.12.2015 | पीएच.डी. | राष्ट्रीय मूल्यों एवं मानवाधिकारो के प्रति भावी अध्यापकों एवं सेवारत अध्यापकों की अभिवृति एवं प्रत्यक्षण का अध्ययन | शिक्षा मनोविज्ञान<br>शिक्षा शोध शिक्षा तकनीकी |
| ऋषभ कुमार मिश्र | सहायक प्रोफ़ेसर | 18.11.2015 | एम.ए., एम.एड. | सामाजिक विज्ञान की कक्षा का सामाजिक सांस्कृतिक विश्लेषण | शिक्षा मनोविज्ञान, सामाजिक विज्ञान शिक्षण, शिक्षक शिक्षा |
| सारिका राय शर्मा | सहायक प्रोफ़ेसर | 27.11.2015 | एम.एससी. एम.एड. | विज्ञान शिक्षा के माध्यम से किशोरों में लैंगिक संवेदनशीलता के विकास का अध्ययन | शिक्षक शिक्षा मानसिक स्वास्थ्य के लिए शिक्षा |
| शिल्पी कुमारी | सहायक प्रोफ़ेसर | 23.11.2015 | स्नातकोत्तर | इफेक्टिवनेस ऑफ़ सोसिओसाइंटिफिक इशू बेस्ड इंस्ट्रक्शन ऑन साइंटिफिक लिटरेसी ऑफ़ प्राइमरी स्कूल चिल्ड्रेन | जीव विज्ञान शिक्षण,<br>शैक्षिक तकनीकी एवं शिक्षा में आई.सी.टी. |
| समरजीत यादव | सहायक प्रोफ़ेसर | 19.11.2015 | एम.ए. एम.एड. | | सामाजिक विज्ञान शिक्षण,<br>शिक्षा का समाजशास्त्र, सामाजिक सिद्धांत |
| आर. पुष्पा नामदेव | सहायक प्रोफ़ेसर | 23.11.2015 | एम.एस.सी. एम.एड. | ए स्टडी ऑफ सेल्फ कान्सेप्ट एण्ड एजुकेशनल एस्पीरेशन ऑफ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय स्टूडेंट इन रिलेशन टू एजुकेशनल अपॉरच्युनिटी | विज्ञान –शिक्षण, शिक्षा मनोविज्ञान, शिक्षक शिक्षा |
| धर्मेन्द्र शंभरकर | सहायक प्रोफ़ेसर | 18.11.2015 | एम.ए. एम.एड. | | मराठी शिक्षण , शिक्षक शिक्षा, शिक्षा का दर्शन |
| सुहासिनी बाजपेयी | सहायक प्रोफ़ेसर | 22.12.2015 | एम.एस.सी., एम.एड. | कॉगनेटिव प्रीफरेन्सेज एज डीटरमिनेट्न्स ऑफ एकेडेमिक अचीवमेंट्स ऑफ सेकण्डरी स्कूल साइंस स्टूडेंट्स बिलांगिग टू डिफरेन्ट क्रिएटिविटी लेवलस् | शिक्षा में शोध प्रविधि, शिक्षा मनोविज्ञान, विज्ञान–शिक्षण |
| भरत कुमार पंडा | सहायक प्रोफ़ेसर | 18.02.2016 | पीएच.डी. | ए स्टडी ऑन पॉपुलेशन अवेअरनेस ऑफ संस्कृत स्टूडेण्ट्स एट् वैरियस लेवल | शिक्षा मनोविज्ञान, शिक्षा तकनीकी, मापन और मूल्यांकन, भाषा शिक्षण |
| गुणवंत सोनोने | सहायक प्रोफ़ेसर* | 06.04.2015 | पीएच.डी. | अमरावती विभागातील ग्रामीण व् शहरी भागातील इयत्ता नवविमध्ये अध्ययन करणार्‍या विद्यार्थ्याची बुद्धिमत्ता, अभिरुचि,अभिवृत्ति व आकांक्षा स्तर याचा तुलनात्मक अभ्यास" | मराठी भाषा शिक्षण, सामाजिक विज्ञान शिक्षण, शैक्षिक तंत्रविज्ञान, समकालीन भारत एवं शिक्षा |
| तक्षा शंभरकर | सहायक प्रोफ़ेसर* | 07.10.2015 | एम.एससी. एम.एड., एम.फिल. | माध्यमिक स्तर पर रसायनशास्त्र विषय के लिए सी.ए.आई. कार्यक्रम का प्रभाव | अनुसंधान पद्धति, शैक्षणिक मनोविज्ञान, विज्ञान शिक्षण, सांख्यिकी |
| रामार्चा प्रसाद पाण्डेय | सहायक प्रोफ़ेसर* | 14.01.2016 | पीएच.डी. | ए स्टडी ऑफ पास आउट्स ऑफ जवाहर नवोदय विद्यालय इन द कानटेक्सट् ऑफ देयर एजूकेशनल, वोकेशनल एण्ड सोशल एडजेस्टमेण्टस | मापन एवं मूल्याकन, शोध प्रविधि |
| अप्रेमय मिश्र | सहायक प्रोफ़ेसर* | 21.03.2016 | पीएच.डी. | त्रिदेव तथा भारतीय संगीत की परम्परा | हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत गायन एवं प्रदर्शनकारी कला |
| सुनील विश्वकर्मा | सहायक प्रोफ़ेसर* | 21.03.2016 | एम.ए., एम.पी.एड., एम.फिल. | एन एनालिसिस ऑफ सोमेटोटाइप कैरेक्टरिसठिक ऑफ यूनिवर्सिटी कबड्डी एण्ड खो–खो प्लेयर्स | शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान, योग शिक्षा, वॉलीबॉल |

(* अस्थाई)

## गतिविधियाँ

1. 'केंद्रीय विद्यालय का प्रशासन एवं प्रबंध' विषय 6 अगस्त 2015 को केन्द्रीय विद्यालय कामठी, नागपुर के प्राचार्य श्री रामटेके ने विशेष व्याख्यान दिया।
2. 'मानव संसाधन और भगवत गीता' विषय पर 11 अगस्त, 2015 को श्री राम कृष्ण गोस्वामी ने व्याख्यान दिया।
3. अनुराज शंकर (हावर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, अमरीका) ने 23 अगस्त 2015 को विशेष व्याख्यान दिया। इस अवसर पर सावंगी मेडिकल कॉलेज के साइकियाट्रीक प्रोफेसर प्रकाश बेहरे उपस्थित थे।
4. 'शिक्षा और मूल्य' विषय पर 25 अगस्त 2015 को मनोविज्ञानी प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने विशेष व्याख्यान दिया।
5. 'शिक्षक की समकालीन समाज में भूमिका' विषय पर 4 सितंबर, 2015 को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
6. शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन 5 सितंबर, 2015 को किया गया।
7. हिंदी दिवस के अवसर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन 14 सितंबर, 2015 को किया गया।
8. श्यामपट्ट लेखन कार्यशाला का आयोजन 18 सितंबर 2015 को किया गया। इस कार्यशाला में श्रीमती अंकिता महाराज ने साधनसेवी की भूमिका निभाई।
9. रामधारी सिंह दिनकर स्मृति काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन 25 सितंबर, 2015 को किया गया।
10. 'शिक्षा व परीक्षा प्रणाली में सुधार' विषय पर 01 अक्टूबर, 2015 को सुन्दरलाल शर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वंशगोपाल सिंह ने विशेष व्याख्यान दिया।
11. 'दर्शन और शोध' विषय पर आगरा विश्वविद्यालय की डॉ. सुजाता सारस्वत ने 27 अक्टूबर, 2015 को विशेष व्याख्यान दिया।
12. 'शिक्षा के समकालीन विमर्श' विषय पर केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद की प्रो. फातिमा बेगम ने 30 अक्टूबर, 2015 को विशेष व्याख्यान दिया।
13. 'महात्मा गाँधी के सपने और हमारा विश्वविद्यालय' विषय पर 28 दिसंबर, 2015 को पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
14. 'शिक्षा का मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के प्रो. अजित दलाल ने 04 जनवरी, 2016 को विशेष व्याख्यान दिया।
15. 'पॉजीटिव स्कूलिंग : ए हेवन फॉर होलिस्टिक डेवलेपमेण्ट' पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 16–18 जनवरी, 2016 को गोवा में किया गया।
16. 'साहित्य में शिक्षा' विषय पर विश्वविद्यालय के आवासीय लेखक प्रो. रमेश दवे ने 19 फरवरी, 2016 को व्याख्यान दिया।
17. विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में 'कलाम स्मृति विज्ञान प्रश्नोत्तरी' का आयोजन 02 मार्च, 2016 को किया गया।
18. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 'कौन गढ़ता है भारतीय नारी की परिभाषा' पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 8 मार्च, 2016 को किया गया।
19. 'टीचिंग ऑनलाइन कोर्सेस थ्रू मूडल' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 12–14 मार्च, 2016 को किया गया।
20. 'अधिगम की संस्कृति कक्षा से परे' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15–16 मार्च 2016 को किया गया।

**शोध परियोजना**

| | |
|---|---|
| स्ट्रकचरल एण्ड ऑपरेशनल कॉन्सट्रेन्ट्स इन इम्पलीमेण्ट्शन ऑफ राइट टू एजुकेशन फॉर चिल्ड्रेन इन रेड कॉरिडोर | डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर एवं प्रो. अरबिन्द कुमार झा |
| इफेक्टिवनेस ऑफ ई–लेक्चरस् इन टर्मस् ऑफ अचीवमेंट इन क्रिएटी विटी एण्ड रिलेशन ऑफ प्यूपल टीचर्स टूअर्डस् ई लेक्चरस | प्रो. अरबिन्द कुमार झा एवं डॉ. शिरीष पाल सिंह |
| शांति शिक्षा के लिए विद्यालयों में अहिंसा अनुशीलन | डॉ. शिरीष पाल सिंह एवं धर्मेन्द्र शंभरकर |
| नयी तालीम का शिक्षाशास्त्रीय ढाँचा और अध्यापक शिक्षा के लिए इसके निहितार्थ | ऋषभ कुमार मिश्र एवं धर्मेन्द्र शंभरकर |
| रिविजिंटिंग गांधीज आइडिया ऑफ नई तालीम फॉर एजूकेशन टूअर्डस ससटेनेबल डेवलपमेण्ट | शिल्पी कुमारी एवं डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर |

**संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण**

**झा, अरबिन्द कुमार**

– (24 अप्रैल, 2015). 'पेडागॉजिकल स्पेस : प्रोबिंग द प्रैक्टिसेस' विषय पर सेंटर ऑफ एजूकेशन, केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब, भटिंडा में व्याख्यान।

– (25 अप्रैल, 2015). 'अण्डरस्टेंडिंग पीस एजुकेशन' विषय पर श्री सत्य साई कॉलेज ऑफ एजूकेशन मालौत, पंजाब में आईसीएसएसआर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान।

– (16 मई, 2015). 'करीकुलम रिफॉर्मस इन टीचर एजुकेशन' विषय पर बी.एस. अनंगपुरिया इंस्टीटयूट ऑफ एजूकेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान।

– (24 मई, 2015). 'यूथ पॉवर एण्ड लाइफ स्किल्स' विषय पर ऑक्सफोर्ड कॉलेज ऑफ एजूकेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान।

– (01 जून, 2015). एचआरडीसी, इंदौर द्वारा आयोजित पुनश्यर्चा पाठ्यक्रम में 'एनवायरमेन्टल एथिक्स' विषय पर दो व्याख्यान।

– (30 जून, 2015). एचआरडीसी बीपीएस खानपुर कला द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'कन्सट्रक्टिविस्ट पेडॉगॉजी एण्ड पेडागॉजिकल स्पेस' विषय पर दो व्याख्यान।

– (07 अगस्त, 2015). विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र, कोलकता तथा आईसीएसएसआर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सोशल आइडेन्टिटी एण्ड आइडेन्टिटी' विषय पर शोध पत्र वाचन।

– (29 अगस्त, 2015). महात्मा एम.डी.मेमोरियल बी.एड. कॉलेज, सादुल शहर, राजस्थान और आईसीएसएस आर, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एपिस्टीमिक स्किल्स' विषय पर व्याख्यान।

– (30 अगस्त, 2015). श्री सत्य साई बी.एड. कॉलेज, कराईवाला, पंजाब तथा आईसीएसएसआर, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'क्वालिटी कनसर्न इन हायर एजूकेशन' विषय पर व्याख्यान।

– (05–06 अक्टूबर, 2015). जोधपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग तथा आईसीएसएसआर, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'रिसर्च मेथडॉलॉजी इन सोशल साइंस फॉर रिसर्च स्कॉलर्स' विषय पर तीन व्याख्यान।

– (17 अक्टूबर, 2015). 'द क्वेस्ट् फॉर एक्सीलेंस इन द कॉनटेक्सट् ऑफ हायर एजुकेशन' विषय पर सिदाना इंस्टीटयूट ऑफ एजूकेशन, अमृतसर द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्तव्य।

– (08 दिसंबर, 2015). 'रिसर्च मेथडॉलॉजी इन सोशल साइंस फॉर रिसर्च स्कॉलर्स' विषय पर जोधपुर विश्वविद्यालय

के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आईसीएसएसआर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में तीन व्याख्यान।
– (12 दिसंबर, 2015). 'एपिस्टीमोलॉजिकल एण्ड ऑन्टोलॉजिकल पैराडाइम्स ऑफ सोशल साइंस रिसर्च विषय पर एचआरडीसी बीपीएस खानपुर कलां द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दो व्याख्यान।
– (28 जनवरी, 2016). 'रिजुविनेटिंग टीचर एजूकेशन इन इण्डिया' विषय पर केंद्रीय विश्वविद्यालय, कासरगोड (केरल) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान।
– (04 फरवरी, 2016). 'एजूकेशन फॉर ससटेनेबल डेवलपमेण्ट' विषय पर केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब, भटिंडा द्वारा आईसीएसएसआर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान।
– (12 फरवरी, 2016). 'ट्रांसफरमेटिव टीचर एजूकेशन प्रोग्राम' विषय पर शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्रवाचन।
– (18 मार्च, 2016). 'कॉगनेटिव फंक्शनिंग' विषय पर विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आईसीएसएसआर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान।
– (28 मार्च, 2016). 'रिसर्च मेथडॉलॉजी फॉर फैकल्टी' विषय पर खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आईसीएसएसआर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में व्याख्यान।

**ठाकुर, गोपाल कृष्ण**
– (25 अप्रैल, 2015). लिंगैयाज़ विश्वविद्यालय, फ़रीदाबाद द्वारा 'री–इंजीनियरिंग टीचर एजूकेशन इन कॉन्टेक्स्ट टू स्वच्छ शिक्षा, स्वच्छ समाज एवं स्वच्छ भारत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्वच्छ शिक्षा लीड्स टू स्वच्छ समाज' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी में 'वर्तमान सामाजिक परिदृश्य में मीडिया के शैक्षिक सरोकार' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी में व्याख्यान तथा एक सत्र की अध्यक्षता।
– (26 फरवरी, 2016). आर्मी इन्स्टीट्यूट ऑफ़ एजूकेशन, ग्रेटर नोएडा द्वारा 'उदीयमान समाज में शिक्षा की चुनौतियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंस्ट्रूमेंटेलिटी ऑफ ई–लर्निंग इन मेकिंग टीचिंग पावरफुल' शोध आलेख प्रस्तुत।
– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'टीचिंग ऑनलाइन कोर्सेस थ्रू यूजिंग मूडल' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कक्षा व पाठ्यपुस्तकों से परे अधिगम की संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कक्षा एवं पाठ्यपुस्तकों की परिधि से परे सर्विस लर्निंग' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (19–20 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के आतंरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत में उच्च शिक्षा की चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' शोध आलेख प्रस्तुत।

**सिंह, शिरीष पाल**
– (04–06 मार्च, 2016). रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन, एनसीईआरटी, भोपाल द्वरा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

**मिश्र, ऋषभ कुमार**
– (16–18 जनवरी, 2016). गोवा में 'पॉजीटिव स्कूलिंगः ए हेवन फॉर होलिस्टिक डेवलेपमेण्ट' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ए क्वेस्ट फॉर पॉजीटिव स्कूलिंग' शोध आलेख प्रस्तुत।

– (11–12 फरवरी, 2016). सी.आई.ई. दिल्ली विश्वविद्यालय में 'टीचर एजुकेशन : इशुज एण्ड चैलेंजेज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंगेजण्ड विद द टूल्स एट् हैण्ड : ए पोट्रेट ऑफ सोशल साइंस टीचर' शोध आलेख प्रस्तुत।
– (04–06 मार्च, 2016). आर.आई.ई. भोपाल में 'एजूकेशन ऑफ सोशली डिसएडवांटेज ग्रुप्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एजूकेशन ऑफ सोशली डिसएडवांटेज ग्रुप्स एण्ड पेडागॉजी ऑफ एम्पॉवरमेण्ट' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'टीचिंग ऑनलाइन कोर्सेस थ्रू मूडल' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कल्चर ऑफ लर्निंग : बियान्ड क्लासरूम एण्ड टेक्सट् बुक्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नई तालीम : जहाँ दुनिया को पढ़ते हैं' शोध आलेख प्रस्तुत।
– (19–20 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अध्यापक शिक्षा की पाठ्यचर्या और मनोविज्ञान : ज्ञानमीमांसीय और शिक्षण शास्त्रीय निहितार्थ' शोध आलेख प्रस्तुत।

**शर्मा, सारिका राय**

– (16–18 जनवरी, 2016). गोवा में 'पॉजीटिव स्कूलिंग : ए हेवन फॉर होलिस्टिक डेवलेपमेण्ट' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ए क्वेस्ट फॉर पॉजीटिव स्कूलिंग' शोध आलेख प्रस्तुत।
– (04–06 मार्च, 2016). आर.आइ.ई. भोपाल में 'एजुकेशन ऑफ सोशली डिसएडवांटेज ग्रुप्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ब्रिजिंग गैप : टाइम टू चीयर अप?' शोध आलेख प्रस्तुत।
– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'टीचिंग ऑनलाइन कोर्सेस थ्रू मूडल' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कल्चर ऑफ लर्निंग : बियान्ड क्लासरूम एण्ड टेक्सट बुक्स' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कल्चर ऑफ लर्निंग : फ्रॉम कन्फाइनमेण्ट टू फ्रीडम' शोध आलेख प्रस्तुत।

**कुमारी, शिल्पी**

– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'मूडल के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का शिक्षण' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कक्षा एवं पाठ्य–पुस्तक के परे अधिगम की संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सर्विस लर्निंग : बियॉन्ड दी पेरिफेरिस ऑफ क्लासरूम्स एंड टेक्स्ट बुक्स' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (19–20 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी द्वारा 'उच्च शिक्षा के गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय उच्च शिक्षा में चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' शोध पत्र प्रस्तुत।

**यादव, समरजीत**

– (16–18 जनवरी, 2016). गोवा में 'पॉजीटिव स्कूलिंग : ए हेवन फॉर होलिस्टिक डेवलेपमेण्ट' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ए क्वेस्ट फॉर पॉजीटिव स्कूलिंग' शोध आलेख प्रस्तुत।
– (11–12 फरवरी, 2016). सी.आई.ई. दिल्ली विश्वविद्यालय में 'टीचर एजुकेशन : इश्यूज एण्ड चैलेंजेज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्कूल शिक्षकों की सामाजिक हैसियत' शोध आलेख प्रस्तुत।
– (04–06 मार्च, 2016). आर.आई.ई. भोपाल में 'एजूकेशन ऑफ सोशली डिसएडवांटेज ग्रुप्स' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय समाज में जाति और वर्ग : कुछ शिक्षणशास्त्रीय निहितार्थ' शोध आलेख प्रस्तुत।
– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'टीचिंग ऑनलाइन कोर्सेस थ्रू मूडल' विषय पर

आयोजित कार्यशाला में सहभागिता।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कल्चर ऑफ लर्निंग : बियॉन्ड क्लासरूम एण्ड टेक्स्ट बुक्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ज्ञान का बोझ और बच्चे' शोध आलेख प्रस्तुत।
– (19–20 मार्च 2016). विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी द्वारा 'उच्च शिक्षा के गुणवत्ता में संवर्धन की समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'उच्च शिक्षा का निजीकरण और शैक्षिक गुणवत्ता' शोध आलेख प्रस्तुत।

**बाजपेयी, सुहासिनी**
– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'मूडल द्वारा ऑनलाइन पाठ्यक्रम शिक्षण' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कक्षा व पाठ्यपुस्तकों से परे अधिगम की संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कल्चर ऑफ क्रिएटिविटी : डज कॉगनेटिव ट्रेनिंग मेक ए डिफरेंस' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (19–20 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत में उच्च शिक्षा की दशा–दिशा : समस्याएँ, चुनौतियाँ एवं समाधान' शोध पत्र प्रस्तुत।

**नामदेव, आर. पुष्पा**
– (04–06 मार्च, 2016). आर.आई.ई. भोपाल में 'एजूकेशन ऑफ सोशली डिसएडवांटेज ग्रुप्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कल्चरली सेंसिटिव पेडागॉजी : ए स्टेप टूअर्डस सोशल इनक्लूजन' शोध आलेख प्रस्तुत।
– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'मूडल द्वारा ऑनलाइन पाठ्यक्रम शिक्षण'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कल्चर ऑफ लर्निंग : बियान्ड क्लासरूम एण्ड टेक्स्ट बुक्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कल्चर ऑफ लर्निंग : बियान्ड क्लासरूम एण्ड टेक्स्ट बुक्स पेविंग द पॉथ फॉर लर्निंग विदआउट बर्डेन' शोध आलेख प्रस्तुत।
– (19–20 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'उच्च शिक्षा में स्वायत्रता एवं जवाबदेही' शोध आलेख प्रस्तुत।

**शंभरकर, धर्मेन्द्र नारायणराव**
– (16–18 जनवरी, 2016). गोवा में 'पॉजीटिव स्कूलिंग : ए हेवन फॉर होलिस्टिक डेवलेपमेण्ट' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ए क्वेस्ट फॉर पॉजीटिव स्कूलिंग' शोध आलेख प्रस्तुत।
– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'मूडल द्वारा ऑनलाइन पाठ्यक्रम शिक्षण' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कल्चर ऑफ लर्निंगः बियान्ड क्लासरूम एण्ड टेक्स्ट बुक्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नई तालीम : जहाँ दुनिया को पढ़ते हैं' आलेख प्रस्तुत।
– (19–20 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'उच्च शिक्षा का निजीकरण और शैक्षिक गुणवत्ता' शोध आलेख प्रस्तुत।

**पंडा, भरत कुमार**
– (29 फरवरी–02 मार्च, 2016). 'व्यंजनाया : व्यापकता' विषय पर राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, सदाशिव परिसर द्वारा

आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मनोविज्ञाने व्यंजनाया : व्यापकता' शोध आलेख प्रस्तुत।
– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'मूडल द्वारा ऑनलाइन पाठ्यक्रम शिक्षण'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कल्चर ऑफ लर्निंगः बियान्ड क्लासरूम एण्ड टेक्स्ट बुक्स विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्राचीन अधिगम प्रणाली' शोध आलेख प्रस्तुत।
– (19–20 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

**सोनोने गुणवंत**
– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया एवं अध्ययन केंद्र द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत।
– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत।
– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'मूडल के माध्यम से ऑनलाईन पाठ्यक्रमों का शिक्षण' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कक्षा और पाठ्यपुस्तक से परे अधिगम की संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत।
– (19–20 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत।
– (29–31 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा 'मध्य भारत में देशज संस्कृति, भाषा एवं जेंडर के प्रश्न' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत।

**शंभरकर, तक्षा**
– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'मूडल के माध्यम से ऑनलाईन पाठ्यक्रमों का शिक्षण' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कक्षा और पाठ्यपुस्तक से परे अधिगम की संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत।
– (19–20 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत।

**पाण्डेय, रामार्चा प्रसाद**
– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'मूडल के माध्यम से ऑनलाईन पाठ्यक्रमों का शिक्षण' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कक्षा और पाठ्यपुस्तक से परे अधिगम की संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।
– (19–20 मार्च 2016). विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अध्यापक शिक्षा की पाठ्यचर्या और मनोविज्ञान : ज्ञानमीमांसीय और शिक्षण शास्त्रीय निहितार्थ' आलेख प्रस्तुत।

**विश्वकर्मा, सुनील कुमार**
– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'मूडल के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का शिक्षण'

विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा कल्चर ऑफ लर्निंगः बियान्ड क्लासरूम एण्ड टेक्स्ट बुक्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कल्चर ऑफ लर्निंगः फ्रॉम कन्फाइनमेण्ट टू फ्रीडम'' शोध आलेख प्रस्तुत।

## प्रकाशन

### झा, अरबिन्द कुमार

– (2015). 'एथिकल फार्मलिज्म : इम्पलिकेशन्स फॉर टीचर एजुकेशन', इंडियन जर्नल ऑफ टीचर एजूकेशन (ई. –पत्रिका), नई दिल्ली।
– शारदा, बी., भारद्वाज, जे., शास्त्री, ओएसकेएस. तथा झा, ए. के. (2016). 'ए कंप्यूटर सिम्युलेशन यूजिंग स्प्रेडशीट्स फॉर लर्निंग कान्सेप्ट ऑफ स्टीडी–स्टेट एक्विलिब्रियम', फिजिक्स एजूकेशन, रिट्रीव फ्रॉम http://iopscience.iop.org/0031-9120/51/2/025007
– सिंह, अरुण प्रताप, झा, अरबिन्द कुमार (2015). 'एडोलेसेंट हेल्थ एजुकेशन इन इंडिया : डेमोग्रैफिक ट्रैवेल्स, कांटेक्स्चुयल इंफ्लुएंसेज एंड इमर्जिंग हेल्थ कंसर्नस', इंडियन एजूकेशनल रेव्यू
– सावले, ज्योति प्रभाकर, लेहकपुरे, राजेश, सिंह, अरुण प्रताप, झा, अरबिन्द कुमार (2015). 'गांधी–जीवन में स्व–नियंत्रण का विकास', इंडियन जर्नल आफ सोशल साइंस एंड आर्गनाइजेशनल बिहैवियर
– हसन, शोएब, सिंह, अरुण प्रताप, झा, अरबिन्द कुमार (2015). 'समाधान चुनौतियों पर क्षमा का प्रभाव', जर्नल ऑफ अवध स्कालर्स
– तिवारी, एम., त्रिपाठी, ए. के. एण्ड झा, ए. के. (2015). 'गांधी और मूल्य', इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइन्सेस एंड ऑरगेनाइजेशनल बिहैवियर, 4(1).

### ठाकुर, गोपाल कृष्ण

– (दिसंबर, 2015). 'इम्पैक्ट असेसमेंट ऑफ़ एन अल्टरनेटिव इंटरवेंशन फॉर एक्सेस ऑफ़ मार्जिनलाइज्ड चिल्ड्रेन टू एजुकेशन एंड रिटेंशन', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च–ग्रंथालय, 3(12), 9–15.
– (अगस्त, 2015). 'अ स्टडी ऑफ़ रिसर्च कॉमपिटेंस एंड अवेयरनेस ऑफ़ स्कूल टीचर्स', आईआईएमटी एजुकेशन रिव्यु, 6(1), 43–46.
– (दिसंबर, 2015). 'आउटरीच एंड एकाउंटेबिलिटी ऑफ़ गवर्नमेंट एंड प्राइवेट स्कूल्स इन प्रोवाइडिंग राईट टू एजुकेशन इन इंडिया', एशियन जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज़, 3(12), 77–80.
– (नवंबर, 2015). 'सिचुएटिंग प्राइवेटाइजेशन इन दि कॉन्टेक्स्ट ऑफ़ हायर एजूकेशन इन इंडिया', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फंडामेंटल एंड एप्लाइड रिसर्च, 3(8), 14–19.
– (नवंबर, 2015). 'एनेक्डोट्स एंड कंटूर्स ऑफ़ हायर एजूकेशन इन इंडिया', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च – ग्रंथालय, 3(11), 35–42.
– (नवंबर, 2015). 'कॉनसेप्ट फॉरमेशन इन स्कूल लेबोरेटरी : एनालिसिसि ऑफ ए केमेस्ट्री लेबोरेटरी करीकुलम', इंटरनेशनल जर्नल फॉर साइंटिफिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 3(9), 311–315.

### सिंह, शिरीष पाल

– वंदना पूनिया, प्रियंका मिगलानी और शिरीष पाल सिंह (2016). 'अध्यापक–छात्रों के माइक्रो–शिक्षण सत्र के प्रति परसेप्शन का अध्ययन', विश्व के वैज्ञानिक समाचार, 26, 69–77.
– शिरीष पाल सिंह एवं सरिता चौधरी (2016). 'सुगम व्यावसायिक विकास और क्षमता निर्माण में तकनीकी का अनुप्रयोग', विश्व के वैज्ञानिक समाचार, 26, 39–49.
– जुबली पद्मनाभन और शिरीष पाल सिंह (2016). 'सतत विकास पर ज्ञान को बढ़ाने की दिशा में सतत विकास के

लिए शिक्षा के एकीकृत दृष्टिकोण', विश्व के वैज्ञानिक समाचार, 29, 01–11.

**कुमारी, शिल्पी**

– (दिसंबर, 2015). 'सोशियोसाइंटिफिक इश्यूज : चेंजिंग दी पर्सपेक्टिव ऑफ़ साइंस एजूकेशन', लर्निंग कम्युनिटी, 6(3), 79–86, नई दिल्ली : न्यू दिल्ली पब्लिशर्स।

**पाण्डेय, आर.पी.**

– (2015). 'रिलेवेन्स ऑफ इन्फॉरमेशन एण्ड कम्युनिकेशन टेक्नॉलजी इन टीचिंग लर्निंग प्रॉसेस विद स्पेशल रेफरेन्स टू टीचर एजूकेशन', स्पेक्ट्रा, भोपाल।

– (2015). 'प्रोफेशनल डेवलपमेण्ट ऑफ टीचर्स एण्ड टीचर एजुकेटर्स', मॉडर्न एजूकेशनल रिसर्च इन इण्डिया, भिलाई।

**उपलब्धियाँ**

1. राष्ट्रपति भवन द्वारा आयोजित कार्यशाला में प्रो. अरबिन्द कुमार झा ने सहभागिता की।
2. सुश्री मधुमिता ओझा, (बी.एड. विद्यार्थी) ने मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लिया।
3. श्री प्रीतम अविनाश (बी.एड. विद्यार्थी) एवं शशिरंजन, (बी.एड. विद्यार्थी) ने केंद्रीय विश्वविद्यालय केरल, कासरगोड में आयोजित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में भाग लिया।

## 6.2 मनोविज्ञान विभाग

मनोविज्ञान विभाग के उद्देश्य निम्न हैं –

पूज्य गांधी जी के सपनों के अनुरूप सामान्य भारतीय जन के लिए मनोविज्ञान का विकास, विद्यार्थियों को मनोविज्ञान का उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षण उपलब्ध कराना, समकालीन रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों की कुशलता जैसे विश्लेषणात्मक क्षमता, सृजनात्मकता, जिज्ञासा, भावनात्मक प्रबंधन, चरित्र एवं मूल्यों का संवर्धन करना, शोध की दृष्टि से अछूते तबकों जैसे कि किसान, मजदूर, दलित, पीड़ित, वंचित तथा ग्रामीणजन से जुड़े मुद्दों, भारतीय मनोवैज्ञानिक परंपरा, मूल्य, योग, स्वास्थ्य और चरित्र विकास से संबंधित परंपरागत ज्ञान पर उच्च मानक आधारित शोध कार्य करना, मनोवैज्ञानिक विमर्श को सुदृढ़ बनाने के लिए अन्य विषयों के विद्वानों से ज्ञान को साझा करना, उच्च प्रभावयुक्त राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में शोध कार्य का प्रकाशन करना और आस–पास के परिवेश को उपयुक्त मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं सेवा उपलब्ध कराना।

**संचालित पाठ्यक्रम**

इस विभाग के अंतर्गत मनोविज्ञान में एम.ए., एम.फिल. और डिप्लोमा इन योगा एण्ड हेल्थ स्टडीज पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

**प्राध्यापक विवरण**

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| अरुण प्रताप सिंह | सहायक प्रोफेसर* | 07.08.2014 | पीएच.डी. | अंडरस्टेंडिंग एण्ड इन्हेंसिंग हेल्थ एण्ड वेल–बीइंग एमांग एडोलसेंट्स | स्वास्थ्य मनोविज्ञान |
| अमित कुमार त्रिपाठी | सहायक प्रोफेसर* | 07.08.2014 | पीएच.डी. | पैटर्न ऑफ फैमिली वेल्यूज : एन एनालिसिस ऑफ दि पर्सपेक्टिव ऑफ पैरेन्ट्स एण्ड चिल्ड्रेन्स ऑफ भोपाल | स्वास्थ्य मनोविज्ञान |

(* अस्थाई)

## गतिविधियाँ

– विनोबा योग मण्डल द्वारा आरोग्यधाम और सेवाग्राम मेडिकल कालेज के संयोजन में 21 जून, 2015 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन।
– 'मानव प्रकृति के संदर्भ में गांधीजी के विचार' विषय पर म.गां. फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने 3 अगस्त, 2015 को विशेष व्याख्यान दिया।
– 'आंग्ल भाषा में उपलब्ध मनोवैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद कैसे करें?' विषय पर दूर शिक्षा निदेशालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. शैलेश मरजी कदम ने 2 सितंबर, 2015 को विशेष व्याख्यान दिया।
– 'बच्चों से संबंधित मनोवैज्ञानिक शोध–कार्य कैसे करें?' विषय पर शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसर ऋषभ कुमार मिश्र ने 18 सितंबर, 2015 को विशेष व्याख्यान दिया।
– विनोबा योग मण्डल के द्वारा विदेशी विद्यार्थियों के लिए 19 सितंबर से 3 अक्तूबर, 2015 तक 15 दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया गया।
– वर्धा के सांसद रामदास तड़स की उपस्थिति में वर्धा के लोगों को मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं सेवा उपलब्ध कराने के लिए मनोशाला नामक प्रकोष्ठ की स्थापना 6 सितंबर, 2015 को की गई।

## शोध परियोजना

अरुण प्रताप सिंह, 'गांधी साहित्य में मानव–प्रकृति से संबंधित मनोवैज्ञानिक विचार' विषय पर एक लघु शोध परियोजना विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत। रू. 45,000/–

## संगोष्ठी/सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/व्याख्यान/प्रस्तुतिकरण

### सिंह, अरुण प्रताप

– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कक्षा व पाठ्य पुस्तक से परे अधिगम की संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की सह–अध्यक्षता।
– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'टीचिंग ऑनलाइन कोर्सेस थ्रू यूजिंग मूडल्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
– (3–7 फरवरी, 2016). स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान, बैंगलूर के द्वारा "इंटीग्रेटिंग बेस्ट ऑफ ईस्ट बेस्ट ऑफ वेस्ट इन मेडिकल प्रैक्टिस" विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता और 'फ़ैसिलिटेटेंगी अडॉप्शन ऑफ यौगिक लाइफस्टाइल अमंग स्कूल गोइंग अडोलेसेंट्स" शोध आलेख प्रस्तुत।
– (15 मई –15 जून, 2015). भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधी नगर (गुजरात) द्वारा "वैश्विक स्वास्थ्य एवं विकास" विषय पर आयोजित समर स्कूल में सहभागिता।

### त्रिपाठी, अमित कुमार

– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कक्षा व पाठ्य पुस्तक से परे अधिगम की संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की सह–अध्यक्षता।
– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'टीचिंग ऑनलाइन कोर्सेस थ्रू यूजिंग मूडल्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की सह–अध्यक्षता।
– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र (जनसंचार विभाग) द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सोशल मीडिया इफैक्ट्स आवर सेल्फ परसेप्सन' पर व्याख्यान तथा एक सत्र की अध्यक्षता।

## प्रकाशन

### सिंह, अरुण प्रताप

– (2015). 'होलिज्म इन योगासनाज : रेफ्लेक्संस फ्रॉम योग सूत्र', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ योग, 3, (2).
– (2015). 'सकारात्मक जीवन शैली और आध्यात्मिक स्वास्थ्य', इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज एंड आर्गनाइजेशनल बिहैवियर्स, 3 (1–2), 45–54.
– सिंह, अरुण प्रताप तथा मिश्र, गिरीश्वर (2015). 'पैटर्न ऑफ लेजर टाइम एक्टिविटीज़ इन इंडियन स्कूल एडोलेसेंट्स : कांटेक्श्चुयल इंफ्लुएंसेज एंड इंप्लीकेशन्स फॉर हेल्थ कंसर्न्स', काजेंट साइकोलॉजी.
– (2015). 'योग और मानसिक स्वास्थ्य', गोरखपुर सोशल साइंटिस्ट.
– सिंह, अरुण प्रताप, झा, अरबिन्द कुमार (2015). 'एडोलेसेंट हेल्थ एजूकेशन इन इंडिया : डेमोग्रैफिक ट्रैवेल्स, कांटेक्स्चुयल इंफ्लुएंसेज एण्ड इमर्जिंग हेल्थ कंसर्नस', इंडियन एजूकेशनल रिव्यू.
– सावले, ज्योति प्रभाकर, लेहकपुरे, राजेश, सिंह, अरुण प्रताप, झा, अरबिन्द कुमार (2015). 'गांधी–जीवन में स्व–नियंत्रण का विकास', इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइंस एण्ड ऑर्गनाइजेशनल बिहैवियर.
– हसन, शोएब, सिंह, अरुण प्रताप, झा, अरबिन्द कुमार (2015). 'समाधान चुनौतियों पर क्षमा का प्रभाव', जर्नल ऑफ अवध स्कालर्स.
– सिंह, अरुण प्रताप (2016). 'एफीकाईसी ऑफ ए फोर वीक यौगिक लाइफस्टाइल एजूकेशन फॉर प्रमोटिंग होलिस्टिक हेल्थ इन इंडियन स्कूल अडोलेसेंट्स', योग मीमांसा.
– सिंह, अरुण प्रताप (2015). 'शिक्षा और सभ्यता के सरोकारों की प्रश्नाकूलता, संवर्धन, 1 (1).

### त्रिपाठी, अमित कुमार

– तिवारी, एम., त्रिपाठी, ए. के. एण्ड झा, ए. के. (2015). 'गांधी और मूल्य', इंडियन जनरल ऑफ सोशल साइन्सेस एण्ड ऑरगेनाइजेशनल बिहैवियर, 4 (1), 57–63.
– त्रिपाठी, ए. के. (2016). 'इंडियन प्रिफरेंसेस फॉर फॅमिली एनवायरनमेंट : एन एम्पिरिकल स्टडी', हयूमीनिटीज एंड सोशल साइंस स्टडीज, 5 (1).
– त्रिपाठी, ए. के. 2016). 'सोसाइटी इन द मेकिंग : द पैरेंटल इमेजेस ऑफ फॅमिली वैल्यूस फॉर चिल्ड्रेन', यूनाइटेड जर्नल आफ अवध स्कालर्स, 10 (1–2).
– गौड़, शशिकान्त, त्रिपाठी, ए. के. (2016). 'अकादमिक प्रदर्शन के प्रति अभिभावक एवं अध्यापक का दृष्टिकोण', गोरखपुर सोशल साइंटिस्ट.
– पटेल, प्रीति, त्रिपाठी, ए. के. (2016). 'मलिन एवं गैर–मलिन बस्ती के विभिन्न आयु वर्ग की किशोरियों का आत्म प्रत्यक्षण', इंडियन जनरल ऑफ सोशल साइन्सेज एंड ऑरगेनाइजेशनल बिहैवियर, 5 (1).

## उपलब्धियाँ

– डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी शिक्षक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित।

# 7 प्रबंधन विद्यापीठ

विश्व पटल पर भारत एक सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। भारत की राजभाषा तो हिंदी है ही, बहुत बड़ी आबादी के दैनंदिन व्यवहार की भी भाषा है तथा ऐसे समूचे समुदाय की व्यावसायिक गतिविधियाँ इसी भाषा में होती हैं। प्रबंधन विद्यापीठ हिंदी माध्यम से एम.बी.ए. करवाकर प्रबंधकों को देश की सर्वाधिक उपयोग में आने वाली भाषा में निपुण बनाने की ओर अग्रसर है। ऐसे छात्र जिनकी प्रारंभिक शिक्षा हिंदी माध्यम में हुई है तथा वे एम.बी.ए. करना चाहते हैं, उनके लिए प्रबंधन विद्यापीठ एक सुनहरा मौका लेकर आया है कि वे अपनी एम.बी.ए. की पढाई हिंदी माध्यम में पूरा कर सकते हैं। हिंदी माध्यम में एम.बी.ए. कर छात्र अच्छी नौकरी पा सकते हैं। ऐसे छात्र जो भारतीय बाजारों में सर्वाधिक व्यवहार में आने वाली भाषा हिंदी में निपुण होना चाहते हैं वे भी हिंदी माध्यम में एम.बी.ए. कर नई ऊँचाईयों तक पहुंच सकते हैं।

## 7.1 प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

इस विद्यापीठ के अंतर्गत प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग स्थापित है जिसके अंतर्गत वर्तमान परिवेश की प्रवृत्तियों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हिंदी भाषा में प्रबंधन तथा वाणिज्य से जुड़े रोजगारपरक तथा नवाचारी पाठ्यक्रम आरंभ किए जा रहे हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य हिंदी तथा हिंदीतर भाषियों के लिये बाज़ार की मांग को ध्यान में रखते हुए प्रबंधन से संबंधित ज्ञान एवं कौशल को विकसित करना तथा प्रबंधन/वाणिज्य के सिद्धांत के साथ–साथ व्यावहारिक ज्ञान से भी परिचित कराना है। इस विद्यापीठ के अंतर्गत प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग 2015 से आरंभ हो चुका है। इस विभाग द्वारा वर्तमान में एमबीए का पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक चल रहा है तथा भविष्य में अन्य रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के प्रारंभ करने की योजना है।'

**संचालित पाठ्यक्रम**

इस विभाग के अंतर्गत एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

**प्राध्यापक विवरण**

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| मनोज कुमार चौधरी | सहायक प्रोफेसर* | 25.05.2015 | एमबीए | ... | मार्केटिंग |
| अनुभव नाथ त्रिपाठी | सहायक प्रोफेसर* | 16.09.2015 | एमबीए | ... | मार्केटिंग |

(* अस्थाई)

**संगोष्ठी/सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/व्याख्यान/प्रस्तुतिकरण**

**त्रिपाठी, अनुभव नाथ**

– (12–14 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'टीचिंग ऑनलाइन कोर्सेस यूजिंग थ्रू मूडल' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।

– (15–16 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ वर्धा द्वारा 'कक्षा व पाठ्यपुस्तकों से परे अधिगम की संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

**प्रकाशन**

**चौधरी, मनोज कुमार**

– (जुलाई, 2015). 'आइडेंटीफाइंग दि फेक्टर्स डिसक्रिमिनेटिंग दि कंज्यूमर्स फॉर देयर रेसपेक्टिव ऑफ टेलीविजन एडवरटिजमेंट ऑन परचेजिंग डिसीजन', इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइंस एण्ड ऑर्गेनाइजेशन विहैवियर, 4(1), 41–56, वर्धा : मनोविज्ञान विभाग, म.ग.अं.हिं.वि.।

# क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा अकादमिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए कार्य–परिषद की 34वीं बैठक में इलाहाबाद केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। इसी परिप्रेक्ष्य में 09 मई, 2009 को विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति विभूति नारायण राय की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति नागेश्वर राव की उपस्थिति में इलाहाबाद केंद्र का उद्घाटन हुआ। केंद्र में स्थापना काल से ही अकादमिक गतिविधियों के साथ–साथ साहित्यिक गतिविधियों ने जोर पकड़ना शुरू कर दिया। केंद्र ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजन, संगोष्ठी, एवं ज्वलंत सामाजिक मुद्दों पर चर्चा–परिचर्चा के माध्यम से इलाहाबाद एवं देश के अन्य शहरों तथा देश के बाहर के साहित्यकारों, साहित्य प्रेमियों एवं युवा रचनाकारों को विश्वविद्यालय के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया। मार्च, 2011 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा इलाहाबाद केंद्र को मान्यता दी गई। इस केंद्र ने सत्र 2011–12 से नियमित पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान कुलपति गिरीश्वर मिश्र के कुशल मार्गदर्शन में यहां एम.ए., एम.एस.डब्ल्यू., एम.फिल., पीएच.डी. एवं विभिन्न पी.जी. डिप्लोमा एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों सहित कुल 10 पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। क्षेत्रीय केंद्र हेतु उ.प्र. आवास विकास परिषद द्वारा झूंसी में 2255.74 वर्ग मीटर का भूखण्ड का 2012 में आवंटन किया गया और यहां चाहारदीवारी एवं मुख्य प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इस केंद्र के उद्देश्यों में, हिंदी भाषा के माध्यम से उच्च शिक्षा को व्यापक जनसमुदाय को उपलब्ध कराना, वंचित समूहों– विशेष तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों एवं स्त्रियों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता प्रदान करना, सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के विकास की जरूरतों हेतु सभी पाठ्यक्रमों को समयबद्ध करना, ज्ञान के सभी क्षेत्रों– विशेषतः तकनीक, दूर शिक्षण एवं हिंदी माध्यम से अध्ययन एवं शोध का अवसर प्रदान करना, नियमित एवं दूर शिक्षा के माध्यम से ऐसी शिक्षा उपलब्ध कराना जिससे योग्य युवक/युवतियां निरंतर परिवर्तनशील तकनीकी जगत में अपनी योग्यता बनाए रख सकें, शिक्षा की अभिनव, लचीली एवं मुक्त व्यवस्थाओं को दूर शिक्षा प्रविधि एवं आधुनिक तकनीक के जरिए उपलब्ध कराना शामिल है।

## संचालित पाठ्यक्रम

इस केंद्र के अंतर्गत हिंदी साहित्य में एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., समाजकार्य में एम.ए. (एम.एस.डब्ल्यू.), उर्दू में एम.ए., अनुवाद, अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान, स्त्री अध्ययन में पी.जी.डिप्लोमा, पी.जी.डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट (फिल्म एण्ड थियेटर) और उर्दू में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

## प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| संतोष भदौरिया | प्रोफेसर | 15.06.2010 | पीएच.डी. | 'स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रिकाएं' | आधुनिक हिंदी काव्य और पत्रकारिता |
| अमरेन्द्र कुमार शर्मा | सहायक प्रोफेसर | 02.04.2007 | पीएच.डी. | भारतीय तुलनात्मक साहित्येतिहास : संदर्भ–नवजागरण | साहित्य और सिनेमा, विश्व साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन |
| विधु खरे दास | सहायक प्रोफेसर | 12.03.2012 | पीएच.डी. | स्टडी ऑफ फॉर्म एण्ड कन्टेंट ऑफ मेजर पोस्ट इंडिपेन्डेंस हिंदी प्ले राइट्स विथ स्पेशल रेफरेंस टू मॉडर्न वेस्टर्न ड्रामा थ्योरीज | रंगमंच एवं सिनेमा |

## केंद्र के अस्थाई अध्यापक

1. डॉ. अनुपमा राय, सहायक प्रोफेसर, समाजकार्य
2. डॉ. सपना सिंह, सहायक प्रोफेसर, हिंदी
3. सुश्री सूर्या ई.वी., सहायक प्रोफेसर, अनुवाद एवं मलयालम
4. डॉ. सालेहा ज़र्रीन, अंशकालीन शिक्षक (उर्दू)
5. श्री आशुतोष श्रीवास्तव, अंशकालीन शिक्षक (कंप्यूटर)

## शोध परियोजना

डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा, आधुनिक हिंदी कविता में युद्ध का समाजशास्त्र : संदर्भ – कुरुक्षेत्र अंधा युग, विश्वविद्यालय द्वारा लघु शोध परियोजना प्रदत्त।

## गतिविधियाँ

1. 'सामाजिक न्याय के लिए समान शिक्षा व्यवस्था आवश्यक है' विषय पर 02 सितंबर, 2015 को वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
2. 'बदलते दौर में शिक्षा के सरोकार' विषय पर गोष्ठी का आयोजन 04 सितंबर, 2015 को किया गया।
3. मुक्तिबोध की पुण्यतिथि पर 'अब अभिव्यक्ति के सारे खतरे उठाने ही होंगे' विषय पर 11 सितंबर, 2015 को गोष्ठी का आयोजन किया गया।
4. विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर 'पृथ्वी रहेगी तो हम भी रहेंगे' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन 22 दिसंबर, 2015 को किया गया।
5. 'राष्ट्र के निर्माण में हिंदी की अनिवार्य भूमिका रही है' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन 28 दिसंबर, 2015 को किया गया।
6. विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर 'कबीर की कविता में घर और देस' विषय पर गोष्ठी का आयोजन 29 दिसंबर, 2015 को किया गया।
7. 'साहित्य और मीडिया' विषय पर 07 जनवरी, 2016 को आयोजित गोष्ठी में साहित्यकार भारत भारद्वाज ने व्याख्यान दिया।
8. साहित्यकार तुलसी राम स्मृति संवाद में 'दलित साहित्य एक अंतरयात्रा' विषय पर 15 फरवरी, 2016 को आयोजित गोष्ठी में हिंदी के आलोचक प्रो. रविभूषण ने व्याख्यान दिया।
9. 'कृश्न चन्दर के कथा साहित्य' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 01 फरवरी, 2016 को किया गया जिसमें इलाहाबाद विश्वविविद्यालय के कुलपति प्रो.रतन लाल हांगलू, प्रो.अली अहमद फातमी सहित कई विद्वतजनों ने विषय पर विमर्श किया।
10. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 08 मार्च 2016 को 'स्त्री पैदा नहीं होती बनाई जाती है' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

## अतिथि अध्यापक द्वारा विशेष व्याख्यान

| क्र. नाम | विषय | विशेष व्याख्यान की संख्या | दिनांक |
|---|---|---|---|
| 1. श्रीमती असीमा भट्ट | नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन | 03 | 27–29 सितंबर, 2015 |
| 2. श्री अभिषेक सिंह | नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन | 09 | 02–06 नवंबर, 2015 |
| 3. प्रो. रविभूषण | हिंदी | 01 | 15 फरवरी, 2016 |
| 4. डॉ. मालविका राव | समाजकार्य | 01 | 15 मार्च, 2016 |
| 5. प्रो. मुश्ताक अली | हिंदी | 01 | 17 मार्च, 2016 |
| 6. प्रो. अक़ील रिज़वी | उर्दू | 02 | 18 मार्च, 2016 |
| 7. प्रो. ए.ए. फातमी | उर्दू | 01 | 21 मार्च, 2016 |

## देविका रानी फिल्म परिसर

क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद में अध्यनरत विद्यार्थी/शोधकर्ताओं के लिए कक्षाओं में आधुनिक तकनीकी का प्रयोग, अध्यापन हेतु दृश्य–श्रव्य (Audio-Visual) द्वारा कक्षाओं का आयोजन देविका रानी फिल्म परिसर में किया जाता है। इस परिसर में हमारा प्रयास है कि FTI, पूना, नेशनल फिल्म आर्काइव, पूना और फिल्म प्रभाग, मुंबई से सहयोग फिल्में प्राप्त कर फिल्म महोत्सव आयोजित करना प्रस्तावित है। देविका रानी फिल्म परिसर द्वारा केंद्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों को फिल्मों (1.

पूस की रात, 2. मिट्टी का नमक, 3. तीसरी कसम, 4. कफन, 5. फ़िराक गोरखपुरी) के माध्यम से अध्यापन कार्य किया गया।

**भोजपुरी–हिंदी–अंग्रेजी शब्दाकोश परियोजना**

क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद में 'भोजपुरी–हिंदी–अंग्रेजी शब्दकोश' परियोजना की शुरूआत की गई। 7 मई, 2015 को शब्दकोश कार्य संपन्न हुआ। परियोजना अध्येताओं द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना के आधार पर इलाहाबाद में छह माह के दौरान लगभग 7000 शब्दों का संकलन किया गया।

**पुस्तकालय एवं वाचनालय**

केंद्र में स्थापित पुस्तकालय में संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप विद्यार्थियों के लिए पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। पुस्तकालय को ऑनलाइन करने की प्रक्रिया जारी है।

**संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण**

**शर्मा, अमरेन्द्र कुमार**

– (2 सितंबर, 2015). विश्वविद्यालय के इलाहाबाद केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'सामाजिक न्याय के लिए समान शिक्षा व्यवस्था' विषय पर व्याख्यान।
– (4 सितंबर, 2015). विश्वविद्यालय के इलाहाबाद केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'शिक्षा के सरोकार' विषय पर व्याख्यान।
– (14 सितंबर, 2015). विश्वविद्यालय के इलाहाबाद केंद्र द्वारा हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में रचना पाठ।
– (1 मार्च, 2016). राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली एवं म.ग.अं.हिं.वि., वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में कृष्णचंदर एकाग्र पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कृष्णचंदर की कहानी का समाज' विषय पर आलेख प्रस्तुत।
– (19–20 मार्च, 2016). राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बैंगलुरु और विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और स्वायत्ता का प्रश्न : अधूरी समझ का आख्यान' शोध आलेख प्रस्तुत।

**प्रकाशन**

**भदौरिया, संतोष**

– (2015). 'मैंने उसको जब–जब देखा', काव्य पुस्तिका (सं.), 1–45, इलाहाबाद : साहित्य भण्डार।
– (2015). 'उजले धुले दिन', काव्य पुस्तिका (सं.), 1–45, इलाहाबाद : साहित्य भण्डार।
– (2015). 'मैं बैठा हूँ केन किनारे', काव्य पुस्तिका (सं.), 1–46, इलाहाबाद : साहित्य भण्डार।
– (2015). 'मैं अनबजा वही घण्टा हूँ', काव्य पुस्तिका (सं.), 1–42, इलाहाबाद : साहित्य भण्डार।
– (2015). 'रेत मैं हूँ', काव्य पुस्तिका (सं.), 1–40, इलाहाबाद : साहित्य भण्डार।
– (2015). 'यहीं क्षण भर', काव्य पुस्तिका (सं.), 1–44, इलाहाबाद : साहित्य भण्डार।

**शर्मा, अमरेन्द्र कुमार**

– (मई, 2015). 'यू.आर. अनंतमूर्ति का 'संस्कार': ईश्वर, धर्म और यौनिकता', अभिनव कदम, 32, 91–103, मउ, उ.प्र.।
– (नवंबर, 2015). 'महोदय', 'रात में शामिल एक लंबी रात', 'धरती', वर्तमान साहित्य, 62–63, दिल्ली।

# क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रचार–प्रसार हेतु विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद द्वारा देश के विभिन्न भागों में क्षेत्रीय केंद्र प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। जिसके अंतर्गत जुलाई, 2011 में कोलकाता में क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना की गई।

## संचालित पाठ्यक्रम

इस केंद्र के अंतर्गत एम.ए. हिंदी साहित्य, एम.फिल. हिंदी साहित्य, एम.ए. जनसंचार, पीएच.डी. जनसंचार पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

## प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| कृपाशंकर चौबे | सह प्रोफेसर | 16.07.2009 | पीएच.डी. | समकालीन हिंदी पत्रकारिता : परिवर्तन और प्रवृत्तियाँ | तुलनात्मक साहित्य और पत्रकारिता |
| अमित राय | सहायक प्रोफेसर | 02.04.2007 | पीएच.डी. | राज्य और एनजीओ के मध्य अंतःसंबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन | अहिंसा एवं शांति अध्ययन |

## अतिथि शिक्षक :

1. डॉ. चंद्रकला पांडेय 2. डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी 3. डॉ. विवेक कुमार सिंह 4. श्रीमती पूजा शुक्ल (कंप्यूटर)

## शोध परियोजना

डॉ. अमित राय, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा 'भारत में सार्वजनिक प्रतिरोधों का बदलता स्वरूप' विषय पर दो वर्षीय वृहत शोध परियोजना (राशि रु. दस लाख) स्वीकृत।

## गतिविधियाँ

1. विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून, 2015) के मौके पर कोलकाता केंद्र के परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन इंटरनेशनल एसेंबली आफ ह्यूमन राइट्स के अध्यक्ष नवनीत पांडेय, उपाध्यक्ष अधिवक्ता विनोद कुमार सिंह, पूर्व आईजी देवेंद्रनाथ विश्वास आदि ने वृक्षारोपण किया।
2. 'भारतीय साहित्य की अवधारणा' विषय पर 15 जुलाई, 2015 को आयोजित व्याख्यान समारोह में हिंदी के वरिष्ठ कवि केदारनाथ सिंह ने व्याख्यान दिया।
3. 'पूर्वोत्तर की भाषा, संस्कृति और समाज : एक अंतरानुशासनिक संवाद' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 07–09 अगस्त, 2015 को किया गया। संगोष्ठी में प्रो. गिरीश्वर मिश्र, डॉ. विमल एक्वाइजम, डॉ. अरविंद मिश्र, डॉ. कोर्सी डोरेने कर्सिंग, डॉ. महेंद्र नारायण कर्ण, प्रो. अवधेश कुमार सिन्हा, डॉ. भगत ओइनम, डॉ. सौमेन चट्टोपाध्याय, डॉ. पृथ्वीश नाग, प्रो. अरविंद कुमार झा, प्रो.संजय हजारिका, डॉ. ओम प्रकाश भारती, जोशी जोसेफ, डॉ. अरुण कुमार चक्रवर्ती, डॉ. माधवेंद्र पांडेय, डॉ. मिलन रानी जमातिया, पद्मश्री प्रो. ललत्लुंअंलिआना खिअंग्ते, कपिल कृष्ण ठाकुर, चंद्रकला पांडेय, प्रकाश दुबे आदि ने विमर्श किया।
4. हिंदी दिवस को भारतीय भाषा दिवस मनाने के लिए 14 सितंबर, 2015 को आयोजित कार्यक्रम के दौरान जाने–माने समाजविज्ञानी प्रो. रामशरण जोशी ने व्याख्यान दिया।

5. हिंदी के जाने–माने गीतकार डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र ने आयोजित कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान तथा कविता पाठ किया।
6. विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र में आयोजित विशेष व्याख्यान समारोह में प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने व्याख्यान दिया।

## संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण

### राय, अमित

– (7–9 अगस्त, 2015). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'उत्तर पूर्व की भाषा, समाज और संस्कृति : अंतरानुशासनिक संवाद' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में उत्तर पूर्व की भाषा पर पत्र वाचन।

– (21–23 नवबंर, 2015). राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में भारतीय गांधी अध्ययन समिति के 'डिबेटिंग गांधी' विषय पर आयोजित 38वें वार्षिक अधिवेशन में 'अहिंसा और पर्यावरण' शोध आलेख प्रस्तुत।

– (19–20 मार्च, 2016). राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बैंगलुरू और विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'उच्च शिक्षा जीवन की गुणवत्ता और विकास' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (29–31 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'मध्य भारत में देशज संस्कृति, भाषा एवं जेंडर के प्रश्न' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विकास की राजनीति और आंदोलनों का स्वरुप' शोध पत्र प्रस्तुत।

## प्रकाशन

### राय, अमित

– (जून–दिसंबर, 2015). 'एपरथीड और जाति की राजनीति का द्वंद', अभिनव कदम, 31, 142–147, मउ : उ.प्र.।

# दूर शिक्षा निदेशालय

विश्वविद्यालय में स्थापित यह निदेशालय हिंदी भाषा को आधार बनाकर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, अनुवाद आदि अनुशासनों में शिक्षण, मौलिक सोच एवं लेखन को प्रोत्साहित करने हेतु कटिबद्ध है। यह निदेशालय स्त्री अध्ययन, अहिंसा एवं शांति अध्ययन जैसे नवीनतम अनुशासनों को व्यापक समाज तक पहुँचाने के लिए प्रयासरत है, ताकि विश्वशांति एवं समता जैसे मूल्यों को व्यावहारिक तौर पर सिद्ध किया जा सके।

हिंदी में मौलिक–वैकल्पिक सोच एवं शोध के लिए प्रतिबद्ध इस विश्वविद्यालय का दूर शिक्षा निदेशालय यह प्रयास कर रहा है कि एक ओर दूर शिक्षा कार्यक्रम शोध/अनुसंधान द्वारा हिंदी एवं ज्ञान के अनुशासनों में मौलिक सृजन करे और दूसरी ओर हिंदी भाषा के माध्यम से रोज़गारोन्मुखी पाठ्यक्रमों द्वारा समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके। देश में उच्च शिक्षा के लगातार महँगे एवं आमजन की पहुँच से दूर होने के इस दौर में दूर शिक्षा की भूमिका निर्विवाद एवं महत्वपूर्ण है। अतः यह निदेशालय उन सभी व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्राप्ति का एक बेहतर अवसर प्रदान करता है, जो किसी कारण से शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते हैं। वर्तमान सत्र में यहां 871 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

## संचालित पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम : व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर, समाजकार्य में स्नातकोत्तर, एमए (पत्रकारिता एवं जनसंचार) में स्नातकोत्तर, हिंदी में स्नातकोत्तर एवं पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर।

स्नातक पाठ्यक्रम : शिक्षा स्नातक, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक एवं बीए (पत्रकारिता एवं जनसंचार)

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम : इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन एवं फ़िल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा एवं कम्प्यूटर एप्लिकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।

डिप्लोमा पाठ्यक्रम : डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशन।

## शोध परियोजना

डॉ. शंभू जोशी को 'सामाजिक पूँजी और किसान आत्महत्या', विषय पर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वृहत शोध परियोजना (कुल राशि 10 लाख) प्रदत्त।

## प्राध्यापक विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| अरबिन्द कुमार झा | प्रोफेसर | 17.09.2014 | पीएच.डी. | ऐपिस्टीमॉलजीकल इम्पोर्ट ऑफ न्याय फिलॉसफी | ज्ञानमीमांसा और शिक्षणशास्त्र, गणित शिक्षण, गणित और विज्ञान का दर्शनशास्त्र |
| रवीन्द्र टी. बोरकर | क्षेत्रीय निदेशक/ सह प्रोफेसर | 30.01.2013 | पीएच.डी. | उद्योग व्यवसाय एवं शैक्षणिक संस्थाओं का समन्वय : मानव संसाधन एवं विकास | प्रबंधन, व्यावसायिक शिक्षा, दूर शिक्षा |
| शंभू जोशी | सहायक प्रोफेसर | 02.04.2007 | पीएच.डी. | गांधी दृष्टि एवं श्रम समस्या | गांधी दृष्टि और अहिंसा |
| संदीप मधुकर सपकाले | सहायक प्रोफेसर | 02.04.2007 | एम.फिल. | | हिंदी–मराठी तुलनात्मक साहित्य तथा दलित साहित्य |
| शैलेश मरजी कदम | सहायक प्रोफेसर | 22.05.2007 | पीएच.डी. | दलित साहित्य में अनुवाद परंपरा : मराठी से हिंदी में अनूदित दलित आत्मकथाओं के विशेष संदर्भ में। | अनुवाद, दलित साहित्य, शोध प्रविधि |

## संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण

### जोशी, शंभू

– (28–30 जुलाई, 2015). विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद तथा भा.स.वि.अ.प., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आध्यात्मिकता, मूल्य एवं सामाजिक बदलाव' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (21–23 नवबंर, 2015). राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में भारतीय गांधी अध्ययन समिति के 'डिबेटिंग गांधी' विषय पर आयोजित 38वें वार्षिक अधिवेशन में 'गांधी दृष्टि एवं पर्यावरण विमर्श' आलेख प्रस्तुत।
– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग तथा भा.दा.अ.प., नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आध्यात्मिकता और मूल्याधारित सामाजिक बदलाव' विषय पर आलेख प्रस्तुति एवं एक सत्र की सह–अध्यक्षता।
– (14 फरवरी, 2016). म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, मातृ सेवा संघ समाज कार्य संस्थान, नागपुर एवं समाज कार्य विद्यापीठ, सोपरी कॉलेज, इजराइल द्वारा आयोजित 'अग्रेरियन रिएलिटीज ऑफ इंडिया एण्ड इजराइल' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सोशल केपिटल एण्ड फार्मर सुसाइड' पर शोध पत्र प्रस्तुत।
– (14–20 मार्च, 2016). इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली के कर्मचारी प्रशिक्षण एवं दूर शिक्षा शोध संस्थान (स्ट्राइड) द्वारा आयोजित मुक्त एवं दूर शिक्षा में स्व–शिक्षण सामग्री के विकास पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला (उच्च शिक्षा हेतु शिक्षण सामग्री) में सहभागिता।

### सपकाळे, संदीप मधुकर

– (14 सितंबर, 2015). डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर बाबासाहेब अंबेडकर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पुणे एवं यशवंत महाविद्यालय, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित व्याख्यान समारोह में 'राष्ट्रीय एकता में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का विचार चिंतन' विषय पर व्याख्यान।
– (22 दिसंबर, 2015). डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर की 125वीं जयंती पर विद्याभारती महाविद्यालय, सेलू द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'विद्यार्थी के रूप में डॉ. अंबेडकर का जीवन' विषय पर उद्घाटन वक्तव्य।
– (16–29 फरवरी, 2016). विश्वविद्यालय के साहित्य विद्यापीठ एवं हिंदी का शिक्षण–प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयुक्त तत्वावधान में 'मध्यकालीन हिंदी साहित्य का वर्तमान' विषय पर आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम में सहभागिता।
– (19–20 मार्च, 2016). नैक, बंगलुरू तथा विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंटरनेट, तकनीकी एवं दूरशिक्षा का वर्तमान एवं भविष्य' पर वक्तव्य।
– (29–31 मार्च, 2016). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा 'मध्य भारत में देशज संस्कृति, भाषा एवं जेंडर के प्रश्न' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वर्तमान दलित स्त्री प्रश्न एवं आंदोलन' पर व्याख्यान।

### कदम, शैलेश मरजी

– (28–30 जुलाई, 2015). संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय मीडिया में सामाजिक सरोकार के कार्यकम' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (4–5 सितंबर, 2015). श्रीमती नानकीबाई बाधवाणी कला महाविद्यालय, यवतमाल द्वारा 'हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार में वेब मीडिया का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।
– (10–12 सितंबर, 2015). विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भोपाल में आयोजित 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में सहभागिता।
– (1 अक्टूबर, 2015). श्री पंडितगुरू पार्डीकर महाविद्यालय, सिरसाला द्वारा 'रूस और महाराष्ट्र में उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय संगोष्ठी में 'राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान–उच्च शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने का एक प्रयास' शोध पत्र प्रस्तुत।
– (6 अक्टूबर, 2015). महात्मा ज्योतिबा फुले महाविद्यालय, अमरावती द्वारा 'महाराष्ट्र का भक्ति आंदोलन और हिंदी

साहित्य' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महाराष्ट्र में भक्ति आंदोलन–प्रारंभिक संत एवं उनका कार्य' शोध पत्र प्रस्तुत।

– (11 दिसंबर, 2015). पीपल्स वेलफेयर सोसायटी के कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नागपुर द्वारा 'वैश्विक समाज जीवन पर बौद्ध धम्म का प्रभाव' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

– (14 फरवरी, 2016). डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद के पर्यटनशास्त्र विभाग द्वारा 'पर्यटन और स्वच्छ भारत अभियान' विषय पर आयोजित कार्याशाला में व्याख्यान।

– (16–29 फरवरी, 2016). म.गां.अं.हिं. विश्वविद्यालय के महामना पं.मदन मोहन मालवीय शिक्षा मिशन के अंतर्गत संचालित हिंदी का शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र द्वारा 'मध्यकालीन हिंदी साहित्य का वर्तमान' विषय पर आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम में सहभागिता।

**प्रकाशन**

**जोशी, शंभू**

– (2016). धर्म, सत्ता और हिंसा (हिंदी अनुवाद संपादन–मिथिलेश कुमार एवं शंभू जोशी), नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन।

– (2016). 'आध्यात्मिकता, मूल्य और सामाजिक बदलाव', मूल्यानुगत मीडिया के मायने (सं. अनिल कु. राय एवं अख्तर आलम), 361–363, दिल्ली : शिवालिक प्रकाशन।

**उपलब्धियाँ**

विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा शिक्षक दिवस (05 सितंबर, 2015) पर आयोजित कार्यक्रम में संदीप मधुकर सपकाळे को उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

## अस्पताल

डॉ. हेमंत धामट – सामान्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अर्चना जाधव – स्त्री चिकित्सा अधिकारी

विश्वविद्यालय के कर्मियों एवं विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा देने हेतु एक अस्पताल है। अस्पताल में प्रतिदिन करीब 40–50 रोगी इलाज करवाने आते हैं। इस वर्ष कुल 5,389 मरीजों का इलाज किया गया। अस्पताल के लिए प्रति माह 25,000 रु. की दवा खरीदी जाती है। सेवाग्राम मेडिकल कॉलेज से स्वास्थ्य बीमा योजना अनुबंध कर विश्वविद्यालय कर्मियों के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध करवाई जा रही हैं। अस्पताल में फीटल डॉपलर मशीन से गर्भस्थ शिशुओं की जाँच के लिए सुविधा उपलब्ध है।

## शिशु विहार

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के शिशु विहार 'नन्हे खरगोश' में कुल 32 बच्चे पंजीकृत है। इसमें विश्वविद्यालय के कर्मियों तथा शोधार्थियों के बच्चे शामिल हैं। यहां एक केयरटेकर, एक एम.टी.एस. तथा एक सफाई कर्मी हैं। शिशु विहार में बच्चों के खेलने के लिए विभिन्न प्रकार के खिलौनों एवं उनकी सुविधा हेतु टी.वी. फ्रिज, कूलर, म्यूजिक सिस्टम, इंडक्शन चूल्हा आदि की व्यवस्था की गई है। फिलहाल बच्चों के लिए बेहतरीन बाल–पुस्तकें शिशु विहार में मंगाई गई हैं, ताकि बच्चें उनसे लाभान्वित हो सकें। बच्चों के लिए बेहतरीन खिलौने खरीदे गए है। बच्चों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार की खेलनेवाली गाड़ियों की व्यवस्था की गई है।

# लेबोरेटरी इन इनफॉरमेटिक्स फॉर द लिबरल आर्ट्स 'लीला'

लेबोरेटरी इन इनफॉरमेटिक्स फॉर द लिबरल आर्ट्स (लीला) प्रयोगशाला सभी आई.टी. शिक्षण संबंधित लर्निंग, रिसर्च और विश्वविद्यालय के आई.टी. विस्तार से संबंधित गतिविधियों का संचालन करती है। यह विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी की सुविधाएँ प्रदान करती है। लीला प्रयोगशाला द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लिए कार्यालय स्वचालन उपकरण के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। साथ ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट का रखरखाव एवं उसे अद्यतन रखना भी लीला की जिम्मेदारी है।

विश्वविद्यालय की सभी सूचना प्रौद्यागिकी से संबंधित गतिविधियों के लिए लीला की परिकल्पना एक केंद्रीय सुविधा/संस्थान के रूप में की गई है। पाठ्यक्रमों में सूचना प्रौद्योगिकी के घटकों को पूर्ण करना लीला के दायित्वों में से एक है। इसके तहत एक अनिवार्य कंप्यूटर पाठ्यक्रम 'मॉडर्न कंप्यूटर एप्लीकेशन्स' एम.ए. पाठ्यक्रमों के लिए चलाया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम एम.ए. के सभी पाठ्यक्रमों में एक अनिवार्य विषय के रूप में है। लीला द्वारा एम.फिल. एवं पीएच.डी. के शोधार्थियों के कोर्स–वर्क के लिए यू.जी.सी. द्वारा दिए गए दिशा–निर्देशों के अनुरूप पाठ्यक्रम का निर्माण एवं संचालन किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम का नाम 'कंप्यूटर संचालन एवं अनुप्रयोग' है।

लीला द्वारा विकसित निम्न सॉफ्टवेयर को समय–समय पर अद्यतन किया जाता है।

– वेतन पंजिका
– प्रवेश प्रणाली (Online and offline)
– दूर शिक्षा प्रवेश प्रणाली (Online and offline)
– वेबसाइट hindivishwa.org
– वेबसाइट hindisamay.com
– विभागीय पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर
– केंद्रीय पुस्तकालय का कंप्यूटरीकरण कोहा सॉफ्टवेयर के साथ किया गया था जिसे अद्यतन किया गया।

## संचालित पाठ्यक्रम

1. एम. ए. पाठ्यक्रम : मॉडर्न कंप्यूटर एप्लिकेशन (अनिवार्य पाठ्यक्रम)
2. एम. फिल. पाठ्यक्रम : कंप्यूटर संचालन एवं अनुप्रयोग
3. पीएच.डी. पाठ्यक्रम : कंप्यूटर संचालन एवं अनुप्रयोग

## कर्मी विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता |
|---|---|---|---|---|---|
| श्री गिरीश चन्द्र पाण्डेय | लेक्सिकॉन एसोसिएट | 10.04.2001 | एमएससी कंप्यूटर साइंस | ... | कंप्यूटर विज्ञान |
| सुश्री हेमलता गोडबोले | सॉफ्टवेयर एसोसिएट | 01.10.2002 | एमसीए | ... | कंप्यूटर विज्ञान |

## गतिविधियाँ

1. डिजिटल इंडिया सप्ताह (1 से 7 जुलाई 2015) के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों (निबंध प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता आदि) का आयोजन किया गया।

### कार्य विवरण

1. अध्यापन : अनिवार्य पाठ्यक्रमों के अध्यापन के अतिरिक्त लीला द्वारा विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों जैसे– कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान, भाषा प्रौद्योगिकी, डीसीए आदि में भी अध्यापन का कार्य किया जाता है।
2. यूनीकोड प्रशिक्षण : लीला द्वारा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को समय–समय पर यूनीकोड का प्रशिक्षण दिया जाता है।
3. कंप्यूटर साक्षरता : विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों/अधिकारियों/कर्मचारियों में स्वंय अर्जित ज्ञान और कौशल से कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की क्षमता है तथा शोध अथवा किसी भी जटिल समस्या को विविध प्रौद्यागिकी की सहायता से हल किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी/शैक्षणिक/गैर–शैक्षणिक कर्मी को कंप्यूटर एवं प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान के विस्तार हेतु सूचना प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण समय–समय पर दिया जाता रहा है।
4. डिजिटल क्लास रूम प्रशिक्षण : स्मार्ट क्लासरूम (जैसे–प्रोजेक्टर/कंप्यूटर/डिजिटल बोर्ड इत्यादि) की सहायता से शिक्षा एवं ज्ञान के प्रभावी संप्रेषण हेतु संबंधित प्रशिक्षण।
5. तकनीकी सहायता : लीला विभाग द्वारा विश्वविद्यालय को निरंतर तकनीकी सहायता दी जाती है साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा अन्य आयोजित कार्यक्रमों जैसे सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन, टंकण परीक्षा आदि के लिए भी तकनीकी सहायता की जाती है ।
6. इन हाऊस विकसित किए गए सॉफ्टवेयरों का निर्माण एवं संवर्धन (वेतन पंजिका, प्रवेश प्रणाली, पुस्तकालय प्रबंधन, ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया आदि)
7. हिंदी समय में तकनीकी सहयोग।
8. विश्वविद्यालय की वेबसाइट hindivishwa.org का अद्यतन एवं संवर्धन।
9. कर्मचारी प्रशिक्षण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम (21–25 अप्रैल, 2015) में सहयोग।
10. आईक्यूसएसी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारियों को प्रशिक्षण तथा तकनीकी सहयोग।

### प्रकाशन

1. ई–पत्रिका 'निमित्त'

## व्यवसाय परामर्श, रोज़गार सूचना एवं नियोजन प्रकोष्ठ

### गतिविधियाँ

– 18 फरवरी, 2016 को व्यवसाय परामर्श, रोज़गार सूचना एवं नियोजन प्रकोष्ठ तथा Tech Trainers and Testers, पुणे के संयुक्त तत्वावधान में 'प्रोजेक्ट मैनेजमेंट' विषय पर 'स्टूडेंट काउंसलिंग प्रोग्राम' का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के लगभग 200 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में व्यवसाय परामर्श, रोज़गार सूचना एवं नियोजन प्रकोष्ठ के समन्वयक अनिर्बाण घोष, शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो.अरबिंद कुमार झा, विकास एवं शांति अध्ययन विभाग की नियोजन अधिकारी डॉ. चित्रा माली, डायस्पोरा अध्ययन विभाग के नियोजन अधिकारी डॉ. मुन्नालाल गुप्ता, जनसंचार विभाग के नियोजन अधिकारी राजेश लेहकपुरे, भाषा प्राद्यौगिकी विभाग के नियोजन अधिकारी डॉ. धनजी प्रसाद उपस्थित थे ।

– 11 मार्च, 2016 को विद्यार्थी कल्याण विभाग, व्यवसाय परामर्श, रोज़गार सूचना एवं नियोजन प्रकोष्ठ, जनसंपर्क विभाग तथा मुंबई के रिएलिस्टिक फ़िल्म कंपनी के संयुक्त तत्वावधान में 'फिल्म में कॅरियर' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

## प्रकाशन विभाग

विश्वविद्यालय के प्राथमिक सरोकारों में से एक यह है कि पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और पाठ्यसामग्री को एक नई शताब्दी की नई चुनौतियों और प्रश्नाकुलता के अनुरूप ताजातरीन करते हुए इस क्षेत्र में नए विकल्पों को खोजा, विकसित और विन्यस्त किया जाए, तभी यह विश्वविद्यालय अध्ययन–अध्यापन और अनुसंधान के क्षेत्रों में नई प्रविधि विकसित कर सकता है। इसके लिए विश्वविद्यालय देश और विदेश के श्रेष्ठ विशेषज्ञों से विचार–विनिमय कर इस दिशा में प्रयत्न कर रहा है, क्योंकि हमारा लक्ष्य हिंदी साहित्य, भाषा और संस्कृति को उनकी समग्रता, जटिलता और बहुलता में आलोकित करते हुए नए प्रश्नों, चिंताओं और उत्सुकताओं से रू–ब–रू होकर उनकी अपार क्षमता और संभावित दिशाओं को इंगित करना भी है। विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग के अंतर्गत निम्न तीन पत्रिकाएं प्रकाशित की जाती हैं–

1. पुस्तक–वार्ता 2. बहुवचन 3. हिंदी लैंग्वेज डिस्कोर्स राइटिंग

### कर्मी

1. राजेश कुमार यादव, एम.ए. 2. अशोक मिश्र, एम.ए. 3. राकेश श्रीमाल, एम.ए.
4. अमित कुमार विश्वास, पीएच.डी. 5. राजेश आगरकर, एम.ए.

### प्रकाशित पत्रिकाएँ

**पुस्तक–वार्ता (द्विमासिक) :** संपादक – श्री विमल झा

अंक 56 (जनवरी–फरवरी, 2015) अंक 57 (मार्च–अप्रैल, 2015) अंक 58–59 (मई–अगस्त, 2015)
अंक 60 (सितंबर–अक्टूबर, 2015) अंक 61 (नवंबर–दिसंबर, 2015)

**बहुवचन (त्रैमासिक) :** संपादक – श्री अशोक मिश्र, सहायक संपादक : डॉ. अमित विश्वास

अंक 45 (अप्रैल–जून, 2015) अंक 46 (जुलाई–सितंबर, 2015) अंक 47 (अक्टूबर–दिसंबर, 2015)
अंक 48 (जनवरी–मार्च, 2016)

### गतिविधियाँ

1. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली द्वारा 09 से 17 जनवरी, 2016 तक आयोजित 'विश्व पुस्तक मेला' में सहभागिता।
2. वर्ष 2016 के डायरी, वॉल कैलेंडर, टेबल कैलेंडर एवं विवरणिका का प्रकाशन।
3 'हिंदी विश्व' द्विमासिक पत्रिका का प्रकाशन – अंक–4, मार्च–दिसंबर, 2015

### अद्यतन प्रकाशित कृतियाँ

1. दलित साहित्य संचयिता (सं. प्रीति सागर), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी शिक्षण का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य (सं. गिरीश्वर मिश्र), नई किताब, दिल्ली।
3. चिट्ठियों की दुनिया (संपादक : से. रा. यात्री, सह–संपादक : डॉ. श्रीरमण मिश्र)

### प्रकाशनाधीन

1. भोजपुरी–हिंदी–अंग्रेजी शब्दकोश (प्रधान संपादक : अरुणेश नीरन, संपादक : अर्जुन तिवारी, सह–संपादक : सूर्यदेव पाठक 'पराग', प्रकाश उदय, धनजी प्रसाद) 2. शमशेर रचनावली (संपादक : रंजना अरगड़े)
3. लघु विनिबंध (मोनोग्राफ) शृंखला
   - अ. चंद्रकांता संतति : सं. वागीश शुक्ल
   - ब. व्याकरण में स्त्री : सं. वागीश शुक्ल
   - स. फारसी और भारतीय छंदविधान : सं. बलराम शुक्ल
4. वर्धा हिंदी शब्दकोश का परिमार्जित संस्करण
5. Annals of Hindi Studies – यह एक वार्षिक प्रकाशन अंग्रेजी भाषा में किया जा रहा है। इसके संपादक वागीश शुक्ल हैं।

# आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय की अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली में सुधार हेतु सजग, सतत एवं उत्प्रेरक पद्धति का विकास करने, गुणवत्ता संस्कृति के आत्मसातीकरण को बढ़ावा देने एवं नवाचारों के संस्थानीकरण के द्वारा विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में गुणवत्ता वृद्धि के उपायों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ का गठन 2 अप्रैल, 2014 को किया गया।

**आईक्यूएसी का स्वरूप**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. गिरीश्वर मिश्र– कुलपति | अध्यक्ष |
| 2. | प्रतिकुलपति | सदस्य |
| 3. | प्रो. मनोज कुमार– म.गां. फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र | सदस्य |
| 4. | प्रो. एल. कारूण्यकरा– डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर सिदो–कान्हू–मुर्मू दलित एवं जनजाति अध्ययन क्रेंद्र | सदस्य |
| 5. | प्रो. सूरज पालीवाल– हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग | सदस्य |
| 6. | प्रो. अनिल कुमार राय– जनसंचार विभाग | सदस्य |
| 7. | प्रो. सुरेश शर्मा– प्रदर्शनकारी कला विभाग | सदस्य |
| 8. | प्रो. देवराज– अनुवाद अध्ययन विभाग | सदस्य |
| 9. | प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ला– भाषा प्रौद्योगिकी विभाग | सदस्य |
| 10. | प्रो. अरबिंद कुमार झा– शिक्षा विद्यापीठ | सदस्य |
| 11. | कुलसचिव | सदस्य |
| 12. | डॉ. अन्नपूर्णा सी.– अनुवाद अध्ययन विभाग | सदस्य |
| 13. | श्री क़ादर नवाज़ ख़ान– संयुक्त कुलसचिव, अकादमिक, | सदस्य |
| 14. | डॉ. मैत्रेयी घोष– पुस्तकालयाध्यक्ष | सदस्य |
| 15. | प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी– अधिष्ठाता, अंतरराष्ट्रीय संबंध, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली | सदस्य |
| 16. | प्रो. प्रफुल्ल काले– निदेशक, महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगीकरण संस्थान, वर्धा | सदस्य |
| 17. | डॉ. अशोक पावड़े– यशवंत विधि महाविद्यालय, वर्धा | सदस्य |
| 18. | श्री भरत महोदय– गांधी विचार परिषद (पूर्व विद्यार्थी), वर्धा | सदस्य |
| 19. | श्री सुधीर जिंदे– विद्यार्थी | सदस्य |
| 20. | डॉ. शोभा पालीवाल | समन्वयक |

**गतिविधियाँ**

1. विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत एवं उन्हें विश्वविद्यालय की संस्कृति तथा नियमों से परिचित कराने के लिए 20 अगस्त, 2015 को अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलानुशासक प्रो. सूरज पालीवाल, छात्र–कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय तथा सभी छात्रावास अधीक्षकों ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।
2. विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु 08 दिवसीय (07 से 14 अक्टूबर, 2015) व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने 'सकारात्मक सोच', प्रो. अरबिंद झा ने 'समय प्रबंधन', डॉ. रवि कुमार ने 'प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें', कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ चिकित्सक, डॉ. ओ. पी. गुप्ता ने 'स्वास्थ चिंतन', प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने 'तनाव एवं क्रोध पर नियंत्रण' एवं एमगिरी के निदेशक प्रो. प्रफुल्ल काले ने 'उद्यमिता' विषय पर व्याख्यान दिए। स्वरोज़गार को बढ़ावा देने की दृष्टि से एमगिरी के प्रशिक्षक नीलेश काटेकर और उनके सहयोगी सूरज कुंभे ने फिनाइल बनाने का प्रशिक्षण दिया।

3. विश्वविद्यालय में कार्यरत गैर शैक्षणिक कर्मियों (लिपिक श्रेणी) की कार्यशैली में गति एवं दक्षता लाने के उद्देश्य से 'कार्यालय प्रबंधन कार्यशाला' का आयोजन 4 एवं 5 मार्च, 2016 को किया गया, जिसमें उन्हें विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा अवकाश नियम, एल.टी.सी., आर.टी.आई., नोटिंग–ड्राफ्टिंग एवं फाइल प्रबंधन, कार्यालयीन सूचनाओं की सुरक्षा, कार्यालयीन व्यवहार, ट्रेकिंग एवं कंप्यूटर समस्या निवारण जैसे विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।
4. राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बैंगलूरु के आर्थिक सहयोग से विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 19–20 मार्च, 2016 को किया गया, जिसमें बाह्य अतिथि प्रो. रमाचरण त्रिपाठी, श्री शरदचंद्र बेहार, प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, प्रो. सी.जी. पांडे, डॉ. जीवन सिंह एवं डॉ. रमेश दवे ने अपने विचार व्यक्त किए। चार सत्रों में विभाजित और माननीय कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित इस संगोष्ठी में 81 प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह के साथ वर्तमान उच्च शिक्षा व्यवस्था के विभिन्न पक्षों पर गहन चर्चा की।

**बैठकें**

विशेष बैठक – 05 सितंबर, 2015 पाँचवी बैठक – 15 अक्टूबर, 2015 छठी बैठक – 21 मार्च, 2016

**उपलब्धियाँ**

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने हेतु 1 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई।

## स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय

यह संग्रहालय किसान आंदोलन के प्रणेता स्वामी सहजानंद सरस्वती के नाम पर है, जिनकी प्रायः सभी कृतियाँ यहाँ उपलब्ध हैं। यहाँ सन् 1880 से अबतक के लेखकों की स्मृतियों से जुड़ी काफ़ी वस्तुएं सुरक्षित हैं– पांच सौ से अधिक पत्र, सैकड़ों दुर्लभ चित्र, 18वीं सदी से अबतक की ऐतिहासिक महत्व की पत्रिकाओं के प्रवेशांक, परसाई, मार्केण्डेय, अमरकांत, रेणु, शेखर जोशी और मुक्तिबोध की कहानियों के फर्स्ट ड्राफ्ट यहाँ उपलब्ध हैं, जिनसे सृजन प्रक्रिया के सूत्र और ग्राफ तलाशे जा सकते हैं। इस संग्रहालय में कवि शमशेर, विष्णु प्रभाकर, राम कुमार वर्मा, मुक्तिबोध, रामविलास शर्मा, रमेश कुंतल मेघ जैसे दर्जनों साहित्यकारों का घर है। वे अब से विश्वविद्यालय के स्थायी 'राइटर–इन–रेजीडेंस' बन गए हैं। आपको निराला की सुप्रसिद्ध कविता 'जूही की कली' की मूल प्रति उन्हीं की हस्तलिपि में यहाँ मौजूद हैं। इसी तरह प्रेमचंद, नागार्जुन, केदार, रघुवीर सहाय, रामधारी सिंह दिनकर, मुक्तिबोध, धूमिल की लिखावट में उनके पत्र और पाण्डुलिपियाँ, लता मंगेशकर एवं अन्य विभूतियों के खत, डायरियों और स्मृति से जुड़ी सामग्रियों को यहां सहेजा गया है। 'चिट्ठियों की दुनिया' पुस्तक का प्रकाशन संग्रहालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। 'चिट्ठियों की दुनिया' पुस्तक का लोकार्पण दसवें विश्व हिंदी सम्मेलन में गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा द्वारा किया गया।

**दृष्टि / ध्येय :** हमारी धरोहर – हमारा आज, हमारा कल।

**उद्देश्य :**

1. विश्व भर में फैली हिंदी की साहित्यिक धरोहर को संग्रहीत करके अध्ययन एवं शोध हेतु सुलभ बनाना।
2. हिंदी की साहित्यिक धरोहर के माध्यम से ज्ञान–परंपरा का विकास करना तथा उसे समृद्ध बनाना।

3. विलुप्ति के कगार पर पहुँचे साहित्य के संरक्षण की व्यवस्था करना और उसके प्रकाशन की योजना पर कार्य करना।
4. लेखकों की स्मृति से जुड़ी साहित्येतर वस्तुओं को सहेज कर रखना।
5. हिंदी साहित्यिक धरोहर को विश्व संस्कृति के निर्माण का अनिवार्य अंग बनाना।

### व्याख्यानों के वीडियो रिकार्डिंग का लिप्यंतरण

1. आवासीय लेखक प्रो. वागीश शुक्ल द्वारा दिए गए व्याख्यान 'व्याकरण में स्त्री' का लिप्यंतरण।
2. साहित्य अकादमी के अध्यक्ष प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी से हुई बातचीत का लिप्यंतरण।
3. प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित से हुई बातचीत का लिप्यंतरण।

### लेखकों के पत्र

प्रतिवेदन की अवधि में संग्रहालय को हिंदी के अन्य लेखकों के पत्र उपलब्ध हुए, जिनमें विद्यानिवास मिश्र, मूलचंद्र शर्मा आदि जैसे प्रख्यात लेखक शामिल हैं। ये वे पत्र हैं, जो विभिन्न लेखकों को समय–समय पर प्राप्त हुए हैं, साथ ही वे भी जो स्वयं लेखकों द्वारा अन्य लोगों को लिखे गए हैं। इन पत्रों को पढ़ने से लेखकों की मनःस्थिति, साहित्य, संस्कृति और जीवन के विभिन्न पक्षों के संबंध में उनके विचारों तथा प्रक्रियाओं का पता चलता है। इन पत्रों को अपने समय और इतिहास को जानने का जरिया कहा जा सकता है। उपलब्ध पत्रों में कुछ ऐसे भी हैं, जिनसे लेखकों की जीवन–दृष्टि तथा सौंदर्यबोध प्रतिबिंबित होते हैं।

### मंगलवार पोस्ट

संग्रहालय द्वारा 'मंगलवार पोस्ट' के नाम से एक साप्ताहिक ई–बुलेटिन का प्रकाशन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य संग्रहालय में उपलब्ध संदर्भ सामग्री की जानकारी प्रदान करना है। इनमें पांडुलिपियों से चुनी हुई सामग्री, पत्रिकाओं में छपी टिप्पणियाँ, छायाचित्र, पत्रों आदि का चयन किया जाता है।

### संरक्षण हेतु किए जा रहे प्रयास

महत्वपूर्ण उपलब्ध सामग्रियों के डिजिटलाइजेशन का कार्य स्कैनिंग के माध्यम से किया जा रहा है।

### संग्रहालय अवलोकन

प्रसिद्ध साहित्यकारों एवं लेखकों ने संग्रहालय आकर रखी गई पांडुलिपि, पत्र, चित्रकला, पत्रिकाएँ, पुस्तकें आदि का निरीक्षण किया जिनमें सौंदर्यशास्त्री प्रो. रमेश कुंतल मेघ, रुसी राजकीय मानवीकी विश्वविद्यालय, मास्को (रूस) के प्रो. अलेक्जानन्देर, प्रसिद्ध कवि बुद्धिनाथ मिश्र, डी.एन. गौतम (पूर्व डीजीपी, बिहार) आदि प्रमुख हैं। देश के भिन्न–भिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियों द्वारा संग्रहालय में प्रदर्शित पांडुलिपियों, पत्रों, चित्रों को देखा गया। जिनकी रचनाएं वे अपनी पाठ्य पुस्तकों में पढ़ते हैं, उनकी हस्तलिपि तथा उपलब्ध छायाचित्र देखकर वे अविभूत हुए।

### सामग्री का चल प्रदर्शन

1. भोपाल में आयोजित दसवें विश्व हिंदी सम्मेलन में स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय द्वारा संरक्षित सामग्री–कालजयी रचनाकारों की हस्तलिखित पांडुलिपियों, पत्रों का प्रदर्शन किया गया जिनमें निराला, महावीर प्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय, नागार्जुन, जैनेंद्र कुमार, हरिवंशराय बच्चन, प्रेमचंद, महात्मा गांधी, मैथिलीशरण गुप्त, मुक्तिबोध, निर्मल वर्मा, हजारी प्रसाद द्विवेदी, धर्मवीर भारती, दिनकर, भैरव प्रसाद गुप्त आदि प्रमुख हैं। इसके साथ ही प्रमुख पत्रिकाओं के प्रवेशांक–दस्तावेज़, कल्पना, आलोचना, नान्दी, वागर्थ और साथ ही पुरानी पत्रिकाएँ–सरस्वती, विशाल भारत, कहानी, माधुरी, चाँद, मैनकाइंड, साहित्यकार, तथा सतरहवीं– अठारहवीं शताब्दी के उपलब्ध दुर्लभ प्रकाशनों का प्रदर्शन किया गया।
2. वर्धा रेलवे स्टेशन पर संग्रहालय द्वारा संरक्षित सामग्री को प्रदर्शित किया गया जिनमें निराला, महावीर प्रसाद द्विवेदी,

अज्ञेय, नागार्जुन, जैनेंद्र कुमार, हरिवंशराय बच्चन, प्रेमचंद, महात्मा गांधी, मैथिलीशरण गुप्त, मुक्तिबोध, निर्मल वर्मा, हजारी प्रसाद द्विवेदी, धर्मवीर भारती, दिनकर, भैरव प्रसाद गुप्त आदि प्रमुख हैं।

3. विश्वविद्यालय के त्रिदिवसीय स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर संग्रहालय द्वारा संरक्षित सामग्री को प्रदर्शित किया गया, जिनमें निराला, महावीर प्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय, नागार्जुन, जैनेंद्र कुमार, हरिवंशराय बच्चन, प्रेमचंद, महात्मा गांधी, मैथिलीशरण गुप्त, मुक्तिबोध, निर्मल वर्मा, हजारी प्रसाद द्विवेदी, धर्मवीर भारती, दिनकर, भैरवप्रसाद गुप्त आदि प्रमुख हैं। इसके साथ ही प्रमुख पत्रिकाओं के प्रवेशांक– दस्तावेज़, कल्पना, आलोचना, नान्दी, वागर्थ तथा साथ–ही–साथ पुरानी पत्रिकाएँ–सरस्वती, विशाल भारत, कहानी, माधुरी, चाँद, मैनकाइंड, साहित्यकार, तथा सतरहवीं–अठारहवीं शताब्दी के उपलब्ध दुर्लभ प्रकाशनों का प्रदर्शन किया गया।

### उपलब्ध सामग्री

| क्र.सं. | भेंटकर्ता | लेखक का नाम जिसकी सामग्री उपलब्ध हुई | सामग्री का विवरण | तिथि | सामग्री कैसे उपलब्ध हुई |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | गिरिराज किशोर | गिरिराज किशोर | 402 पुस्तकें | 5.5.2015 | लेखक के आवास पर जाकर प्राप्त की गई। |
| 2. | अशोक मिश्र | रामनरेश पांडेय 'पद्मेश' | 5 पुस्तकें | 11.6.2015 | संग्रहालय को भेंट |
| 3. | गोविंद मिश्र | गोविन्द मिश्र | पुस्तक, स्मारिकाएँ, सी.डी. फोटो, पांडुलिपि एवं पत्र। | 15.07.2015 | लेखक के आवास पर जाकर प्राप्त की गई। |
| 4. | विद्याबिन्दु सिंह | विष्णु प्रभाकर, मूलचंद्र शर्मा 'नवीन' विद्यानिवास मिश्र, आदि | 263 महत्वपूर्ण लेखकों के पत्र | 29.11.2015 | लेखक के आवास पर जाकर प्राप्त की गई। |
| 5. | उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ | | लखनऊ महोत्सव में आयोजित कवि सम्मेलन की सी.डी. 2015–16, विशेषांक सहित 5 पत्रिकाएँ, सनेही मंडल कवियों के ऑडियो कैसेट। | 28.03.2016 | उ.प्र. हि. संस्थान लखनऊ जाकर प्राप्त की गई। |
| 6. | सुरेशचंद्र निशिकर | सुरेशचंद्र निशिकर | 17 पुस्तकों के प्रथम संस्करण | 25.03.2016 | संग्रहालय को भेंट |

## जनसंपर्क कार्यालय

### संपादित कार्य

1. विश्वविद्यालय में संचालित गतिविधियों को समाचार पत्रों में प्रचारित करना।
2. विशिष्ट तथा अतिविशिष्ट व्यक्तियों को विश्वविद्यालय से जोड़ने का प्रयास करना।
3. समय–समय पर विज्ञापन जारी करना।
4. विश्वविद्यालय और अन्य संस्थाओं के माध्यम से संगोष्ठी/कार्यशालाएँ आयोजित करना।
5. विश्वविद्यालय की वेबसाइट को लीला के माध्यम से संचालित करने में मदद करना।
6. विदेशी विद्यार्थियों के विश्वविद्यालय में आने पर वीजा संबधी कार्य।
7. समय–समय पर पत्र–परिषद का आयोजन करना।
8. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सहयोग करना।

# महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय

महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय का लक्ष्य है– विश्वविद्यालय परिसर में शोध, शिक्षा एवं जीवन पर्यंत शिक्षा का उच्चतम स्तर बनाना। यह पुस्तकालय पुस्तक संस्कृति का स्वस्थ वातावरण देने के लिए सदैव तप्तर है, ताकि शिक्षा मनोरंजक तरीके से शिक्षार्थी को मिल सके। पुस्तकालय का प्रयास है कि सदैव अपनी बृहद एवं बहुविध उच्चस्तरीय ज्ञान–सामग्री द्वारा प्रयोक्ताओं को उनके जीवन में आगे बढ़ने, प्रगतिशील होने एवं ज्ञान–जिज्ञासु बनने में सहायक हो सके।

## पुस्तकालय समिति

विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक 21 के अनुसार पुस्तकालय समिति का गठन निम्नानुसार किया गया है :

| | | |
|---|---|---|
| 1 | प्रो.गिरीश्वर मिश्र, कुलपति | : अध्यक्ष |
| 2 | प्रो. चित्तरंजन मिश्र, समकुलपति | : सदस्य |
| 3 | कुलसचिव | : सदस्य |
| 4 | वित्ताधिकारी | : सदस्य |
| 5 | संकायाध्यक्ष (प्रत्येक स्कूल) | : सदस्य |
| | 1. प्रो. एल. कारूण्यकरा, अधिष्ठाता, संस्कृति विद्यापीठ | : सदस्य |
| | 2. प्रो. मनोज कुमार, अधिष्ठाता, सृजन विद्यापीठ | : सदस्य |
| | 3. प्रो. अनिल कुमार राय, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ | : सदस्य |
| | 4. प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ | : सदस्य |
| | 5. प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ | : सदस्य |
| | 6. प्रो. अरबिंद कुमार झा, अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यापीठ | : सदस्य |
| 6 | एक वरिष्ठ प्राध्यापक (प्रत्येक स्कूल) | |
| | 1. प्रो. शंभु कुमार गुप्त, संस्कृति विद्यापीठ | : सदस्य |
| | 2. डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ | : सदस्य |
| | 3. डॉ. सतीश पावड़े, सृजन विद्यापीठ | : सदस्य |
| | 4. डॉ. फरहद मलिक, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ | : सदस्य |
| | 5. डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, भाषा विद्यापीठ | : सदस्य |
| 7 | प्रो. सूरज पालीवाल, कुलानुशासक | : सदस्य |
| 8 | प्रो. सुरेश शर्मा, सृजन विद्यापीठ, (कुलपति महोदय द्वारा नामित) | : सदस्य |
| 9 | प्रो. विजय कुमार कौल (कुलपति महोदय द्वारा नामित) | : सदस्य |
| 10 | डॉ. मैत्रेयी घोष, पुस्तकालयाध्यक्ष | : सदस्य सचिव |

## गतिविधियाँ

1. महापंडित राहुल सांकृत्यायन की स्मृति में 21 अप्रैल 2015 को 'महापंडित की दृष्टि' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया और राहुल सांकृत्यायन द्वारा रचित पुस्तकों को प्रदर्शित भी किया गया।
2. पुस्तकालय के उपयोक्ताओं के लिए 'ई–रिसोर्स एक्सेस एण्ड प्लेगरिज़म' विषय पर आधारित उपयोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 27 जुलाई, 2015 को किया गया।
3. 'कोहा ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर के संदर्भ में' दो दिवसीय (09 एवं 10 अक्टूबर, 2015) कार्यशाला का आयोजन किया गया।

## पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

– पुस्तकालय में Open Access System की सुविधा दी गई है।

– पुस्तकालय में OPAC (Online Public Access Catalogue) की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।
– केंद्रीय पुस्तकालय Digitization की प्रक्रिया में है। पुस्तकालय में KOHA Open Source Software है।
– पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के अध्यापकों हेतु एक अलग से अध्ययन कक्ष बनाया गया है।
– केंद्रीय पुस्तकालय में पी.एच.डी. शोधार्थियों के उपयोग हेतु कंप्यूटर लैब उपलब्ध है।

**केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध संग्रह**

1. प्रो. राम कुमार वर्मा संग्रह
2. प्रो. विजेन्द्र नारायण सिंह संग्रह
3. प्रो. रमेश कुंतल मेघ संग्रह
4. सत्यवती मलिक संग्रह
5. गजानन माधव मुक्तिबोध संग्रह
6. कर्मेन्दु शिशिर संग्रह
7. महापंडित राहुल सांकृत्यायन संग्रह
8. महात्मा गांधी संग्रह

**उपलब्ध संसाधन :**

1. पुस्तकें – 1,19,411
2. संदर्भ ग्रंथ – 3807
3. पत्रिकाएँ – 100
4. शोध प्रबंध – 124
5. लघुशोध प्रबंध – 1293

**संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण**

**घोष, मैत्रेयी**

– (17–23 अगस्त, 2016). 82वी. इफ्ला जनरल कॉन्फेरेंस एण्ड असेंब्ली कोलंबस, ओहिओ, यू.एस.ए में 'डिजिटल फीचर ऑफ इंडियन नेशनल बिबलियोगॉफी : ए स्टडी ऑन दि बेसिस ऑफ इंटरनेशनल ऑन नेशनल बिबलियोगॉफी (आई.सी.एन.बी.एस)' पर प्रस्तुति।
– (11–13 जुलाई, 2016). लिलै फॉन्स में 19वीं इंटरनेशनल सिम्पोजियम में 'कॉपीराइट इनफोर्समेंट एण्ड लीगल फ्रेमवर्क फॉर इटीडीज इन इंडिया' पर प्रस्तुति।

**प्रकाशन**

**घोष, मैत्रेयी**

– (2016). 'ई–हेल्थ एण्ड वुमेन लॉज् – स्ट्रेन्जींग जेंडर जस्टीस', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज इन डेवलपिंग सोसिलाइज, 1 (2), 181–193

## पर्यावरण क्लब

**गतिविधियाँ**

– विश्वविद्यालय के पर्यावरण क्लब द्वारा परिसर में पर्यावरण जागरूकता के लिए अभियान चलाया गया।
– पेड़, पौधों और पक्षियों से संबंधित ग्रीन ऑडिट रिपोर्ट तैयार की गई।
– परिसर में जगह–जगह पर पक्षियों के लिए रैन–बसेरा कार्यक्रम के तहत घोंसले लगवाए गए।
– परिसर स्थित वृक्षों के नाम एवं जानकारी से संबंधित पट्टियां लगवाई गई।
– विदर्भ क्षेत्र के पक्षियों की गिनती के लिए विश्वविद्यालय परिसर में वन विभाग एवं बॉम्बे नैचुरल हिस्ट्री सोसायटी द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

## राजभाषा विभाग

राजभाषा संबंधी संवैधानिक और कानूनी उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करने और संघ के सरकारी काम–काज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में राजभाषा विभाग की स्थापना की गई है। विभाग विश्वविद्यालय के काम–काज में हिंदी का प्रगामी प्रयोग बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में भारत सरकार की राजभाषा नीति को पूरी तरह से लागू किया गया है। विश्वविद्यालय में राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का पूर्ण रूप से पालन किया जाता है जिसके तहत सामान्य आदेश, ज्ञापन, संकल्प, अधिसूचनाएँ, नियम, करार, संविदा, टेंडर नोटिस, संसदीय प्रश्न आदि द्विभाषी रूप में जारी किए जाते हैं।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(4) और धारा 8 में दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजभाषा विभाग द्वारा बनाए गए सभी नियमों का पालन करने के पूर्ण प्रयास किए जाते हैं।

### गतिविधियाँ

क) विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। हिंदी दिवस के परिप्रेक्ष्य में 14 से 29 सितंबर, 2015 तक हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया –

1. कविता पाठ / गीत गायन
2. हिंदी में श्रुत लेखन
3. हिंदी टंकण
4. वाद–विवाद
5. हिंदी निबंध
6. हिंदी सुलेख

विश्वविद्यालय के अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा 30 सितंबर, 2015 को सहभागी प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र तथा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

ख) विश्वविद्यालय के राजभाषा विभाग द्वारा 22 जून, 2015 तथा 21 दिसंबर, 2015 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, वर्धा की बैठकें आयोजित की गई, जिसमें वर्धा के सभी प्रमुख केंद्रीय कार्यालयों के कार्यालय प्रमुखों व राजभाषा अधिकारियों ने सहभागिता की।

## खेल समिति

विश्वविद्यालय की खेल नीति में इर्स वर्ष कई सकारात्मक बदलाव और निर्णय हुए। खेल समिति के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार कौल के साथ–साथ डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी को खेल प्रभारी तथा डॉ. सुनील विश्वकर्मा को सहायक खेल प्रभारी नियुक्त किया गया। इस वर्ष खेल प्रतियोगिताओं को भविष्य की खेल नीति के अनुरुप तैयार किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को अपने–अपने विद्यापीठ का प्रतिनिधित्व करने का अवसर था। कर्मचारियों में खेल–कूद की अभिरुचि को जगाने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए अलग से एमेच्योर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। क्रिकेट, बॉलीवाल, बैडमिंटन जैसे परंपरागत खेलों के साथ इस वर्ष से एथलेटिक्स की प्रतियोगिताएँ प्रारंभ की गई। खेल प्रतियोगिताओं के प्रारंभ में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने खेल ध्वज का आरोहण किया और खिलाड़ियों को खेल भावना की शपथ दिलाई। खिलाड़ियों ने अपने विद्यापीठ के फ्लैग के साथ मार्च पास्ट करते हुए कुलपति तथा खेल ध्वज को सलामी दी। उद्घाटन के अवसर पर सबसे बड़ा आकर्षण कुलपति एकादश और कुलसचिव एकादश के बीच खेले गए फुटबाल मैच का रहा जिसमें स्वयं कुलपति एवं कुलसचिव अपनी–अपनी टीमों की कप्तानी कर रहे थे। खेल प्रतियोगिताओं को सुचारु रुप से चलाने के लिए निम्नानुसार खेल समिति का गठन किया गया है।–

01 प्रो. विजय कुमार कौल, अध्यक्ष
02 डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, खेल प्रभारी
03 डॉ. राकेश मिश्र, सदस्य
04 डॉ. संदीप सपकाले, सदस्य
05 डॉ. चित्रा माली, सदस्य
06 डॉ. अमित त्रिपाठी, सदस्य
07 श्री सुनील कुमार विश्वकर्मा, सदस्य
08 डॉ. श्रीरमण मिश्र, सदस्य
09 डॉ. ज्योतिष पायेंग, सदस्य
10 श्री राजीव पाठक, सदस्य
11 श्री राकेश विश्वकर्मा, सदस्य

## खेल समिति द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के परिणाम

| **100 मीटर दौड़ (पुरुष)** | | | **100 मीटर दौड़ (महिला)** | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **स्थान** | **खिलाड़ी का नाम** | **विभाग का नाम** | **स्थान** | **खिलाड़ी का नाम** | **विभाग का नाम** |
| प्रथम | दयाशंकर मिश्र | शिक्षा | प्रथम | कंचन कुमारी | साहित्य |
| द्वितीय | अमित कुमार | जनसंचार | द्वितीय | नेहा देवानंद बलबीर | जनसंचार |
| तृतीय | शिवबाबू | मानव विज्ञान | तृतीय | सविता कोल्हे | |
| **200 मीटर दौड़ (पुरुष)** | | | **200 मीटर दौड़ (महिला)** | | |
| प्रथम | दयाशंकर मिश्र | शिक्षा | प्रथम | कंचन कुमारी | साहित्य |
| द्वितीय | आशिष बोपचे | शिक्षा | द्वितीय | नेहा देवानंद बलबीर | जनसंचार |
| तृतीय | अमित कुमार | जनसंचार | तृतीय | सविता कोल्हे | |
| **400 मीटर दौड़ (पुरुष)** | | | **400 मीटर दौड़ (महिला)** | | |
| प्रथम | आशिष बोपचे | शिक्षा | प्रथम | कंचन कुमारी | साहित्य |
| द्वितीय | अमित कुमार | जनसंचार | द्वितीय | नेहा देवानंद बलबीर | जनसंचार |
| तृतीय | मनीष मिश्र | विकास एवं शांति | तृतीय | चंचल कुमारी | शिक्षा |
| **माला फेंक (पुरुष)** | | | **माला फेंक (महिला)** | | |
| प्रथम | मनीष मिश्र | विकास एवं शांति | प्रथम | कु. रंजीता बी .एम. कोडापे | फ्रेंच डिप्लोमा |
| द्वितीय | संघर्ष मिश्र | जनसंचार | द्वितीय | जयंती | साहित्य |
| तृतीय | बी.बी.एल.रुवात फेला | अनुवाद | तृतीय | प्रीती दुबे | शिक्षा |
| **डिस्कस थ्रो (पुरुष)** | | | **डिस्कस थ्रो (महिला)** | | |
| प्रथम | मनीष मिश्र | विकास एवं शांति | प्रथम | कु.रंजीता बी.एम.कोडापे | फ्रेंच डिप्लोमा |
| द्वितीय | निखिल समर्थ | | द्वितीय | जयंती हांसदा | साहित्य |
| तृतीय | जैनेन्द्र कुमार | प्रबंधन | तृतीय | कंचन | शिक्षा |
| **गोला फेंक (पुरुष)** | | | **गोला फेंक (महिला)** | | |
| प्रथम | मनीष मिश्र | विकास एवं शांति | प्रथम | कु.रंजीता बी .एम. कोडापे | फ्रेंच डिप्लोमा |
| द्वितीय | संजीव झा | साहित्य | द्वितीय | कंचन कुमारी | साहित्य |
| तृतीय | दयाशंकर मिश्र | शिक्षा | तृतीय | नेहा देवानंद बलबीर | जनसंचार |
| **लम्बी कूद (पुरुष)** | | | **लम्बी कूद (महिला)** | | |
| प्रथम | दयाशंकर मिश्र | शिक्षा | प्रथम | नेहा देवानंद बलबीर | जनसंचार |
| द्वितीय | बृजेश कुमार चौहान | अनुवाद | द्वितीय | कंचन कुमारी | साहित्य |
| तृतीय | अमित कुमार | जनसंचार | तृतीय | ममता देवी | अनुवाद |
| **टेबल टेनिस (पुरुष)** | | | **टेबल टेनिस (महिला)** | | |
| प्रथम | आशिष कुमार | साहित्य | प्रथम | प्रीती दुबे | शिक्षा |
| द्वितीय | अरुण जायसवाल | शिक्षा | द्वितीय | नेहा देवानंद बलबीर | जनसंचार |
| तृतीय | आशिष नारायण राव | जापानी भाषा | तृतीय | चंचल कुमारी | शिक्षा |
| **वॉलीबॉल (पुरुष)** | | | **वॉलीबॉल (महिला)** | | |
| **स्थान** | **टीम का नाम** | **कप्तान का नाम** | **स्थान** | **टीम का नाम** | **कप्तान का नाम** |
| विजेता | टाईटेनिक टाईगर | संजीव झा | विजेता | टीम टाईगर्स | नेहा देवानन्द बलवीर |
| उपविजेता | आर्म्स क्लब | तूफान सिंह पारधी | उपविजेता | ओजस्वी | मधु प्रिया |
| **योग (छात्र)** | | | **योग (छात्रा)** | | |
| **स्थान** | **खिलाड़ियों के नाम** | **विभाग** | **स्थान** | **खिलाड़ियों के नाम** | **विभाग** |
| प्रथम | अमित कुमार | साहित्य | प्रथम | भारती देवी | योग एवं स्वास्थ्य अध्ययन |
| द्वितीय | दिनेश पटेल | योग एवं स्वास्थ्य अध्ययन | द्वितीय | रेखा तिवारी | शिक्षा |
| तृतीय | पंकज कुमार सिंह | विकास एवं शांति अध्ययन | तृतीय | नेहा देवानन्द बलवीर | जनसंचार |
| **शतरंज (छात्र)** | | | **शतरंज (छात्रा)** | | |
| प्रथम | श्याम प्रकाश | स्त्री अध्ययन | प्रथम | पूजा वंजारे | मानव विज्ञान |
| द्वितीय | अरुण कुमार पाण्डेय | भाषा प्रौदयोगिकी | द्वितीय | मधुप्रिया | भाषा प्रौद्योगिकी |
| तृतीय | ऋषिकेश बहादूर | शिक्षा | तृतीय | | |
| **बैडमिंटन (छात्र)** | | | **बैडमिंटन (छात्रा)** | | |
| प्रथम | इम्तियाज अंसारी | | प्रथम | प्रीती दूबे | शिक्षा |
| द्वितीय | राकेश रॉय | शिक्षा | द्वितीय | कु. रजिता बी .एस. कोडापे | फ्रेंच डिप्लोमा |
| तृतीय | जैनेन्द्र कुमार | प्रबंधन | तृतीय | | |
| **क्रिकेट (छात्र)** | | | **क्रिकेट (छात्रा)** | | |
| **स्थान** | **टीम का नाम** | **कप्तान का नाम** | **स्थान** | **टीम का नाम** | **कप्तान का नाम** |
| विजेता | समाज कार्य | राकेश कुमार | विजेता | ओजस्वी एकादश | मधु प्रिया |
| उपविजेता | गड़बड़ एकादश | राहुल त्रिपाठी | उपविजेता | टीम टाईगर | नेहा देवानन्द बलवीर |
| **शतरंज (एमेच्योर)** | | | **क्रिकेट (एमेच्योर)** | | |
| **स्थान** | **खिलाड़ियों के नाम** | **विभाग** | **स्थान** | **टीम का नाम** | **कप्तान का नाम** |
| प्रथम | विवेकानन्द राय | डायस्पोरा अध्ययन | विजेता | परिसर विकास | राजीव पाठक जी |
| द्वितीय | भूषण साल्वे | विकास एवं शांति अध्ययन | उपविजेता | गांधी एकादश | पंकज पाटिल |
| तृतीय | दीपक साल्वे | जनसंपर्क कार्यालय | | | |
| **वॉलीबॉल (एमेच्योर)** | | | | | |
| विजेता | स्वामी विवेकानंद | प्रभाकर | | | |
| उपविजेता | पाणिनि | प्रो. विजय कौल | | | |

प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए।

# शोध सहायता प्रकोष्ठ

शोध सहायता प्रकोष्ठ के अंतर्गत विश्वविद्यालय में संचालित शोध गतिविधियों का नियमन–निर्देशन किया जाता है। अधिष्ठाता, शोध द्वारा निर्देशित–संचालित इस प्रकोष्ठ में कार्यरत अनुसंधान अधिकारी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शोध संबंधी कार्यक्रमों एवं परियोजना कार्यों में अधिष्ठाता, शोध को अपेक्षित सहयोग करते हैं। यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के अकादमिक सदस्यों को शोध संबंधी परियोजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही शोध संबंधी कार्यों में उन्हें सैद्धांतिक सहयोग भी प्रदान करता है। यह प्रकोष्ठ शोधार्थियों को शोध प्रविधि एवं शोध सामग्री संबंधी मार्गदर्शन देने के साथ–साथ विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों को शोध परियोजनाओं के प्रारूप उपलब्ध कराने, शोध स्वीकृति स्त्रोतों तथा इस हेतु धन उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं की जानकारी भी सुलभ कराता है। शोध परियोजनाओं के प्रारूप निर्माण में अपेक्षित सहयोग करने के साथ ही आवश्यक पत्र व्यवहार करना भी इस प्रकोष्ठ का महत्वपूर्ण कार्य है। प्रकोष्ठ में कार्यरत अनुसंधान अधिकारी दूर शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के संयोजन के साथ–साथ उन पाठ्यक्रमों के लिए सेमेस्टर पद्धति पर आधारित एवं स्वेच्छाधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप नवीन पाठ्यक्रमों का निर्माण तथा उत्कृष्ट पाठ्य सामग्री के लेखन, संकलन तथा संपादन का कार्य भी संपन्न करते हैं। इसके साथ ही अनुसंधान अधिकारियों द्वारा विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के अंतर्गत संचालित अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए हिंदी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में अध्यापन कार्य संबंधी दायित्वों का भी निर्वहन किया जाता है।

एम.ए. हिंदी (दू.शि.नि.) – पाठ्यक्रम संयोजक : डॉ. पुरन्दरदास

एम.ए. इतिहास (दू.शि.नि.) – पाठ्यक्रम संयोजक : डॉ. परिमल प्रियदर्शी

## अनुसंधान अधिकारी का विवरण

| नाम | पदनाम | कार्यारंभ की तिथि | योग्यता | पीएच.डी. का शोध विषय | विशेषज्ञता का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| परिमल प्रियदर्शी | अनुसंधान अधिकारी | 12.03.2012 | पीएच.डी. | 1857 की क्रांति का 19वीं सदी के परवर्ती हिंदी साहित्य पर प्रभाव | आधुनिक भारत का इतिहास |
| पुरन्दरदास | अनुसंधान अधिकारी | 28.03.2012 | पीएच.डी. | हिंदी साहित्य में राम : स्वरूप–विश्लेषण | हिंदी भाषा एवं साहित्य |

## संगोष्ठी / सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / व्याख्यान / प्रस्तुतिकरण

### प्रियदर्शी, परिमल

– (23 फरवरी–21 मार्च, 2016). बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में सहभागिता।

### पुरन्दरदास

– (10–12 सितंबर, 2015). विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा भोपाल में 'हिन्दी जगत : विस्तार और संभावनाएँ' विषय पर आयोजित 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में सहभागिता।

– (03 अक्टूबर, 2015). विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग द्वारा 'मानवाधिकार' विषय पर आयोजित आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता।

– (05–11 अक्टूबर, 2015). विश्वविद्यालय के भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र द्वारा 'चीनी लिपि' विषय पर आयोजित 'चीनी लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला' में सहभागिता।

– (18–20 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

**प्रकाशन**

**प्रियदर्शी, परिमल**

– (जुलाई–दिसंबर, 2015). 'इम्पैक्ट ऑफ दी ब्रिटिश लैण्ड पॉलीसिज ऑन इंडियन एग्रीकल्चर', शोध प्रतिमान, 10–11, 87–89, मुजफ्फरपुर : अभिधा प्रकाशन।

– (2016). 'थ्योरीज ऑफ इंपैरियलिज्म', रेनबॉ, 2, 126–130, नागपुर : वीएमवी कॉमर्स, जेएमटी एण्ड जेजेपी साइंस कॉलेज।

## परिसर विकास विभाग

विश्वविद्यालय परिसर में निर्माण संबंधी कार्य केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत सरकार और यू.पी. स्टेट कंस्ट्रक्शन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि., वर्धा (पूर्व नाम उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निर्माण निगम लिमिटेड, लखनऊ) द्वारा किया जा रहा है। अधूरे एवं तात्कालिक निर्माण कार्यों की समीक्षा के उपरांत भवन निर्माण समिति की बैठक में लिए गए निर्णयानुसार अकादमिक भवन, दूर शिक्षा निदेशालय, सुखदेव छात्रावास, 56 आवास एवं ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण कार्य पुनः शुरू हो गया है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय विद्यालय के निर्माण हेतु अनुदान की मांग विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से की गई है। 200 बिस्तर की क्षमता वाले एक नए महिला छात्रावास (वर्किंग वूमेन हॉस्टल व क्रेच सहित) के निर्माण की प्रारंभिक प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। भविष्य में एक ओपेन थिएटर तथा योग केंद्र के निर्माण की योजना प्रस्तावित है। विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद के भवन निर्माण का कार्य भी अतिशीघ्र प्रारंभ होने जा रहा है। क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता हेतु भूखंड देने के लिए कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट, कोलकाता से निरंतर संपर्क किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2015–16 में उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा किए जा रहे कार्य :

1 साहित्य विद्यापीठ का निर्माण कार्य
2 पार्किंग शेड का निर्माण कार्य
3 पुरूष छात्रावास क्रमांक – 4 का निर्माण कार्य
4 पुरूष छात्रावास क्रमांक – 5 का निर्माण कार्य
5 पुरूष छात्रावास क्रमांक – 6 का निर्माण कार्य
6 ट्रांजिट छात्रावास का निर्माण कार्य
7 संग्रहालय भवन का निर्माण कार्य
8 56 नग कर्मचारी आवासों का निर्माण कार्य
9 टैगोर कल्चरल कॉम्पलेक्स का निर्माण कार्य
10 उत्तरी परिसर में शेष सड़क का निर्माण कार्य
11 प्रशासनिक भवन एवं कंप्यूटर सेंटर के मध्य भवन का निर्माण कार्य
12 क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद में चारदीवारी का निर्माण कार्य
13 33 KV लाइन का बाहरी कार्य

वित्तीय वर्ष 2015–16 में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे कार्य :

1 अकादमिक भवन का निर्माण कार्य
2 दूर शिक्षा निदेशालय का निर्माण कार्य
3 महिला छात्रावास के लिए डायनिंग हॉल का निर्माण कार्य
4 उत्तरी परिसर में स्ट्रीट लाइट का कार्य
5 पुस्तकालय भवन के लिए लिफ्ट का कार्य

# राष्ट्रीय सेवा योजना

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में राष्ट्रीय सेवा योजना का शुभारंभ 20 फरवरी, 2013 को राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ भाऊ दायदार द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग के संयोजक का दायित्व सर्वप्रथम प्रदर्शनकारी कला विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सतीश पावड़े को दिया गया। उसके पश्चात 12 नवंबर, 2014 को अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दिक़ी को इस विभाग का दायित्व दिया गया। 04 जनवरी, 2016 से जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर राजेश लेहकपुरे को राष्ट्रीय सेवा योजना का दायित्व दिया गया।

**गतिविधियाँ**

– (21 जून, 2015). योग दिवस पर योगाभ्यास शिविर व विशेष कार्यक्रम का आयोजन।
– (06 अगस्त, 2015). हिरोशिमा दिवस पर एकता एवं शांति रैली का आयोजन किया गया। गोंडवाना जंगोम दल द्वारा मूल निवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में रासेयो की भागीदारी रही।
– (14 अगस्त, 2015). रासेयो द्वारा सावित्रीबाई फुले छात्रावास में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सफाई अभियान चलाया गया।
– (27 अगस्त, 2015). रासेयो द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में पन्नालाल सुरना ने पेड़ लगाए।
– (28 अगस्त, 2015). रासेयो द्वारा कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के जन्मदिवस के अवसर पर विवि परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
– (31 अगस्त, 2015). दत्तपुर ग्राम के मनोहर धाम में वृक्षारोपण एवं कुष्ठ रोगियों को वस्त्र भेंट कार्यक्रम में रासेयो ने की सहभागिता।
– (03 सितंबर, 2015). निसर्ग सेवा समिति के 15वां वृक्षवर्धापन एवं वृक्षरक्षाबंधन कार्यक्रम में रासेयो ने की सहभागिता।
– (02 अक्टूबर, 2015). रासेयो द्वारा विश्वविद्यालय से गांधी चौक तक मानव श्रृंखला रैली का आयोजन, गांधी चौक से आश्रम तक स्वच्छता अभियान और निसर्ग सेवा समिति द्वारा हुतात्मा स्मारक सेवाग्राम रोड में पौधारोपण कार्यक्रम में सहभागिता।
– (04 अक्टूबर, 2015). बहार नेचर फाउंडेशन एवं रासेयो के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला, वन्य प्राणियों की जानकारी एवं चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
– (04 अक्टूबर, 2015). रासेयो स्वयंसेवको के साथ राष्ट्रीय युवा सम्मेलन के रजत जयंती के अवसर पर निवेदिता निलयम, साठोड़ा में 'आज का युवा और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित शिविर में रासेयो ने सहभागिता की।
– (31 अक्टूबर, 2015). सरदार वल्लभभाई पटेल जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन।
– (04 नवंबर, 2015). राष्ट्रीय कार्यकर्ता शिविर में टी.बी. सुब्बाराव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में परिचय कार्यक्रम।
– (12–15 जनवरी, 2016). रासेयो द्वारा मतदान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत वाद–विवाद स्पर्धा, पोस्टर निर्माण स्पर्धा, स्लोगन लेखन स्पर्धा, पथनाट्य का आयोजन किया गया।
– (17 जनवरी, 2016). विश्वविद्यालय परिसर में पल्स पोलियो अभियान में रासेयो ने की सहभागिता।
– (04 फरवरी, 2016). विश्वविद्यालय परिसर में रासेयो द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।
– (20–26 फरवरी, 2016). रासेयो द्वारा वर्धा जिले के गणेशपुर गाँव में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के अंतर्गत श्रमदान, प्रौढ़ साक्षरता अभियान, गाँव सफाई अभियान, पथनाट्य द्वारा नशा मुक्ति अभियान, बालकों में स्वास्थ्य के बारें में जागरूकता, वृक्षारोपण, योग शिविर, स्वास्थ्य शिविर, प्लास्टिक मुक्ति अभियान रैली, पल्स पोलियो अभियान, नाली सफाई अभियान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फ़िल्म प्रदर्शन किया गया।
– (22 मार्च, 2016). जागतिक जल दिवस के उपलक्ष्य में रासेयो द्वारा वक्तृत्व स्पर्धा, व्याख्यान, जल जागरूकता पर फ़िल्म प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

## हिंदी समय डॉट कॉम

विश्वविद्यालय से यह अपेक्षा की जाती है कि वह हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा बनने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए। यह तभी संभव हो सकता है जब हिंदी न सिर्फ गंभीर विमर्श का माध्यम बने, बल्कि हिंदी में लिखा गया महत्वपूर्ण साहित्य देश–विदेश के विशाल पाठक समुदाय तक पहुँचे। दुनिया के कोने–कोने में बैठे हिंदी के पाठकों के लिए 'हिंदीसमयडॉटकॉम' नामक वेबसाइट शुरू करने की एक महत्वाकांक्षी योजना वर्ष 2009 में आरंभ की गई। इसके जरिए हम हिंदी की सभी महत्वपूर्ण पुस्तकों, रचनाओं तथा अन्य भाषाओं से हिंदी में अनूदित साहित्य को इंटरनेट पर एक जगह उपलब्ध कराना चाहते हैं।

साहित्य, समाज, संस्कृति से जुड़े तमाम विषयों पर विमर्श के लिए 'हिंदीसमयडॉटकॉम' पर इस समय साढ़े पांच लाख से ज्यादा पृष्ठों पर हिंदी की मूल्यवान रचनाएँ संजोई जा चुकी हैं तथा रोज कुछ नया जोड़ा जा रहा है। यह सारा साहित्य बिना किसी शुल्क के न केवल इंटरनेट पर पढ़ा जा सकता है, बल्कि डाउनलोड भी किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय का प्रयास है कि अगले कुछ माह में हिंदी के लगभग दस लाख पृष्ठ ऑनलाइन कर दिए जाएंगे। इसके अलावा हम विश्वभर की महत्वपूर्ण कृतियों, जो चीनी, अरबी, फ्रेंच, जर्मन या भारतीय भाषाओं में लिखी गई हैं, उन्हें भी हिंदी में अनूदित कर ऑनलाइन करने के लिए प्रयासरत हैं। अक्टूबर, 2014 के पहले प्रत्येक सप्ताह में सामग्री दी जाती थी अब यह माह के दूसरे और चौथे शुक्रवार को पत्रिका की शक्ल में सामग्री पाठकों को उपलब्ध करायी जा रही हैं। वर्ष 2015–16 में 21 अंकों का प्रकाशन किया गया। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अभिप्रेरणा से गांधीजी द्वारा लिखे साहित्य को भी 'हिंदीसमयडॉटकॉम' के पाठकों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

### कर्मी

समन्वयक : डॉ. अमित कु. विश्वास
तकनीकी सहयोग : सचिन हाडके
संपादकीय सहयोग* : मनोज कुमार पाण्डेय
सहायक* : उमेश कुमार सिंह
(*अस्थाई कर्मी)

### महत्वपूर्ण तथ्य

1. गूगल सर्च इंजन के अनुसार हिंदी साहित्य के लिए दुनिया में सर्वाधिक देखी जाने वाली वेबसाइटों में से एक है 'हिंदीसमयडॉटकॉम'।
2. तकरीबन साढ़े पांच लाख से अधिक पृष्ठ ऑनलाइन किए जा चुके हैं।
3. हमारे रचनाकार कॉलम के तहत तकरीबन एक हजार से अधिक लेखक जुड़ चुके हैं।
4. तकरीबन पांच हजार से अधिक लेखकों के संक्षिप्त परिचय उपलब्ध हैं।
5. बीस हजार लोगों को मेल द्वारा 'हिंदीसमयडॉटकॉम' की सूचना नियमित तौर पर उपलब्ध करायी जाती हैं।
6. देश–विदेश में लगभग चालीस लाख से अधिक पाठक हैं।
7. लगभग चार हजार से अधिक पाठक प्रतिदिन 'हिंदीसमयडॉटकॉम' का पन्ना खोलते हैं।
8. इनमें भारत सहित संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, नार्वे, डेनमार्क, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, सऊदी अरब, युएई, कनाडा, आस्ट्रेलिया, ईरान, पुर्तगाल, स्पेन सहित और भी अनेक देशों के पाठक होते हैं।

### प्रकाशन (विशेषांक)

1. ललित निबंध पर केंद्रित (08 मई, 2015)
2. यात्रा संस्मरण पर केंद्रित (26 जून, 2015)
3. अमृतलाल नागर की जन्म शताब्दी पर केंद्रित (28 अगस्त, 2015)
4. महिला लेखिकाओं पर केंद्रित (11 मार्च, 2016)

# जनसूचना कार्यालय

**महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में प्राप्ति जन सूचना आवेदन का त्रैमासिक विवरण**

**वर्ष : 2015–2016**

| क्र. | मंत्रालय विभाग / संगठन | तिमाही | प्रारंभिक शेष आवेदन | तिमाही दौरान प्राप्त आवेदन | कुल आवेदन (कॉलम 34) | अन्य प्राधिकरण को भेजे गए आवेदन | ऐसे निर्णय जहां आवेदन स्वीकार नहीं किए गए हो | ऐसे निर्णय जहां किसी अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई हो | अन्य प्राप्त शुल्क(अन्य शुल्क/पैनाल्टी) रुपये में | विभिन्न उपबंधों के अनुसार अस्विकार्य मामले – आर.टी.आई.अधिनियम 2005 की संगत धाराओं के अनुसार | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | धारा 8(1) | | | | | | | | | | अन्य धाराएं | | | |
| | | | | | | | | | | (क) | (ख) | (ग) | (घ) | (ङ) | (च) | (छ) | (ज) | (झ) | (ट) | (9) | (11) | (24) | अन्य |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 27 |
| 1.0 | मानव विकास संसाधन मंत्रालय | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1.1 | उच्च शिक्षा विभाग | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1.1.1 | म.गां.अं.हिं.वि. | प्रथम तिमाही अप्रैल2015–जून 2015 | 0 | 21 | 21 | 0 | 0 | 0 | 336 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | | द्वितीय तिमाही जुलाई 2015 –सितबंर 2015 | 3 | 33 | 36 | 0 | 0 | 0 | 520 | 0 | 0 | 0 | 6 | 6 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | | तृतीय तिमाही अक्तूबर 2015 –दिसं 2015 | 9 | 38 | 47 | 0 | 0 | 0 | 1216 | 0 | 0 | 0 | 2 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | | चतुर्थ तिमाही जन 2016 मार्च 2016 | 6 | 33 | 39 | 0 | 0 | 0 | 1244 | 0 | 0 | 0 | 2 | 4 | 0 | 2 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| विभागीय कुल | | | 18 | 125 | 143 | 0 | 0 | 0 | 3316 | 0 | 0 | 0 | 11 | 13 | 0 | 7 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |

## स्नातक (2015–2016)

| क्र. | पाठ्यक्रम का नाम | सामान्य | | | | अन्य पिछड़ा वर्ग | | | | अनुसूचित जाति | | | | अनुसूचित जनजाति | | | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | |
| 1 | बी.वोक. (फिल्म निर्माण) | 4 | 1 | 0 | **5** | 5 | 0 | 0 | **5** | 3 | 0 | 0 | **3** | 0 | 0 | 0 | **0** | 13 |
| 2 | बी.एस.डब्ल्यू. | 1 | 2 | 0 | **3** | 2 | 0 | 0 | **2** | 5 | 2 | 0 | **7** | 5 | 0 | 0 | **5** | 17 |
| 3 | बी. एड. | 12 | 8 | 0 | **20** | 12 | 6 | 0 | **18** | 3 | 3 | 0 | **6** | 0 | 0 | 0 | **0** | 44 |
| कुल योग | | 17 | 11 | 0 | **28** | 19 | 6 | 0 | **25** | 11 | 5 | 0 | **16** | 5 | 0 | 0 | **5** | 74 |

## एम.ए. (2015–2016)

| क्र. | पाठ्यक्रम का नाम | सामान्य | | | | अन्य पिछड़ा वर्ग | | | | अनुसूचित जाति | | | | अनुसूचित जनजाति | | | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | |
| 1 | कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **1** |
| 2 | प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) | 1 | 0 | 0 | **1** | 6 | 1 | 0 | **7** | 3 | 0 | 0 | **3** | 0 | 0 | 0 | **0** | **11** |
| 3 | समाज कार्य | 2 | 2 | 0 | **4** | 1 | 1 | 0 | **2** | 5 | 4 | 0 | **9** | 0 | 0 | 0 | **0** | **15** |
| 4 | दलित एवं जनजाति अध्ययन | 0 | 0 | 0 | **0** | 1 | 0 | 0 | **1** | 5 | 1 | 0 | **6** | 2 | 0 | 0 | **2** | **9** |
| 5 | जनसंचार | 9 | 3 | 0 | **12** | 6 | 2 | 0 | **8** | 4 | 0 | 0 | **4** | 2 | 1 | 0 | **3** | **27** |
| 6 | एम.बी.ए. | 3 | 4 | 0 | **7** | 5 | 3 | 0 | **8** | 1 | 1 | 0 | **2** | 0 | 0 | 0 | **0** | **17** |
| 7 | मानवविज्ञान | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 1 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | **1** |
| 8 | विकास एवं शांति अध्ययन | 0 | 0 | 0 | **0** | 1 | 1 | 0 | **2** | 0 | 0 | 0 | **0** | 4 | 0 | 0 | **4** | **6** |
| 9 | शिक्षाशास्त्र | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | 1 | 1 | 0 | **2** | 1 | 0 | 0 | **1** | **4** |
| 10 | स्त्री अध्ययन | 1 | 3 | 0 | **4** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **4** |
| 11 | अनुवाद अध्ययन | 0 | 1 | 0 | **1** | 2 | 0 | 0 | **2** | 1 | 0 | 0 | **1** | 1 | 1 | 0 | **2** | **6** |
| 12 | बौध्द अध्ययन | 0 | 0 | 0 | **0** | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **1** |
| 13 | हिंदी साहित्य | 0 | 1 | 0 | **1** | 4 | 2 | 0 | **6** | 3 | 0 | 0 | **3** | 0 | 1 | 0 | **1** | **11** |
| 14 | एमएसडब्ल्यू (इलाहाबाद केंद्र) | 8 | 7 | 0 | **15** | 1 | 1 | 0 | **2** | 5 | 1 | 0 | **6** | 0 | 0 | 0 | **0** | **23** |
| 15 | हिंदी (इलाहाबाद केंद्र) | 4 | 1 | 0 | **5** | 7 | 5 | 0 | **12** | 2 | 1 | 0 | **3** | 0 | 0 | 0 | **0** | **20** |
| 16 | उर्दू (इलाहाबाद केंद्र) | 0 | 1 | 0 | **1** | 0 | 3 | 0 | **3** | 0 | 1 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | **5** |
| 17 | हिंदी (कोलकाता केंद्र) | 0 | 9 | 0 | **9** | 1 | 0 | 0 | **1** | 1 | 1 | 0 | **2** | 0 | 0 | 0 | **0** | **12** |
| 18 | जनसंचार (कोलकाता केंद्र) | 0 | 3 | 0 | **3** | 2 | 0 | 0 | **2** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **5** |
| **कुल योग** | | 30 | 35 | 0 | **65** | 38 | 19 | 0 | **57** | 31 | 12 | 0 | **43** | 10 | 3 | 0 | **13** | **178** |

## एम.फिल. (2015–2016)

| क्र | पाठ्यक्रम का नाम | सामान्य | | | | अन्य पिछड़ा वर्ग | | | | अनुसूचित जाति | | | | अनुसूचित जनजाति | | | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | |
| 1 | कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स | 3 | 1 | 0 | 4 | 2 | 0 | 0 | 2 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 7 |
| 2 | प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) | 3 | 2 | 0 | 5 | 5 | 1 | 0 | 6 | 3 | 1 | 0 | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 15 |
| 3 | समाज कार्य | 2 | 0 | 0 | 2 | 6 | 4 | 0 | 10 | 1 | 1 | 0 | 2 | 2 | 0 | 0 | 2 | 16 |
| 4 | दलित एवं जनजाति अध्ययन | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 3 | 1 | 0 | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 |
| 5 | जनसंचार | 8 | 3 | 0 | 11 | 6 | 2 | 0 | 8 | 5 | 1 | 0 | 6 | 0 | 0 | 0 | 0 | 25 |
| 6 | तुलनात्मक साहित्य | 5 | 2 | 0 | 7 | 6 | 0 | 0 | 6 | 4 | 0 | 0 | 4 | 1 | 0 | 0 | 1 | 18 |
| 7 | भाषा अध्ययन | 0 | 2 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 |
| 8 | मानवविज्ञान | 0 | 2 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 1 | 3 | 0 | 0 | 3 | 1 | 1 | 0 | 2 | 8 |
| 9 | विकास एवं शांति अध्ययन | 9 | 1 | 0 | 10 | 6 | 0 | 0 | 6 | 4 | 2 | 0 | 6 | 0 | 0 | 0 | 0 | 22 |
| 10 | शिक्षाशास्त्र | 3 | 1 | 0 | 4 | 3 | 0 | 0 | 3 | 2 | 1 | 0 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 10 |
| 11 | स्त्री अध्ययन | 2 | 4 | 0 | 6 | 2 | 3 | 0 | 5 | 0 | 3 | 0 | 3 | 1 | 0 | 0 | 1 | 15 |
| 12 | प्रवासन एवं डायस्पोरा | 7 | 0 | 0 | 7 | 1 | 1 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 11 |
| 13 | भाषा विज्ञान | 0 | 2 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| 14 | स्पेनिश | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 |
| 15 | अनुवाद अध्ययन | 1 | 2 | 0 | 3 | 2 | 1 | 0 | 3 | 1 | 1 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 1 | 9 |
| 16 | बौध्द अध्ययन | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 2 | 1 | 0 | 3 | 1 | 0 | 0 | 1 | 5 |
| 17 | मनोविज्ञान | 1 | 0 | 0 | 1 | 3 | 0 | 0 | 3 | 2 | 1 | 0 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 7 |
| 18 | हिंदी साहित्य | 2 | 7 | 0 | 9 | 5 | 1 | 0 | 6 | 3 | 2 | 0 | 5 | 0 | 0 | 0 | 0 | 20 |
| 19 | हिंदी साहित्य **(इलाहाबाद केंद्र)** | 1 | 1 | 0 | 2 | 2 | 0 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 |
| 20 | हिंदी साहित्य **(कोलकाता केंद्र)** | 0 | 3 | 0 | 3 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 |
| कुल योग | | 47 | 33 | 0 | 80 | 56 | 13 | 0 | 69 | 37 | 16 | 0 | 53 | 7 | 2 | 0 | 9 | 211 |

| पीएच.डी. (2015–2016) | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ. क्र. | पाठ्यक्रम का नाम | सामान्य | | | | अन्य पिछड़ा वर्ग | | | | अनुसूचित जाति | | | | अनुसूचित जनजाति | | | | कुल योग |
| | | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | ट्रा.जे. | कुल | |
| 1 | कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 |
| 2 | प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 |
| 3 | समाज कार्य | 1 | 1 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 |
| 4 | दलित एवं जनजाति अध्ययन | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 2 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| 5 | जनसंचार | 3 | 1 | 0 | 4 | 0 | 2 | 0 | 2 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 7 |
| 6 | तुलनात्मक साहित्य | 2 | 2 | 0 | 4 | 2 | 0 | 0 | 2 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 8 |
| 7 | भाषा अध्ययन | 3 | 1 | 0 | 4 | 1 | 1 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 7 |
| 8 | मानवविज्ञान | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 | 0 | 0 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| 9 | विकास एवं शांति अध्ययन | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 |
| 10 | शिक्षाशास्त्र | 3 | 0 | 0 | 3 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 |
| 11 | स्त्री अध्ययन | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 |
| 12 | जनसंचार **(कोलकाता केंद्र)** | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 |
| **कुल योग** | | 16 | 6 | 0 | 22 | 10 | 3 | 0 | 13 | 3 | 5 | 0 | 8 | 1 | 1 | 0 | 2 | 45 |

| डिप्लोमा / पी.जी.डिप्लोमा / एडवांस्ड डिप्लोमा (2015–2016) | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्र | पाठ्यक्रम का नाम | सामान्य | | | | अन्य पिछड़ा वर्ग | | | | अनु. जाति | | | | अनु. जनजाति | | | | कुल योग |
| | | पुरुष | स्त्री | द्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | द्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | द्रा.जे. | कुल | पुरुष | स्त्री | द्रा.जे. | कुल | |
| 1 | अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा | 7 | 5 | 0 | **12** | 9 | 4 | 0 | **13** | 4 | 4 | 0 | **8** | 2 | 2 | 0 | **4** | **37** |
| 2 | इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में पी.जी.डिप्लोमा | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | 3 | 1 | 0 | **4** | 0 | 0 | 0 | **0** | **4** |
| 3 | एन.जी.ओ. प्रबंधन में डिप्लोमा | 5 | 2 | 0 | **7** | 7 | 1 | 0 | **8** | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | **16** |
| 4 | गांधी अध्ययन में डिप्लोमा | 2 | 1 | 0 | **3** | 3 | 1 | 0 | **4** | 2 | 2 | 0 | **4** | 0 | 0 | 0 | **0** | **11** |
| 5 | तिब्बती भाषा एवं तिब्बती बौद्ध धर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा | 0 | 0 | 0 | **0** | 1 | 1 | 0 | **2** | 3 | 1 | 0 | **4** | 1 | 0 | 0 | **1** | **7** |
| 6 | तिब्बती भाषा एवं धर्म में पी.जी.डिप्लोमा | 1 | 1 | 0 | **2** | 0 | 0 | 0 | **0** | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | **3** |
| 7 | नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 1 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **1** |
| 8 | पालि भाषा एवं साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | **1** |
| 9 | पी. जी डिप्लोमा इन इंडियन एण्ड वेस्टर्न आर्टस एण्ड एस्थेटिक्स | 5 | 2 | 0 | **7** | 1 | 1 | 0 | **2** | 1 | 2 | 0 | **3** | 0 | 0 | 0 | **0** | **12** |
| 10 | प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा | 2 | 0 | 0 | **2** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **2** |
| 11 | बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (अंशकालिक पाठ्यक्रम) | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 1 | 0 | **1** | 2 | 0 | 0 | **2** | 0 | 0 | 0 | **0** | **4** |
| 12 | बौद्ध पर्यटन एवं गाइंडिग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा | 2 | 0 | 0 | **2** | 1 | 0 | 0 | **1** | 1 | 2 | 0 | **3** | 0 | 0 | 0 | **0** | **6** |
| 13 | भारतीय डायस्पोरा में पी.जी.डिप्लोमा | 4 | 1 | 0 | **5** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **5** |
| 14 | भाषा शिक्षण में पी.जी..डिप्लोमा | 3 | 1 | 0 | **4** | 0 | 1 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **5** |
| 15 | विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा | 2 | 0 | 0 | **2** | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **3** |
| 16 | स्त्री अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा | 1 | 1 | 0 | **2** | 1 | 1 | 0 | **2** | 1 | 1 | 0 | **2** | 0 | 0 | 0 | **0** | **6** |
| 17 | देशज संस्कृति, भाषा और जेंडर में पी.जी. डिप्लोमा | 0 | 0 | 0 | **0** | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **1** |
| 18 | अंग्रेजी भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा | 0 | 0 | 0 | **0** | 3 | 1 | 0 | **4** | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | **5** |
| 19 | अंग्रेजी भाषा में डिप्लोमा | 5 | 7 | 0 | **12** | 9 | 5 | 0 | **14** | 14 | 2 | 0 | **16** | 2 | 1 | 0 | **3** | **45** |
| 20 | उर्दू भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा | 2 | 1 | 0 | **3** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **3** |
| 21 | उर्दू भाषा में डिप्लोमा | 3 | 0 | 0 | **3** | 2 | 0 | 0 | **2** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **5** |
| 22 | चीनी भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा | 3 | 0 | 0 | **3** | 0 | 0 | 0 | **0** | 2 | 2 | 0 | **4** | 0 | 1 | 0 | **1** | **8** |
| 23 | चीनी भाषा में डिप्लोमा | 1 | 0 | 0 | **1** | 2 | 0 | 0 | **2** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **3** |
| 24 | जापानी भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा | 1 | 0 | 0 | **1** | 2 | 1 | 0 | **3** | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | **5** |
| 25 | डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन | 5 | 0 | 0 | **5** | 8 | 0 | 0 | **8** | 5 | 0 | 0 | **5** | 0 | 0 | 0 | **0** | **18** |
| 26 | पालि भाषा में डिप्लोमा | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 1 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | **1** |
| 27 | फॉरेंसिक साइंस में डिप्लोमा | 1 | 1 | 0 | **2** | 1 | 0 | 0 | **1** | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 1 | 0 | **1** | **5** |
| 28 | फ्रेंच भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा | 1 | 0 | 0 | **1** | 2 | 0 | 0 | **2** | 0 | 1 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | **4** |
| 29 | फ्रेंच भाषा में डिप्लोमा | 2 | 2 | 0 | **4** | 3 | 1 | 0 | **4** | 0 | 0 | 0 | **0** | 1 | 1 | 0 | **2** | **10** |
| 30 | मराठी भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा | 0 | 1 | 0 | **1** | 0 | 1 | 0 | **1** | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | **3** |
| 31 | मराठी भाषा में डिप्लोमा | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | 2 | 0 | 0 | **2** | 1 | 0 | 0 | **1** | **3** |
| 32 | योग एवं स्वास्थ अध्ययन में डिप्लोमा | 2 | 4 | 0 | **6** | 1 | 2 | 0 | **3** | 5 | 1 | 0 | **6** | 0 | 0 | 0 | **0** | **15** |
| 33 | संस्कृत भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा | 0 | 1 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 1 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | **2** |
| 34 | संस्कृत भाषा में डिप्लोमा | 2 | 0 | 0 | **2** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 1 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | **3** |
| 35 | स्पेनिश भाषा में डिप्लोमा | 2 | 0 | 0 | **2** | 5 | 0 | 0 | **5** | 1 | 0 | 0 | **1** | 1 | 0 | 0 | **1** | **9** |
| 36 | हिंदी एवं अंतरराष्ट्रीय भाषा में डिप्लोमा | 3 | 13 | 0 | **16** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **16** |
| 37 | मलयालम भाषा में डिप्लोमा **(इलाहाबाद केंद्र)** | 2 | 0 | 0 | **2** | 1 | 0 | 0 | **1** | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | **4** |
| 38 | उर्दू भाषा में डिप्लोमा **(इलाहाबाद केंद्र)** | 6 | 0 | 0 | **6** | 3 | 0 | 0 | **3** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **9** |
| 39 | प्रदर्शनकारी कला में पी.जी डिप्लोमा **(इलाहाबाद केंद्र)** | 4 | 2 | 0 | **6** | 8 | 1 | 0 | **9** | 1 | 0 | 0 | **1** | 0 | 0 | 0 | **0** | **16** |
| 40 | अनुवाद में पी.जी डिप्लोमा **(इलाहाबाद केंद्र)** | 3 | 2 | 0 | **5** | 5 | 0 | 0 | **5** | 0 | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | 0 | **0** | **10** |
| **कुल योग** | | 83 | 48 | 0 | **131** | 80 | 24 | 0 | **104** | 55 | 22 | 0 | **77** | 8 | 6 | 0 | **14** | **326** |

## सत्र 2015–16 के लिए निर्धारित विभिन्न पाठ्यक्रमों के शुल्क (01.07.2015)
## सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पी.जी. डिप्लोमा एवं एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम

| पाठ्यक्रम | प्रवेश शुल्क | शिक्षण शुल्क | इंटरनेट शुल्क | प्रयोगशाला शुल्क | परीक्षा शुल्क | सुरक्षा राशि (प्रतिदेय) | पुस्तकालय शुल्क | चिकित्सा शुल्क | परिचय पत्र शुल्क | सांस्कृतिक कार्यक्रम/खेलकूद शुल्क | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फॉरेंसिक साइंस में डिप्लोमा | 300 | 1000 | 00 | 1000 | 250 | 250 | 50 | 50 | 25 | 75 | 3000 |
| डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (डी.सी.ए.) | 300 | 2000 | 00 | 1000 | 250 | 25 | 50 | 50 | 25 | 75 | 4000 |
| अनुवाद में पी.जी. डिप्लोमा<br>तुलनात्मक भारतीय साहित्य में पी.जी. डिप्लोमा<br>स्त्री अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा<br>पलि भाषा एवं साहित्य में पी.जी. डिप्लोमा<br>बौद्ध अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा<br>बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग में पी.जी. डिप्लोमा<br>गांधी अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा<br>देशज संस्कृति भाषा और जेंडर में पी.जी. डिप्लोमा<br>भारतीय डायस्पोरा में पी.जी. डिप्लोमा<br>भारतीय पाश्चात्य कला एवं सौदर्यशास्त्र में पी.जी. डिप्लोमा<br>भाषा शिक्षण में पी जी. डिप्लोमा | 300 | 1000 | 00 | 00 | 250 | 250 | 50 | 50 | 25 | 75 | 2000 |
| प्रयोजनमूलक हिंदी में पी.जी. डिप्लोमा<br>निर्वचन में पी.जी. डिप्लोमा | 300 | 1000 | 00 | 500 | 250 | 250 | 50 | 50 | 25 | 75 | 2500 |
| भारतीय भाषा में डिप्लोमा (मराठी, उर्दू, संस्कृत, मलमयामल)<br>तिब्बती भाषा एवं धर्म में पी.जी. डिप्लोमा<br>सरल हिंदी शिक्षण में डिप्लोमा<br>सरल बांग्ला शिक्षण में डप्लोमा | 300 | 800 | 00 | 00 | 250 | 250 | 50 | 50 | 25 | 75 | 1800 |
| विदेशी भाषा में सर्टिफिकेट (फ्रेंच, चीनी, स्पेनिश, जापानी, अंग्रेजी) | 300 | 1000 | 00 | 500 | 250 | 250 | 50 | 50 | 25 | 75 | 2500 |
| विदेशी भाषा में डिप्लोमा/एडवांस्ड डिप्लोमा (फ्रेंच, चीनी, स्पेनिश, जापानी, अंग्रेजी) | 300 | 2000 | 00 | 00 | 250 | 250 | 50 | 50 | 25 | 75 | 3000 |
| विज्ञापन एवं जनसंपर्क में पी.जी डिप्लोमा<br>इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में पी.जी. डिप्लोमा | 300 | 2500 | 00 | 1500 | 250 | 250 | 50 | 50 | 25 | 75 | 5000 |
| योग तथा स्वास्थ अध्ययन में डिप्लोमा<br>एम.जी.ओ. प्रबंधन में पी.जी. डिप्लोमा<br>पी.जी. डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट (फिल्म एण्ड थियेटर) | 300 | 2000 | 00 | 00 | 250 | 250 | 50 | 50 | 25 | 75 | 3000 |

अनुसूचित जाति/जनजाति तथा विकलांग श्रेणी के विद्यार्थियों को शिक्षण निःशुल्क।

| बी.ए. (ऑनर्स) / बी.कॉम. (ऑनर्स) / वी.वोक. पाठ्यक्रम | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यक्रम | प्रवेश शुल्क | सेमेस्टर शिक्षण शुल्क | सुरक्षा राशि | स्टूडियो / प्रयोगशाला / क्षेत्रीय कार्य शुल्क / शैक्षणिक भ्रमण | पुस्तकालय शुल्क (सेमेस्टर) | सांस्कृतिक कार्यक्रम / खेलकूद शुल्क सेमेस्टर) | परिचय पत्र | इंटरनेट शुल्क (सेमेस्टर) | चिकित्सा शुल्क | कुल |
| **एम.ए. पाठ्यक्रम** | | | | | | | | | | |
| बी.ए.(ऑनर्स) / बी.कार्म. (ऑनर्स) / वी.वोक / बी.एस. डब्ल्यू. | 300 | 500 | 250 | विभागाध्यक्ष / केंद्राध्यक्ष विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा। | 100 | 75 | 25 | 200 | 50 | 1500 |
| अनुसूचित जाति / जनजाति तथा विकलांग श्रेणी के विद्यार्थियों को शिक्षण निःशुल्क। | | | | | | | | | | |

| एम.ए. पाठ्यक्रम | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यक्रम | प्रवेश शुल्क | सेमेस्टर शिक्षण शुल्क | सुरक्षा राशि (प्रतिदेय) | स्टूडियो/प्रयोगशाला/क्षेत्रीय कार्य शुल्क/शैक्षणिक भ्रमण | पुस्तकालय शुल्क (सेमेस्टर) | सांस्कृतिक कार्यक्रम/खेलकूद शुल्क | परिचय पत्र शुल्क | इंटरनेट शुल्क | चिकित्सा शुल्क | कुल |
| भाषा अध्ययन<br>भाषा विज्ञान<br>उर्दू<br>अनुवाद अध्ययन<br>कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स<br>हिंदी साहित्य<br>तुलनात्मक साहित्य<br>विकास एवं शांति अध्ययन<br>स्त्री अध्ययन<br>दलित एवं जनजाति अध्ययन<br>बौद्ध अध्ययन<br>मानवविज्ञान | 300 | 500 | 250 | विभागाध्यक्ष/केंद्राध्यक्ष के विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा। | 100 | 75 | 25 | 200 | 50 | 1500 |
| प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म और नाटक)<br>जनसंचार<br>एम.एस.डब्ल्यू. | 300 | 1000 | 250 | विभागाध्यक्ष/केंद्राध्यक्ष विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा। | 100 | 75 | 25 | 200 | 50 | 2000 |
| शिक्षाशास्त्र | 300 | 1500 | 250 | | 100 | 75 | 25 | 200 | 50 | 2500 |
| प्रवासन एवं डायस्पोरा<br>मनोविज्ञान | 300 | 1000 | 250 | | 100 | 75 | 25 | 200 | 50 | 2000 |
| पब्लिक हेल्थ | 500 | 2000 | 500 | | 150 | 75 | 25 | 200 | 50 | 3500 |
| एम.कॉम. | 500 | 2000 | 500 | | 150 | 75 | 25 | 200 | 50 | 3500 |
| **बी–एड. पाठ्यक्रम** | | | | | | | | | | |
| बी.–एड. (दो वर्ष) | 2000 | 4000 | 550 | विभागाध्यक्ष/केंद्राध्यक्ष विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा। | 100 | 75 | 25 | 200 | 50 | 7000 |
| **एम.बी.ए. पाठ्यक्रम** | | | | | | | | | | |
| एम.बी.ए. | 2500 | 3000 | 500 | विभागाध्यक्ष/केंद्राध्यक्ष विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा। | 150 | 75 | 25 | 200 | 50 | 6500 |
| **अनुसूचित जाति/जनजाति तथा विकलांग श्रेणी के विद्यार्थियों को शिक्षण निःशुल्क।** | | | | | | | | | | |

| एम.फिल. पाठ्यक्रम | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यक्रम | प्रवेश शुल्क | सेमेस्टर शिक्षण शुल्क | सुरक्षा राशि | स्टूडियो/प्रयोगशाला/क्षेत्रीय कार्य शुल्क/शैक्षणिक भ्रमण | पुस्तकालय शुल्क (सेमेस्टर) | सांस्कृतिक कार्यक्रम/ खेलकूद शुल्क सेमेस्टर) | परिचय पत्र | इंटरनेट शुल्क (सेमेस्टर) | चिकित्सा शुल्क | कुल |
| भाषा अध्ययन<br>भाषा विज्ञान<br>अनुवाद अध्ययन<br>तुलनात्मक साहित्य<br>हिंदी साहित्य<br>विकास एवं शांति अध्ययन<br>स्त्री अध्ययन<br>दलित एवं जनजाति अध्ययन<br>बौद्ध अध्ययन<br>मानवविज्ञान<br>मनोविज्ञान<br>जनसंचार<br>प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म और नाटक)<br>कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स<br>समाज कार्य<br>प्रवासन तथा डायस्पोरा<br>शिक्षाशास्त्र<br>स्पेनिश<br>चायनीज़ | 1500 | 1000 | 250 | विभागाध्यक्ष/केंद्राध्यक्ष विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा। | 100 | 75 | 25 | 500 | 50 | 3500 |
| अनुसूचित जाति/जनजाति तथा विकलांग श्रेणी के विद्यार्थियों को शिक्षण निःशुल्क। | | | | | | | | | | |

**पीएच.डी. पाठ्यक्रम**

| पाठ्यक्रम | पंजीकरण शुल्क | स्टूडियो/प्रयोगशाला शुल्क (वार्षिक) | पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक) | सुरक्षा राशि (प्रतिदेय) | परीक्षा शुल्क (प्रवेश के समय) | चिकित्सा शुल्क(वार्षिक) | इंटरनेट शुल्क (वार्षिक) | सांस्कृतिक कार्यक्रम/ खेलकूद शुल्क (वार्षिक) | परिचय पत्र शुल्क | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भाषा अध्ययन<br>अनुवाद अध्ययन<br>तुलनात्मक साहित्य<br>हिंदी साहित्य<br>विकास एवं शांति अध्ययन<br>स्त्री अध्ययन<br>दलित एवं जनजाति अध्ययन<br>बौद्ध अध्ययन<br>मानवविज्ञान<br>मनोविज्ञान<br>जनसंचार<br>प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म और नाटक)<br>कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स<br>सोशल वर्क<br>प्रवासन तथा डायस्पोरा<br>शिक्षाशास्त्र | 2000 | विभागाध्यक्ष/केंद्राध्यक्ष विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा। | 500 | 350 | 2500 | 50 | 500 | 75 | 25 | 6000 |
| अनुसूचित जाति/जनजाति तथा विकलांग श्रेणी के विद्यार्थियों को शिक्षण निःशुल्क। | | | | | | | | | | |

**एम.ए. पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2013–2015)**

| क्रम | पाठ्यक्रम का नाम | वर्ग / श्रेणी | | | | उत्तीर्ण विद्यार्थी | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सामान्य | अनु.जाति | अनु.जनजाति | ओबीसी | पुरुष | स्त्री | |
| 1 | हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी) | 1 | 1 | 0 | 1 | 3 | 0 | 3 |
| 2 | कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स | 2 | 1 | 1 | 2 | 5 | 1 | 6 |
| 3 | हिंदी | 3 | 2 | 0 | 1 | 4 | 2 | 6 |
| 4 | नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन | 7 | 0 | 0 | 3 | 9 | 1 | 10 |
| 5 | स्त्री अध्ययन | 0 | 4 | 0 | 0 | 3 | 1 | 4 |
| 6 | दलित एवं जनजाति अध्ययन | 0 | 5 | 0 | 0 | 5 | 0 | 5 |
| 7 | बौद्ध अध्ययन | 0 | 5 | 1 | 0 | 4 | 2 | 6 |
| 8 | हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी) | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 2 |
| 9 | जनसंचार | 13 | 3 | 0 | 7 | 18 | 5 | 23 |
| 10 | एम.एससी. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया | 13 | 2 | 0 | 6 | 18 | 3 | 21 |
| 11 | मानवविज्ञान | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| 12 | समाज कार्य | 2 | 8 | 2 | 7 | 15 | 4 | 19 |
| | कुल योग : | 43 | 31 | 4 | 27 | 84 | 22 | 106 |

**एम.फिल. पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2014–2015)**

| क्रम | पाठ्यक्रम का नाम | वर्ग / श्रेणी | | | | उत्तीर्ण विद्यार्थी | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सामान्य | अनु.जाति | अनु.जनजाति | ओबीसी | पुरुष | स्त्री | |
| 1 | हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी) | 4 | 0 | 0 | 2 | 3 | 3 | 6 |
| 2 | कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स | 2 | 0 | 0 | 3 | 4 | 1 | 5 |
| 3 | हिंदी (तुलनात्मक साहित्य) | 6 | 2 | 2 | 10 | 7 | 13 | 20 |
| 4 | हिंदी साहित्य | 7 | 5 | 2 | 6 | 11 | 9 | 20 |
| 5 | नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन | 6 | 1 | 0 | 5 | 9 | 3 | 12 |
| 6 | अहिंसा एवं शांति अध्ययन | 7 | 4 | 1 | 4 | 11 | 5 | 16 |
| 7 | स्त्री अध्ययन | 4 | 5 | 0 | 5 | 4 | 10 | 14 |
| 8 | दलित एवं जनजाति अध्ययन | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| 9 | बौद्ध अध्ययन | 0 | 4 | 0 | 1 | 5 | 0 | 5 |
| 10 | हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी) | 5 | 1 | 1 | 0 | 5 | 1 | 7 |
| 11 | प्रवासन, डायस्पोरा तथा पारदेशीय सांस्कृतिक अध्ययन | 3 | 2 | 0 | 3 | 5 | 3 | 8 |
| 12 | जनसंचार | 13 | 3 | 2 | 3 | 17 | 4 | 21 |
| 13 | मानवविज्ञान | 5 | 3 | 0 | 1 | 5 | 4 | 9 |
| 14 | समाज कार्य | 8 | 1 | 0 | 3 | 10 | 2 | 12 |
| | कुल योग : | 70 | 32 | 8 | 46 | 96 | 59 | 156 |

| पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2013–2014) पूरक | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम | पाठ्यक्रम का नाम | वर्ग / श्रेणी | | | | उत्तीर्ण विद्यार्थी | | कुल योग |
| | | सामान्य | अनु.जाति | अनु.जनजाति | ओबीसी | पुरुष | स्त्री | |
| 1 | पालि भाषा एवं साहित्य | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| 2 | स्त्री अध्ययन | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| 3 | टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 2 |
| 4 | फोरेंसिक विज्ञान | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 |
| | कुल योग : | 2 | 2 | 0 | 1 | 2 | 3 | 5 |

## विद्यार्थियों को दी जानेवाली सुविधाएँ

विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करता है–

1. इंटरनेट की सुविधा।
2. अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / विकलांग श्रेणी के विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क में छूट।
3. विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के आधुनिकतम संसाधनों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में एक कंप्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गई है। यहाँ न सिर्फ इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है, बल्कि कंप्यूटर के अनिवार्य–शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध और ज्ञान की अधुनातन प्रविधियों से भी अवगत कराया जाता है।
4. विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में न सिर्फ वर्तमान में चल रहे पाठ्यक्रमों को केंद्रित करते हुए बल्कि भविष्य में करणीय अधुनातन शोध की दिशाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों, पत्रिकाओं का एक व्यवस्थित और विशाल संग्रह किया जा रहा है। जहाँ एक ओर सभी विषयों से संबंधित नवीनतम पुस्तकों का एक अच्छा संग्रह यहाँ उपलब्ध है, वहीं दूसरी ओर हिंदी की पुरानी छपी दुर्लभ पुस्तकों और पांडुलिपियों को 'स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय' एवं 'अभिलेखागार' में संरक्षित किया जा रहा है।
5. संवाद कार्यक्रम।
6. कमज़ोर विद्यार्थियों के लिए उपचारात्मक कोचिंग (Remedial Coaching)
7. राष्ट्रीय सेवा योजना।
8. नेट कोचिंग, आई.ए.एस. एवं अन्य सिविल सेवाओं की प्रतियोगी परीक्षा हेतु प्रशिक्षण।
9. क्रीड़ा और खेलकूद : विश्वविद्यालय स्तर का छात्र शारीरिक गतिविधियों तथा संगठित खेलकूद और खेल कार्यक्रमों के महत्व से अवगत होता है जिन्हें उसके शैक्षणिक लक्ष्यों के साथ जोड़ना आवश्यक है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय खेलकूद मैदानों / स्थानों तथा क्रीडा उपकरणों के रूप में आधारभूत सुविधाएँ प्रदान करता है।
10. विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र : विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आधारभूत स्वास्थ सुविधाएँ प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य केंद्र संचालित किया जा रहा है।
11. छात्रावास : विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेशोपरांत (नियमित पाठ्यक्रम) छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्धता के आधार पर प्रदान की जाती है। छात्रावास से संबंधित विश्वविद्यालय में लागू अध्यादेश / नियम के अनुसार छात्रावास में प्रवेश हेतु चयनित विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। छात्रावास शुल्क बी.एड. / एम.ए. / एम.फिल. विद्यार्थियों के लिए रु. 150 प्रति माह एवं पीएच.डी. विद्यार्थियों के लिए रु. 200 प्रति माह है। छात्रावास में दो विद्यार्थियों को एक कक्ष आवंटित किया गया है।
12. यू.जी.सी.द्वारा लागू नियम के अनुसार अनु.जाति / अनु.जनजाति वर्ग के छात्र / छात्राओं को छात्रावास में निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है। (अंशकालिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले अभ्यर्थी छात्रावास में स्थान के पात्र नहीं हैं।
13. एम.ए. / एम.कॉम. के ज़रूरतमंद विद्यार्थियों को चिन्हित कर एक हजार रुपये मासिक छात्रवृत्ति दी जा रही है।

## यूजीसी–नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण तथा आरजीएनएफ/अन्य शोधवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सूची

| विद्यार्थियों के नाम | विभाग | शोधवृत्ति का नाम | माह एवं वर्ष |
|---|---|---|---|
| श्री अभिजीत कुमार मिश्र | भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग | जेआरएफ | जून 2015 |
| आभा मलिक | हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग | जेआरएफ | जून 2015 |
| सुअम्बदा कुमारी | | जेआरएफ | जून 2015 |
| विभा मलिक | | जेआरएफ | दिसंबर 2015 |
| अनुसुमन बड़ा | | जेआरएफ | दिसंबर 2015 |
| गि–हे दिलीप लक्ष्मण | | एनएफएचई | 2015–16 |
| ईश्वर कान्ति मुर्मु | | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| कंचन कुमारी | | नेट | दिसंबर 2015 |
| ज्ञानचंद्र पाल | | नेट | जून एवं दिसंबर 2015 |
| मनीष कुमार | | नेट | दिसंबर 2015 |
| आशीष कुमार | | नेट | दिसंबर 2015 |
| अनीश कुमार | | नेट | जून एवं दिसंबर 2015 |
| बंदना मौर्या | | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| आशीष | | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| जुगुल किशोर चौधरी | | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| देविंदर सिंह | | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| चेतन सिंह | | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| मीना देवी | विकास एवं शांति अध्ययन विभाग | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| प्रज्ञा वंजारी | | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| संजय मांझी | | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| ओम प्रकाश | | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| निर्भय कुमार सिंह | | नेट | 2015–16 |
| रंजीत कुमार | | नेट | 2015–16 |
| श्री सतपाल यादव | स्त्री अध्ययन विभाग | नेट | जून, 2015 |
| श्री नरायण सिंह गौतम | | आरजीएनएफ | जनवरी, 2016 |
| श्री रजनीश कुमार अम्बेडकर | | आरजीएनएफ | जनवरी, 2016 |
| श्रीकांत बोरकर | | आरजीएनएफ | जनवरी, 2016 |
| सुश्री आम्रपाली जांभुलकर | | आरजीएनएफ | जनवरी, 2016 |
| कुमारी मंजु आर्या | | आरजीएनएफ | जनवरी, 2016 |
| सुश्री डिम्पल | | आरजीएनएफ | जनवरी, 2016 |
| स्मित भगत | डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर – सिदो – कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| दर्शना मेश्राम | | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| सुनील बाउरी | | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| अतुल नगराले | | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| सुमन देवी | | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| रमेश कुमार | | आरजीएनएफ | 2015–16 |
| श्री रामभाऊ उमरे | डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र | आरजीएनएफ | जनवरी, 2015 |
| श्री प्रवीन शंभरकर | | आरजीएनएफ | जनवरी, 2015 |
| श्री दिनेश पटेल | | जेआरएफ | जनवरी, 2015 |
| श्री शरद सोनवणे | | नेट | जनवरी, 2015 |
| श्री गोविन्द कुमार मीना | | आरजीएनएफ व नेट | जनवरी, 2015 |
| श्री लालविजय प्रभाकर | | जेआरएफ | जून, 2015 |
| श्री लेखाराम सेलोकर | | आरजीएनएफ | जनवरी, 2016 |
| श्री फिरोज नंद | | आरजीएनएफ व नेट | जून, 2015 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| सुश्री शशि गौड़ | जनसंचार विभाग | जेआरएफ | |
| श्री सुनील दीपक घोड़के | | आईसीएसएसआर–डी आरएफ | 2015 |
| श्री रंजीत कुमार | | नेट | जून 2015 |
| श्री सन्नी गोंड | | नेट | जून 2015 |
| श्री अमृत कुमार | | नेट | दिसंबर 2015 |
| श्री विकास कुमार | | आरजीएनएफ | |
| श्री प्रदीप कुमार गौतम | | आरजीएनएफ | |
| सुश्री रूपाली अलोने | | आरजीएनएफ | |
| श्री आशीष कुमार | | आरजीएनएफ | |
| श्री राकेश कुमार | | आरजीएनएफ | |
| श्री मिथिलेश कुमार | | आरजीएनएफ | |
| श्री रंजीत कुमार | | नेट | दिसंबर 2015 |
| श्री अरविंद | | नेट | दिसंबर 2015 |
| श्री नीलेश भगत | | नेट | दिसंबर 2015 |
| श्री विनय तोमर | | नेट | दिसंबर 2015 |
| श्री भँवरलाल सेणचा | | नेट | दिसंबर 2015 |
| श्याम सिंह | महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र | जेआरएफ | दिसंबर 2015 |
| अनुराग कुमार पांडेय | | नेट | दिसंबर 2015 |
| नूरीश परवीन | | नेट | दिसंबर 2015 |
| अभिषेक राय | | नेट | दिसंबर 2015 |
| छविनाथ यादव | | नेट | दिसंबर 2015 |
| ममता कुमारी | | राष्ट्रीय शोधवृति | 2016 |
| कु. चित्रलेखा साहू | | राष्ट्रीय शोधवृति | 2015 |
| दिलीप कुमार | | आरजीएनएफ | 2015 |
| किरण खुट्टे | | आरजीएनएफ | 2015 |
| दिलीप कुमार | | नेट | जून 2015 |
| अनुराग कुमार पांडेय | | नेट | जून 2015 |
| रामचन्द्र | मानवविज्ञान विभाग | नेट | जून, 2015 |
| नवलेश राम | | नेट | जून, 2015 |
| दीपमाला | | जेआरएफ | दिसम्बर, 2015 |
| शिवबाबु | | नेट | दिसम्बर, 2015 |
| आरिफा | | नेट | दिसम्बर, 2015 |
| राजकुमार वर्मा | | नेट | दिसम्बर, 2015 |
| धनेश कनौजिया | | नेट | दिसम्बर, 2015 |
| बृजेन्द्र कुमार गौतम | | आर.जी.एन.एफ. | 2015 |
| दीपमाला अवस्थी | | आई.सी.एस.एस.आर. | 2015 |
| रुतु रानी | प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं नाटक) विभाग | जेआरएफ | अप्रैल 2016 |
| राजेश अहिरवार | | जेआरएफ | अप्रैल 2016 |
| अनिल | | नेट | अप्रैल 2016 |
| अनिल कुमार गुप्ता | शिक्षा विभाग | जे.आर.एफ. | दिसंबर 2014 |
| जयंत थूल | | आर.जी.एन.एफ. | जनवरी 2016 |
| बलदेव महतो | | नेट | जून 2015 |
| श्री प्रितेन्द्र कुमार मालाकार | प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र | एन.एफ. (ओ.बी.सी.) | मार्च, 2016 |
| सुश्री प्रिती लोखंडे | कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग | आर.जी.एन.एफ. | फरवरी, 2015 |
| सुश्री किरण खंडेराव | | आर.जी.एन.एफ. | जनवरी, 2016 |
| श्री मुन्ना कुमार | | एन.एफ. (ओ.बी.सी.) | फरवरी, 2016 |

# विश्वविद्यालय के गैर–शैक्षणिक कर्मियों की सूची

| क्र. | नाम | पदनाम | नियुक्ति तिथि |
|---|---|---|---|
| **कुलपति कार्यालय** | | | |
| 1 | प्रो. गिरीश्वर मिश्र | कुलपति | 05.03.2014 |
| 2 | श्री राजेश अरोड़ा | सहायक कुलसचिव | 21.12.2012 |
| 3 | श्री शत्रुघ्न सिंह | वाहन चालक | 01.11.2000 |
| 4 | श्री हीरामणि भंडारी | एमटीएस | 01.04.2001 |
| 5 | श्री शरद बकाले | एम.टी.एस. | 01.11.2002 |
| 6 | श्री मनोज ठाकुर | एम.टी.एस | 01.11.2002 |
| **प्रतिकुलपति कार्यालय** | | | |
| 1 | श्री पवन कुमार | निजी सचिव | 07.02.2014 |
| 2 | श्री सुरेश कुमार | वाहन चालक | 06.12.2002 |
| 3 | श्री रामजस | एमटीएस | 05.11.2002 |
| **कुलसचिव कार्यालय** | | | |
| 1 | डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र | कुलसचिव | 30.07.2015 |
| 2 | श्री किशोर आर. जाधव | उ.श्रे.लि. | 25.11.2010 |
| 3 | श्री प्रदीप आदे | एमटीएस | 07.01.2004 |
| 4 | श्री प्रवीण शेल्के | एमटीएस | 07.01.2004 |
| **वित्त विभाग** | | | |
| 1 | श्री पी. सरदार सिंह | वित्ताधिकारी | 01.08.2015 |
| 2 | डॉ. ज्योतिष पायें | सहायक कुलसचिव | 13.12.2011 |
| 3 | श्री कमल शर्मा | सहायक | 20.10.1999 |
| 4 | श्री संजय कुमार तिवारी | सहायक | 18.03.2002 |
| 5 | श्री अमित पांडे | सहायक | 29.11.2002 |
| 6 | श्री अतुल सोबती | सहायक | 01.07.2002 |
| 7 | श्री सुधीर एस. ठाकुर | सहायक | 23.11.2010 |
| 8 | श्री विजय यादव | निजी सहायक | 21.06.2013 |
| 9 | सुश्री कल्पना थूल | कंप्यूटर ऑपरेटर | 31.03.2012 |
| 10 | सुश्री रोहिणी उमाटे | उच्च श्रेणी लिपिक | 10.02.2014 |
| 11 | श्री प्रमोद उरकुड़े | वाहन चालक | 01.10.2001 |
| 12 | श्री विश्राम सिंह | एमटीएस | 01.09.1999 |
| **स्थापना एवं प्रशासन विभाग** | | | |
| 1 | श्री यशराज सिंह पाल | सहा. क्षेत्रीय निदेशक | 03.04.2012 |
| 2 | श्री मनोज कुमार द्विवेदी* | अनुभाग अधिकारी | 15.03.2011 |
| 3 | श्री ब्रिजेश पाटिल | अनुभाग अधिकारी | 21.03.2007 |
| 4 | सुश्री पदमा भालेराव | सहायक | 04.01.2001 |
| 5 | श्री समीर अवस्थी | सहायक | 22.11.2010 |
| 6 | श्री उमा शंकर | सहायक | 07.02.2014 |
| 7 | श्री वेद प्रकाश | उ.श्रे.लि. | 07.02.2014 |
| 8 | श्री रामप्रसाद कुमरे | कंप्यूटर ऑपरेटर | 31.03.2012 |
| 9 | श्री पुष्कर सिंह | नि.श्रे.लि. | 17.06.2013 |
| 10 | श्री मनोहर रस्से | एमटीएस | 01.11.2002 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **अकादमिक विभाग** | | | |
| 1 | श्री कादर नवाज खान | संयुक्त कुलसचिव | 23.03.2007 |
| 2 | डॉ. आलोक कुमार सिंह | सहायक | 12.09.2002 |
| 3 | सुश्री संगीता मालवीय | सहायक | 02.09.2011 |
| **परीक्षा विभाग** | | | |
| 1 | श्री के.के. त्रिपाठी | सॉफ्टवेयर अनुषंगी | 14.01.2000 |
| 2 | श्री मनोज कुमार | अनुभाग अधिकारी | 07.02.2014 |
| 3 | श्री भालचंद्र सिंह | सहायक | 01.10.2000 |
| 4 | श्री वैभव जी. सुशील | सहायक | 22.11.2010 |
| 5 | श्री केशरी प्रसाद | हिंदी टंकक | 04.01.2011 |
| 6 | श्री सुनील लांडे | एमटीएस | 01.05.2004 |
| **परिसर विभाग** | | | |
| 1 | डॉ. राजेश्वर सिंह | सहायक कुलसचिव | 28.03.2011 |
| 2 | श्री राजीव कुमार पाठक | सहायक | 15.11.2002 |
| 3 | श्री तुषार वानखेडे | कनिष्ठ अभियंता | 22.11.2010 |
| 4 | सुश्री ऋचा श्रीवास्तव | नि.श्रे.लि. | 12.08.2011 |
| **प्रकाशन विभाग** | | | |
| 1 | श्री अशोक मिश्र | संपादक | 14.03.2012 |
| 2 | श्री राकेश श्रीमाल | सहायक संपादक | 28.05.2011 |
| 3 | डॉ. अमित कु. विश्वास | सहायक संपादक | 06.03.2012 |
| 4 | श्री राजेश अगरकर | सहायक | 13.08.2002 |
| **महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय** | | | |
| 1 | डॉ. मैत्रेयी घोष | पुस्तकालयाध्यक्ष | 10.08.2011 |
| 2 | श्री आनन्द मंडित मलयज | सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष | 22.02.2007 |
| 3 | श्री नटराज वर्मा | सहायक | 02.07.2001 |
| 4 | श्री सदानंद चौधरी | तकनीकी सहायक | 31.03.2012 |
| 5 | श्री दानसिंह नेगी | उ.श्रे.लि. | 23.04.2012 |
| 6 | सुश्री गीता देवी | एमटीएस | 01.09.2000 |
| 7 | श्री सुनील ढोरे | एमटीएस | 01.11.2000 |
| 8 | श्री आनंद विश्वकर्मा | एमटीएस | 15.02.2007 |
| 9 | श्री श्यामल भट्टाचार्य | एमटीएस | 01.10.2002 |
| 10 | श्री राजेंद्र मत्ते | एमटीएस | 01.11.2002 |
| **जनसंपर्क कार्यालय** | | | |
| 1 | श्री बी.एस. मिरगे | जनसंपर्क अधिकारी | 28.02.2007 |
| 2 | श्री दीपक बी. साल्वे | एमटीएस | 01.03.2004 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **जनसूचना कार्यालय** | | | |
| 1 | श्री सचिन हाडके | सहायक | 14.03.2007 |
| 2 | श्री सुनील कुमार | एम.टीएस | 01.03.2002 |
| **दूर शिक्षा निदेशालय** | | | |
| 1 | श्री पी. सरदार सिंह | संयुक्त कुलसचिव | 23.03.2007 |
| 2 | डॉ. एम.एम. मंगोडी | क्षेत्रीय निदेशक | 03.04.2007 |
| 3 | श्री सुशील बी. पखिड़े | सहायक कुलसचिव | 23.03.2007 |
| 4 | श्री विनोद वैद्य | अनुभाग अधिकारी | 12.06.2007 |
| 5 | सुश्री शिल्पा मसराम | नि.श्रे.लि. | 27.06.2013 |
| 6 | श्री राम कनौरिया | एमटीएस | 01.03.2004 |
| **राजभाषा विभाग** | | | |
| 1 | श्री राजेश कुमार यादव | हिंदी अधिकारी | 13.12.2011 |
| 2 | सुश्री आरती गुडधे | अनुवादक | 09.09.2011 |
| **लीला** | | | |
| 1 | श्री गिरीश चंद्र पाण्डेय | कोश अनुषंगी | 10.04.2001 |
| 2 | सुश्री हेमलता गोडबोले | सॉफ्टवेयर अनुषंगी | 01.10.2002 |
| 3 | श्री पंकज पाटिल | सहायक | 21.04.2008 |
| 4 | श्री अजय प्रताप सिंह | तकनीकी सहायक | 31.03.2012 |
| 5 | श्री रवि वानखेड़े | एमटीएस | 21.04.2008 |
| **अभिलेखागार विभाग** | | | |
| 1 | डॉ. श्रीरमण मिश्र | व्याकरण अनुषंगी | 15.05.2000 |
| **जनसंचार विभाग** | | | |
| 1 | श्री अंजनी कुमार राय | प्रोग्रामर | 22.03.2007 |
| 2 | श्री कुणाल वैद्य | नि.श्रे.लि. | 01.11.2000 |
| 3 | श्री अरविंद कुमार | तकनीकी सहायक | 05.09.2011 |
| **भाषा प्रौद्योगिकी विभाग** | | | |
| 1 | सुश्री गुंजन जैन | भाषा अनुषंगी | 01.08.2001 |
| **हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग** | | | |
| 1 | श्री संदीप राय | नि.श्रे.लि. | 17.06.2013 |
| **नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग** | | | |
| 1 | डॉ. हिमांशु नारायण | तकनीकी सहायक | 25.05.2012 |
| **अनुवाद अध्ययन विभाग** | | | |
| 1 | सुश्री शील आ. खांडेकर | सहायक | 07.02.2014 |
| **महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन क्रेंद** | | | |
| 1 | डॉ. पी. राधावाणी | सहायक | 31.08.2012 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **मानव विज्ञान विभाग** | | | |
| 1 | सुश्री सुमन | सहायक | 11.09.2001 |
| **डॉ. भदंत आनन्द कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र** | | | |
| 1 | सुश्री मालती चौहान | सहायक | 01.10.2002 |
| **शिक्षा विभाग** | | | |
| 1 | श्री संजय सिंह | सहायक | 29.11.2002 |
| **सावित्रीबाई कन्या छात्रावास** | | | |
| 1 | सुश्री सीता देवी | एमटीएस | 10.11.2006 |
| **फादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास** | | | |
| 1 | श्री गजानन गोबाडे | एमटीएस | 01.04.2004 |
| **क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद** | | | |
| 1 | डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी | सहा. क्षेत्रीय निदेशक | 07.03.2012 |
| 2 | श्री देवमूर्ति | एमटीएस | 01.10.2000 |
| **क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता** | | | |
| 1 | डॉ. पीयूष कुमार पांतजलि | क्षेत्रीय निदेशक | 06.03.2012 |
| 2 | श्री शंभू दत्त सती | अनुभाग अधिकारी | 07.02.2014 |

* On deputation

# गतिविधियाँ

## वर्धा मुख्य परिसर

### च्वॉईस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम पर मुंबई में कार्यशाला

10 अप्रैल 2015 : मुंबई में च्वॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम पर छह राज्यों के कुलपति, कुलसचिव एवं वरिष्ठ प्रोफेसरों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मुंबई विश्वविद्यालय के कविवर्य कुसुमाग्रज मराठी भाषा भवन में आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के उपाध्यक्ष प्रो. देवराज ने कहा कि शिक्षा में समानता, सक्षमता और उत्कृष्टता लाने के लिए च्वॉईस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम आवश्यक है। सभी केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालय को चाहिए कि वे अपने पाठ्यक्रमों में इस प्रणाली को लागू कर विद्यार्थियों को अधिकाधिक विषयों में अध्ययन करने की आजादी प्रदान करें। इस अवसर पर कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र, मुंबई विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.राजन वेलूकर, सीबीसीएस के विषय विशेषज्ञ प्रो.श्रीमन नारायण तथा प्रो.एम.पी.महाजन, मुंबई विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ.नरेश चंद्र, विश्वविद्यालय के वित्ताधिकारी संजय गवई उपस्थित थे। कार्यशाला में महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ तथा बिहार इन छह राज्यों के कुलपति, कुलसचिव तथा वरिष्ठ प्रोफेसर समेत दो सौ से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

### 'प्रभावी सामुदायिक सामाजिक दायित्व के लिए उत्कृष्ट जनसंपर्क' पर संगोष्ठी

21 अप्रैल 2015 : राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस पर 'प्रभावी सामुदायिक सामाजिक दायित्व के लिए उत्कृष्ट जनसंपर्क' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ आकाशवाणी के पूर्व उद्घोषक तथा प्रतिष्ठित कहानीकार नवनीत मिश्र उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो.अनिल कुमार राय, बहुवचन के संपादक अशोक मिश्र तथा पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया के वर्धा चैप्टर के सचिव एवं विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी बी.एस.मिरगे भी कार्यक्रम उपस्थित रहे।

### अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण

5 जून, 2015 : अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम के तहत मुक्तिबोध परिसर में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, श्रीमती माधुरी मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र आदि ने पौधारोपण किया। इस दौरान कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम है–'सात अरब सपने, एक पृथ्वी, संसाधनों का सावधानीपूर्वक उपयोग'। इंसान को पर्यावरण के प्रति सचेत रहने की जरुरत है। पर्यावरण को स्वच्छ रखकर जीवन को विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से बचाया जा सकता है।

### अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

21 जून 2015 : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के विनोबा योग मंडल तथा आरोग्यधाम, सेवाग्राम के संयुक्त तत्वावधान में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के नागार्जुन सराय में योगासन एवं संकल्प तथा स्वस्थ जीवन के लिए योग विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। अनेकांत स्वाध्याय मंदिर के डॉ.सुरेंद्र जैन व डॉ.प्रशांत रोकड़े ने योग एवं प्राणायाम के गुर सिखाए। योग पर परिचर्चा में जेबीटीडीआरसी के निदेशक तथा महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, सेवाग्राम के समन्वयक डॉ.बी.सी. हरिनाथ एवं सेवाग्राम के मनोचिकित्सा विभाग के प्रो.प्रवीण खैरकार ने योग और स्वस्थ जीवन के परस्पर संबंधों पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने की। इस अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के सहभागी विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. मिश्र ने प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए।

## पद्मश्री शोभना नारायण की कत्थक नृत्य प्रस्तुति

17 जुलाई 2015 : विश्व–प्रसिद्ध नृत्यांगना पद्मश्री शोभना नारायण की कत्थक नृत्य प्रस्तुति का कार्यक्रम सावंगी मेघे स्थित दत्ता मेघे सभागार में आयोजित किया गया। यह आयोजन म.गां.अं.हिं. विश्वविद्यालय, वर्धा, दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विश्वविद्यालय, वर्धा तथा दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। समारोह की अध्यक्षता हिंदी विवि के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर के निदेशक पीयूष गोयल भी उपस्थित थे।

## 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' पर राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी

28 जुलाई 2015 : जनसंचार विभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव' विषय पर तीन दिवसीय (28 से 30 जुलाई) राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने किया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, मा.च.रा.प.एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति अच्युतानंद मिश्र, कु.ठा.प.एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति प्रो. मानसिंह परमार, दूरदर्शन समाचार, नई दिल्ली के के.जी. सुरेश, प्रो. राम मोहन पाठक, प्रो. विजय धारूरकर, डॉ. अर्जुन तिवारी, डॉ. मुकेश कुमार, मणिकांत सोनी, पंडित शंकर प्रसाद अग्निहोत्री, प्रो. सुरेश शर्मा, डॉ. गिरिजा शंकर शर्मा, मो. इरफान खान, रवि पराशर, प्रो.कमल दीक्षित, प्रभु झींगरन, प्रो.दीपक शिंदे, डॉ.मो. फरियाद, नरेंद्र त्रिपाठी, अशोक मिश्र, कुमार ताले, आशीष द्विवेदी, प्रो.अनिल कुमार राय, संगोष्ठी संयोजक, डॉ. अख्तर आलम आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। इस राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी में लगभग 15 विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, शोधार्थी और मीडिया संस्थानों के विद्वानों ने शिरकत की तथा लगभग 200 शोध पत्रों और आलेखों का वाचन सात समानांतर सत्रों किया गया ।

## स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त 2015 : 69वीं स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने ध्वजारोहण के उपरांत विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देते हुए कहा कि भारत एक बहु–सांस्कृतिक, बहुभाषी और बहु–परिवेश का देश है। हमें इन बहुलताओं को समृद्धि का आधार बनाकर देश को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का आदर्श हम सभी के लिए दीपस्तंभ के समान है। डॉ. कलाम ने कहा था कि ऐसे सपने देखने चाहिए जो हमें सोने नहीं देते। युवा एवं युवतियों को प्रेरणादायी संदेश को अमल में लाना चाहिए। यह खुशी की बात है कि इसी वर्ष से परिसर में केंद्रीय विद्यालय शुरू हुआ है। अब यहां विद्यार्थी पहली कक्षा से लेकर पी.एच.डी. तक की शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। ध्वजारोहण से पहले कुलपति प्रो.मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, कुलसचिव डॉ.राजेंद्र प्रसाद मिश्र तथा वित्ताधिकारी पी.सरदार सिंह ने गांधी हिल पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया।

## सांस्कृतिक संध्या में चंदन तिवारी लोकगायन प्रस्तुति

02 सितंबर 2015 : लोकशैली और शास्त्रीयता के मेल से अलग–अलग अंदाज में लोकसंगीत को प्रस्तुत कर देश–दुनिया में ख्याति बटोर चुकी मशहूर लोकगायिका चंदन तिवारी ने सुरों का जादू बिखेर कर समां बांधा। विश्वविद्यालय द्वारा नवागंतुक विद्यार्थियों के सम्मान में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में चंदन तिवारी के अलावा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों तथा वर्धा के कलाकारों ने अलग–अलग तेरह राज्यों के लोक नृत्य भी प्रस्तुत किए, जिसमें महाराष्ट्र की लावणी, मणिपुर का मणिपुरी, छत्तीसगढ़ी, कत्थक, राजस्थानी, बंगाली आदि राज्यों के नृत्य भी शामिल थे।

## शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम

5 सितंबर 2015 : विद्यार्थियों में मूल्यों को स्थापित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी शिक्षकों पर हैं। अगर हम शिक्षक, गुरू और अध्यापक हैं तो हमें आदर्श होना ही चाहिए। शिक्षकों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों में मूल्यों का निवेश कर मूल्य–सृजन में योगदान देते रहें। उक्त विचार हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय एवं लॉयन्स क्लब, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय, केंद्रीय विद्यालय एवं वर्धा शहर के शिक्षकों को उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने केंद्रीय विद्यालय का उद्घाटन किया।

## 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में विश्वविद्यालय की सहभागिता

10 सितंबर 2015 : 10–12 सितंबर, 2015 को विदेश मंत्रालय द्वारा भोपाल में आयोजित दसवें विश्व हिंदी सम्मेलन में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा को सम्मेलन का प्रतिवेदन तैयार करने का दायित्व सौंपा गया। इनके अलावा विश्वविद्यालय की ओर से अपने प्रमुख प्रकाशनों के साथ–साथ हिंदी और तकनीक, हिंदी का विस्तार तथा गिरमिटिया देशों में हिंदी विषयों पर पोस्टर एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम से प्रदर्शनी लगाई गई।

प्रदर्शनी संयोजन तथा सम्मेलन प्रतिवेदन निर्माण समिति में गिरीश्वर मिश्र, चित्तरंजन मिश्र, अरुणेश नीरन, के.के. सिंह, अनिल कुमार राय, सुरेश शर्मा, जगदीप सिंह दांगी, अशोकनाथ त्रिपाठी, राजीव रंजन राय, मुन्नालाल गुप्ता, राजेश कुमार यादव, राकेश श्रीमाल, बी.एस.मिरगे, अमित कुमार विश्वास, श्रीरमण मिश्र, गिरीश चंद्र पांडेय, राजेश अरोड़ा, राजेश आगरकर, रवि वानखेड़े, अनुपमा कुमारी, बिमलेश कुमार, राजीव कुमार, अभिषेक त्रिपाठी, संदीप त्रिपाठी, मेहराज अली ने सहभागिता की। सम्मेलन में आयोजित विविध सत्रों में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलसविच डॉ.राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने बतौर वक्ता के रुप में सहभागिता की। विदेश मंत्रालय द्वारा 10 वें विश्व हिंदी सम्मेलन के प्रतिवेदन को तैयार करने की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को सौंपी गई थी। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के संपादन में प्रतिवेदन 'हिंदी जगत : विस्तार एवं संभावनाएं' का कार्य तीव्र गति से संपादित किया जा रहा है।

## गांधी जयंती कार्यक्रम

2 अक्टूबर 2015 : गांधी जयंती के अवसर पर गांधी हिल पर आयोजित समारोह में गांधीवादी विचारक तथा महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, सेवाग्राम के डॉ.उल्हास जाजू ने कहा कि गांधी एक व्यक्ति नहीं, अपितु विचार है। हमें उनके विचारों की लड़ाई रास्तों पर नहीं बल्कि घर–घर से लड़नी होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। समारोह में प्रतिकुलपति प्रो.चित्तरंजन मिश्र, कुलसचिव डॉ.राजेंद्र प्रसाद मिश्र तथा विकास एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ.नृपेन्द्र प्रसाद मोदी मंचासीन थे। समारोह में विश्वविद्यालय के अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

## वन्य जीव चित्र प्रदर्शनी

4 अक्टूबर 2015 : हम विकास के नाम पर प्रकृति में विद्यमान वन्य जीव और जंगलों को नष्ट करते जा रहे हैं। जहाँ–तहाँ प्रकृति का शोषण हो रहा है। वन्य जीव हमारी प्रकृति की अमूल्य धरोहर है उसका बचाव करने से ही प्रकृति बचेगी। उक्ताशय के विचार कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में बहार नेचर फाउंडेशन, जनकृति संस्था तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 'वन्य जीव चित्र प्रदर्शनी' एवं वन्य जीवन पर आयोजित कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बहार नेचर फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रा. किशोर वानखेड़े ने की।

## सरदार पटेल जयंती समारोह

31 अक्टूबर 2015 : राष्ट्रीय एकता, अखंडता व सुरक्षा के मूल नायक सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर को विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें राष्ट्रीय एकता दौड़, राष्ट्रीय एकता शपथ, 'भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियाँ और सरदार पटेल' विषय पर परिचर्चा, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय में किया गया। इस अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल और राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सुरक्षा विषय पर आधारित पुस्तकों की प्रदर्शनी एवं 'लाइफ एंड टाइम ऑफ सरदार वल्लभभाई पटेल' डॉक्यूमेंटरी का भी प्रदर्शन किया गया।

## सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय परिसंवाद

19 नवंबर 2015 : जनसंचार विभाग और नया मीडिया मंच, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 19 नवंबर, 2015 को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। परिसंवाद का उदघाटन विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात सांस्कृतिक चिंतक एवं विचारक माधव गोविंद वैद्य, दैनिक भास्कर, नागपुर के संपादक मणिकांत सोनी, मीडिया विशेषज्ञ डॉ. संजय द्विवेदी, डॉ.सौरभ मालवीय, राजीव रंजन प्रसाद, प्रकाश झा, प्रवीण शुक्ला, आशीष अंशु, अलका सिंह तथा विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो.अनिल कुमार राय ने विचार व्यक्त किए।

## संविधान की प्रस्तावना का लोकार्पण

26 नवंबर 2015 : भारतीय संविधान में निहित तत्व और मूल्यों ने भारतीय जनता को शक्ति प्रदान की है। संविधान देश को सुचारू रूप से संचालित करने का रास्ता दिखाता है। संविधान में उदारता और दृढ़ता का मूल तत्व है। अनेक जटिल प्रश्नों के उत्तर तलाशने का प्रभावी साधन है संविधान। उक्त विचार कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में भारतरत्न डॉ.बी.आर. अंबेडकर की 125 वीं जयंती के तारतम्यता में संविधान दिवस समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने संविधान के निर्माता डॉ. बाबासाहब अंबेडकर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की धरती डॉ.अंबेडकर के विचारों से ओत–प्रोत है और आज इस भूमि पर स्थापित विश्वविद्यालय में उनके द्वारा लिखित संविधान की प्रस्तावना का लोकार्पण करते हुए हम सब गर्व का अनुभव कर रहे हैं। इस अवसर पर दलित चिंतक प्रा. एम.एल. कासारे ने भी विचार व्यक्त किए।

## 'भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय' पर प्रो. थोरात का व्याख्यान

14 दिसंबर 2015 : भारतरत्न डॉ.बाबासाहब अंबेडकर की 125वीं जयंती समारोह के तारतम्य में 'भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान समारोह के दौरान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के अध्यक्ष तथा यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री प्रो.सुखदेव थोरात ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि भारतीय संविधान में स्वतंत्रता, समता एवं बंधुता इन तीन महत्वपूर्ण तत्वों के अमल से सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि प्रजातंत्र को जारी रखने की शक्ति संविधान में निहित है। हमारे समाज के सभी सुधारों के उपाय संविधान में दिए गए हैं। उन्होंने घोषणा की कि डॉ. अंबेडकर की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा एक महत्वपूर्ण पुस्तक का संपादन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रो.वी. कुटुंबशास्त्री, प्रतिकुलपति प्रो.चित्तरंजन मिश्र, कुलसचिव डॉ.राजेंद्र प्रसाद मिश्र मंचासीन थे।

## हिंदी राजभाषा प्रदर्शनी

18 दिसंबर 2015 : मध्य रेल, नागपुर, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय तथा राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'हिंदी की त्रिवेणी राजभाषा प्रदर्शनी' का उद्घाटन मध्य रेल, मुंबई के महाप्रबंधक एस. के. सूद ने किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में मध्य रेल, मुंबई के मुख्य राजभाषा अधिकारी एस.के. कुलश्रेष्ठ, मध्य रेल, नागपुर के मंडल रेल प्रबंधक ओ.पी. सिंह, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रधान मंत्री प्रो. अनंतराम त्रिपाठी, विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, प्रो. सुरेश शर्मा, प्रो. अनिल कुमार राय, डॉ. अशोकनाथ त्रिपाठी, डॉ. अमित विश्वास, डॉ. हेमचंद्र वैद्य, रेलवे की राजभाषा अधिकारी पुर्णिमा शिरोडकर, डॉ. ओ.पी. गुप्ता, बी.एस. मिरगे, गिरीश पांडे, सहित रेलवे के अधिकारी एवं कर्मचारी प्रमुखता से उपस्थित थे।

## विश्वविद्यालय का 18वां स्थापना दिवस समारोह

28–31 दिसंबर, 2015 : विश्वविद्यालय के 18 वें स्थापना दिवस (29 दिसंबर) के अवसर पर 28 से 31 दिसंबर तक गांधी फ़िल्म समारोह, हिंदी सेवी सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फूड फेस्टिवल आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अलावा गांधी–कलाम व्यंग्य चित्रकला प्रदर्शनी, गांधी प्रश्नोत्तरी, वाद–विवाद प्रतियोगिता, मंथन, कविता पाठ, नाटक

आदि की प्रस्तुतियाँ भी चार दिवसीय स्थापना दिवस समारोह का मुख्य आकर्षण थी। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी सभा मंडप में 29 दिसंबर को आयोजित स्थापना दिवस के मुख्य समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रधानमंत्री प्रो.अनंतराम त्रिपाठी, प्रख्यात हिंदी कथाकार चित्रा मुद्गल एवं प्रख्यात ओड़िया कथाकार प्रो. यशोधारा मिश्र ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। 28 दिसंबर को गांधी फ़िल्म समारोह से स्थापना दिवस का औपचारिक प्रारंभ हुआ। इसी दिन सायं 6 बजे डॉ.सतीश पावडे निर्देशित नाटक 'हे राम' प्रस्तुत किया गया। 29 दिसंबर को विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी भाषा और साहित्य के उत्थान के लिए कार्यरत अहिंदी भाषी लेखकों, साहित्यकारों, भाषाविदों, पत्रकारों को 'हिंदी सेवी सम्मान' से सम्मानित किया गया। इसी दिन गांधी प्रश्नोत्तरी एवं पूर्वीक्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता के कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। 30 दिसंबर को वाद–विवाद प्रतियोगिता एवं मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें वर्धा शहर के गणमान्य अतिथियों एवं विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों साथ ही वर्तमान अध्ययनरत विद्यार्थियों ने भी सहभागिता की। इस दिन सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा प्रायोजित प्रह्लाद सिंह टिपानियां ने कबीर गायन प्रस्तुत किया तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। 31 दिसंबर को समता भवन के प्रांगण में फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इसी दिन आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी सभा मंडप में गायन, तबला वादन और पखावज वादन की प्रस्तुति की गई। इस दौरान कविता प्रतियोगिता में पुरस्कृत विद्यार्थियों द्वारा कविता पाठ किया गया। डॉ.सतीश पावडे के निर्देशन में नाटक 'राज से स्वराज तक' के प्रदर्शन से स्थापना दिवस समारोह का समापन हुआ।

## राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी

18 जनवरी 2016 : जनसंचार विभाग द्वारा 18–20 जनवरी 2016 को राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में एनबीटी के अध्यक्ष बलदेव शर्मा, एमजीएसयू, बीकानेर की कुलपति प्रो.चंद्रकला पाडिया, सामाजिक व सांस्कृतिक चिंतक सुनील अंबेकर, मीडिया चिंतक एन.के. सिंह, प्रो.अनिल कुमार राय, डॉ.कृपाशंकर चौबे मंचस्थ थे। प्रो.सी.पी. सिंह, निदेशक, संचार एवं पत्रकारिता अध्ययन केंद्र, आईपीयूए दिल्ली, प्रो.विजय धारुलकर, वरिष्ठ पत्रकार अरविंद मोहन, डॉ. कुमार बोबड़े अध्यक्ष पत्रकारिता विभाग, श्रीशिवाजी कॉलेज, अमरावती, अशोक मिश्र, शंभु नाथ सिंह, पूर्व कुलपति, पटना विश्वविद्यालय, जयंत तोमर, प्रो.सुरेश शर्मा, प्रो. सूरज पालीवाल आदि की विभिन्न सत्रों में अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थिति रही।

## 'बगरयो बसंत है' का आयोजन

8 फरवरी 2016 : विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ वर्धा संस्कार की ओर से फैकल्टी एण्ड ऑफिसर्स क्लब और नागार्जुन सराय के सहयोग से बसंत पंचमी पर गीत–संगीत, कविता, कहानी और मंचन का उत्सव 'बगरयो बसंत है' का आयोजन 10, 11 एवं 12 फरवरी को किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा प्रख्यात कवि बुद्धिनाथ मिश्र के सम्मान के साथ किया गया।

## क्रिकेट प्रतियोगिता में छात्राओं की ओजस्वी का टाइगर टीम पर विजय

10 फरवरी 2016 : विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विविध खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिता में छात्राओं के बीच हुए क्रिकेट के रोमांचक मुकाबले में ओजस्वी टीम ने टाइगर टीम पर 12 रन से जीत हासिल की। इस जीत पर खेल समिति के प्रभारी डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी एवं अध्यक्ष प्रो.विजय कुमार कौल ने बधाई दी।

## 'मध्यकालीन हिंदी साहित्य का वर्तमान' विषय पर पुनश्चर्या कार्यक्रम

17 फरवरी 2016 : विश्वविद्यालय के हिंदी का शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र द्वारा 'मध्यकालीन हिंदी साहित्य का वर्तमान' विषय पर पुनश्चर्या कार्यक्रम (16–28 फरवरी) में उद्घाटन वक्तव्य देते हुए आलोचक प्रो.निर्मला जैन ने कहा कि भक्ति आंदोलन परिवर्तन का विराट प्रयास था। यह आंदोलन तीन सौ पचास वर्ष तक चला और एक लंबी प्रक्रिया तथा लंबी

साधना के साथ उसने जनसामान्य को जोड़ने का काम किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस दौरान प्रो.रमेश कुंतल मेघ, साहित्य विद्यापीठ के अध्यक्ष प्रो.सूरज पालीवाल, साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो.कृष्ण कुमार सिंह, कार्यक्रम के संयोजक डॉ.वीर पाल सिंह यादव मंचस्थ थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित ई–पत्रिका 'निमित्त' का विमोचन प्रो.निर्मला जैन द्वारा किया गया। अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि मध्यकालीन साहित्य सामाजिक जीवन में घुला–मिला था। कबीर, सूरदास और तुलसी ने अपना रचनात्मक हस्तक्षेप करते हुए समाज के लिए एक नया मॉडल प्रस्तुत किया। उन्होंने अपनी समय की समस्याओं को पहचान कर उसके प्रति संघर्ष किया। उन्होंने जानकारी दी कि नैक द्वारा विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड मिला हुआ है। इसकी कड़ी में हमने विश्वविद्यालय में 'भक्ति काल का उच्च अध्ययन केंद्र' बनाने का प्रस्ताव तैयार किया है। प्रो.रमेश कुंतल मेघ ने भी मध्य काल और उसका डायस्पोरा की दृष्टि से योगदान पर अपने विचार रखे। 28 फरवरी तक इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को लखनऊ से प्रो.सूर्य प्रसाद दीक्षित, दिल्ली से प्रो.ओम प्रकाश सिंह, प्रो.दुर्गा प्रसाद गुप्ता, डॉ.बलराम शुक्ल, वाराणसी से प्रो.चौथीराम यादव, गोरखपुर से प्रो.चित्तरंजन मिश्र, गुजरात से प्रो. दयाशंकर त्रिपाठी महाराष्ट्र से प्रो.भारती गोरे, प्रो.वीणा दाढ़े जैसे प्रबुद्ध विद्वानों ने व्याख्यान दिए।

## 'हिंदी उद्योग' पर विशेष व्याख्यान

16 फरवरी 2016 : विश्वविद्यालय के भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 'हिंदी उद्योग' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान समारोह में डॉ. किशोर वासवानी ने हिंदी के पारंपरिक साहित्यिक विषय से हटकर उद्योग आधारित और विविध क्षेत्रों में अनुप्रयोग आधारित रूपों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि हिंदी अकादमिक जगत से बाहर सिनेमा और समाचार चैनल, मीडिया के क्षेत्र में तेजी से विस्तृत हो रही है। इस अवसर पर हिंदी के प्रचार–प्रसार के संदर्भ में निर्मित डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई।

## मातृभाषा दिवस मनाया

23 फरवरी 2016 : मातृभाषा दिवस के अवसर पर 'मातृ भाषा और सृजनात्मकता' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि मातृभाषा एक बड़ी शक्ति है। हम मातृभाषा में ही सोचते और लिखते हैं। इस दौरान जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. कृपाशंकर चौबे ने कहा कि इस विश्वविद्यालय की अवधारणा हिंदी भाषा के साथ–साथ अन्य भारतीय भाषाओं की आपसी साझेदारी और समझदारी विकसित करने पर टिकी है। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न भारतीय भाषाओं के अध्येताओं ने अपनी–अपनी मातृभाषाओं में कविताओं का पाठ किया। हिंदी के प्रति देश और समाज की उदासीनता को लेकर सुरभि विप्लव ने एकल नाटक की प्रस्तुति की। परिचर्चा में उभरे प्रश्नों का जवाब परिचर्चा के पैनल में शामिल कथाकार चित्रा मुद्गल, मनोविज्ञानी प्रो.अजित दलाल, साहित्यकार रमेश दवे, शिक्षाविद् प्रो.अरबिन्द कुमार झा ने दिया।

## नीरजा पांडेय का कथा पाठ

2 फरवरी 2016 : विश्वविद्यालय के वर्धा संस्कार प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कहानी पाठ कार्यक्रम में कथाकार, कवयित्री और स्त्री विमर्शकार नीरजा पांडेय ने अपनी एक कहानी 'सुबह दस बजे' और तीन कविताओं का पाठ किया। विवि की 'राइटर–इन–रेजिडेंस' कथाकार चित्रा मुदगल ने कहा कि नीरजा पांडेय की कहानी समाज में पनप रही संवेदनहीनता को बयां करती हैं। गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष और समालोचक प्रो.चित्तरंजन मिश्र ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

## युवा रचनात्मकता पर कार्यशाला

29 फरवरी 2016 : विश्वविद्यालय के म.गां.फ्यू.गु.समाज कार्य अध्ययन केंद्र और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में युवा रचनात्मकता शिविर–कार्यशाला का आयोजन किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि गांव के विकास के बगैर भारत का विकास नहीं होगा। युवाओं

की रचनात्मकता का उपयोग यदि गाँव के विकास के लिए किया जाए तो गांव विकसित हो सकते हैं। मेडिकल कौंसिल ऑफ इंडिया की एकेडेमिक कमेटी के अध्यक्ष प्रो.वेद प्रकाश मिश्र, गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. चित्तरंजन मिश्र, सामाजिक कार्यकर्ता बसंत भाई, म.गां.फ्यू.गु.समाज कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो.मनोज कुमार, कुलसचिव डॉ.राजेंद्र प्रसाद मिश्र, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कार्यक्रम अधिकारी वेद व्यास कुंडु मंचासीन थे। प्रो.वेद प्रकाश मिश्र ने कहा कि आज का समाज मशीनी बन रहा है और ऐसे समाज में भावना और संवेदना नष्ट हो रही है। इस संवेदनशून्यता से बाहर आने के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं के आयोजन कारगर साबित हो सकते हैं।

## कार्यालय प्रबंधन पर कार्यशाला

7 मार्च 2016 : विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 4 एवं 5 मार्च को कार्यालय प्रबंधन विषय पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि कार्यालयीन कार्य में गतिशीलता लाने के लिए आधुनिक तकनीक का प्रयोग करना चाहिए। कर्मियों को चाहिए कि कार्यालय के प्रशासनिक एवं अन्य कार्यों के विषय में अद्यतन जानकारी रखकर कार्य को सम्पन्न कराएं। इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ.शोभा पालीवाल ने कार्यशाला के उद्देश्य एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यशाला का समापन म.गां.फ्यू. गु.स.का. अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार की प्रमुख उपस्थिति में किया गया।

## मराठी भाषा दिवस मनाया गया

7 मार्च 2016 : मराठी भाषा दिवस (27 फरवरी) के अवसर पर 'मराठी भाषा का वर्तमान और भविष्य' विषय पर विमर्श करते हुए सुविख्यात कवि तथा साहित्य, संस्कृति एवं कला समीक्षक डॉ. श्रीपाद भालचंद्र जोशी ने कहा कि किसी भी भाषा के अस्तित्व को बचाए रखने के लिए उस भाषा को रोज़गार, विकास एवं आत्म–सम्मान से जोड़ना आवश्यक है। वर्तमान समय तकनीक के सहारे से भाषा के आगे चल रहा है, ऐसे में भारतीय ही नहीं अपितु विश्व की भाषाओं के सामने अपने अस्तित्व के खतरे मंडरा रहे हैं। भाषाओं को अब भाषिक वंशवाद के संकट को भी झेलना पड़ रहा है। अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि अन्य भाषाओं के सामने जो संकट है वह हिंदी के सामने भी है। मराठी का साहित्य बहुत समृद्ध है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ.राजेंद्र प्रसाद मिश्र, यशवंत महाविद्यालय, सेलू के प्राध्यापक एवं पत्रकार राजेंद्र मुंढे ने भी विचार व्यक्त किए।

## अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

8 मार्च 2016 : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्त्री अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि स्त्री की क्षमता, शक्ति और योग्यता का सम्मान होना चाहिए। कार्यक्रम में मंचस्थ आवासीय लेखिका चित्रा मुद्गल, आवासीय लेखक रमेश दवे, असीमा भट्ट, संस्कृति विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो.एल. कारूण्यतकरा, स्त्री अध्ययन विभाग की प्रभारी डॉ. सुप्रिया पाठक ने भी समयोचित विचार व्यक्त किए। इस दौरान प्रदर्शनकारी कला विभाग के विद्यार्थियों ने कात्यायनी की कविता 'गार्गी' पर नाट्यमंचन किया।

## 'ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में 'मूडल' का उपयोग' पर कार्यशाला

12 मार्च 2016 : ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को "मूडल" का उपयोग करते हुए पढ़ाना विषय पर शिक्षा विद्यापीठ द्वारा त्रिदिवसीय (12–14 मार्च) कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आई.आई.टी., कानपूर के प्रो.टी.वी.प्रभाकर, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के प्रो.ओ.एस.शास्त्री तथा एन.यू.ई.पी.ए., नई दिल्ली के प्रो.के.श्रीनिवास विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

## 'अंबेडकर एवं राष्ट्रवाद' पर व्याख्यान

14 मार्च 2016 : विश्वविद्यालय के डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर सिदो कान्हू मुर्मु दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित समारोह में महाराष्ट्र राज्य के पूर्व राज्यमंत्री डॉ.नितीन राउत ने 'अंबेडकर एवं राष्ट्रवाद' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने की। केंद्र के निदेशक प्रो.एल. कारूण्यकरा ने स्वागत

भाषण दिया।

## 'कक्षा व पाठयक्रमों से परे अधिगम की संस्कृति' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

15 मार्च 2016 : विश्वविद्यालय के हिंदी अध्ययन का शिक्षण–प्रशिक्षण केंद्र (टी.एल.सी.एच.) के अंतर्गत शिक्षा विद्यापीठ द्वारा "कक्षा व पाठयक्रमों से परे अधिगम की संस्कृति" पर दो दिवसीय (15–16 मार्च) राष्ट्रीय संगोष्ठी का उदघाटन करते हुए हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के पूर्व कुलपति तथा ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ़ यूनिवर्सिटीज के महासचिव प्रो. फुरकान कमर ने कहा कि आज हमारे देश में सामान्य कक्षाओं तथा निर्धारित पाठयक्रमों के अलावा भी छात्र किस प्रकार सीख सकते है और नए–नए ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं, इस पर हमें ध्यान देने की ज़रूरत है। इस अवसर पर बिहार कैडर के पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ.डी.एन.गौतम, टी.एल.सी.एच.के संयुक्त निदेशक प्रो.के.के.सिंह, शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के प्रो.ओ.एस.के.एस. शास्त्री, भोपाल के प्रो.रमेश दवे ने भी विचार व्यक्त किए। चार समानांतर तकनीकी सत्रों में शिक्षाविदों ने शोध पत्र पढ़े। संगोष्ठी में कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि अधिगम के क्षेत्र में प्रयास करने से सब कुछ संभव है, इसी प्रयास की कड़ी में इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।

## सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन

19 मार्च 2016 : विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक), बैंगलूरु द्वारा प्रायोजित तथा विवि के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएं एवं चुनौतियां विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थितों का मन मोह लिया। इस अवसर पर कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र, कुलसचिव डॉ.राजेंद्र प्रसाद मिश्र, प्रो.सूरज पालीवाल, डॉ.शोभा पालीवाल, प्रो.अरबिंद कुमार झा, प्रो. रमाचरण त्रिपाठी, प्रो.आनंद प्रकाश सहित बड़ी संख्या में कर्मी व छात्र उपस्थित थे।

## 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

20 मार्च 2016 : 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक), बैंगलूरु द्वारा प्रायोजित तथा विवि के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित दो दिवसीय (19–20 मार्च) राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि उच्च शिक्षा में गुणवत्ता का संवर्धन होने से विश्वविद्यालयों का अकादमिक स्तर समृद्ध होगा। इस अवसर पर प्रो.रमाचरण त्रिपाठी, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो.आनंद प्रकाश, कुलसचिव डॉ.राजेंद्र प्रसाद मिश्र तथा गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. शोभा पालीवाल मंचासीन थे।

## विश्व जल दिवस

21 मार्च 2016 : विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से विश्व जल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 'जल संवर्धन : वर्तमान एवं भविष्य' विषय वाक प्रतियोगिता एवं पर्यावरणविद बाबूजी ढगे के व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जल संवर्धन से संबंधित फ़िल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

## 'मध्य भारत में देशज संस्कृति, भाषा एवं जेंडर के प्रश्न' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

29 मार्च 2016 : विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'मध्य भारत में देशज संस्कृति, भाषा एवं जेंडर के प्रश्न' विषय पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर बीज वक्तव्य में प्रो. इलीना सेन ने कहा कि मध्य भारत में देशज संस्कृति, भाषा और जेंडर के प्रश्नों को सुलझाने के लिए इस क्षेत्र में व्याप्त असमानता को समानता में परिवर्तित करने के लिए संघर्ष करना होगा। समारोह की अध्यक्षता वि.वि. के म.गां. फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने की। इस अवसर पर आई.आई.आई.टी., हैदराबाद के प्रो. नंदकिशोर आचार्य, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, संस्कृति विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. एल. कारूण्याकरा, स्त्री अध्ययन विभाग की प्रभारी डॉ. सुप्रिया पाठक, सहायक प्रोफेसर तथा संगोष्ठी

संयोजक डॉ. अवंतिका शुक्ला मंचासीन थे। संगोष्ठी में भारतीय संदर्भ राज्य, देशजता एवं जेंडर के प्रश्नों, देशजता के विभिन्न प्रश्नों, विकास की राजनीति देशज प्रतिरोध एवं जेंडर, मध्य भारत की आदिवासी महिलाएँ एवं वर्तमान चुनौतियाँ उप–विषयों पर विमर्श किया गया।

## इलाहाबाद केंद्र की गतिविधियाँ

### वाद–विवाद प्रतियोगिता

02 सितंबर 2015 : 'सामाजिक न्याय के लिए समान शिक्षा व्यवस्था आवश्यक है' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन 02 सितंबर 2015 को किया गया, जिसमें एम.फिल हिंदी साहित्य की छात्रा दीप्ति मिश्रा प्रथम, एम.फिल हिंदी साहित्य के छात्र बृजेश कुमार द्वितीय तथा एम.ए. हिंदी के छात्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

### 'बदलते दौर में शिक्षा के सरोकार' पर गोष्ठी

4 सितंबर 2015 : 'बदलते दौर में शिक्षा के सरोकार' विषय पर गोष्ठी का आयोजन 4 सितंबर 2015 को किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित वरिष्ठ लेखक एवं जनमत पत्रिका के संपादक रामजी राय ने कहा कि व्यक्ति को अपने समय के बंधनों से मुक्त करना शिक्षा का मूल उद्देश्य होना चाहिए। न्याय–अन्याय का विवेक देना शिक्षा और शिक्षक का उद्देश्य होना चाहिए। केंद्र प्रभारी, प्रो.संतोष भदौरिया ने प्रस्ताविक वक्तव्य में कहा कि हमें कैसी शिक्षा व्यवस्था चाहिए, बदलते दौर की चुनौतियाँ क्या हैं, उन चुनौतियों से पार पाने में हमारी शिक्षा कितनी मदद करती है, यह बहस तलब है।

### 'स्मरण–मुक्तिबोध' पर गोष्ठी

11 सितंबर 2015 : मुक्तिबोध की पुण्यतिथि पर 'स्मरण मुक्तिबोध' गोष्ठी का आयोजन 11 सितंबर 2015 को किया गया। विषय था 'अब अभिव्यतक्ति के सारे खतरे उठाने ही होंगे', इसमें युवा लेखक डॉ.प्रेमशंकर ने कहा कि मुक्तिबोध का समस्त लेखन समाज में मौजूद विडंबना अन्याय और शोषण से उपजता है। मुक्तिबोध के समय के यथार्थ को पकड़ने के लिए उनकी रचनाओं को बार–बार पढ़ने की आवश्यकता है। प्रभारी प्रो.संतोष भदौरिया ने कहा कि मुक्तिबोध एवं महादेवी वर्मा को स्मरण करते हुए मुक्तिबोध के विचारों और उनकी कविता को समझने के लिए हमें बार–बार उनकी ओर मुखातिब होना होगा।

### हिंदी दिवस पर रचना पाठ

14 सितंबर 2015 : हिंदी दिवस पर 14 सितंबर 2015 को मुख्य अतिथि के रूप में कथाकार महेश कटारे की उपस्थिति में केंद के विद्यार्थियों द्वारा अपनी–अपनी रचनाओं का पाठ किया गया। इस दौरान श्री कटारे ने रहीम के हवाले से कविता की समृद्धि के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि एक रचनाकार के लिए सुखद होता है कि वह अपने कुल का विस्तार होता हुए देखे।

### विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजन

29 दिसंबर 2015 : विश्वविद्यालय के 18वें स्थापना दिवस पर 29 दिसंबर 2015 को 'कबीर की कविता में घर और देश' विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अक़ील रिज़वी ने की। गोष्ठी में इलाहाबाद वि.वि. मनोविज्ञान विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष प्रो.आर.सी. त्रिपाठी, विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद सदस्य प्रो. सदानंद शाही ने विचार व्यक्त किए। प्रो. शाही ने कहा कि कबीर का घर और देश आज भी यूटोपिया है। केंद्र के प्रभारी प्रो. संतोष भदौरिया ने विश्वविद्यालय के 18वर्षों की अकादमिक एवं रचनात्मक उपलब्धियों पर विस्तार से बात रखी और इलाहाबाद केंद्र की रचनात्मक पहल का भी जिक्र किया।

### 'साहित्य और मीडिया' पर व्याख्यान

07 जनवरी 2016 : पुस्तक–वार्ता के पूर्व संपादक एवं साहित्यकार भारत भारद्वाज ने 'साहित्य और मीडिया' विषय पर 07 जनवरी, 2016 को विशेष व्याख्यान दिया। इस दौरान विश्वविद्यालय के पूर्व आवासीय लेखक दूधनाथ सिंह एवं वरिष्ठ आलोचक राजेन्द्र कुमार उपस्थित रहे। केंद्र प्रभारी, प्रो.संतोष भदौरिया ने विषय की प्रस्तावना रखी।

### तुलसी राम स्मृति संवाद 'दलित साहित्य एक अंतर्यात्रा'

15 फरवरी 2016 : 'दलित साहित्य एक अंतर्यात्रा' विषय पर तुलसी राम स्मृति संवाद कार्यक्रम 15 फरवरी 2016 को आयोजित किया गया। इस दौरान वरिष्ठ आलोचक प्रो.रविभूषण ने कहा कि दलित साहित्यकारों की आत्मकथाओं ने समाज एवं साहित्य को सबसे अधिक प्रभावित किया है। तुलसीराम की आत्मकथा 'मुर्दहिया' एवं 'मणिकर्णिका' सिर्फ आत्मकथा ही नहीं, वरन वह एक समाजकथा भी है। साहित्यकार प्रो.राजेन्द्र कुमार उपस्थित रहे। केंद्र प्रभारी प्रो. संतोष भदौरिया ने कहा कि इस तरह के विशेष व्याख्यान हमारे विद्यार्थियों की अंतरानुशासनिक दृष्टि विकसित करने में मददगार होंगे।

### कृश्न चन्दर के कथा साहित्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

'कृश्न चन्दर एकाग्र' शीर्षक से एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.रतन लाल हांगलू ने कहा कृश्न चन्दर से लेकर इक़बाल तक ने इंसानियत को मज़बूत करने का पैगाम दिया है। युवा पीढ़ी को रूसो, प्लूटो जैसे दार्शनिक को नए सिरे से पढ़ना चाहिए क्योंकि एक अकेले विचारक में पूरे समाज को बदलने की दृष्टि होती है। प्रो. हांगलू ने इलाहाबाद क्षेत्रीय केंद्र की सराहना करते हुए कहा कि इस केंद्र ने अपनी साहित्यिक व शैक्षणिक गतिविधियों के चलते न केवल साहित्य बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी अपना महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। दूसरे विश्वविद्यालयों को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। बीज वक्तव्य देते हुए प्रो.अली अहमद फातमी ने कृश्न चन्दर की शख़्सियत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कृश्न चन्दर की कहानियों और किरदारों को संक्षिप्त नहीं बल्कि खुले ज़ेहन से समझने की ज़रूरत है। केंद्र प्रभारी प्रो.संतोष भदौरिया ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा इलाहाबाद केंद्र को दिए जा रहे प्रोत्साहन एवं प्रेरणा की सराहना की। इस दौरान डॉ. आरिफा बेगम, डॉ. नफीस बानो, प्रो. अनवर पाशा, डॉ. अब्दुल मोही, सूर्या ई.वी, डॉ.अबु ज़हीर रब्बानी ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

## कोलकाता केंद्र की गतिविधियाँ

### 'शिक्षा की समझ और समझ की शिक्षा' पर व्याख्यान

13 जुलाई 2015 : विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र में चारों नियमित पाठ्यक्रमों–एमए हिंदी, एमए जनसंचार, एमफिल हिंदी तथा पीएचडी जनसंचार का सत्रारंभ करते हुए शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद झा ने 'शिक्षा की समझ और समझ की शिक्षा' पर व्याख्यान देते हुए कहा कि शिक्षा कुछ और नहीं, समस्त अच्छे और बुरे अनुभवों का सार है। उन्होंने कहा कि शिक्षा स्वयं को सोचने और स्वयं को बदलने की शक्ति देती है। संचालन कोलकाता केंद्र के प्रभारी/एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.कृपाशंकर चौबे ने किया। धन्यवाद ज्ञापन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमित राय ने किया।

### भारतीय साहित्य की अवधारणा पर व्याख्यान

15 जुलाई 2015 : विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र में 'भारतीय साहित्य की अवधारणा' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान समारोह में हिंदी के विशिष्ट साहित्यकार डॉ.केदारनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय साहित्य शामियाने की तरह विशाल है। वह एक नहीं है। भारतीय साहित्य के अंतर्गत अनेक भाषाएँ आती हैं। उन्होंने कहा कि देश में जितनी भाषाओं में साहित्य लिखा जाता है, वह भारतीय साहित्य है। भारतीय साहित्य की अवधारणा के संदर्भ में अनेकता के तत्व को खोजना महत्वपूर्ण है।

## 'पूर्वोत्तर की भाषा, संस्कृति और समाज : एक अंतरानुशासनिक संवाद' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

7 अगस्त, 2015 : विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र द्वारा 'पूर्वोत्तर की भाषा, संस्कृति और समाज : एक अंतरानुशासनिक संवाद' पर आयोजित तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय (7–9 अगस्त) राष्ट्रीय संगोष्ठी में पूर्वोत्तर पर गंभीर अकादमिक कार्य करने वाले जिन विद्वानों ने भाग लिया, उनमें वि.वि. के कुलपति एवं मनोविज्ञानी प्रो. गिरीश्वर मिश्र, डॉ. विमल एक्वाइजम, डॉ. अरविंद मिश्र, डॉ. कोर्सी डोरने कर्सिंग, समाजशास्त्री डॉ. महेंद्र नारायण कर्ण व प्रो.अवधेश कुमार सिन्हा, दर्शन शास्त्र के अध्येता डॉ. भगत ओइनम, अर्थशास्त्री डॉ.सौमेन चट्टोपाध्याय, भूगोलविद डॉ.पृथ्वीश नाग, शिक्षा शास्त्री प्रो. अरविंद कुमार झा, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में पूर्वोत्तर अध्ययन तथा नीति अनुसंधान केंद्र के निदेशक प्रो. संजय हजारिका, पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक डॉ. ओम प्रकाश भारती, फ़िल्म डिवीजन के उप महानिदेशक जोशी जोसेफ, राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान के महानिदेशक डॉ. अरुण कुमार चक्रवर्ती, नेहू, शिलांग के प्रो. माधवेंद्र पांडेय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के हिंदी की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मिलन रानी जमातिया, पद्मश्री से सम्मानित मिजो भाषा के साहित्यकार प्रो. लल्लुंअलिआना खिअंगते, बांग्ला साहित्यकार कपिल कृष्ण ठाकुर, हिंदी साहित्यकार चंद्रकला पांडेय, दैनिक भास्कर के समूह संपादक प्रकाश दुबे शामिल थे।

## भारतीय भाषा दिवस मनाया

4 सितंबर, 2015 : विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र और पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'भारतीय भाषा दिवस' समारोह में सुप्रसिद्ध समाजविज्ञानी प्रो.रामशरण जोशी ने कहा कि हिंदी का अभ्युदय भारत में ही नहीं, विश्व पटल पर हो रहा है। भारत में पहले हिंदी के तीन टकसाल थे–आगरा, लखनऊ और बनारस किंतु अब न केवल भारत, बल्कि विदेशों में भी उसका व्यापक विस्तार हो चुका है। इस अवसर पर केंद्र प्रभारी डॉ. कृपाशंकर चौबे, समीर मुखोपाध्याय, प्रो. अमरनाथ, नेहा झा, एस.पी. तिवारी, एस.के. सैनी ने भी विचार व्यक्त किए।

## बुद्धिनाथ मिश्र का व्याख्यान तथा कविता पाठ

13 अक्टूबर, 2015 : विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र में हिंदी के जाने–माने गीतकार डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र का व्याख्यान तथा कविता पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जितना समय और ऊर्जा हिंदी के प्रतिभाशाली कवियों ने अपनी अक्षमता को ढँकने के लिए छंद को काव्य से बहिष्कृत करने में व्यय किया, उतना अगर वे छंद को साधकर कविता लिखने में लगाते तो वे हिंदी कविता के भंडार को भूसे के बजाय अन्न से भरते, जिससे आनेवाली पीढियाँ पलतीं। इस अवसर पर उन्होंने एक घंटे तक अपनी कविताओं की सांगीतिक प्रस्तुति भी की।

# वार्षिक लेखा
# 2015-2016

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## तुलन पत्र यथातिथि 31 मार्च, 2016

(राशि रु. में)

| निधि के स्त्रोत | अनुसूची | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
|---|---|---|---|
| समग्र / पूंजी निधि | 1 | 1,14,64,47,385 | 67,59,78,693 |
| निर्दिष्ठ/ निर्धारित/धर्मदा निधियां | 2 | 54,11,82,873 | 68,46,44,151 |
| चालू तथा प्रावधान देयताएं | 3 | 48,91,81,286 | 36,28,50,633 |
| **योग रु.** | | **2,17,68,11,544** | **1,72,34,73,477** |
| **निधि का प्रयोग** | | | |
| **स्थायी परिसंपत्तियां** | 4 | | |
| मूर्त परिसंपत्तियां | | 31,76,99,580 | 33,64,63,185 |
| अमूर्त परिसंपत्तियां | | 0 | 0 |
| पूंजीगत निर्माण कार्य | | 82,87,47,804 | 56,33,58,905 |
| **निर्धारित/धर्मदा निधि से निवेश** | 5 | | |
| दीर्घकालिक | | 57,59,46,891 | 41,83,70,644 |
| लघु अवधि | | 0 | 0 |
| **अन्य निवेश** | 6 | 0 | 0 |
| **चालू परिसंपत्तियां** | 7 | 11,98,79,814 | 1,05,46,306 |
| **ऋण, अग्रिम तथा जमा** | 8 | 33,44,37,455 | 39,47,34,436 |
| **योग रु.** | | **2,17,67,11,544** | **1,72,34,73,477** |
| **महत्वपूर्ण लेखा नीतियां** | **23** | | |
| **आकस्मिक देयताएं तथा लेखा पर टिप्पणियां** | **24** | | |

स्थान : वर्धा
दिनांक : 15.06.2016

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र
कुलसचिव/वित्ताधिकारी

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

(राशि रु.)

| विवरण | अनुसूची | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
|---|---|---|---|
| **आय** | | | |
| शैक्षणिक प्राप्तियाँ | 9 | 1,47,97,818 | 75,79,419 |
| दान एवं अनुदान | 10 | 21,07,36,854 | 19,25,47,718 |
| निवेश से आय | 11 | 0 | 0 |
| अर्जित ब्याज | 12 | 3,49,59,852 | 3,48,69,100 |
| अन्य आय | 13 | 2,57,61,680 | 2,78,50,117 |
| पूर्व अवधि आय | 14 | 2,00,000 | 0 |
| **योग (क)** | | **28,64,56,203** | **26,28,46,354** |
| **व्यय** | | | |
| कर्मचारी भुगतान एवं हित लाभ | 15 | 15,37,95,098 | 13,36,62,674 |
| शैक्षणिक व्यय | 16 | 3,35,52,355 | 2,99,28,874 |
| प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय | 17 | 6,98,25,335 | 6,61,73,490 |
| परिवहन व्यय | 18 | 16,52,513 | 13,43,232 |
| मरम्मत एवं रखरखाव | 19 | 30,05,979 | 44,96,949 |
| वित्त लागत | 20 | 38,276 | 40,830 |
| मूल्यह्रास | 4 | 2,42,20,442 | 2,72,00,305 |
| अन्य व्यय | 21 | 0 | 0 |
| पूर्व अवधि व्यय | 22 | 3,66,205 | 0 |
| **योग (ख)** | | **28,64,56,203** | **26,28,46,354** |
| **कम पर अधिक आय शेष दी गई है (अ–ब)** | | 0 | 0 |
| **निर्दिष्ट निधि से स्थानांतरण** | | | |
| भवन निधि | | 0 | 0 |
| अन्य (ब्यौरा) | | 0 | 0 |
| **अधिशेष/(कमी) सामान्य निधि में स्थानांतरित** | | 0 | 0 |

| | | |
|---|---|---|
| **महत्वपूर्ण लेखा नीतियां** | 23 | |
| **आकस्मिक देयताएं तथा लेखा पर टिप्पणियां** | 24 | |

**स्थान** : वर्धा
**दिनांक** : 15.06.2016

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र
कुलसचिव/वित्ताधिकारी

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति

# तुलन पत्र की अनुसूची

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

### 31मार्च, 2016, समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र की अनुसूचियां

**अनुसूची – 1 समग्र पूंजी निधियां** (राशि रु. में)

| विवरण | चालू वर्ष | च्तमअपवने ल्मंत |
|---|---|---|
| **समग्र निधि** | | |
| वर्ष के आरंभ में शेष | 3,03,750 | 3,03,750 |
| योग : वर्ष के दौरान समग्र पूंजी निधि में योगदान | 0 | 0 |
| योग : यूजीसी से प्राप्त अनुदान भारत सरकार तथा राज्य सरकार ने पूंजीगत व्यय के लिए किया गया उपयोग | 0 | 0 |
| योग : निर्धारित धनराशि से परिसंपत्तियों की खरीद | 0 | 0 |
| योग : प्रायोजित परियोजनाओं से परिसंपत्तियों की खरीद, जहां संस्था का निहित स्वामित्व है | . | 0 |
| योग : दान/उपहार से प्राप्त परिसंपत्तियां | 0 | 0 |
| योग : आय और व्यय खाते से सीनांतरित व्यय खाते से स्थानांतरित अतिरिक्त आय पर व्यय | 0 | 0 |
| कम : पूंजी निधि से स्थानांतरित राशि | -3,03,750 | 0 |
| **उपयोग (क)** | **0** | **3,03,750** |
| **पूंजी निधि** | | |
| वर्ष के आरंभ में शेष | 0 | 0 |
| योग : स्थगित क्रेडिट देनदारियों से स्थानांतरित राशि | 64,46,71,947 | 64,46,71,947 |
| योग : समग्र निधि स्थानांतरित राशि | 3,03,750 | 0 |
| योग : आरक्षित निधि से स्थानांतरित धनराशि | 3,10,02,996 | 0 |
| योग : योजना निधियों से पूंजीगत व्यय खाते का पूंजीगत निधि में योग (जोड़) | | |
| वर्ष 2012–13 के दौरान | 15,77,18,703 | 0 |
| वर्ष 2013–14 के दौरान | 12,48,10,606 | 0 |
| वर्ष 2014–15 के दौरान | 4,15,33,864 | 0 |
| चालू वर्ष 2015–16 | 27,08,45,736 | |
| योग : समग्र/पूंजी कोष में योगदान | 0 | 0 |
| योग : यूजीसी से प्राप्त अनुदान, भारत सरकार तथा राज्य सरकार ने पूंजीगत व्यय के लिए किया गया उपयोग | 0 | 0 |
| योग : निर्धारित धनराशि से परिसंपत्तियों की खरीद | 0 | 0 |
| योग : प्रायोजित परियोजनाओं से परिसंपत्तियों की खरीद, जहां, संस्था का निहित, स्वामित्व है | 0 | 0 |
| योग : दान/उपहार से प्राप्त परिसंपत्तियां | 0 | 0 |
| योग : अन्य योगदान | 0 | 0 |
| योग : आय और व्यय खाते से सीनांतरित अतिरिक्त आय पर व्यय | 0 | 0 |

| | | |
|---|---|---|
| कम : वर्ष के दौरान मूल्य ह्रास के खाते में दी गई समतूल्य राशि | | |
| वर्ष 2012–13 के दौरान | 4,19,51,821 | |
| वर्ष 2013–14 के दौरान | 3,10,67,649 | |
| वर्ष 2014–15 के दौरान | 2,72,00,305 | |
| चालू वर्ष | 2,42,20,442 | |
| **उप योग (ख)** | **1,14,64,47,385** | **64,46,71,947** |
| | | |
| **सामान्य निधि** | | |
| वर्ष के प्रारंभ में शेष | 3,10,02,996 | 3,10,02,996 |
| योग : वर्ष के दौरान समग्र/पूंजी निधि में योगदान | 0 | 0 |
| योग : यूजीसी से प्राप्त अनुदान, भारत सरकार तथा राज्य सरकार ने पूंजीगत व्यय के लिए किया गया योगदान | 0 | 0 |
| योग : निर्धारित धनराशि से परिसंपत्तियों की खरीद | 0 | 0 |
| योग : प्रायोजित परियोजनाओं से परिसंपत्तियों की खरीद, जहां संस्था का स्वामित्व निहित है | 0 | 0 |
| योग : दान/उपहार से प्राप्त परिसंपत्तियां | 0 | 0 |
| योग : आय और व्यय खाते से स्थानांतरित अतिरिक्त आय पर व्यय | 0 | 0 |
| कम : पूंजी निधि से स्थानांतरित राशि | -3,10,02,996 | 0 |
| **उप योग (ग)** | **0** | **3,10,02,996** |
| **योग (क+ख+ग)** | **1,14,64,47,385** | **67,59,78,693** |
| (घाटा) कमी आय और व्यय खाते से स्थानांतरित | 0 | 0 |
| **वर्ष के अंत में शेष** | **1,14,64,47,385** | **67,59,78,693** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र की अनुसूचियां

अनुसूची 02 नामित/निर्धारित निधियां/अक्षय निधियां

| | निधियों का विभाजन | | | | | | | | | | योग | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| विवरण | सामान्य विकास अनुदान | ओबीसी आरक्षण के कार्यान्वियन हेतु जीडी का अनुदान | कोलकाता और इलाहाबाद केंद्र के लिए अनुदान | 12वीं सामान्य विकास अनुदान योजना | डॉ. जाकिर हुसैन अध्ययन केंद्र | शिक्षा विद्यापीठ की सीपना | कंप्यूटर केंद्र की सीपना/उन्नयन | ओबीसी छा;वास की केंद्र प्रायोजित योजना | अक्षय निधियां 2 क | अनुसूची 2 (ख) के अनुसार अन्य | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
| क. निधि/अनुदान का अथ शेष | 32,32,05,821 | 1,30,58,801 | 5,00,00,000 | 33,40,00,000 | 50,000 | 2,00,00,000 | 40,00,000 | 1,40,00,000 | 20,19,302 | 2,45,30,003 | 78,48,63,927 | 75,04,58,668 |
| अप्रयुक्त अनुदान से निधि/अनुदान हस्तांतरण की शेष राशि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,01,80,439 | 0 | 1,01,80,439 | 0 |
| ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन | | | | | | | | | | | | |
| दान/अनुदान | 0 | 0 | 0 | 30,00,00,000 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4,40,76,303 | 0 | 34,40,76,303 | 3,17,66,953 |
| निधियों के निवेश से आय | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| निधियों के निवेश से उपार्जित ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| बचत खाते पर ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,35,924 | 0 | 1,35,924 | 0 |
| साभ.नि. का अंशदान (साभ.निऋ का शुद्ध) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 80,54,803 | 80,54,803 | 26,42,225 |
| अन्य शुल्क | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,78,100 | 0 | 1,78,100 | 0 |
| **योग (क)** | **32,32,05,821** | **1,30,58,801** | **5,00,00,000** | **63,40,00,000** | **50,000** | **2,00,00,000** | **40,00,000** | **1,40,00,000** | **5,65,90,068** | **3,25,84,806** | **1,14,02,63,261** | **78,48,67,846** |
| ग. निधियों के उद्देश्यों के अंतर्गत अनुदान का उपयोग/व्यय | | | | | | | | | | | | |
| निधि के उद्देश्य | | | | | | | | | | | | |
| **1. पूंजीगत व्यय** | | | | | | | | | | | | |
| स्थायी परिसंपत्तियां | 0 | 0 | 2,95,94,262 | 11,71,93,922 | 0 | 0 | 32,00,000 | 0 | 6,00,950 | 0 | 15,05,89,134 | 1,950 |
| अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| मुख्य निर्माणाधीन कार्य | 13,25,85,889 | 1,30,58,801 | 0 | 29,86,75,087 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 44,43,19,777 | 0 |
| **उप योग (1)** | **13,25,85,889** | **1,30,58,801** | **2,95,94,262** | **41,58,69,009** | **0** | **0** | **32,00,000** | **0** | **6,00,950** | **0** | **59,49,08,911** | **1,950** |
| 2. राजस्व व्यय | | | | | | | | | | | 0 | |
| वेतन तथा मजदूरी | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य प्रशासनिक खर्च | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,05,61,232 | 0 | 1,05,61,232 | 0 |
| वर्ष के दौरान प्रदान मूल्य ह्रास के बराबर राशि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 10,02,19,776 |
| 3. अनुदान की वापसी/समापन (बंद योजना का समायोजन) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 8,00,000 | 0 | 36,480 | 0 | 8,36,480 | 1,969 |
| **उप योग (2)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **8,00,000** | **0** | **1,05,97,712** | **0** | **1,13,97,712** | **10,02,21,745** |
| 4. आय पर अर्जित ब्याज | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **21,01,504** | | **18,93,370** |
| कम : व्यय | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | | **678** |
| विनियोजन के लिए उपलब्ध शेष | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **21,01,504** | **0** | **18,92,692** |
| कम : वर्ष के दौरान विनियोजित आय | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **15,19,006** | | **18,92,692** |
| अंतिम शेष | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **5,82,498** | **0** | **0** |
| **उप योग (3)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **5,82,498** | **0** | **0** |
| योग (ख) उप योग (1) + (2) + (3) | **13,25,85,889** | **1,30,58,801** | **2,95,94,262** | **41,58,69,009** | **0** | **0** | **40,00,000** | **0** | **1,11,98,662** | **5,82,498** | **60,63,06,623** | **10,02,23,695** |
| **वर्ष के अंत में शेष (क – ख) रु.** | **19,06,19,932** | **0** | **2,04,05,738** | **21,81,30,991** | **50,000** | **2,00,00,000** | **0** | **1,40,00,000** | **4,53,91,406** | **3,20,02,308** | **53,39,56,638** | **68,46,44,151** |

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नगद और बैंक जमा राशियां निवेश द्वारा दर्शायी गई है परंतु अर्जित ब्याज देय नही है | | | | | | | | | | | | |
| योग | | | | | | | | | | | | |

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र की अनुसूचियां

**अनुसूची 02 (क) नामित/निर्धारित निधियां/अक्षय निधियां** (राशि रु. में)

| विवरण | निधियों का विभाजन | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | शोध परियोजना | बी.वोक. कार्यक्रम | सामुदायिक महाविद्यालय | महात्मा गांधी की कर्मभूमि में सामाजिक जीवन | राष्ट्र बनाम कथित राष्ट्रवाद | | | हिंदी व्याकरण कोश परियोजना | हिंदी के विकास में अनुवाद का योगदान | लोक नाट्यों और नुक्कड़ नाटकों में प्रतिरोध के स्वर | समाजवाद तथा गांधीवाद की संकल्पना | वन्य जीव सरंक्षण और आदिवासी विकास के मुद्दे | पारसी हिंदी थिएटर में महिलाएं |
| क. निधि/अनुदान का अथ शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अप्रयुक्त अनुदान से निधि/अनुदान हस्तांतरण की शेष राशि | 0 | 0 | 0 | 1,34,700 | 0 | 0 | 0 | 1,37,089 | 23,796 | 2,45,800 | 19,005 | 1,16,887 | -322 |
| ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन | | | | | | | | | | | | | |
| दान/अनुदान | 14,76,600 | 65,00,000 | 43,00,000 | 1,80,000 | 7,20,000 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| निधियों के निवेश से आय | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| निधियों के निवेश से उपार्जित ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| बचत खाते पर ब्याज | 0 | 179 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| सा.भ.नि. का अंशदान (सा.भ.नि.क. का शुद्ध) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य शुल्क | 0 | 0 | 1,54,100 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग (क)** | **14,76,600** | **65,00,179** | **44,54,100** | **3,14,700** | **7,20,000** | **0** | **0** | **1,37,089** | **23,796** | **2,45,800** | **19,005** | **1,16,887** | **-322** |
| ग. निधियों के उद्देश्यों के अंतर्गत अनुदान का उपयोग/व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| निधि के उद्देश्य | | | | | | | | | | | | | |
| **1. पूंजीगत व्यय** | | | | | | | | | | | | | |
| स्थायी परिसंपत्तियां | 0 | 6,00,950 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| मुख्य निर्माणाधीन कार्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (1)** | **0** | **6,00,950** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| 2. राजस्व व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| वेतन तथा मजदूरी | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य प्रशासनिक खर्च | 49,486 | 7,930 | 1,89,981 | 1,31,796 | 4,580 | 0 | 0 | 0 | 41,963 | 0 | 0 | 1,06,535 | 27,010 |
| वर्ष के दौरान प्रदान मूल्य ह्रास के बराबर राशि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. अनुदान वापसी (यदि हो तो) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (2)** | **49,486** | **7,930** | **1,89,981** | **1,31,796** | **4,580** | **0** | **0** | **0** | **41,963** | **0** | **0** | **1,06,535** | **27,010** |
| 4. आय पर अर्जित ब्याज | | | | | | | | | | | | | |
| कम : व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| विनियोजन के लिए उपलब्ध शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कम : वर्ष के दौरान विनियोजित आय | | | | | | | | | | | | | |
| अंतिम शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (3)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| योग (ख) उप योग (1) + (2) + (3) | **49,486** | **6,08,880** | **1,89,981** | **1,31,796** | **4,580** | **0** | **0** | **0** | **41,963** | **0** | **0** | **1,06,535** | **27,010** |
| **वर्ष के अंत में शेष (क – ख) रु.** | 14,27,114 | 58,91,299 | 42,64,119 | 1,82,904 | 7,15,420 | 0 | 0 | 1,37,089 | -18,167 | 2,45,800 | 19,005 | 10,352 | -27,332 |

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नगद और बैंक जमा राशियां निवेश द्वारा दर्शायी गई है | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| परंतु अर्जित ब्याज देय नहीं है | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| योग | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2016 समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र की अनुसूचियां

**अनुसूची 02 (क) नामित/निर्धारित निधियां/अक्षय निधियां** (राशि रु. में)

| विवरण | निधियों का विभाजन | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | हिंदी के विकास में अनुवाद का योगदान | लोक नाट्यों और नुक्कड़ नाटकों में प्रतिशोध के स्वर | समाजवाद तथा गांधीवाद की संकल्पना | वन्य जीव संरक्षण और आदिवासी विकास के मुद्दे | पारसी हिंदी थिएटर में महिलाएं | शिक्षक कल्याण निधि | गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए विश्वविद्यालय निधि | नवाचारी कार्यक्रम | एनएसएस अनुदान | ई–पीजी पाठशाला | उदारीकरण और निजीकरण की नीति का प्रभाव | पीएमएमएनएमटीटी (आवर्ती) | |
| क. निधि/अनुदान का अथ शेष | 23,050 | 2,50,000 | 40,000 | 50,000 | 36,031 | 12,953 | 2,07,268 | 14,00,000 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अप्रयुक्त अनुदान से निधि/अनुदान हस्तांतरण की शेष राशि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | -31,957 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन | | | | | | | | | | | | | |
| दान/अनुदान | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 53,088 | 2,01,885 | 0 | 93,902 | 7,00,000 | 8,00,000 | 2,69,00,000 | 0 |
| निधियों के निवेश से आय | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | |
| निधियों के निवेश से उपार्जित ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | |
| बचत खाते पर ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 808 | 8,085 | 0 | 0 | 173 | 0 | 10,760 | 0 |
| सा.नि. का अंशदान (सा.नि.क. का शुद्ध) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य शुल्क | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 24,000 | 0 |
| **योग (क)** | **23,050** | **2,50,000** | **40,000** | **50,000** | **36,031** | **66,849** | **4,17,038** | **14,00,000** | **61,945** | **7,00,173** | **8,00,000** | **2,69,34,760** | **0** |
| ग. निधियों के उद्देश्यों के अंतर्गत अनुदान का उपयोग/व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| निधि के उद्देश्य | | | | | | | | | | | | | |
| **1. पूंजीगत व्यय** | | | | | | | | | | | | | |
| स्थायी परिसंपत्तियां | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| मुख्य निर्माणाधीन कार्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (1)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| 2. राजस्व व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| वेतन तथा मजदूरी | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य प्रशासनिक खर्च | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,04,016 | 1,42,598 | 0 | 7,17,554 | 0 |
| वर्ष के दौरान प्रदान मूल्य ह्रास के बराबर राशि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. अनुदान वापसी (यदि हो तो) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (2)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **1,04,016** | **1,42,598** | **0** | **7,17,554** | **0** |
| 4. आय पर अर्जित ब्याज | | | | | | | | | | | | | |
| कम : व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| विनियोजन के लिए उपलब्ध शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कम : वर्ष के दौरान विनियोजित आय | | | | | | | | | | | | | |
| अंतिम शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (3)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| योग (ख) उप योग (1) + (2) + (3) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,04,016 | 1,42,598 | 0 | 7,17,554 | 0 |
| **वर्ष के अंत में शेष (क – ख) रु.** | **23,050** | **2,50,000** | **40,000** | **50,000** | **36,031** | **66,849** | **4,17,038** | **14,00,000** | **-42,071** | **5,57,575** | **8,00,000** | **2,62,17,206** | **0** |

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नगद और बैंक जमा राशियां निवेश द्वारा दर्शायी गई हैं | | | | | | | | | | | | | |
| परंतु अर्जित ब्याज देय नहीं है | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| योग | | | | | | | | | | | | | |

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र की अनुसूचियां

अनुसूची 02 (क) नामित/निर्धारित निधियां/अक्षय निधियां

(राशि रु. में)

| | निधियों का विभाजन | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| विवरण | कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति | राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्र | पीएचडी के छात्रों के लिए शोधवृत्ति | आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ | शोध गंगा परियोजना | नवाचारी कार्यक्रम (आवर्ती) | स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम | डॉ. जाकिर हुसैन अध्ययन केंद्र | नेहरू अध्ययन केंद्र | डॉ. अंबेडकर अध्ययन केंद्र | बौद्ध अध्ययन केंद्र |
| क. निधि अनुदान का अथ शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अप्रयुक्त अनुदान से निधि/अनुदान हस्तांतरण की शेष राशि | 15,12,095 | 54,42,115 | 7,62,965 | 5,46,098 | -27,604 | 4,13,514 | 14,000 | 1,45,000 | 5,60,000 | 93,884 | 1,06,080 | -1,37,058 | 2,822 |
| ख. वर्ष के दौरान परिवर्तन | | | | | | | | | | | | | |
| दान/अनुदान | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| निधियों के निवेश से आय | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| निधियों के निवेश से उपार्जित ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| बचत खाते पर ब्याज | 0 | 1,15,919 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| सा.भ.नि. का अंशदान (सा.भ.नि.ऋ का शुद्ध) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य शुल्क | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग (क)** | **15,12,095** | **55,58,034** | **7,62,965** | **5,46,098** | **-27,604** | **4,13,514** | **14,000** | **1,45,000** | **5,60,000** | **93,884** | **1,06,080** | **-1,37,058** | **2,822** |
| ग. निधियों के उद्देश्यों के अंतर्गत अनुदान का उपयोग/व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| **1. पूंजीगत व्यय** | | | | | | | | | | | | | |
| स्थायी परिसंपत्तियां | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| मुख्य निर्माणाधीन कार्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (1)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| 2. राजस्व व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| वेतन तथा मजदूरी | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य प्रशासनिक खर्च | 42,17,739 | 26,32,858 | 0 | 0 | 0 | 93,405 | 0 | 79,077 | | 0 | 0 | 51,626 | 0 |
| वर्ष के दौरान मूल्य ह्रास के बराबर राशि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. अंतिम शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (2)** | **42,17,739** | **26,32,858** | **0** | **0** | **0** | **93,405** | **0** | **79,077** | **0** | **0** | **0** | **51,626** | **0** |
| 4. आय पर अर्जित ब्याज | | | | | | | | | | | | | |
| कम : व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| विनियोजन के लिए उपलब्ध शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कम : वर्ष के दौरान विनियोजित आय | | | | | | | | | | | | | |
| अंतिम शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (3)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| योग (ख) उप योग (1) + (2) + (3) | **42,17,739** | **26,32,858** | **0** | **0** | **0** | **93,405** | **0** | **79,077** | **0** | **0** | **0** | **51,626** | **0** |
| **वर्ष के अंत में शेष (क – ख) रु.** | **-27,05,644** | **29,25,176** | **7,62,965** | **5,46,098** | **-27,604** | **3,20,109** | **14,000** | **65,923** | **5,60,000** | **93,884** | **1,06,080** | **-1,88,684** | **2,822** |

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नगद और बैंकों में जमा राशियां निवेश द्वारा दर्शायी गई है | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| परंतु अर्जित ब्याज देय नही है | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| योग | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2015 समाप्त वर्ष के लिए तुलन–पत्र की अनुसूचियां

अनुसूची 02 (क) नामित/निर्धारित निधियां/अक्षय निधियां (राशि रु. में)

| विवरण | निधियों का विभाजन | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जनजातीय अनुसंधान अध्ययन परियोजना मंत्रालय | संगोष्ठी और कार्यशाला | पोस्ट डॉक्टरल शोधवृत्ति | डॉक्टरल अध्येतावृत्ति | गांधी दर्शन समिति कार्यशाला | दर्शन शास्त्र अनुसंधान की भारतीय परिषद | राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग | पीएच.डी. के छात्रों के लिए शोध पद्धति |
| क. निधि अनुदान का अथ शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अप्रयुक्त अनुदान से निधि/अनुदान हस्तांतरण की शेष राशि | 51,875 | 70,941 | 99,046 | -1,20,332 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| दान/अनुदान | 0 | 0 | 4,33,600 | 10,59,000 | 1,16,250 | 4,50,000 | 48,446 | 43,732 |
| निधियों के निवेश से आय | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| निधियों के निवेश से उपार्जित ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| बचत खाते पर ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| सा.भ.नि. का अंशदान (सा.भ.निऋ का शुद्ध) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य शुल्क | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग (क)** | **51,875** | **70,941** | **5,32,646** | **9,38,668** | **1,16,250** | **4,50,000** | **48,446** | **43,732** |
| ग. निधियों के उद्देश्यों के अंतर्गत अनुदान का उपयोग/व्यय | | | | | | | | |
| निधि के उद्देश्य | | | | | | | | |
| **1. पूंजीगत व्यय** | | | | | | | | |
| स्थायी परिसंपत्तियां | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| मुख्य निर्माणाधीन कार्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (1)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| 2. राजस्व व्यय | | | | | | | | |
| वेतन तथा मजदूरी | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य प्रशासनिक खर्च | 0 | 0 | 6,00,516 | 7,26,478 | 1,36,084 | 5,00,000 | 0 | 0 |
| वर्ष के दौरान मूल्य ह्रास के बराबर राशि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. अनुदान वापसी (यदि हो तो) | 36,480 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (2)** | **36,480** | **0** | **6,00,516** | **7,26,478** | **1,36,084** | **5,00,000** | **0** | **0** |
| 4. ब्याज/आय | | | | | | | | |
| कम : व्यय | | | | | | | | |
| विनियोजन के लिए उपलब्ध शेष | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| कम : वर्ष के दौरान विनियोजित आय | | | | | | | | |
| अंतिम शेष | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| **उप योग (3)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| योग (ख) उप योग (1) + (2) + (3) | **36,480** | **0** | **6,00,516** | **7,26,478** | **1,36,084** | **5,00,000** | **0** | **0** |
| **वर्ष के अंत में शेष (क – ख) रु.** | **15,395** | **70,941** | **-67,870** | **2,12,190** | **-19,834** | **-50,000** | **48,446** | **43,732** |
| | | | | | | | | |
| नगद और बैंकों में जमा राशियां निवेश द्वारा दर्शायी गई हैं | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| परंतु अर्जित ब्याज देय नहीं है | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| योग | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2015 समाप्त वर्ष के लिए तुलन–पत्र की अनुसूचियां

**अनुसूचि 02 ख – अक्षय निधि** (राशि रु. में)

| क्रम संख्या | अक्षय निधि का नाम | प्रारंभिक शेष | | ब्याज सहित परिवर्धन | | योग | | व्यय/प्रतिदाय | | अंत शेष | | योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अक्षय निधि | संचित ब्याज | अक्षय निधि | संचित ब्याज | अक्षय निधि | संचित ब्याज | अक्षय निधि | संचित ब्याज | अक्षय निधि | संचित ब्याज | |
| | | | | | | | | | | | | |
| 1 | सामान्य भविष्य निधि | 1,94,88,036 | 0 | 67,70,546 | 15,84,843 | 2,62,58,582 | 15,84,843 | 0 | 15,19,006 | 2,62,58,582 | 65,837 | 2,63,24,419 |
| 2 | एनपीएस (कर्मचारी का हिस्सा) | 24,09,687 | 0 | 53,62,022 | 2,58,330 | 77,71,709 | 2,58,330 | 52,30,500 | 0 | 25,41,209 | 2,58,330 | 27,99,539 |
| 3 | एनपीएस (नियोक्ता का हिस्सा) | 26,32,280 | 0 | 58,00,737 | 2,58,331 | 84,33,017 | 2,58,331 | 52,30,500 | 0 | 32,02,517 | 2,58,331 | 34,60,848 |
| | | | | | | | | | 0 | | | |
| | **योग** | **2,45,30,003** | **0** | **1,79,33,305** | **21,01,504** | **4,24,63,308** | **21,01,504** | **1,04,61,000** | **15,19,006** | **3,20,02,308** | **5,82,498** | **3,25,84,806** |
| | **पिछला शेष** | **2,20,91,046** | | **1,76,57,149** | **18,92,692** | | | **1,52,18,192** | **18,92,692** | **2,45,30,003** | | |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016, समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र की अनुसूचियां

अनुसूची – 03 देयताएं एवं प्रावधान

(राशि रु. में)

| क. चालू देयताएं | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| 1. कर्मचारियों द्वारा जमा | | 0 | | 0 |
| 2.. छात्रों द्वारा जमा (सुरक्षा जमा) | | | | 10,69,701 |
| वर्तमान छात्रों से | 0 | | 0 | |
| पूर्व छात्रों से | 12,44,776 | 12,44,776 | 10,69,701 | |
| 3. विविध लेनदार | | | | |
| क. वस्तुओं और सेवाओं के लिए | 0 | | 0 | |
| ख. अन्य के लिए | 23,509 | 23,509 | 23,509 | 23,509 |
| 4. अन्य जमा (बयाना जमा राशि तथा सुरक्षा जमा के साथ) | | 2,20,84,037 | | 1,61,01,069 |
| शॉपिंग कॉम्प्लेक्स जमा | 1,20,933 | | 1,20,933 | |
| ठेकेदारों की सुरक्षा जमा | 2,18,58,604 | | 1,58,75,636 | |
| विशेष सुरक्षा जमा | 1,04,500 | | 1,04,500 | |
| 5. सांविधिक देयताएं (जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यू सी टैक्स, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस) | | | | |
| क. अतिदेय | 0 | | 0 | |
| ख. अन्य (सूची संलग्न) | | 2,80,22,364 | | 2,66,23,525 |
| उपादान देय | 2,41,00,000 | | 2,31,00,000 | |
| व्यवसाय कर | 19,480 | | 51,010 | |
| पेंशन एवं छुट्टी वेतन | 37,15,163 | | 13,86,795 | |
| वेतन बचत योजना (एलआईसी) | 24,783 | | 3,44,571 | |
| (जीआईसी) | -476 | | 27,529 | |
| पैतृक संस्था वसूली | 78,117 | | 3,49,354 | |
| नई पेंशन प्रणाली (कर्मचारियों की कटौती) | 0 | | 3,87,194 | |
| डब्ल्यू.एन.एस.ए.बी. | 4,700 | | 7,200 | |
| म.गां.अं.हिं.वि.वि., की कर्मचारी साख संस्था | 80,597 | | 4,55,937 | |
| टीडीएस | 0 | | 5,13,935 | |
| 6. अन्य चालू देयताएं | | | | |
| क. वेतन | 1,16,58,910 | | 73,81,855 | 0 |
| ख. प्रायोजित परियोजनाओं के अंतर्गत प्राप्तियां (उप अनुसूची '3 क') | 0 | | 0 | 0 |
| ग. प्रायोजित अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति के अंतर्गत प्राप्तियां (उप अनुसूची '3 ख') | 0 | | 0 | 0 |
| घ. अप्रयुक्त अनुदान | | | 0 | 0 |
| योजना निधि | 32,45,60,682 | | 26,21,31,598 | 0 |
| गैर–योजना निधि | 8,77,41,123 | | 2,58,41,060 | 0 |
| मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | 0 | | 97,400 | 0 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| च. अग्रिम अनुदान | | | | |
| योजना निधि | 0 | | 0 | 0 |
| गैर–योजना निधि | 0 | | 0 | 0 |
| छ. अन्य निधि | 0 | | 1,00,83,039 | 0 |
| ज. अन्य देयताएं (सूची संलग्न) | | | 0 | |
| अग्रिम धन | 6,83,413 | | 7,61,613 | 0 |
| ठेकेदारों से सुरक्षा जमा | 19,34,104 | | 19,34,104 | 0 |
| रेनबो ग्रीनरिज, नागपुर | 12,59,939 | | 12,59,939 | 0 |
| मोबाइल कार्यालय मुबई | 3,99,416 | | 3,99,416 | 0 |
| अन्य | 89,598 | 42,83,27,184 | 12,578 | 30,99,02,602 |
| **योग (क)** | | 47,97,01,871 | | 35,37,20,406 |
| **ख. प्रावधान** | | | | |
| 1. कराधान | 0 | | 0 | |
| 2. उपादान | 0 | | 0 | |
| 3. अधिवर्षिता पेंशन | 21,73,486 | | 21,73,486 | |
| 4. संचित छुट्टी का नकदीकरण करना | 0 | | 0 | |
| 5. देय खर्च | 72,05,929 | | 69,56,741 | |
| 6. व्यापार वारंटी दावा | 0 | | 0 | |
| 7. अन्य उल्लेख | 0 | 93,79,415 | 0 | 91,30,227 |
| | | | | |
| **योग (ख)** | | **93,79,415** | | **91,30,227** |
| **योग (क +ख)** | | **48,90,81,286** | | **36,28,50,633** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

**अनुसूची 04 – स्थायी परिसंपत्तियाँ**

**(राशि रु.)**

| विवरण | कुल ब्लॉक | | | | मूल्यह्रास | | | | निवल ब्लॉक | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | वर्ष के प्रारंभ में कुल मूल्य लागत | वर्ष के दौरान परिवर्धन | वर्ष के दौरान कटौतियां | वर्ष के अंत में कुल लागत/मूल्यांकन | वर्ष के प्रारंभ में 31 मार्च, 2015 | वर्ष के दौरान परिवर्धन | वर्ष के दौरान कटौतियां | कुल | चालू वर्ष के अंत तक | पूर्व के अंत तक |
| क. स्थायी परिसंपत्तियाँ | | | | | | | | | | |
| 1. भूमि/भूमि विकास : | | | | | | | | | | |
| क) निःशुल्क भूमि | 3,07,18,707 | 0 | 0 | 3,07,18,707 | 0 | | 0 | 0 | 3,07,18,707 | 3,07,18,707 |
| ख) पट्टा भूमि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ग) भूमि विभाग एवं परिसर सौंदर्यीकरण | | 0 | 0 | | | | | | | |
| परिसर सौंदर्यीकरण | 3,21,07,259 | 59,639 | 0 | 3,21,66,898 | 0 | | 0 | 0 | 3,21,66,898 | 3,21,07,259 |
| 2. भवन: | | | | | | | | | | |
| क) निःशुल्क भूमि पर | | | | | | | | | | |
| ख) पट्टा भूमि पर | 27,35,34,936 | 0 | 0 | 27,35,34,936 | 6,59,50,496 | 1,03,79,222 | 0 | 7,63,29,718 | 19,72,05,218 | 20,75,84,440 |
| 3) संयंत्र मशीनरी और उपकरण | 11,18,245 | 0 | 0 | 11,18,245 | 3,02,080 | 1,22,425 | 0 | 4,24,505 | 6,93,740 | 8,16,165 |
| 4) वाहन | 30,43,470 | 0 | 0 | 30,43,470 | 26,32,909 | 82,112 | 0 | 27,15,021 | 3,28,449 | 4,10,561 |
| 5) फर्नीचर, जुड़नार | 4,71,45,958 | 19,95,572 | 0 | 4,91,41,530 | 2,15,23,791 | 40,22,341 | 0 | 2,55,46,132 | 2,35,95,398 | 2,56,22,167 |
| 6) कार्यालय उपकरण | 3,55,98,723 | 11,79,329 | 0 | 3,67,78,052 | 2,01,22,745 | 24,35,171 | 0 | 2,25,57,916 | 1,42,20,136 | 1,54,75,978 |
| 7) कंप्यूटर / परिधीय | 3,87,14,879 | 17,00,632 | 0 | 4,04,15,511 | 3,24,60,976 | 31,20,920 | 0 | 3,55,81,896 | 48,33,615 | 62,53,903 |
| 8) विद्युतीय प्रस्थापन | 24,45,166 | 0 | 0 | 24,45,166 | 11,07,715 | 2,00,618 | 0 | 13,08,333 | 11,36,833 | 13,37,451 |
| पुस्तकालय में पुस्तकें | 6,88,57,907 | 3,11,305 | 0 | 6,91,69,212 | 6,34,95,712 | 22,22,509 | 0 | 6,57,18,221 | 34,50,991 | 53,62,195 |
| 10) हैंडपम्प तथा पानी आपूर्ति | 1,72,39,946 | 95,120 | 0 | 1,73,35,066 | 73,73,997 | 14,87,026 | 0 | 88,61,023 | 84,74,043 | 98,65,949 |
| **11) अन्य स्थायी परिसंपत्तियाँ** | | | | | | | | | | |
| मूर्ति एवं पेंटिंग्स | 20,89,222 | 0 | 0 | 20,89,222 | 12,46,184 | 1,26,456 | 0 | 13,72,640 | 7,16,582 | 8,43,038 |
| एलसीडी प्रोजेक्टर्स और अनुशांगी | 4,50,850 | 0 | 0 | 4,50,850 | 3,98,250 | 7,890 | 0 | 4,06,140 | 44,710 | 52,600 |
| वीडियो फिल्म्स | 32,85,975 | 0 | 0 | 32,85,975 | 32,83,953 | 809 | 0 | 32,84,762 | 1,213 | 2,022 |
| संगीत वाद्ययंत्र | 0 | 1,15,240 | 0 | 1,15,240 | 0 | 8,643 | 0 | 8,643 | 1,06,597 | 0 |
| भाषा प्रयोगशाला (कंप्यूटर) | 12,00,000 | 0 | 0 | 12,00,000 | 11,89,250 | 4,300 | 0 | 11,93,550 | 6,450 | 10,750 |
| **उप–योग (क) रु.** | **55,75,51,243** | **54,56,837** | **0** | **56,30,08,080** | **22,10,88,058** | **2,42,20,442** | **0** | **24,53,08,500** | **31,76,99,580** | **33,64,63,185** |
| ख) चालू पूँजीगत कार्य | | | | | | | | | | |
| सीपीडब्ल्यूडी और यूपीएसकेएनएन के माध्यम से निष्पादित भवन निर्माण कार्य | 53,00,35,473 | 26,53,88,899 | | 79,54,24,372 | 0 | 0 | 0 | 0 | 79,54,24,372 | 53,00,35,473 |
| भवन निर्माण अन्य व्यय | 3,33,23,432 | 0 | 0 | 3,33,23,432 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3,33,23,432 | 3,33,23,432 |
| कम: संपत्ति के लिए स्थानांतरण | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप–योग (ख) रु.** | **56,33,58,905** | **26,53,88,899** | **0** | **82,87,47,804** | **0** | **0** | **0** | **0** | **82,87,47,804** | **56,33,58,905** |
| ख) अमूर्त संपत्तियाँ | | | | | | | | | | |
| कंप्यूटर सॉफ्टवेयर | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ई–पत्रिकाएं | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| पेटेंट्स | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप–योग (ग)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| **योग (क+ख+ग) रु.** | **1,12,09,10,148** | **27,08,45,736** | **0** | **1,39,17,55,884** | **22,10,88,058** | **2,42,20,442** | **0** | **24,53,08,500** | **1,14,64,47,384** | **89,98,22,090** |
| **पूर्व वर्ष रु.** | **1,07,93,76,284** | **4,15,33,864** | **0** | **1,12,09,10,148** | **19,38,87,753** | **2,72,00,305** | **0** | **22,10,88,058** | **89,98,22,090** | **88,54,88,531** |

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

### 31मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र की अनुसूचियां

**अनुसूची – 05 निर्धारित/धर्मस्व निधियों से निवेश** (राशि रु. में)

| | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| **निर्धारित/धर्मस्व निधियों से निवेश** | | | | |
| 1. केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में | | 0 | | 0 |
| 2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में | | 0 | | 0 |
| 3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में | | 0 | | 0 |
| 4. शेयर्स | | 0 | | 0 |
| 5. डिबेंचर्स और बॉण्ड | | 0 | | 0 |
| 6. बैंक के साथ सावधि जमा | | 0 | | 0 |
| योजना | | | | |
| बी.ओ.आई. एस.पी. खाता (योजना) | 0 | | 0 | 0 |
| कैनरा बैंक के साथ सावधि जमा | 1,03,33,493 | | 0 | |
| सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 16,69,82,728 | | 0 | |
| बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 23,45,48,233 | 41,18,64,454 | 28,82,01,629 | 28,82,01,629 |
| गैर–योजना | | | | |
| बी.ओ.आई. एस.पी. खाता (गैर–योजना) | 0 | | 4,29,78,000 | 0 |
| कैनरा बैंक के साथ सावधि जमा | 1,03,08,783 | | 0 | |
| सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 7,10,58,540 | | 0 | |
| बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 3,20,63,357 | 11,34,30,680 | 4,22,56,495 | 8,52,34,495 |
| एन.पी.एस. | | | | |
| बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 56,48,730 | | 48,85,967 | 0 |
| बी.ओ.आई. एस.पी. खाता | 0 | 56,48,730 | 3,98,000 | 52,83,967 |
| दूर शिक्षा | | | | |
| सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 76,67,187 | | 1,26,03,812 | |
| बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 1,62,90,409 | | 0 | |
| महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की कर्मचारी सहकारी साख संस्था के साथ सावधि जमा | 30,69,334 | | 0 | |
| बी.ओ.आई. एस.पी. खाता | 0 | 2,70,26,930 | 1,15,03,000 | 2,41,06,812 |
| जीपीएफ | | | | |
| बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 1,79,76,096 | | 1,27,72,742 | |
| बी.ओ.आई. एस.पी. खाता | 0 | 1,79,76,096 | 27,71,000 | 1,55,43,742 |
| 7. अन्य का उल्लेख | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **वर्ष के अंत में शेष** | | **57,59,46,891** | | **41,83,70,644** |

अनुसूची – 05 (क) निर्धारित/धर्मस्व निधियों से निवेश (निधिवार)

| निधि | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| **योग** | | 0 | | 0 |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31मार्च, 2016, समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र की अनुसूचियां

अनुसूचियां – 06 अन्य निवेश

| | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| 1. सरकारी प्रतिभूतियों से | | 0 | | 0 |
| 2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों से | | 0 | | 0 |
| 3. शेयर्स | | 0 | | 0 |
| 4. डिबेंचर और बॉण्ड | | 0 | | 0 |
| 5. समानुषंगी और संयुक्त उद्यम | | 0 | | 0 |
| 6. अन्य (उल्लेख करें) | | 0 | | 0 |
| | | | | |
| योग | | **0** | | **0** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31मार्च, 2016, समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र की अनुसूचियां

**अनुसूचियां – 07 चालू परिसंपत्तियां**

(राशि रु. में)

| | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| **क. चालू परिसंपत्तियां** | | | | |
| 1. स्टॉक | | | | |
| क. स्टोर और पुर्जे | 0 | | 0 | |
| ख. फुटकर औजार | 0 | | 0 | |
| ग. प्रकाशन | 19,34,104 | 19,34,104 | 19,34,104 | 19,34,104 |
| घ. प्रयोगशाला के रसायन, उपयोज्य तथा कांच का सामान | 0 | | | |
| च. निर्माण सामग्री | 0 | | | |
| छ. विद्युत सामग्री | 0 | | | |
| ज. लेखन सामग्री | 0 | | | |
| झ. जल आपूर्ति की सामग्री | 0 | | | |
| 2. विविध देनदार | | | | |
| क. 06 माह से अधिक अवधि के लिए बकाया देनदारी | 0 | | 0 | |
| ख. अन्य | 20,262 | 20,262 | 20,262 | 20,262 |
| | | | | |
| 3. हाथ में रोकड़ | 0 | 0 | | 0 |
| 4. बैंक शेष | | | | |
| क. अनुसूची बैंकों के सज्ञथ | | | | |
| – चालू खाते में | 0 | | 0 | |
| – सावधि जमा खाते में | 0 | | 0 | |
| – बचत खाते में (अनुलग्नक क) | 11,79,25,448 | 11,79,25,448 | 85,91,940 | 85,91,940 |
| | | | | |
| ख. गैर–अनुसूची बैकों के साथ | | | | |
| – चालू खाते में | 0 | | 0 | |
| – सावधि जमा खाते में | 0 | | 0 | |
| – बचत खाते में | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 5. डाक घर बचत खाता | 0 | 0 | 0 | 0 |
| योग रु. | | **11,98,79,814** | | **1,05,46,306** |

## अनुलग्नक क

| 1. बैंक बचत खाता | खाता संख्या | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
|---|---|---|---|
| बैंक ऑफ इंडिया (पुराना) | 972110210000004 | 804 | 83,335 |
| बैंक ऑफ इंडिया गैर–योजना | 972110210000005 | 9,04,50,369 | -11,42,337 |
| बैंक ऑफ इंडिया एन.सी.पी.एस. | 972110210000003 | 2,80,317 | 26,104 |
| बैंक ऑफ इंडिया जी.पी.एफ. | 972110210000002 | 36,12,958 | 41,850 |
| बैंक ऑफ इंडिया शिक्षक कल्याण निधि | 972110210000018 | 67,523 | 13,953 |
| बैंक ऑफ इंडिया कायिक निधि | 972110210000019 | 4,18,650 | 2,12,268 |
| बैंक ऑफ इंडिया दूर शिक्षा (पुराना) | 970010210000028 | -1,453 | -1,453 |
| बैंक ऑफ इंडिया दूर शिक्षा खाता | 972111021000001 | 37,39,484 | -2,60,245 |
| बैंक ऑफ इंडिया योजना खाता | 972111021000020 | 52,24,760 | 56,07,901 |
| बैंक ऑफ इंडिया आर.जी.एन.एफ. | 972110110000026 | 15,41,355 | 39,95,294 |
| बैंक ऑफ इंडिया (बी.वोक.) | 972110210000028 | 58,70,836 | 0 |
| बैंक ऑफ इंडिया (ई.–पीजी पाठशाला) | 972110210000027 | 5,83,456 | 0 |
| बैंक ऑफ इंडिया (पीएमएमएमएनएमटीटी) | 972110210000020 | 61,21,119 | 0 |
| बैंक ऑफ इंडिया सीजीईजीआईएस | 970010210022577 | 15,269 | 15,269 |
| **योग** | | **11,79,25,448** | **85,91,940** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31मार्च, 2016 के समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र की अनुसूचियां

अनुसूचियां – 08 ऋण, अग्रिम और जमा

(राशि रु. में)

| | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| 1. कर्मचारियों को अग्रिम (ब्याज रहित अग्रिम) | | | | |
| क. वेतन/स्थानांतरण अग्रिम | 1,84,117 | | 1,89,296 | 0 |
| ख. त्योहार | 1,41,152 | | 1,08,302 | 0 |
| ग. एलटीसी | 10,72,873 | | 9,15,532 | 0 |
| घ. चिकित्सा अग्रिम | 0 | | 0 | 0 |
| च. जीपीएफ अग्रिम | 43,62,517 | | 18,24,568 | 0 |
| छ. व्यय के लिए | 8,33,248 | 65,93,906 | 14,66,193 | 45,03,890 |
| 2. कर्मचारियों को दीर्घकालीन अग्रिम (सब्याज अग्रिम) | | | | |
| क. गृह ऋण | 5,45,378 | | 6,80,177 | 0 |
| ख. वाहन ऋण | 2,14,554 | | 1,16,598 | 0 |
| ग. कंप्यूटर ऋण | 2,45,915 | 10,05,847 | 1,33,092 | 9,29,867 |
| 3. अग्रिम और अन्य राशि नगद वसूली योग्य या अन्य प्रकार या मूल्य प्राप्त किया जाना | | | | |
| क. पूंजीगत खाते में | | | | |
| सीपीडब्ल्यूडी, नागपुर | 1,15,26,998 | | 6,14,33,531 | |
| यूपीएसकेएनएल, लखनऊ | 29,10,63,545 | | 30,23,06,691 | |
| एमजेपी वर्धा | 77,78,500 | | 77,78,500 | |
| ख. केंद्रों की | | | | |
| निदेशक, भाषा केंद्र लखनऊ | 9,66,799 | | 9,66,799 | |
| प्रभारी निदेशक, भाषा केंद्र लखनऊ | -87,397 | | -87,397 | |
| महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा | 5,72,490 | | 5,72,490 | |
| क्षेत्रीय निदेशक, कोलकाता | 7,69,002 | | 10,14,083 | |
| क्षेत्रीय निदेशक, इलाहाबाद | 11,21,310 | | 11,65,442 | |
| क्षेत्रीय निदेशक, नई दिल्ली | 1,07,896 | | 1,07,896 | |
| ग. अन्य | 32,43,684 | 31,70,62,827 | 37,52,855 | 37,90,10,890 |
| 4. पूर्वदतत व्यय | | | | |
| क. बीमा | 0 | | 0 | |
| ख. अन्य | 96,616 | 96,616 | 50,562 | 50,562 |
| 5. जमा | | | | |
| क. टेलीफोन | 27,786 | | 17,786 | |
| ख. पट्टा किराया | 0 | | 0 | |
| ग. बिजली | 39,91,500 | | 39,25,520 | |
| घ. ए आई सी टी ई | 0 | | 0 | |
| च. ई झेड सी सी, कोलकाता | 2,25,000 | | 0 | |
| छ. अन्य | 13,000 | 42,57,286 | 13,000 | 39,56,306 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 5. प्राप्त ब्याज | | | | |
| क. निर्धारित/धर्मस्व निधियों से निवेश | 0 | | 46,40,521 | |
| ख. अन्य निवेश पर | 0 | | 0 | |
| ग. ऋण और अग्रिम पर | 0 | | 0 | |
| घ. अन्य पर | 0 | 0 | 0 | 46,40,521 |
| 6. अन्य प्राप्य | | | | |
| क. प्रायोजित परियोजनाओं के नामें शेष | 0 | | 0 | |
| ख. अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति के नामें शेष | 0 | | 0 | |
| ग. अनुदान और वसूली योग्य | 8,32,851 | | 15,32,851 | |
| घ. प्राप्ति योग्य टीडीएस | 36,41,672 | | 18,449 | |
| च. केंद्रीय विद्यालय, वर्धा | 8,00,000 | | 0 | |
| छ. प्राप्ति योग्य अन्य | 1,46,450 | 54,20,973 | 91,100 | 16,42,400 |
| 7. प्राप्य दावे | | 0 | | 0 |
| **योग रु.** | | **33,44,37,455** | | **39,47,34,436** |

स्थान : वर्धा
दिनांक : 15.06.2016

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र
कुलसचिव/वित्ताधिकारी

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति

# आय एवं व्यय खाता

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान खाता की अनुसूचियाँ

अनुसूची – 09 अकादमिक प्राप्तियां

(राशि रु. में )

| विवरण | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| | योजना | गैर–योजना | योजना | गैर–योजना |
| **अकादमिक** | | | | |
| **छात्रों से प्राप्त शुल्क** | | | | |
| 1. शिक्षण शुल्क | 0 | 18,26,441 | 0 | 4,91,670 |
| 2. प्रवेश शुल्क | 0 | 7,50,384 | 0 | 6,56,925 |
| 3. नामांकरण शुल्क | 0 | 0 | 0 | 66,700 |
| 4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क | 0 | 1,88,900 | 0 | 2,82,474 |
| 5. प्रयोगशाला प्रवेश शुल्क | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 6. साहित्य तथा सांस्कृतिक शुल्क | 0 | 71,750 | 0 | 40,740 |
| 7. पंजीकरण शुल्क | 0 | 1,40,642 | 0 | 30,850 |
| 8. खेलकूद शुल्क | 0 | 7,500 | 0 | 7,275 |
| 9. एमबीए/बीबीए शुल्क | 0 | 0 | 24,70,665 | 0 |
| 10. दूरशिक्षा शुल्क | 73,92,963 | 0 | 12,87,157 | 0 |
| 11. अकादमिक परियोजना शुल्क | 0 | 66,323 | 0 | 0 |
| **योग (क)** | **73,92,963** | **30,51,940** | **37,57,822** | **15,76,634** |
| **परीक्षा** | | | | |
| 1. प्रवेश परीक्षा शुल्क | | | 0 | 0 |
| 2. वार्षिक परीक्षा शुल्क | | 2,66,150 | 0 | 1,98,663 |
| 3. अंक पत्र, प्रमाण पत्र | | 5,850 | 0 | 0 |
| 4. पूनर्मल्यांकन शुल्क | | 7,600 | 0 | 10,400 |
| **योग (ख)** | **0** | **2,79,600** | **0** | **2,09,063** |
| **अन्य शुल्क** | | | | |
| 1. पहचान पत्र शुल्क | | 19,575 | 0 | 13,070 |
| 2 दंड/विविध शुल्क | | 54,803 | 0 | 32,218 |
| 3. चिकित्सा शुल्क | | 51,150 | 0 | 31,810 |
| 4. परिवहन शुल्क | | 0 | 0 | 1,200 |
| 5. छात्रावास शुल्क | | 18,47,295 | 0 | 11,50,858 |
| 6. इंटरनेट शुल्क | | 2,54,450 | 0 | 1,14,200 |
| 7. एनएसएस शुल्क | | 0 | 0 | 40,285 |
| 8. भोजनालय शुल्क | | 6,40,854 | | |
| **योग (ग)** | **0** | **28,68,127** | **0** | **13,83,641** |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **`प्रकाशनों की बिक्री** | | | | |
| 1. प्रवेश पत्र/प्रकाशनों का विवरण | | 1,76,277 | 0 | 1,95,272 |
| 2. पाठ्यक्रम तथा प्रश्नपत्र इत्यादि का विवरण | | 0 | 0 | 0 |
| 3. विवरण पत्रिका के साथ प्रवेश पत्र का विक्रय | | 8,10,370 | 0 | 4,56,987 |
| **योग (घ)** | **0** | **9,86,647** | **0** | **6,52,259** |
| | | | | |
| **अन्य अकादमिक प्राप्तियां** | | | | |
| 1. कार्यशाला, कार्यक्रमों के पंजीकरण शुल्क | | 2,18,541 | | |
| 2. पंजीकरण शुल्क (अकादमिक स्टाफ कॉलेज) | | | | |
| **योग (च)** | **0** | **2,18,541** | **0** | **0** |
| | | | | |
| **योग (क+ख+ग+घ+च)** | **73,92,963** | **74,04,855** | **37,57,822** | **38,21,597** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान खाता की अनुसूचियां

अनुसूची –10 अनुदान/अनुवृत्ति

(राशि रु. में)

| विवरण | योजना | | | कुल योजना | गैर–योजना यूजीसी | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | भारत सरकार | यूजीसी | | | | | |
| | | योजना | *निर्दिष्ट योजना | | | | |
| **मॉजूदा शेष बी/एफ** | | | | | | | |
| **1. केंद्र सरकार** | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **2. राज्य सरकार** | | | | | | | |
| राष्ट्रीय सामाजिक सेवाए | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 01 अप्रैल, 2014 को अप्रयुक्त शेष अनुदान | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **3. सरकारी एजेसियां** | | | | | | | |
| विश्वविद्यालय अनुदान आयोग | | | | | | | |
| गैर–योजना निधि | | | | | | | |
| 01 अप्रैल, 2014 को अप्रयुक्त शेष अनुदान | 0 | 0 | 0 | 0 | 2,58,41,060 | 2,58,41,060 | 4,91,40,096 |
| योजना निधि | | | | | | | |
| 01 अप्रैल, 2015 को अप्रयुक्त शेष अनुदान | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| सामान्य सहायता अनुदान | | | | | | | |
| सामान्य विकास अनुदान (वेतन अनुदान सहित) | 0 | 18,21,31,598 | 0 | 18,21,31,598 | 0 | 18,21,31,598 | 29,36,03,197 |
| पीएच.डी./एम.फिल. के छात्रो के लिए गैर– नेट अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कम : डीईबी तथा छात्रवृत्ति की अनुदान वापसी, जो गैर–योजना खाते में गलती से डाली गई थी | 0 | 0 | 0 | 0 | 20,97,268 | 20,97,268 | 0 |
| जोड़ : डीईबी तथा छात्रवृत्ति के अनुदान की वापसी, जो पूर्व में गलती से जोड़ी गई थी | 0 | 20,97,268 | 0 | 20,97,268 | 0 | 20,97,268 | 0 |
| शिक्षा विद्यापीठ की स्थापना | 0 | 3,00,00,000 | 0 | 3,00,00,000 | 0 | 3,00,00,000 | 0 |
| वेतन सहायता अनुदान | | | | | | | |
| शिक्षा विद्यापीठ की स्थापना | 0 | 5,00,00,000 | 0 | 5,00,00,000 | 0 | 5,00,00,000 | 0 |
| अन्य सहायता अनुदान | | | | | | | |
| बौद्ध अध्ययन केंद्र | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2,822 |
| डॉ. अबेडकर अध्ययन केंद्र | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 90,000 |
| डॉ. जाकिर हुसैन अध्ययन केंद्र | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 93,884 |
| नेहरू अध्ययन केंद्र | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,06,080 |
| हिंदी व्याकरण कोष परियोजना | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,37,089 |
| शोध–अध्ययन परियोजना | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 51,875 |
| स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम अनुदान | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5,60,000 |
| प्रौढ़ शिक्षा परियोजना | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5,46,098 |
| मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 6,65,565 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 54,42,115 |
| कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 15,12,095 |
| पोस्ट डॉक्टरल अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | -1,03,600 |
| डॉक्टरल अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 53,468 |
| नवाचारी कार्यक्रम | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,45,000 |
| हिंदी के विकास में अनुवाद का योगदान | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 23,796 |
| लोक नाट्यों और नुक्कड़ नाट्यों में प्रतिरोध के स्वर | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2,45,800 |
| समाजशास्त्र और गांधी दर्शन परियोजना के संदर्भ में | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | -97,475 |
| वन्य जीव संरक्षण एवं आदिवासी विकास के मुददे | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2,05,059 |
| पारसी हिंदी थिएटर में महिलाएं | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 34,719 |
| राष्ट्रीय सामाजिक सेवाएं, पुणे | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | -31,957 |
| संगोष्ठी एवं कार्यशाला | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 70,941 |
| **उप योग (31/03/2015 को अनप्रयुक्त शेष)** | | **26,42,28,866** | **0** | **26,42,28,866** | **2,37,43,792** | **28,79,72,658** | **35,24,96,667** |
| **जोड़ वर्ष के दौरान अनुदान** | | | | | | | |
| **1. केंद्र सरकार** | | | | 0 | | 0 | 0 |
| **2. राज्य सरकार** | | | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **3 सरकारी एजेंसियां** | | | | 0 | | 0 | 0 |
| विश्वविद्यालय अनुदान आयोग | | | | 0 | | 0 | 0 |
| गैर योजना अनुदान | | | | 0 | 25,10,66,000 | 25,10,66,000 | 10,01,10,000 |
| योजना निधि | | | | | | | |
| सामान्य विकास अनुदान | | | | | | | |
| सामान्य सहायता अनुदान | | | | 0 | | 0 | 52,50,000 |
| वेतन सहायता अनुदान | | 5,00,00,000 | | 5,00,00,000 | | 5,00,00,000 | |
| सामान्य विकास अनुदान | | 3,40,00,000 | | 3,40,00,000 | | 3,40,00,000 | 2,80,00,000 |
| अन्य अनुदान | | | | | | | |
| समाजशास्त्र और गांधी दर्शन परियोजना के संदर्भ में | | | | 0 | | 0 | 1,16,480 |
| महात्मा गांधी की कर्मभूमि वर्धा | | | | 0 | | 0 | 1,80,000 |
| दूर शिक्षा खता | | | | 0 | | 0 | 19,31,583 |
| पोस्ट डॉक्टरल अध्येतावृत्ति | | | | 0 | | 0 | 5,34,000 |
| शोध गंगा परियोजना | | | | 0 | | 0 | 14,000 |
| पीएचडी छात्रों के लिए शोध पद्धति | | | | 0 | | 0 | 4,95,000 |
| आंतरिक गुणवत्ता | | | | 0 | | 0 | 4,50,000 |
| एमबीए/बीबीए छात्रों को छात्रवृत्ति | | | | 0 | | 0 | 1,65,685 |
| डॉक्टरल अध्येतावृत्ति | | | | 0 | | 0 | 8,60,000 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **4. संस्थागत / कल्याण निकाय** | | | | 0 | | 0 | |
| **5. अंतरराष्ट्रीय संगठन** | | | | 0 | | 0 | 0 |
| **6. अन्य उल्लेख** | | | | 0 | | 0 | 0 |
| **उप–योग (वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान)** | **0** | **8,40,00,000** | **0** | **8,40,00,000** | **25,10,66,000** | **33,50,66,000** | **13,81,06,748** |
| **योग** | **0** | **34,82,28,866** | **0** | **34,82,28,866** | **27,48,09,792** | **62,30,38,658** | **49,06,03,415** |
| **जोड़ : वर्ष 2015–16 के व्ययों के लिए 2014–15 में प्राप्त अनुदान** | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **कम : वर्ष के दौरान अनुदान की वापसी (डीईसी अनुदान)** | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप–योग** | | **34,82,28,866** | **0** | **34,82,28,866** | **27,48,09,792** | **62,30,38,658** | **49,06,03,415** |
| **कम : स्थायी संपत्तियों के अर्जन में अप्रयुक्त अनुदान** | | | | | | | |
| गैर–मूल्य ह्रास योग्य संपत्ति– पूंजी रिजर्व को हस्तांतरित | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| मूल्य ह्रास योग्य संपत्ति– स्थगित अनुदान को हस्तांतरित | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग** | **0** | **34,82,28,866** | **0** | **34,82,28,866** | **27,48,09,792** | **62,30,38,658** | **49,06,03,415** |
| | | | | | | | |
| कम : 31 मार्च 2016 तक अप्रयुक्त शेष | | 32,45,60,682 | 0 | 32,45,60,682 | 8,77,41,123 | 41,23,01,804 | 29,80,55,697 |
| | | | | | | | |
| **राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त अनुदान** | | **2,36,68,184** | | **2,36,68,184** | **18,70,68,669** | **21,07,36,854** | **19,25,47,718** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान खाता की अनुसूचियां

**अनुसूची –11 निवेशों से आय** (राशि रु. में)

| विवरण | निर्धारित /धर्मस्व निधियां | | अन्य निधियां | |
|---|---|---|---|---|
| | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
| 1. ब्याज | | | | |
| क. सरकारी प्रतिभूतियों पर | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ख. अन्य बंध– पत्र/डिबेंचर्स | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2. जमा की अवधि में प्राप्त आय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. प्रोद्भूत आय परंतु देय नहीं | | | | |
| क. प्रत्येक निधि अलग से | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ख. कर्मचारियों को ब्याज सहित दिया गया अग्रिम | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4. बैंक बचत खाते से प्राप्त आय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 5. अन्य (उल्लेख करें) | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **कुल** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| निर्धारित/ धर्मस्व निधि को हस्तांतरित | | | | |
| 1. ब्याज | | | | |
| क. सरकारी प्रतिभूतियों पर | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ख. अन्य बंध–पत्र/डिबेंचर्स | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2. जमा की अवधि में प्राप्त आय | | | | |
| 1. अनुसूचित बैंक के साथ | | | | |
| योजना निधि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| गैर–योजना निधि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| दूर शिक्षा खाता | 0 | 0 | 0 | 0 |
| सामान्य भविष्य निधि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| नई पेंशन योजना निधि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2. गैर–अनुसूचित बैंक के साथ | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. संस्थाओं के साथ | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4. अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. प्रोद्भूत आय परंतु देय नहीं | | | | |
| क. प्रत्येक निधि अलग से | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ख. कर्मचारियों को ब्याज सहित दिया गया अग्रिम | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4. बैंक बचत खाते से आय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 5. अन्य (उल्लेख करें) | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग** | **0** | **0** | **0** | **0** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान खाता की अनुसूचियां

अनुसूची –12 अर्जित ब्याज (राशि रु. में)

| विवरण | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| | योजना निधि | गैर–योजना निधि | योजना निधि | गैर–योजना निधि |
| **1. अनुसचित बैंकों में बचत खाता** | | | | |
| क. अनुसूचित बैंक के साथ | 0 | 0 | 0 | 2,01,924 |
| ख. गैर–अनुसूचित बैंक के सज्ञथ | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ग. संस्थाओं के साथ | 0 | 0 | 0 | 0 |
| घ. अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **2. ऋण पर** | | | | |
| क. कर्मचारी स्टाफ | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ख. अन्य | 0 | 0 | 0 | 1,396 |
| 3. देनदार तथा अन्य प्राप्तियोग्य | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4. सावधि जमा पर प्राप्त आय | | | | |
| अनुसूचित बैंक के साथ | | | | |
| योजना निधि | 2,47,32,214 | 0 | 2,82,88,704 | |
| गैर–योजना निधि | 0 | 55,61,342 | 0 | 47,99,426 |
| दूर शिक्षा खाता | 20,60,502 | 0 | 15,77,650 | |
| सामान्य भविष्य निधि | 0 | 0 | 0 | |
| नई पेंशन योजना निधि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अनुसूचित बैंकों के साथ (फ्लेक्सी सावधि जमा) | | | | |
| योजना निधि | 11,98,359 | 0 | 0 | 0 |
| गैर–योजना निधि | 0 | 8,86,816 | 0 | 0 |
| दूर शिक्षा खाता | 5,20,619 | 0 | 0 | 0 |
| सामान्य भविष्य निधि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| नई पेंशन योजना निधि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | | | | |
| **योग** | **2,85,11,694** | **64,48,158** | **2,98,66,354** | **50,02,746** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2016, समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

**अनुसूची –13 अन्य आय** (राशि रु. में)

| विवरण | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| | योजना निधि | गैर–योजना निधि | योजना निधि | गैर–योजना निधि |
| **क. भूमि और भवन से आय** | | | | |
| 1. छात्रावास के कमरे से किराया | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2. लाइसेंस शुल्क | 0 | 3,32,003 | 0 | 3,60,600 |
| 3. ऑडिटोरियम,/खेल मैदान/कन्वेंशन सेंटर से प्राप्त प्रभार | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4. बिजली और जल प्रभार | 0 | 72,090 | 0 | 36,362 |
| 5. अतिथि गृह प्रभार | 0 | 6,06,406 | 0 | 1,28,165 |
| 6 . शॉपिंग कॉम्प्लेक्स किराया | 0 | 51,692 | 0 | 20,353 |
| 7. विविध आय | 0 | 34,615 | 0 | 22,309 |
| **योग** | **0** | **10,96,806** | **0** | **5,67,789** |
| **ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री** | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **ग. गतिविधियों के आयोजन से आय** | | | | |
| 1. गतिविधियों से सकल प्राप्तियां | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कम : गतिविधियों से प्रत्यक्ष खर्च | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2. उत्सव से सकल प्राप्ति | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कम : उत्सव पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. शैक्षिक पर्यअन के लिए सकल प्राप्तियां | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कम : पर्यअन पर किया प्रत्यक्ष व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4. अन्य (निर्दिष्ट किया जाए और अलग से खुलासा किया जाए) | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| **घ. अन्य** | | | | |
| 1. कैंसलटेंसी से आय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2. आरटीआई शुल्क | 0 | 4,052 | 0 | 4,783 |
| 3. स्वामित्व से आय | 0 | 1,30,030 | 0 | 40,390 |
| 4. आवेदन पत्र की बिक्री (भर्ती) | 0 | 3,05,350 | 0 | 200 |
| 5. निवेदन पत्र की बिक्री | 0 | 5,000 | 0 | 5,900 |
| 6. बिक्री पर लाभ/परिसंपत्तियों का निपटान | 0 | 0 | 0 | 0 |
| क. स्वामित्व की संपत्ति (सॉफ्टवेयर की बिक्री) | 0 | 0 | 0 | 30,750 |
| ख. मुफ्त में प्राप्त परिसंपत्तियां | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 7. संस्थानों से दान/अनुदान, कलयाण समितियां तथा अंतरराष्ट्रीय संगठन | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 8. अन्य (उल्लेख करें), (मूल्य ह्रास के बराबर समानुपातिक राशि) | 2,42,20,442 | 0 | 2,72,00,305 | 0 |
| **योग** | **2,42,20,442** | **4,44,432** | **2,72,00,305** | **82,023** |
| **कुल योग** | **2,42,20,442** | **15,41,238** | **2,72,00,305** | **6,49,812** |

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

अनुसूची –14 आय के पूर्व की अवधि

(राशि रु. में )

| विवरण | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
|---|---|---|
| | | |
| 1. अकादमिक प्राप्तियां | 0 | 0 |
| 2. निवेश से आय | 0 | 0 |
| 3. अर्जित ब्याज | 0 | 0 |
| **4. अन्य आय** | 2,00,000 | 0 |
| योग | 2,00,000 | 0 |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016, समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

अनुसूची –15 स्टाफ भुगतान तथा हितलाभ

(राशि रु. में )

| विवरण | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| | योजना निधि | गैर–योजना निधि | योजना निधि | गैर–योजना निधि |
| **शैक्षणिक स्टाफ** | | | | |
| वेतन तथा मजदूरी | | | | |
| शैक्षणिक स्टाफ | 1,41,66,809 | 7,35,14,640 | 5,80,62,919 | 5,69,18,888 |
| गैर– शैक्षणिक स्टाफ | 11,25,171 | 4,67,36,697 | 0 | 0 |
| भत्ते और बोनस | 0 | 2,45,234 | 65,626 | 1,93,424 |
| स्थानांतरण यात्रा भत्ता | | 2,63,688 | | |
| भविष्य निधि में अंशदान | 0 | 0 | 0 | 0 |
| एनसीपीएस में अंशदान | 2,27,873 | 51,66,039 | 25,80,417 | 19,39,611 |
| स्टॉफ कल्याण व्यय | 0 | 53,545 | 6,465 | 1,06,666 |
| कर्मचारियों का प्रशिक्षण तथा अभिविन्यास | 0 | 51,521 | 0 | 0 |
| सेवानिवृत्ति तथा सेवांत हित लाभ | | | | |
| उपादान | 0 | 10,00,000 | 0 | 10,00,000 |
| पेंशन और छुट्टी वेतन | 0 | 6,00,000 | 0 | 7,62,876 |
| छुट्टी यात्रा रियायत व्यय | 25,232 | 10,65,354 | 13,40,173 | 6,70,826 |
| चिकित्सा सुविधा/प्रतिपूर्ति | 16,92,764 | 24,81,192 | 9,42,588 | 19,43,611 |
| संतान शिक्षा भत्ता | 18,000 | 21,33,170 | 5,08,822 | 16,81,371 |
| मानदेय | 0 | 0 | 7,69,477 | 4,75,728 |
| अन्य (उल्लेख करें) | 0 | 0 | 0 | 0 |
| शेष महंगाई भत्ता | 0 | 0 | 8,87,446 | 9,54,912 |
| अवकाश नगदीकरण | 0 | 1,06,686 | 1,05,114 | 3,82,269 |
| टीए डीए व्य | 0 | 8,64,949 | 57,825 | 4,06,028 |
| परिवार पेंशन व्यय | 0 | 22,56,534 | 0 | 8,99,592 |
| | | | | |
| **योग** | **1,72,55,849** | **13,65,39,249** | **6,53,26,872** | **6,83,35,802** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2016, समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

**अनुसूची –15 (क) कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति तथा सेवांत लाभ** (राशि रु. में )

| विवरण | पेंशन तथा छुट्टी का नगदीकरण | उपादान | | योग |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| 01 अप्रैल, 2015 को अधिकतम मूल्य (ओ पी) शेष | 21,73,486 | 2,31,00,000 | 0 | 25273486 |
| योग : अन्य संगठनों से प्राप्त अंशदान के पूंजीकृत मूल्य | 0 | 0 | 0 | 0 |
| योग (क) | 21,73,486 | 2,31,00,000 | 0 | 25273486 |
| कम : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख) | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 31.03.2016 को उपलब्ध शेष ग (क – ख) | 21,73,486 | 2,31,00,000 | 0 | 25273486 |
| | | | | |
| 31.03.2016 को अपेक्षित प्रावधान (घ) | 27,73,486 | 2,41,00,000 | 0 | 26873486 |
| | | | | |
| क. चालू वर्ष में बनाए गए प्रावधान (घ – ग) | **6,00,000** | **10,00,000** | **0** | **16,00,000** |

| विवरण | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| | योजना निधि | गैर–योजना निधि | योजना निधि | गैर–योजना निधि |
| ख. नई पेंशन योजना को अंशदान | 2,27,873 | 51,66,039 | 0 | 0 |
| ग. सेवानिवृत्त कर्मियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति | 0 | 0 | 0 | 0 |
| घ. सेवानिवृत्ति पर गृह नगर की यात्रा | 0 | 0 | 0 | 0 |
| च. निःपक्ष सहबद्ध बीमा भुगतान | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग** | **2,27,873** | **51,66,039** | **0** | **0** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 के समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

**अनुसूची –16 अकादमिक व्यय** (राशि रु. में )

| विवरण | योजना | गैर–योजना | योजना | गैर–योजना |
|---|---|---|---|---|
| प्रयागशाला व्यय | 0 | 58,761 | 0 | 15,300 |
| अतिथि प्राध्यापकों को भुगतान | 0 | 12,98,728 | 0 | 11,50,575 |
| परीक्षा | 0 | 11,24,619 | 0 | 5,66,936 |
| छात्र कल्याण व्यय | 0 | 40,633 | 0 | 57,192 |
| प्रशासनिक व्यय | 0 | 38,307 | 0 | 0 |
| शैक्षणिक भ्रमण | 0 | 1,21,917 | 0 | 1,86,698 |
| **वृत्तिका/छात्रवृत्ति** | | | | |
| कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 28,99,078 | 0 |
| राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 18,25,343 | 0 |
| एमफिल/पीएचडी. छात्रों को नॉन नेट अध्येतावृत्ति | 2,77,03,304 | 0 | 1,99,95,674 | 0 |
| पोस्ट डॉक्टरल अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 3,31,354 | 0 |
| डॉक्टरल अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 10,33,800 | 0 |
| एमए छात्रों के लिए छात्रवृत्ति | 13,28,000 | 0 | 0 | 0 |
| अध्ययन केंद्रों के शेयर्स | 14,88,086 | 0 | 5,13,680 | 0 |
| अभिदान | 0 | 3,50,000 | 0 | 1,37,159 |
| अन्य | | 0 | 0 | 0 |
| **अनेकानेक परियोजनाओं पर व्यय** | | | | |
| डॉ. अंबेडकर अध्ययन केंद्र | 0 | 0 | 2,27,058 | |
| मध्य भारत में आदिवासी शांति | 0 | 0 | 7,118 | 0 |
| वन्य जीव संरक्षण और अन्य आदिवासी मुद्दे | 0 | 0 | 88,172 | 0 |
| महात्मा गांधी की कर्मभूमि वर्धा | 0 | 0 | 45,300 | 0 |
| पारसी हिंदी थिएटर में महिलाएं | 0 | 0 | 35,041 | 0 |
| पीएचडी के छात्रों के लिए शोध पद्धति | 0 | 0 | 5,22,604 | 0 |
| आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ | 0 | 0 | 36,486 | 0 |
| अंबेडकर के विचारों पर आधारित राष्ट्रीय कायशालाा | 0 | 0 | 46,923 | 0 |
| ोध अध्ययन परियोजना | 0 | 0 | 2,02,500 | 0 |
| हिंदी के विकास में अनुवाद का योगदान | 0 | 0 | 4,883 | 0 |
| | | | | |
| **योग** | 3,05,19,390 | 30,32,965 | 2,78,15,014 | 21,13,860 |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 के समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

अनुसूची –17 अकादमिक व्यय (राशि रु. में )

| विवरण | योजना | गैर–योजना | योजना | गैर–योजना |
|---|---|---|---|---|
| **क. बुनियादी ढांचा** | | | | |
| बिजली और ऊर्जा | 0 | 1,07,04,889 | 0 | 1,05,86,645 |
| जनरेटर रखरखाव व्यय | 0 | 2,08,899 | 0 | 3,34,605 |
| पानी प्रभार | 0 | 46,32,049 | 0 | 47,51,482 |
| बीमा | 0 | 0 | 0 | 0 |
| किराया, दर और कर (संपत्ति कर के साथ) | 0 | 3,60,000 | 0 | 0 |
| वार्षिक रखरखाव अनुबंध | 0 | 4,39,216 | 0 | 4,29,101 |
| **ख. संचार** | | | | |
| डाक तथा तार | 0 | 2,48,227 | 0 | 2,89,657 |
| टेलीफोन तथा इंटरनेट प्रभार | 0 | 6,53,717 | 0 | 7,58,116 |
| **ग. अन्य** | | | | |
| छपाई एवं स्टेशनरी | 0 | 14,19,758 | 0 | 15,36,860 |
| यात्रा और वाहन | 0 | 1,65,790 | 0 | 10,39,503 |
| आतिथ्य | 0 | 2,63,560 | 0 | 2,11,879 |
| लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक | 0 | 0 | 0 | -2,68,365 |
| वृत्तिक कर | 0 | 7,33,878 | 0 | 1,63,739 |
| विज्ञापन एवं प्रचार | 0 | 8,78,698 | 0 | 14,83,799 |
| पत्रिका तथा जरनल | 0 | 2,22,167 | 0 | 1,85,814 |
| अन्य (उल्लेख) | | | | |
| समारोह तथा उत्सव | 0 | 12,24,069 | 0 | 15,15,364 |
| अतिथि गृह खर्च | 0 | 1,23,190 | 0 | 74,248 |
| वर्दी खर्च | 0 | 0 | 0 | 0 |
| आवास और भोजन | 0 | 54,287 | 0 | 61,191 |
| दवाईयां (अस्पताल के लिए) | 0 | 3,20,112 | 0 | 1,27,428 |
| संविदा कर्मचारियों के लिए चिकित्सा सुविधा | | 4,70,053 | | 1,18,039 |
| साक्षात्कार खर्च | 0 | 6,67,440 | 0 | 89,410 |
| मेस | 0 | 5,57,729 | 0 | 1,20,887 |
| कार्यालय खर्च | 0 | 9,21,770 | 0 | 10,71,380 |
| आउटसोर्सिंग एजेंसी द्वारा लगे कर्मियों का वेतन तथा मजदूरी | 0 | 2,44,63,766 | 0 | 2,61,97,905 |
| बैठक भत्ता | 0 | 0 | 0 | 85,923 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| एनएसएस | 0 | 49,944 | 0 | 0 |
| सुरक्षा और सतर्कता | 0 | 68,61,141 | 0 | 71,47,485 |
| हिंदी की उन्नति एवं प्रचार | 0 | 8,17,386 | 0 | 4,500 |
| नाटक तथा वृत्तचित्र प्रभार | 0 | 81,995 | 0 | 0 |
| माल ढुलाई और गाड़ी भाड़ा | | 2,050 | 0 | 0 |
| बैठक व्यय | | 2,40,521 | 0 | 0 |
| खेलकूद व्यय | 0 | 2,41,432 | 0 | 0 |
| **केंद्र आवर्ती व्यय** | | | | |
| इलाहाबाद केंद्र | 24,67,952 | 0 | 11,82,077 | 0 |
| कोलकाता केंद्र | 15,81,734 | 0 | 7,99,044 | 0 |
| **सामान्य विकास अनुदान व्यय** | | | | |
| दूर शिक्षा व्यय | 5,98,378 | 0 | 30,34,701 | 0 |
| दूर शिक्षा व्यय | 1,56,561 | 0 | 0 | 0 |
| दूर शिक्षा सामग्री | 4,03,983 | 0 | 0 | 0 |
| शिक्षा आवर्ती व्यय | 1,68,661 | 0 | 0 | 0 |
| प्रकाशन व्यय | 28,28,250 | 0 | 13,79,367 | 0 |
| अतिथि प्रोफेसर/अध्येताओं की नियुक्ति | 24,34,250 | 0 | 4,86,396 | 5,47,752 |
| स्वास्थ्य केंद्र | 4,000 | 0 | 0 | 0 |
| संगोष्ठी और कार्यशालाओं पर व्यय | 11,53,833 | 0 | 5,21,458 | 0 |
| नेट कोचिंग व्यय | 0 | 0 | 1,06,100 | 0 |
| **योग** | **1,17,97,602** | **5,80,27,733** | **75,09,143** | **5,86,64,347** |

**अनुसूची –18 परिवहन व्यय**

| **विवरण** | **योजना** | **गैर–योजना** | **योजना** | **गैर–योजना** |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| क. वाहन (संस्था का स्वामित्व) | | | | |
| 1. चालू व्यय | 0 | 7,82,941 | 0 | 6,79,663 |
| 2. मरम्मत एवं रखरखाव | 0 | 3,12,541 | 0 | 3,08,064 |
| 3. बीमा प्रभार | 0 | 47,930 | 0 | 45,909 |
| ख. वाहन (लीज पर लिए गए/किराए पर) | | | | |
| 1. लीज पर व्यय | 0 | 4,49,311 | 0 | 2,64,292 |
| ग. टैक्सी वाहन का किराया | | 0 | | |
| घ. समयोपरि भत्ता | 0 | 59,790 | 0 | 45,304 |
| **योग** | **0** | **16,52,513** | **0** | **13,43,232** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 के समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

**अनुसूची –19 मरम्मत एवं रख्रखाव** (राशि रु. में )

| विवरण | योजना | गैर–योजना | योजना | गैर–योजना |
|---|---|---|---|---|
| भवन | 0 | 18,10,177 | 0 | 17,09,078 |
| फर्नीचर एवं जुड़नार | 0 | 1,39,904 | 0 | 1,88,474 |
| संयंत्र एवं तंत्र | 0 | 0 | 0 | 1,39,421 |
| कार्यालय उपस्कर | 0 | 6,17,817 | 0 | 3,34,309 |
| कंप्यूटर | 0 | 2,99,822 | 0 | 11,34,834 |
| प्रयोगशाला तथा वैज्ञानिक उपकरण | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ऑडियो विजुअल उपकरण | 0 | 0 | 0 | 0 |
| साफ–सफाई की सामग्री एवं सेवाएं | 0 | 1,38,259 | 0 | 1,34,641 |
| जिल्दसाजी पर व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| बागवानी | 0 | 0 | 0 | 8,56,192 |
| संपत्ति रखरखाव | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | **0** | **30,05,979** | **0** | **44,96,949** |

**अनुसूची – 20 वित्तीय लागत** (राशि रु. में )

| विवरण | योजना | गैर–योजना | योजना | गैर–योजना |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| बैंक प्रभार | 0 | 38276.49 | 14561 | 26269 |
| अन्य उल्लेख करें | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग** | **0** | **38,276** | **14,561** | **26,269** |

**अनुसूची – 21 अन्य व्यय** (राशि रु. में )

| विवरण | योजना | गैर–योजना | योजना | गैर–योजना |
|---|---|---|---|---|
| अशोध्य और संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अवसूलीय शेष बट्टा खाता | 0 | 0 | 0 | 0 |
| संस्थानों/संगठनों के लिए अनुदान/सहायता (अनुवृत्ति) | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग** | **0** | **0** | **0** | **0** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2016 के समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

**अनुसूची – 22 पूर्व अवधि व्यय** (राशि रु. में )

| विवरण | योजना | गैर–योजना | योजना | गैर–योजना |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| स्थापना व्यय | 0 | 3,66,205 | 0 | 0 |
| अकादमिक व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| प्रशासनिक व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| परिवहन व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| रखरखाव तथा मरम्मत व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| योग | 0 | 3,66,205 | 0 | 0 |

स्थान : वर्धा
दिनांक : 15.06.2016

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र
कुलसचिव / वित्ताधिकारी

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति

# प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

### 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

राशि रु.

| | प्रतियाँ | | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष | | भुगतान | | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | पिछला शेष | | | | I | व्यय | | | |
| | मौजूदा राशि | | 0 | 0 | | | | | |
| | बैंक शेष | | | | | संस्थागत तथा प्रशासनिक व्यय | 6,07,10,339 | | 13,52,66,161 |
| | चालू खाते मे | | | | | वेतन | 14,95,18,043 | | 6,54,17,628 |
| | जमा खाते मे | | | | | अन्य प्रशासनिक व्यय | 0 | | 0 |
| | योजना निधि | | | | | प्रकाशन व्यय | 27,20,550 | | 13,79,367 |
| | सावधि जमा | 28,82,01,629 | | 28,89,55,449 | | बैंक प्रभार | 38,276 | | 12,616 |
| | बीओआईएसपी खाता | 0 | | 3,91,79,658 | | छात्र सुविधाएं | 3,400 | | 0 |
| | गैर–योजना निधि | | | | | संगोष्ठी एवं कार्यशाला पर व्यय | 11,53,833 | | 5,21,458 |
| | सावधि जमा | 4,22,56,495 | | 1,05,15,890 | | अतिथि अध्यापक/अध्येताओं की नियुक्ति | 24,34,250 | | 10,34,148 |
| | बीओआईएसपी खाता | 4,29,78,000 | | 9,51,93,131 | | डे–केयर सेंटर | 4,000 | | 0 |
| | दूर शिक्षा | | | | | अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए नेट कोचिंग योजना | 0 | | 1,06,100 |
| | सावधि जमा | 1,26,03,812 | | 0 | | दूरशिक्षा पर व्यय | 5,98,378 | | 0 |
| | बीओआईएसपी खाता | 1,15,03,000 | | 0 | | दूरशिक्षा परीक्षा पर व्यय | 1,56,561 | | 0 |
| | जीपीएफ | | | | | शिक्षा व्यय | 1,68,661 | | 0 |
| | सावधि जमा | 1,27,72,742 | | 0 | | अध्ययन सामग्री की खरीद | 4,03,983 | | 0 |
| | बीओआईएसपी खाता | 27,71,000 | | 0 | | अध्ययन केंद्रों के शेअर्स | 14,88,086 | 21,93,98,360 | 0 |
| | एनसीपीएस | | | | | | | | |
| | सावधि जमा | 48,85,967 | | 0 | | गैर–नेट/एम. फिल/पीएच.डी. छात्रों को अध्येयतावृत्ति | | | |
| | बीओआईएसपी खाता | 3,98,000 | 41,83,70,645 | | | छात्रों को छात्रवृत्ति/अध्येयता वृत्ति | | 2,77,03,304 | 2,31,86,171 |
| | | | | | | ओबीसी आरक्षण हेतु सामान्य विकास अनुदान | | | |
| | बचत खाते मे | | | | | ओबीसी आवर्ती खर्च | | 0 | 0 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (दूरशिक्षा) 00028 | -1,453 | | 0 | | **इलाहाबाद एवं कोलकाता सेंटरों की स्थापना** | | | |
| | बैंक ऑफ इंडिया (दूरशिक्षा) 0018 | -2,60,245 | | 0 | | कोलकाता केंद्र | 15,81,734 | | 11,82,077 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (एनपीएस) 0003 | 26,104 | | 0 | | इलाहाबाद केंद्र | 24,67,952 | 40,49,686 | 7,99,044 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (योजन) 0004 | 83,335 | | -2,10,245 | II | **विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधि का भुगतान** | | | |
| | बैंक ऑफ इंडिया (गैर–योजना) 0005 | -11,42,337 | | 86,880 | | पीएच.डी. छात्रों के लिए शोध पद्धति | 0 | | 5,22,604 |
| | बैंक ऑफ इंडिया आरजीएनएफ खाता | 39,95,294 | | 56,18,713 | | डॉ. अंबेडकर अध्ययन केंद्र | 51,626 | | 2,27,058 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (योजना) 00020 | 56,07,901 | | 0 | | डॉ. जाकिर हुसैन अध्ययन केंद्र | 0 | | 0 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (अध्यापक कल्याण) 18 | 13,953 | | 0 | | राष्ट्रीय सामाजिक सेवाएं | 1,53,960 | | 0 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (University Cordus) 19 | 2,12,268 | | 0 | | कनिष्ट अनुसंधान अध्येयतावृत्ति | 42,17,739 | | 28,99,078 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (जीपीएफ) 18 | 41,850 | | 0 | | पोस्ट डाक्टरल अध्येयतावृत्ति | 6,00,516 | | 0 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (सीजीईआईएस) 958 | 15,269 | | 15,269 | | प्राप्त करने योग्य नेंक अनुदान | 1,00,000 | | |
| | बैंक ऑफ इंडिया | 0 | 85,91,939 | | | डाक्टरल अध्येयतावृत्ति | 7,26,478 | | 0 |
| | | | | | | आनतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ | 93,405 | | 36,486 |
| II | **प्राप्त अनुदान** | | | | | अनुसंधान अध्ययन परियोजना | 49,486 | | 0 |
| | विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त | | | | | भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद | 5,00,000 | | |
| | गैर–योजना | 25,10,66,000 | | 12,69,10,000 | | महात्मा गांधी की कर्म भूमि | 1,31,796 | | |
| | योजना | | | | | | 0 | | 0 |
| | यामान्य विकास योजना | 30,00,00,000 | | 3,17,50,000 | | बी–वोक व्यय | 7,930 | | 0 |
| | सामान्य विकास अनुदान (आवर्ती) | 3,40,00,000 | | 52,50,000 | | हिंदी के विकास मे अनुवाद का योगदान | 41,963 | | 6,833 |
| | सामान्य विकास अनुदान (वेतन) | 5,00,00,000 | | 2,80,00,000 | | वन्यजीव संरक्षण और आदिवासी विकास के मुद्दे | 1,06,535 | | 88,172 |
| | शिक्षा विद्यापीट की स्थापना | 0 | 63,50,66,000 | 0 | | पारसी हिंदी मे थियेटर मे महिलाएं | 27,010 | | 37,010 |
| | अन्य अनुदान | | | 0 | | राष्ट्र बनाम कथित राष्ट्र वाद | 4,580 | | 7,118 |
| | शिक्षकों और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन | 2,69,00,000 | | | | गांधी दर्शन समिति संगोष्ठी | 1,36,084 | | |
| | राजीव गांधी अध्येयता वृत्ति | 0 | | 0 | | कम्यूनिटी कॉलेज | 1,89,981 | | |
| | कनिष्ट अनुसंधान अध्येयता वृत्ति | 0 | | 0 | | शिक्षकों और शिक्षण पर प. मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन योजना | 7,17,554 | | |
| | राष्ट्रीय सामाजिक सेवा | 93,902 | | | | | | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | पोस्ट डॉक्टरल अध्येयतावृत्ति | 4,33,600 | | 5,34,000 | | एम. ए. के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति | 13,28,000 | | |
| | डॉक्टरल अध्येयतावृत्ति | 10,59,000 | | 8,60,000 | | नवाचारी कार्यक्रम | 79,077 | | 0 |
| | ई–पीजी पाठशाला | 7,00,000 | | 0 | | मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येयतावृत्ति | 0 | | 30,500 |
| | उदारीकरण की निति के प्रभाव | 8,00,000 | | 0 | | पीएच.डी. छात्रों के लिए शोधपद्धति | 0 | | 46,923 |
| | भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद | 4,50,000 | | 0 | | महात्मा गाधी की कर्मभूमि वर्धा | 0 | | 45,300 |
| | हिंदी के विकास मे अनुदान का योगदान | 0 | | 0 | | अनुसंधान अध्ययन परियोजना | 0 | | 2,02,500 |
| | राष्ट्रीय मानवाधिकार | 48,446 | | 0 | | समाजशास्त्र तथा गांधीवाद की संकल्पना | 0 | | 0 |
| | राष्ट बनाम कथित राष्ट्रवाद | 7,20,000 | | 0 | | राजीव गाधी राष्ट्रीय अध्येयतावृत्ति | 26,32,858 | 1,18,96,578 | 0 |
| | आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ | 0 | | 4,50,000 | | | | | |
| | अनुसंधान अध्ययन परियोजना | 14,76,600 | | 0 | | | | | |
| | बी–वोक कार्यक्रम | 65,00,000 | | 0 | | | | | |
| | महात्मा गाधी की कर्मभूमि वर्धा | 1,80,000 | | 0 | III | **निर्धारित/धर्मदा निधि से प्राप्त निवेश तथा जमा** | | | |
| | कम्यूनिटी कॉलेज | 43,00,000 | | 0 | | | | | |
| | गाधी दर्शन समिति सगोष्ठी | 1,16,250 | | 0 | | क. निर्धारित एवं धर्मस्व निधि से | | 0 | 0 |
| | पीएच.डी. की शोध पद्धति | 43,732 | | 4,95,000 | | ख. स्व निधियों से (अन्य निवेश) | | 0 | 0 |
| | ोध गंगा | 0 | | 14,000 | | | | | |
| | समाजशास्त्र और गाधीवाद की कल्पना | 0 | | 1,16,480 | IV | **स्थाई परिसंपत्तियों एवं पूँजीगत निर्माण कार्यों पर व्यय** | | | |
| | राज्य सरकार से | | | | | स्थाई परिसंपत्तियों | 54,56,837 | | 82,47,676 |
| | एमबीए/बीबीए के छात्रों को अध्येयतावृत्ति | 0 | | 0 | | प्रगति के तहत पूँजी कार्य (निवल) | 26,53,88,899 | 27,08,45,736 | 3,32,86,188 |
| | राष्ट्रीय समाज सेवाएँ, पुणे | 0 | | 0 | | | | | |
| | महात्मा गाधी की कर्मभूमि वर्धा | 0 | | 1,80,000 | V | **अधिशेष राशि/ऋण की वापसी** | | 36,480 | 0 |
| | सामाजिक एव न्याय मंत्रालय, नई दिल्ली | 0 | | 0 | VI | **वित्तीय प्रभार (ब्याज)** | | 0 | 0 |
| | आईसीसीआर, नई दिल्ली | 0 | 4,38,21,530 | 0 | | | | | |
| | | | | | VII | **अन्य भुगतान** | | | |
| III | **निवेश से आय** | | | | | स्रोत पर कर कटौती | 1,34,28,105 | | 1,07,41,997 |
| | क) निर्धारित/धर्मस्व निधियाँ | | 0 | 0 | | **वेतन से वसूली एवं कटौती** | | | |
| | ख) स्व–निधियाँ (अन्य निवेश) | | 0 | 0 | | सामान्य भविष्य निधि से | 39,44,249 | | 39,80,691 |
| IV | **ब्याज प्राप्ति** | | | | | एन.सी.पी.एस. खाता | 57,20,257 | | 49,24,166 |
| | अन्य पर | 0 | | 1,396 | | वृत्ति कर | 4,38,570 | | 4,54,615 |
| | बचत खाते पर | 1,15,919 | | 2,01,924 | | पोस्टल जीवन विमा और लघु बचत | 45,40,208 | | 41,21,362 |
| | सावधि जमा पर | 4,17,21,882 | 4,18,37,801 | 3,30,88,130 | | समूह विमा योजना | 3,17,440 | | 3,06,417 |
| V | **अन्य आय** | | | | | पैतृक संस्था वसूली | 6,07,160 | | 9,84,386 |
| | छात्रों से शुल्क | | | | | वर्धा नागरी सहकारी बैंक वर्धा | 7,500 | | 30,000 |
| | शिक्षा शुल्क | 18,26,441 | | 4,91,670 | | शैक्षणिक कर्मचारी संगठन | 52,400 | | |
| | दूर शिक्षा शुल्क | 73,92,963 | | 0 | | अधिकारी एवं शिक्षक क्लब | 1,10,250 | | 1,26,007 |
| | प्रवेश शुल्क | 7,50,384 | | 6,56,925 | | महात्मा गाधी कर्मचारी सहकारी साख संस्था | 5768177 | | 3599296 |
| | अन्य शुल्क | 54,803 | | 0 | | राहत कोष | 336813 | | 0 |
| | बस शुल्क | 0 | | 1,200 | | गैर–शैक्षणिक कर्मचारी सगठन | 24,457 | 3,52,95,586 | 29,550 |
| | क्रीड़ा शुल्क | 7,500 | | 0 | | | | | |
| | परिचय पत्र शुल्क | 19,575 | | 13,070 | | छात्रों को जमानती राशि की वापसी | | 67,100 | 1,50,500 |
| | राजस्व | 74,680 | | 40,390 | | पूर्व प्रदत्त सदस्यता शुल्क | | 96,054 | 0 |
| | पंजीकरण | 1,40,642 | | 30,850 | | | | | |
| | प्रयोगशाला शुल्क | 77,900 | | 2,82,474 | | | | | |
| | साहित्य/सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क | 71,750 | | 40,740 | | | | | |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | कर्मचारियों के लिए | | | |
| | अकादमिक/परियोजना शुल्क | | 66,323 | | 0 | | खर्च के लिए | 1,00,22,498 | | 59,39,061 |
| | चिकित्सा पंजीकरण शुल्क | | 51,150 | | 31,810 | | व्यक्तिगत | 23,02,32,928 | | 34,73,517 |
| | छात्र कल्याण शुल्क | | 0 | | 0 | | छात्र | 9,500 | | 14,000 |
| | इंटरनेट शुल्क | | 2,54,450 | | 1,14,200 | | अन्य | 65,32,461 | 24,67,97,387 | 5,87,64,794 |
| | पुस्तकालय शुल्क | | 1,11,000 | | 66,700 | | **निधि के लिए योगदान** | | | |
| | पुनर्मूल्यांकन शुल्क | | 7,600 | | 10,400 | | एन.सी.पी.एस. खाता (नियोक्ता) | | 52,30,500 | 0 |
| | एनएसएस | | 0 | | 40,285 | | एन.सी.पी.एस. खाता (कर्मचारी) | | 52,30,500 | 0 |
| | भोजन शुल्क | | 6,40,854 | | 0 | | डब्ल्यूसीटी तथा श्रम उपकर | | 18,04,342 | 328484 |
| | छात्रावास शुल्क | | 18,47,295 | 1,33,95,310 | 11,50,858 | | केंद्रों को अग्रिम | | 0 | 0 |
| | सामुदायिक कॉलेज | | | 1,54,100 | 0 | | सुरक्षा जमा | | 3,00,980 | 1,89,413 |
| | शॉपिंग कॉम्पलेक्स किराया | | | 51,692 | 20,353 | | अग्रिम धन | | 1,88,200 | 17,82,040 |
| | प्राप्त परीक्षा शुल्क | | | 2,66,150 | 1,98,663 | | जीपीएफ खाते को अग्रिम | | 0 | 0 |
| | प्रकाशन से आय | | | 1,76,277 | 1,95,272 | | दूरशिक्षा को अग्रिम | | 0 | 0 |
| | प्रपत्र बिक्री (आवेदन पत्र शुल्क) | | | 8,10,370 | 4,56,987 | | टीडीएस की कटौती | | 36,23,223 | 7,550 |
| | अन्य आय | | | 72,090 | 98,164 | | सॉफ्टवेअर परामर्श भुगतान | | 0 | 0 |
| | लाइसेंस शुल्क | | | 3,32,003 | 3,60,600 | | देय व्यय का भुगतान | | 25,84,396 | 51,60,342 |
| | अन्य प्राप्तियाँ (अतिथि गृह प्रभार) | | | 6,06,406 | 1,28,165 | | बैंक ऑफ इंडिया खाता (बैंक द्वारा चेक गलती से मंजूर किया गया) | | 0 | 19,50,000 |
| | प्रपत्र बिक्री (भर्ती) | | | 3,05,350 | 200 | | शिक्षक कल्याण निधि को अग्रिम | | 0 | 1,000 |
| | प्रपत्र बिक्री (निविदा प्रपत्र) | | | 5,000 | 5,900 | | 2013–14 को मंजूर अग्रिम | | 0 | 2,68,00,000 |
| | सॉफ्टवेयर सलाह | | | 0 | 30,750 | | विश्वविद्यालय कायिक निधि के लिए अग्रिम | | 0 | 5,000 |
| | अन्य/दंड | | | 34,615 | 0 | | दूरशिक्षा के लिए अग्रिम | | 0 | 92,001 |
| | अंकपत्र/प्रमाणपत्र शुल्क | | | 5,850 | 0 | VIII | **अंत शेष** | | 0 | 0 |
| | आरटीआई शुल्क | | | 4,052 | 4,783 | | मौजूदा राशि | | 0 | 0 |
| | सेमिनार शुल्क | | | 2,42,541 | 0 | | बैंक मे जमा | | | |
| VI | **निवेश का नकदीकरण** | | | 0 | 0 | | चालू खाते मे | | 0 | 0 |
| VII | **अन्य प्राप्तियाँ** | | | | | | जमा खाते मे | | | |
| | स्रोत पर कर कटौती | | 1,26,47,996 | | 1,15,22,034 | | सावधि जमा (योजना) | 41,18,64,454 | | 28,82,01,629 |
| | | | | | | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (योजना) | 5,94,46,000 | | |
| | **वेतन से वसूल एवं कटौती** | | | | | | सावधि जमा (गैर–योजना) | 11,34,30,680 | | 4,22,56,495 |
| | समूह बीमा योजना | | 2,89,435 | | 3,32,118 | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (गैर–योजना) | 9,26,26,000 | | 4,29,78,000 |
| | समान्य भविष्य निधि | | 37,62,231 | | 41,63,383 | | सावधि जमा (जीपीएफ) | 1,79,76,096 | | 0 |
| | व्यवसाय कर | | 4,07,040 | | 4,82,815 | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (जीपीएफ) | 35,74,000 | | 0 |
| | शैक्षणिक कर्मचारी संगठन | | 46,200 | | 0 | | सावधि जमा (दूरशिक्षा) | 2,70,26,930 | | 0 |
| | अधिकारी एवं शिक्षक क्लब | | 1,01,400 | | 1,29,450 | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (दूरशिक्षा) | 37,48,000 | | 0 |
| | गैर–शैक्षणिक कर्मचारी संगठन | | 22,717 | | 31,860 | | सावधि जमा (एनसीपीएस) | 56,48,730 | | 0 |
| | एन.सी.पी.एस. खाता | | 53,33,063 | | 53,11,360 | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (एनसीपीएस) | 2,51,000 | | 0 |
| | पोस्टल जीवन बीमा और लघु बचत | | 41,98,751 | | 44,37,788 | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (शिक्षक कल्याण) | 40,000 | | 0 |
| | वर्धा नागरी सहकारी बैंक, वर्धा | | 5,000 | | 32,500 | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (विश्वविद्यालय कायिक कोष) | 3,90,000 | | 0 |
| | पैतृक संस्था वसूली | | 5,56,400 | | 10,69,495 | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (ई–पीजी पाठशाला) | 5,88,000 | | 0 |
| | | | | | | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (शिक्षकों और शिक्षण पर प. मदनमोहन मालवीय राष्ट्रीय मीशन योजना) | 60,92,000 | | 0 |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | राहत कोष | | 3,36,813 | | 0 | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (बी–वॉक) | 64,46,000 | 74,91,47,891 | |
| | महात्मा गांधी कर्मचारी सहकारी साख संस्था | | 53,92,837 | 3,30,99,883 | 40,73,733 | बचत खाते से | | | 0 |
| | कर्मियों से | | 0 | | | बैंक ऑफ इंडिया (972110210000005) | -21,75,631 | | -11,42,337 |
| | खर्च | | 1,06,55,443 | | 53,63,456 | बैंक ऑफ इंडिया (972110210000004) | 804 | | 83,335 |
| | व्यक्तिगम | | 28,67,12,140 | | 32,66,075 | बैंक ऑफ इंडिया (972110210000026) | 15,269 | | 15,269 |
| | छात्र | | 4,728 | | 14,000 | बैंक ऑफ इंडिया (972110210000020) | -5,42,21,240 | | 56,07,901 |
| | अन्य | | 37,33,520 | 30,11,05,831 | 7,14,88,335 | बैंक ऑफ इंडिया 20577 | 15,41,355 | | 39,95,294 |
| | | | | | | बैंक ऑफ इंडिया (दूरशिक्षा) 00028 | -1,453 | | 0 |
| | **निधि के लिए योगदान** | | | | | बैंक ऑफ इंडिया (दूरशिक्षा) 0001 | -8,516 | | 0 |
| | गरीबों को राहत के लिए विश्वविद्यालय की कायिक निधि | | | 2,01,685 | 0 | बैंक ऑफ इंडिया (एनपीएस) 0003 | 29,317 | | 0 |
| | अध्यापक कल्याण | | | 53,088 | 0 | बैंक ऑफ इंडिया (शिक्षक कल्याण) 18 | 27,523 | | 0 |
| | जीपीएफ खाता | | | 52,51,540 | 0 | बैंक ऑफ इंडिया (विश्वविद्यालय कायिक निधि) 19 | 28,650 | | 0 |
| | एनसीपीएस खाता (कर्मचारी) | | | 58,00,737 | 0 | बैंक ऑफ इंडिया (जीपीएफ) 18 | 38,958 | | 0 |
| | एनसीपीएस खाता (कर्मचारी) | | | 53,62,022 | 0 | बैंक ऑफ इंडिया (सीजीईआईएस) 968 | 0 | | 0 |
| | | | | | | बैंक ऑफ इंडिया (पीएमएमएमएनएमटीटी) | 29,119 | | 0 |
| | **अन्य देनदारियाँ** | | | | | बैंक ऑफ इंडिया (बी–वॉक) | -5,75,164 | | 0 |
| | कैंद्र | | | 2,89,213 | 0 | बैंक ऑफ इंडिया (ई–पीजी पाठशाला) | -4,544 | -5,52,75,552 | 0 |
| | अग्रिम धन | | | 1,10,000 | 13,22,000 | | | | |
| | ठेकेदार के पास सुरक्षा जमा | | | 59,82,968 | 23,60,699 | | | | |
| | देय उपादान | | | 10,00,000 | 10,00,000 | | | | |
| | देय पेंशन और छुट्टी–वेतन | | | 22,60,032 | 8,43,850 | | | | |
| | डब्ल्यूसी तथा श्रम उपकार | | | 1804342 | 3,28,484 | | | | |
| | विविध लेनदार | | | 1,62,159 | 81,975 | | | | |
| | टीडीएस पर ब्याज | | | 0 | 7,580 | | | | |
| | अनुसरणीय राशि | | | 60,370 | 0 | | | | |
| | सामान्य अवधान राशि | | | 2,42,175 | 2,12,500 | | | | |
| | पेंशन खाता | | | 68,336 | 0 | | | | |
| | सॉफ्टवेयर सलाह | | | 16,650 | 0 | | | | |
| | विशेष सुरक्षा जमा | | | 0 | 0 | | | | |
| | पूर्वादत्त सदस्यता शुल्क | | | 50,000 | 0 | | | | |
| | जीपीएफ खाते से अग्रिम | | | 0 | 0 | | | | |
| | जमा राशि पर अर्जित ब्याज | | | 0 | 9,71,733 | | | | |
| | दूर शिक्षा से अग्रिम | | | 0 | 15,684 | | | | |
| | बीओआई खामा (धनवापसी) | | | 19,50,000 | 0 | | | | |
| | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | |
| | कुल रु. | | | **1,52,90,20,751** | **79,05,39,991** | कुल रु. | | **1,52,90,20,751** | **79,05,39,991** |

स्थान : वर्धा
दिनांक : 15.06.2016

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र
कुलसचिव / वित्ताधिकारी

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
## 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए निवेश का विवरण

(राशि रु.)

| क्रम संख्या | निवेश की तिथि | निवेश राशि | बैंक/संस्था का नाम | ब्याज दर | निवेश की अवधि | परिपक्वता की तिथि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| गैर–योजना | | | | | | |
| 1 | 18-09-2015 | 1,03,08,783.00 | कैनरा बैंक, वर्धा | 7.75% | 180 दिन | 18-08-2016 |
| 2 | 14-02-2016 | 1,06,71,119.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 9 महीने | 14-11-2016 |
| 3 | 14-02-2016 | 1,06,71,119.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 9 महीने | 14-11-2016 |
| 4 | 14-02-2016 | 1,06,71,119.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 9 महीने | 14-11-2016 |
| 5 | 25-04-2015 | 50,000.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 2 वर्ष | 25-04-2017 |
| 6 | 08-01-2016 | 1,01,51,220.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.35% | 91 दिन | 08-04-2016 |
| 7 | 08-01-2016 | 1,01,51,220.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.35% | 91 दिन | 08-04-2016 |
| 8 | 08-01-2016 | 1,01,51,220.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.35% | 91 दिन | 08-04-2016 |
| 9 | 08-01-2016 | 1,01,51,220.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.35% | 91 दिन | 08-04-2016 |
| 10 | 08-01-2016 | 1,01,51,220.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.35% | 91 दिन | 08-04-2016 |
| 11 | 08-01-2016 | 1,01,51,220.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.35% | 91 दिन | 08-04-2016 |
| 12 | 08-01-2016 | 1,01,51,220.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.35% | 91 दिन | 08-04-2016 |
| योजना | | | | | | |
| 1 | 03-03-2016 | 1,03,33,493.00 | कैनरा बैंक, वर्धा | 7.75% | 6 महीने | 03-09-2016 |
| 2 | 26-02-2016 | 14,48,34,103.44 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 26-02-2017 |
| 3 | 09-07-2015 | 1,05,47,072.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.25% | 9 महीने | 04-04-2016 |
| 4 | 09-07-2015 | 1,05,47,070.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.25% | 9 महीने | 04-04-2016 |
| 5 | 09-07-2015 | 1,05,47,072.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.25% | 9 महीने | 04-04-2016 |
| 6 | 09-07-2015 | 1,05,47,071.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.25% | 9 महीने | 04-04-2016 |
| 7 | 09-07-2015 | 1,05,64,911.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.25% | 9 महीने | 04-04-2016 |
| 8 | 09-07-2015 | 1,05,47,071.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 04-04-2016 |
| 9 | 09-07-2015 | 52,81,927.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 04-04-2016 |
| 10 | 09-07-2015 | 52,82,984.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 09-07-2016 |
| 11 | 09-07-2015 | 52,82,984.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 09-07-2016 |
| 12 | 09-07-2015 | 52,82,984.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 09-07-2016 |
| 13 | 09-07-2015 | 52,82,984.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 09-07-2016 |
| 14 | 01-03-2016 | 1,01,00,780.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.00% | 45 दिन | 16-04-2016 |
| 15 | 01-03-2016 | 1,01,00,780.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.00% | 45 दिन | 16-04-2016 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 16 | 29-02-2016 | 51,11,457.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 17 | 02-03-2016 | 1,01,00,780.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 46 दिन | 17-04-2016 |
| 18 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.00% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 19 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 20 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 21 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 22 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 21 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 22 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 23 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 24 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 25 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 26 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 27 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 28 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| **दूर शिक्षा** | | | | | | |
| 1 | 7.5.2015 | 18,20,323.00 | हिंदी विश्वविद्यालय कर्मचारी साख संस्था | 10.50% | 1 वर्ष | 07-05-2016 |
| 2 | 20-01-2016 | 6,24,505.42 | हिंदी विश्वविद्यालय कर्मचारी साख संस्था | 10.50% | 1 वर्ष | 20-01-2017 |
| 3 | 20-01-2016 | 6,24,505.42 | हिंदी विश्वविद्यालय कर्मचारी साख संस्था | 10.50% | 1 वर्ष | 20-01-2017 |
| 4 | 31-12-2015 | 1,10,07,426.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.75% | 1 वर्ष | 30-12-2016 |
| 5 | 09-07-2015 | 52,82,983.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 09-07-2016 |
| 6 | 29-02-2016 | 76,67,187.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 3 महीने | 30-05-2016 |
| **सामान्य भविष्य निधि** | | | | | | |
| 1 | 14.5.2015 | 32,06,964.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 14-05-2016 |
| 2 | 2.4.2015 | 21,31,656.13 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.75% | 18 महीने तथा 6 दिन | 08-10-2016 |
| 3 | 4.10.2014 | 51,86,390.33 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 9.05% | 18 महीने तथा 6 दिन | 10.04.2016 |
| 4 | 15-03-2016 | 22,44,974.29 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 9.05% | 18 महीने तथा 6 दिन | 16-09-2017 |
| 5 | 24.6.2015 | 52,06,111.57 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 24-06-2016 |
| **एनसीपीएस** | | | | | | |
| 1 | 18-02-2016 | 56,48,730.19 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 18-02-2017 |
| | **योग** | **57,59,46,890.79** | | | | |

# महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन–पत्र की अनुसूचियाँ
## अनुसूची 22 की महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

### 1. लेखा परिपाटी

सामान्यतः वित्तीय विवरण ऐतिहासिक मूल्य परिपाटी पर तैयार किया गया है और जब तक अन्यथा घोषित न हो, लेखा की प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर तैयार किया गया है।

### 2. वस्तुसूची मूल्यांकन

2.1 विश्वविद्यालय प्रकाशन

क) विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग का खर्च जैसे कि पत्रिकाओं, वीडियो फिल्मस तथा किताबों की छपाई या उसके डिजिटल रूप में होता। इसका एकमात्र उद्देश्य हिंदी साहित्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढावा देने का होता है, मुनाफा कमाना नहीं। इसिलिए उस पर होने वाले खर्च को राजस्व खर्च माना जाता है। प्रकाशन स्टॉक का मूल्यांकन नीचे (ख) में उल्लेखित नीति के अनुसार किया गया है।

ख) हिंदी साहित्य को बढावा देने के लिए विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित विश्वविद्यालय प्रकाशन, किताब तथा पत्रिकाओं का मूल्यांकन लागत या कुल वास्त्विक लागत, जो कम हो उस आधार पर किया गया है।

ग) विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित सात वर्ष से अधिक पुरानी पत्रिकाओं के लिए 100 प्रतिशत प्रावधान किया गया है।

2.2 **कागज, स्टेशनरी एवं अन्य खर्च योग्य वस्तुओं का स्टॉक :** कागज, स्टेशनरी एवं अन्य खर्च योग्य वस्तुओं इत्यादि की खरीदी पर उन्हे सीधे व्यय में दिखा दिया जाता है, यद्यपि उन वस्तुओं का उपयोग खरीदी दिनांक के 12 माह के उपरांत भी किया जाता है।

### 3. निवेश

3.1 निवेश का वर्गीकरण "दीर्घकालीन निवेश" के रूप में कर लागत के आधार पर आगे ले जाया गया है। कुछ निवेशों के क्षय का प्रावधान अन्य की अपेक्षा लागत वहन पर किया गया है।

3.2 निवेश का वर्गीकरण "चालू निवेशों" के रूप में कम लागत तथा सही कीमत पर किया गया है। निवेशों के मूल्य का प्रावधान प्रत्येक निवेश पर अलग किया गया है न कि वैश्विक आधार पर।

3.3 अर्जित खर्च जैसे कि दलाली, स्टैंप शुल्क इत्यादि लागत में मूल्य में समाविष्ट होता है।

### 4. स्थायी परिसंपत्तियां

4.1 भूमि को छोड़कर सभी स्थायी परिसंपत्तियां अर्जन की लागत पर दर्शायी गई हैं, जिसमें आवक भाड़ा, कर और परिकर तथा अर्जन से संबंधित अनुषांगिक एवं प्रत्यक्ष व्यय भी सम्मिलित हैं।

4.2 कुआं तथा हैंडपंप पर हुए खर्च को पूंजीगत किया है, जिसके अंतर्गत वही कुआं एवं हैंडपंप आते हैं जिसमें पानी की मात्रा पर्याप्त है, तथा बाकी खर्च को राजस्व खर्च माना गया है।

### 5. मूल्यह्रास

5.1 परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास को निम्नलिखित दरों के अनुसार "Written down value" के आधार पर किया

गया है।

| | |
|---|---|
| क) भवन | 5 प्रतिशत |
| ख) कम्प्यूटर तथा वीडियों फिल्म्सध भाषा प्रयोगशाला | 60 प्रतिशत |
| ग) वाहन | 15 प्रतिशत |
| घ) पुस्तकालय किताबें | 60 प्रतिशत |
| ड) बिजली स्थापना | 15 प्रतिशत |
| च) कार्यालय उपकरण | 15 प्रतिशत |
| छ) फर्नीचर एवं जुडनार | 10 प्रतिशत |
| ज) संयंत्र और मशीनरी | 15 प्रतिशत |

5.2 पहले साल में अर्जन की गई परिसम्पत्तियों पर लागू किया गया मूल्यह्रास अर्जन की गई तिथियों के अनुसार
क) 30 सितंबर के पहले अर्जन की गई– उपरोक्त दरों के अनुसार
ख) 30 सितंबर के बाद अर्जन की गई– उपरोक्त दरों का 50 प्रतिशत।

## 6. राजस्व निर्धारण

6.1 छात्रों से जिस वर्ष की फीस प्राप्त होती है, उसे उसी वर्ष में आय के रूप में निर्धारण किया गया है।
6.2 आवधिक बैंक जमा तथा अन्य निवेशों से प्राप्त ब्याज का निर्धारण प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर किया गया है।
6.3 पत्रिकाओं के पंजीकरण से प्राप्त आय का निर्धारण उसी वर्ष में किया जाता है, जिस वर्ष में वे प्राप्त होती हैं।
6.4 विश्वविद्यालय प्रकाशन से प्राप्त रॉयल्टी का आय में निर्धारण वितरक से बिक्री विवरण प्राप्त होने के पश्चात किया गया है।

## 7. सरकार/यूजीसी अनुदान

7.1 सरकारी अनुदान और यूजीसी अनुदान प्राप्ति के आधार पर गणना कर रहे हैं। हालांकि, वित्त वर्ष से संबंधित स्वीकृत अनुदान 31 वें मार्च से पहले ही प्राप्त होता है तथा अगले वित्त वर्ष में प्राप्त होने वाला अनुदान प्रोद्भवन आधार पर होता है तथा एक समान राशि अनुदाता से वसूली के रूप में दर्शाई गई है।
7.2 कुछ हद तक पूंजीगत व्यय (प्रोद्भवन आधार पर) का उपयोग करने के लिए सरकारी अनुदान और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान को पूंजीगत व्यय में डाल दिया जाएगा।
7.3 राजस्व व्यय (प्रोद्भवन आधार पर) के लिए सरकारी अनुदान और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान उपयोजित कर वर्ष के आय के रूप में माना जाएगा।
7.4 अप्रयुक्त अनुदान (अग्रिमों सहित इस तरह के अनुदान का भुगतान) को आगे बढाया गया है और बैलेंस शीट में एक दायित्व के रूप में प्रदर्शित किया गया है।

8. समस्त गैर–अनुबंधित व्यय जैसे कि सांविधिक शुल्क, कर सेवा, अधिभार एवं वे सभी व्यय जैसे कानूनी शुल्क, वृत्तिक शुल्क आदि किसी समय–सीमा के साथ निर्धारित नहीं किए जा सकते, उन पर दावे की प्राप्ति व संबद्ध प्राधिकारी/व्यक्ति के पत्र व्यवहार के आधार पर विचार किया जाएगा।

## 9. सेवानिवृत्ति लाभ

9.1 उपदान

उपादान हेतु बीमांकिक प्रावधान में उपादान के मूल्यांकन के अभाव में उपादान की गणना निम्नानुसार की जाएगी–

1) सेवा अवधि में कुल पूर्ण प्रत्येक वर्ष के लिए 15 दिवस का वेतन (छः माह से) अधिक सेवा समय को एक वर्ष पूरा

मानकर)

2) इस हेतु माह को 26 दिवस का माना जाए।

3) उपादान का प्रावधान उन कर्मचारियों हेतु जो कि प्रतिनियुक्ति पर अन्य विश्वविद्यालयों में स्थानांतरित हैं, नहीं किया गया है। परंतु अभी प्रतिनियुक्ति की समाप्ति पर उपरोक्त प्रावधान लागू होगा।

## 10. निर्धारित/धर्मदा निधि :

लंबी अवधि के निधियां विशिष्ट प्रयोजनों के लिए निर्धारित की गई है। अधिकांश निधियों के बैंक के अलग– अलग खाते हैं। जिन खातों में अधिक राशि है वे खाते सावधि जमा में निवेशित किए गए है। प्रोद्भवन आधार पर निवेश से प्राप्त आय तथा बैंक खातों की बचत पर ब्याज के रूप में प्राप्त आय को संबंधित खातों में जमा कर दिया गया है। व्यय को कोष में डेबिट कर दिया गया है। जहां संस्था के साथ स्वामित्व निहित है वहां परिसंपत्तियों निर्धारित धनराशि से बाहर रखा गया है। इन्हें पूंजी निधि के साथ एक समान राशि जमा करने के लिए संस्था की संपत्ति के साथ विलयित किया गया है। संबंधित निधि में शेष राशि आगे बढ़ाया गया है तथा यह बैंक, निवेश, और अर्जित ब्याज पर संतुलन द्वारा संपत्ति पक्ष पर प्रतिनिधित्व किया है।

## 11. आयकर

विश्वविद्यालय की आय को आयकर अधिनियम 1961 की धारा U/S 10 (23C) (iiab)) के अंतर्गत छूट प्राप्त है। इसलिए इसका प्रावधान खाते में नहीं किया गया है।

## 12. पूँजीगत निधि

जहां संस्था के साथ स्वामित्व निहित है वहां परिसंपत्तियों निर्धारित धनराशि/अनुदान से बाहर रखा गया है। इन्हें पूंजी निधि के साथ एक समान राशि जमा करने के लिए संस्था की संपत्ति के साथ विलयित किया गया है। संस्था के लाभ और नुकसान सभी कार्डिनल सिद्धांत पर आधारित है, व्यय के अतिरिक्त अधिक आय को पूंजिगत निधि में जोड़ दिया जाएगा तथा आय के अतिरिक्त हुए व्यय को पूंजिगत निधि से कटौती की जानी चाहिए।

## 13. निर्धारित धनराशि का निवेश तथा ऐसे निवेश से अर्जित आय से प्राप्त ब्याज :

यदि राशि की तुरंत व्यय की आवश्यकता नहीं थी तो इस राशि को बैंक या महत्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की कर्मचारी साख संस्था में सावधि जमा कर दिया गया है तथा शेष राशि को बचत खाते में शेष है।

प्राप्त ब्याज, अर्जित ब्याज और बकाया तथा अर्जित ब्याज लेकिन बकाया नहीं, इस तरह के निवेश पर संबंधित निधियों से जोड़े जाते हैं और ये संस्था की आय के रूप में नहीं माने जाते हैं।

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन–पत्र की अनुसूचियां

### अनुसूची 23 आकस्मिक देयताएं एवं लेखा टिप्पणियां

क) आकस्मिक देयताएं

1. कोई भी आकस्मिक देयताएं नहीं है।

ख) लेखा नीति में बदलाव

1. सरकार अनुदान/अनुवृत्ति

पिछले वर्ष तक किसी भी विशिष्ट या निर्धारित उद्देश्यों के लिए प्राप्त अनुदान जब तक निर्धारित उद्देश्यों उपयोग में नहीं लाया जाता तब तक निर्धारित निधि में ही रखा जाता था। एक स्थिर आधार पर सामान्य उद्देश्यों तथा विश्वविद्यालय के लक्ष्यों के लिए प्राप्त अनुदान, अनुवृत्ति या तत्सम सहायता को निम्नलिखित रूप से उल्लेखित किया गया है:

i) पूर्व अवधि में प्राप्त अनुदान या इस प्रकार कोई दान व्यय नहीं हो पाता तो उसे एक प्रकार की आय माना जाएगा ।

ii) मूल्यह्रास स्थाई परिसंपत्ति से संबंधित अनुदान आस्थगित आय के रूप में माना जाएगा और अधिक समय होने पर यह आय एवं व्यय खाते में चला जाएगा और इसी अनुपात में मूल्यह्रास आरोपित किया जाएगा।

iii) गैर– मूल्यह्रास संपत्ति से संबंधित अनुदान "आरक्षित पूंजी निधि" में जमा किया जाएगा जब तक उसकी आवश्यक पूर्व शर्तें पूरी नहीं होती।

iv) अन्य सभी अनुदान, अनुवृत्ति या इसी तरह की सहायता 'देय' सिध्दांत पर आय के रूप में व्यव्हरत होगी जैसे कि इस तरह के अनुदान जारी करने के लिए इसकी मंजूरी के वर्ष में उपयुक्त प्राधिकारी के द्वारा मान्यता प्राप्त होगी।

**सरकारी अनुदान के चालू वर्ष लेखांकन से निम्नलिखित लाइनों में बदल दिया गया है।**

i) सरकारी अनुदान और यूजीसी अनुदान प्राप्ति के आधार पर गणना कर रहे हैं। हालांकि, वित्त वर्ष से संबंधित स्वीकृत अनुदान 31 वें मार्च से पहले ही प्राप्त होता है तथा अगले वित्त वर्ष में प्राप्त होने वाला अनुदान प्रोद्भवन आधार पर होता है तथा एक समान राशि अनुदाता से वसूली के रूप में दर्शाई गई है।

ii) कुछ हद तक पूंजीगत व्यय (प्रोद्भवन आधार पर) का उपयोग करने के लिए सरकारी अनुदान और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान को पूंजीगत व्यय में डाल दिया जाएगा।

iii) राजस्व व्यय (प्रोद्भवन आधार पर) के लिए सरकारी अनुदान और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान उपयोजित कर वर्ष के आय के रूप में माना जाएगा।

iv) अप्रयुक्त अनुदान (अग्रिमों सहित इस तरह के अनुदान का भुगतान) को आगे बढाया गया है और बैलेंस शीट में एक दायित्व के रूप में प्रदर्शित किया गया है।

**2. निर्धारित/धर्मदा निधि तथा निर्धारित निधि के निवेश से अर्जित आय से प्राप्त ब्याज :**

पिछले वर्ष तक योजना निधि के तहत अनुदान जो राजस्वध्आवर्ती के तहत आते थे वे संस्थान की आय के रूप में माने जाते है। अनुदान में से राजस्व व्यय संबद्ध अनुदान से डेबिट किया गया है तथा शेष अप्रयुक्त अनुदान, अप्रयुक्त योजना निधि अनुदान के तहत चालू देनदारियों में जमा कर दिया गया है। वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान, निवेश पर प्राप्त आय और ब्याज और किसी भी प्रकार का अन्य शुल्क और आय निधि में जोड दिया गया है, तथा निधि खाते की शेष राशि में से राजस्व व्यय साथ ही साथ पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग में लाए गई राशि कम कर दी गई है।

पिछले वर्ष तक ब्याज प्राप्त, अर्जित ब्याज और बकाया तथा अर्जित ब्याज लेकिन बकाया नहीं इस तरह के निवेश संस्था की आय के रूप में माने जाते रहे हैं। इस वर्ष से निर्धारित निधि की तुरंत व्यय की आवश्यकता नहीं है तो इस राशि को बैंक या महत्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की कर्मचारी साख संस्था में सावधि जमा कर दिया जाएगा तथा शेष राशि को बचत खाते में शेष रहेगी तथा प्राप्त ब्याज, अर्जित ब्याज और बकाया तथा अर्जित ब्याज लेकिन बकाया नहीं

इस तरह के निवेश पर संबंधित निधियों से जोड़े जाएंगे।

**3. उपादान :**
महत्वपूर्ण लेखा नितियों के अनुसार उपादान का प्रावधान सेवा अवधि में कुल पूर्ण प्रत्येक वर्ष के लिए 15 दिवस का वेतन (छः माह से) अधिक सेवा समय को एक वर्ष पूरा मानकर) किया गया है। हालांकि, साल के दौरान रू. 10.00 लाख का एकमुश्त प्रावधान उपादान में किया गया है। सेवा के पूरे वर्ष का विवरण के रूप में उपदान उपलब्ध नहीं है।

**4. लेखा निति में कोई बदलाव नहीं हैं।**

**ग. लेखा टिप्पणियां**

**1. निर्धारित धनराशि का निवेश तथा ऐसे निवेश से अर्जित आय से प्राप्त ब्याज :**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियों के अनुसार निर्धारित निधि की तुरंत व्यय की आवश्यकता नहीं है तो इस राशि को बैंक या महत्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की कर्मचारी साख संस्था में सावधि जमा कर दिया जाएगा तथा शेष राशि को बचत खाते में शेष रहेगी तथा प्राप्त ब्याज, अर्जित ब्याज और बकाया तथा अर्जित ब्याज लेकिन बकाया नहीं इस तरह के निवेश पर संबंधित निधियों से जोड़े जाएंगे
और ये संस्था की आय के रूप में नहीं माने जाएंगे।
**2.** हालांकि, वर्ष के दौरान फ्लेक्सी बचत तथा शिक्षकों और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन की योजना के लिए बैंक खातों की बचत, शिक्षक कल्याण कोष, बी–वोक, जरूरतमंद और गरीब लोगों के लिए विश्वविद्यलय की कायिक निधि की व्यवस्था की गई है तथा शेष राशि योजना निधि के तहत समेकित सावधि जमा खाते तथा फ्लेक्सी बचत खाते में निवेशित की गई है। प्राप्त ब्याज, अर्जित ब्याज और बकाया तथा अर्जित ब्याज लेकिन बकाया नहीं इस तरह के निवेश पर संबंधित निधियों से जोड़े जाएंगे और ब्याज की शेष राशि संस्था की आय मानी जाएगी।

**3. निर्धारित/धर्मदा निधि**
वर्ष के दौरान लेखा नीतियों के परिवर्तन के अनुसार अनुप्रयुक्त योजना निधि अनुदान की मौजूदा राशि तुलन–पत्र की अनुसूची 02 (नामित/धर्मदा निधि) में जमा कर दी गई है।

**4 स्थायी परिसंपत्तियां**
क) महाराष्ट्र सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को अक्षय पट्टे अधिकार पर 4 हेक्टर भूमि मौजा उमरी, जिला वर्धा में 30 वर्ष के लिए 4 रूपये टोकन मूल्य पर दी गई है। सभी भवन तथा अधिरचना इसी भूमि पर बनाए जाने हैं।
ख) समापन प्रमाण पत्र की प्राप्ति के समय प्रगति में काम उचित परिसम्पत्तियों को सौंप दिया जाएगा। कुछ भवनों को उपयोग में लाया जाएगा परंतु परिशिष्ट 8 के अनुसार समापन प्रमाण–पत्र के अभाव में भवनों का कार्य शीर्ष कार्य के तहत किया जाता है तथा ऐसी परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास शुल्क नहीं लगाया गया है।
ग) नए दिशा–निर्देशों और केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए वित्तीय विवरण के प्रारूप के अनुसार स्थाई परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पध्दति के आधार पर दर्शाया गया है तथा वर्ष के दौरान परिवर्धन पर मूल्यह्रास पूरे साल के लिए प्रदान किया गया है। हालांकि आवश्यक रिकॉर्ड के अभाव में, स्थाई परिसंप्पत्ति के रजिस्टर तथा स्थाई परिसंप्पत्ति के मूल्यह्रास की अन्य संबद्ध जानकारी न होने के कारण मौजूदा लेखा निती पर शुल्क लगाया गया है।

**5. मूल्यांकन सूची**
क) i) मुद्रण, संकलन और पुस्तकों के निर्माण, कैलेंडर, डायरी आदि पर किए गए वास्तविक खर्च को

विश्वविद्यालय का प्रकाशन माना जाएगा इसलिए ऐसे सभी व्यय को प्रकाशन व्यय में डेबिट कर दिया गया है। दैनिक प्रकाशन के आंकडों का रेकॉर्ड वर्ष के अंत में नहीं बनाया गया है। इसलिए 19,34,104 रूपए का ओ पी स्टॉक उसी रूप में आगे बढाया गया है।

ii) वित्तीय वर्ष 2008–09 तक की प्रकाशन स्टॉक सूची बनाई गई है लेकिन आधार–सामग्री की मात्रा में निरंतर वृध्दि होते रहने के कारण संस्थान को प्रकाशन की लागत रिकार्ड बनाए रखना संभव नहीं है इसलिए प्रत्येक प्रकाशन की लागत को सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है। अतरू विश्वविद्यालय प्रकाशन पर हुआ सभी खर्च प्रकाशन व्यय में डेबिट कर दिया गया है

**6. आयकर**

विश्वविद्यालय का एकमात्र प्रयोजन शैक्षणिक है तथा पूरी तरह केंद्र सरकार द्वारा वित्तापोषित है। इसलिए विश्वविद्यालय की आय को आयकर अधिनियम 1961 की धारा U/S 10 (23C) (iiab) के अंतर्गत छूट प्राप्त है। इसलिए इसका प्रावधान खाते में नहीं किया गया है।

**7. मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण, अग्रिम और जमाओं**

जैसे कि मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण, अग्रिम और जमा को बैलेंस शीट में दर्शाया गया है उसका सामान्य क्रम में प्राप्ति पर एक मान है कम से कम बैलेंस शीट में दिखाई गई कुल राशि के समान है।

**8. नकद और बैंक बैलेंसः**

बैंक के बचत खातों, चालू खातों, फ्लेक्सी जमाओं और बैंकों और सहकारी साख संस्थाओं में सावधि जमा खातों के के विवरण मौजूदा परिसंपत्तियों के अनुसूची में संलग्न हैं।

**9. प्राप्तियां एवं भुगतान विवरणः**

पिछले वर्ष तक लेखा में प्रत्येक लागत केन्द्र को अलग रखा गया था (अर्थात योजना, गैर–योजना,दूर शिक्षा, जीपीएफ, एनसीपीएस,विश्वविद्यालय कोष, शिक्षक कल्याण कोष आदि।) इस कारण प्राप्ति और भुगतान के विवरणों को प्रत्येक लागत केंद्र के लिए अलग–अलग बनाया गया था। परंतु इस वर्ष प्रत्येक लागत केंद्र के लिए अलग–अलग लेखा नहीं बनाया गया है इसलिए सभी लेनदेन के लिए समेकित प्राप्तियां और भुगतान बनाया गया है।

**10**. रू. 3,03,750/– की राशि कायिक निधि तथा रू. 3,10,02,996/– की राशि सामान्य निधि के तहत दर्शाई है जो योजना निधि के तहत जमीन की खरीद को दर्शाता है। महत्वपूर्ण लेखा नीतियों के अनुसार स्थिर परिसंपत्तियों को अनुदान से घटाना होगा और तदनुरूप साख पूंजी निधि में देनी होगी, बदले हुए लेखा नीतियों का पालन करने के लिए इसे पूंजी निधि में स्थानांतरित कर दिया गया है।

**11.** वित्तीय वर्ष 2011–12 तक, निर्धारित निधि से डेबिट कर योजना निधि से स्थाई परिसंपत्ति को आस्थगित क्रेडिट देनदारियों (पूंजी निधि) में जमा कर दिया गया है। वर्ष के दौरान प्रदान की गई मूल्यह्रास के सम राशि आय खाते में स्थानांतरित की गई है। वर्ष के दौरान आस्थगित क्रेडिट देनदारियों के तहत कुल बकाया राशि रू. 64,46,71,947/– पूंजी निधि खाते में स्थानांतरित कर दी गई है।

**12.** वित्तीय वर्ष 2011–12 से,लेखा नीति को एक बार पुनरू बदल गया तथा सरकारी अनुदान जो मूल्यह्रास की स्थाई परिसंपत्तियों से संबंधित था उसे आस्थगित आय के रूप में व्यवहार में लाया गया तथा आय और व्यय खाते में समय पर अनुरूप मूल्यह्रास प्रभारित किया गया। हालांकि मूल्याह्रास का निधि वार (अनुदान के अनुसार) वर्गीकरण प्रदान करना हमारे लिए संभव नहीं था इसलिए मूल्यह्रास की पूरी राशि कुल सभी निर्धारित धनराशि/अनुदान के योगफल से काट दी

गई है। मूल्यह्रास की कुल राशि रू. 10,02,19,776/– निर्धारित धनराशि से काट ली गई है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

| वर्ष | विवरण | राशि |
|---|---|---|
| 2012–13 | मूल्यह्रास | 4,19,51,822 |
| 2013–14 | मूल्यह्रास | 3,10,67,649 |
| 2014–15 | मूल्यह्रास | 2,72,00,305 |
| | योग | 10,02,19,776/– |

वर्ष के दौरान कुल राशि रू. 10,02,19,776/– पूंजी निधि खाते में स्थानांतरित की गई तथा पूंजी निधि से उसकी कटौती भी की गई।

13. वर्ष के दौरान 2012–13 से 2014–15 के लिए मूल्यह्रास की स्थिर संपत्तियों से संबंधित अनुदान को आस्थगित आय के रूप में माना गया। अब सरकारी अनुदान के नई लेखा नीति का पालन करने के लिए अनुदान की राशि जमा करने से योजना/निर्धारित निधि से मूल्यह्रास स्थिर संपत्तियों को पूंजी निधि में स्थानांतरित कर दिया गया है। विभिन्न अनुदानों के अलावा स्थिर परिसंपत्तियों का विवरण इस प्रकार है :–

| वर्ष | सामान्य विकास अनुदान की 11 वीं योजना | | ओबीसी आरक्षण के कार्यान्वयन के लिए जी डी का अनुदान | इलाहाबाद और कोलकाता केंद्र के लिए प्राप्त अनुदान | सामान्य विकास अनुदान की 12 वीं योजना | | कंप्यूटर केन्द्र का उन्नयन | योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | स्थाई परिसंपत्तियां | चालू कार्य | | | स्थाई परिसंपत्तियां | चालू कार्य | | |
| 2012–13 | – | 3,83,84,713 | – | 2,95,94,262 | 8,89,24,730 | – | 8,15,000 | 15,77,18,705 |
| 2013–14 | – | 9,42,01,176 | 1,30,58,801 | – | 1,51,65,629 | | 23,85,000 | 12,48,10,606 |
| 2014–15 | – | | | | 82,47,676 | 3,32,86,188 | – | 4,15,33,864 |
| **योग** | – | 13,25,85,889 | 1,30,58,801 | 2,95,94,262 | 11,23,38,035 | 3,32,86,188 | 32,00,000 | 32,40,63,175 |

इसलिए कुल राशि रू. 32,40,63,175/– अनुदान से पूंजी निधि में स्थानांतरित किए गए।

**14.** वर्ष के दौरान 2014–15 के लिए निर्धारितध्अनुदान निधि से राशि रू. 27,08,45,736/– की मूल्यह्रास परिसंपत्ति खरीदी गई

**पूंजीगत व्यय का निधि वार विवरण इस प्रकार है :**

| वर्ष | बी–वोक कार्यक्रम | सामान्य विकास अनुदान की 12 वीं योजना | | योग |
|---|---|---|---|---|
| | | स्थाई परिसंपत्तियां | चालू कार्य | |
| 2015–16 | 6,00,950 | 48,55,887 | 26,53,88,899 | 27,08,45,736 |

**15.** विलय योजना अनुदान योजना को बंद कर दिया गया तथा इस कारण विलय योजना अनुदान की शेष राशि सामान्य विकास अनुदान की 12 वीं योजना में स्थानांतरित कर दी गई।

**16.** राशि रू. 40.00 लाख कंप्यूटर विभाग की स्थापना/उन्नयन के तहत मंजूर की गई थी जिसमें से राशि रू. 32.00 लाख पहले ही प्राप्त हो गई है और जिस उद्देश्य के लिए यह राशि मंजूर हुई थी उसी के लिए उपयोग में लाई गई है। शेष राशि रू. 8.00 लाख का अनुदान यूजीसी से प्राप्य के रूप में बैलेंस शीट में प्रदर्शित किया गया है। यूजीसी इस योजना को बंद कर दिया गया है तथा इसलिए अब यह निश्चित है कि शेष राशि प्राप्त नहीं होगी इसलिए इसे (अप्राप्त राशि) को निर्धारित निधि खाते में स्थानांतरित किया गया है।

**17.** वर्ष के दौरान कुल राशि रु. 60,370/– अलग–अलग तिथियों पर सीधे विश्वविद्यालय के खाते में जमा की गई है। विश्वविद्यालय के खाते में जमा राशि रु. 60,370/– किसने जमा की इसका पता हम नहीं लगा पाए हैं इसलिए उपरोक्त अनुसरणीय राशि को अन्य देनदारियों के तहत दर्शा दिया है। जब इसका विवरण प्राप्त होगा तब इसका समाधान कर दिया जाएगा।

**18.** सीएजी प्रावधान के अनुसार लेखापरीक्षा आपत्ति अवकाश वेतन और पेंशन अंशदान बीमांकिक द्वारा प्रावधान राशि की गणना के द्वारा किया जाना चाहिए। यद्यपी बीमांकिक की उपलब्धता के कारण एकमुश्त राशि रूपए 6,00,000/– लाख का प्रावधान पेंशन और अवकाश वेतन तथा राशि रूपए 1000000/– का प्रावधान उपदान के अंतर्गत किया जाना चाहिए।

**19.** आय और व्यय खाते में पूर्व की अवधि के खर्च और पूर्व अवधि आय को अलग– अलग रखा गया हैं।

**20.** पिछले वर्ष मनोनीतधनिर्धारित निधि के लिए कोई अलग से बैंक का खाता नहीं था इसलिए वित्तीय विवरण के अनुसूची–2 में हम नकद और बैंक में अतिशेष, निवेश और अर्जित ब्याज परंतु देय नहीं का निधि वार विवरण देने में असमर्थ हैं।

**21.** सभी आंकडे रुपये में पूर्णांकित किए गए है।

**22.** पूर्व वर्ष के सभी आंकडे जहाँ आवश्यक है वहीं पुनरू वर्गीकृत तथा व्यवस्थापित किए गए है।

**23.** संलग्न 1 से 24 तक की अनुसूचियां तथा वर्ष के अंत अर्थात 31 मार्च, 2016 को समाप्त तुलन–पत्र, आय तथा व्यय खाता तथा प्राप्तियां और भुगतान का विवरण वार्षिक लेखा का अभिन्न हिस्सा है।

| | | |
|---|---|---|
| स्थान : वर्धा<br>दिनांक : 15.06.2016 | डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र<br>कुलसचिव/वित्ताधिकारी | प्रो. गिरीश्वर मिश्र<br>कुलपति |

# वार्षिक लेखा
# 2015-2016

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

### तुलन पत्र यथातिथि 31 मार्च, 2016

(राशि रु. में)

| निधि के स्त्रोत | अनुसूची | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
|---|---|---|---|
| समग्र / पूंजी निधि | 1 | 1,14,64,47,385 | 67,59,78,693 |
| निर्दिष्ठ/ निर्धारित/धर्मदा निधियां | 2 | 54,11,82,873 | 68,46,44,151 |
| चालू तथा प्रावधान देयताएं | 3 | 48,90,81,286 | 36,28,50,633 |
| **योग रु.** | | **2,17,67,11,544** | **1,72,34,73,477** |
| **निधि का प्रयोग** | | | |
| **स्थायी परिसंपत्तियां** | 4 | | |
| मूर्त परिसंपत्तियां | | 31,76,99,580 | 33,64,63,185 |
| अमूर्त परिसंपत्तियां | | 0 | 0 |
| पूंजीगत निर्माण कार्य | | 82,87,47,804 | 56,33,58,905 |
| **निर्धारित/धर्मदा निधि से निवेश** | 5 | | |
| दीर्घकालिक | | 57,59,46,891 | 41,83,70,644 |
| लघु अवधि | | 0 | 0 |
| **अन्य निवेश** | 6 | 0 | 0 |
| **चालू परिसंपत्तियां** | 7 | 11,98,79,814 | 1,05,46,306 |
| **ऋण, अग्रिम तथा जमा** | 8 | 33,44,37,455 | 39,47,34,436 |
| **योग रु.** | | **2,17,67,11,544** | **1,72,34,73,477** |
| **महत्वपूर्ण लेखा नीतियां** | **23** | | |
| **आकस्मिक देयताएं तथा लेखा पर टिप्पणियां** | **24** | | |

स्थान : वर्धा
दिनांक : 15.06.2016

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र
कुलसचिव/वित्ताधिकारी

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

(राशि रु.)

| विवरण | अनुसूची | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
|---|---|---|---|
| **आय** | | | |
| शैक्षणिक प्राप्तियाँ | 9 | 1,47,97,818 | 75,79,419 |
| दान एवं अनुदान | 10 | 21,07,36,854 | 19,25,47,718 |
| निवेश से आय | 11 | 0 | 0 |
| अर्जित ब्याज | 12 | 3,49,59,852 | 3,48,69,100 |
| अन्य आय | 13 | 2,57,61,680 | 2,78,50,117 |
| पूर्व अवधि आय | 14 | 2,00,000 | 0 |
| **योग (क)** | | **28,64,56,203** | **26,28,46,354** |
| **व्यय** | | | |
| कर्मचारी भुगतान एवं हित लाभ | 15 | 15,37,95,098 | 13,36,62,674 |
| शैक्षणिक व्यय | 16 | 3,35,52,355 | 2,99,28,874 |
| प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय | 17 | 6,98,25,335 | 6,61,73,490 |
| परिवहन व्यय | 18 | 16,52,513 | 13,43,232 |
| मरम्मत एवं रखरखाव | 19 | 30,05,979 | 44,96,949 |
| वित्त लागत | 20 | 38,276 | 40,830 |
| मूल्यह्रास | 4 | 2,42,20,442 | 2,72,00,305 |
| अन्य व्यय | 21 | 0 | 0 |
| पूर्व अवधि व्यय | 22 | 3,66,205 | 0 |
| **योग (ख)** | | **28,64,56,203** | **26,28,46,354** |
| **कम पर अधिक आय शेष दी गई है (अ–ब)** | | 0 | 0 |
| **निर्दिष्ट निधि से स्थानांतरण** | | | |
| भवन निधि | | 0 | 0 |
| अन्य (ब्यौरा) | | 0 | 0 |
| **अधिशेष/(कमी) सामान्य निधि में स्थानांतरित** | | 0 | 0 |

| | | |
|---|---|---|
| **महत्वपूर्ण लेखा नीतियां** | 23 | |
| **आकस्मिक देयताएं तथा लेखा पर टिप्पणियां** | 24 | |

**स्थान** : वर्धा
**दिनांक** : 15.06.2016

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र
कुलसचिव/वित्ताधिकारी

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति

# तुलन पत्र की अनुसूची

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

### 31मार्च, 2016, समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र की अनुसूचियां

**अनुसूची – 1 समग्र पूंजी निधियां** (राशि रु. में)

| विवरण | चालू वर्ष | च्तमअपवने ल्मंत |
|---|---|---|
| **समग्र निधि** | | |
| वर्ष के आरंभ में शेष | 3,03,750 | 3,03,750 |
| योग : वर्ष के दौरान समग्र पूंजी निधि में योगदान | 0 | 0 |
| योग : यूजीसी से प्राप्त अनुदान भारत सरकार तथा राज्य सरकार ने पूंजीगत व्यय के लिए किया गया उपयोग | 0 | 0 |
| योग : निर्धारित धनराशि से परिसंपत्तियों की खरीद | 0 | 0 |
| योग : प्रायोजित परियोजनाओं से परिसंपत्तियों की खरीद, जहां संस्था का निहित स्वामित्व है | . | 0 |
| योग : दान/उपहार से प्राप्त परिसंपत्तियां | 0 | 0 |
| योग : आय और व्यय खाते से सीनांतरित व्यय खाते से स्थानांतरित अतिरिक्त आय पर व्यय | 0 | 0 |
| कम : पूंजी निधि से स्थानांतरित राशि | -3,03,750 | 0 |
| **उपयोग (क)** | **0** | **3,03,750** |
| **पूंजी निधि** | | |
| वर्ष के आरंभ में शेष | 0 | 0 |
| योग : स्थगित क्रेडिट देनदारियों से स्थानांतरित राशि | 64,46,71,947 | 64,46,71,947 |
| योग : समग्र निधि स्थानांतरित राशि | 3,03,750 | 0 |
| योग : आरक्षित निधि से स्थानांतरित धनराशि | 3,10,02,996 | 0 |
| योग : योजना निधियों से पूंजीगत व्यय खाते का पूंजीगत निधि में योग (जोड़) | | |
| वर्ष 2012–13 के दौरान | 15,77,18,703 | 0 |
| वर्ष 2013–14 के दौरान | 12,48,10,606 | 0 |
| वर्ष 2014–15 के दौरान | 4,15,33,864 | 0 |
| चालू वर्ष 2015–16 | 27,08,45,736 | |
| योग : समग्र/पूंजी कोष में योगदान | 0 | 0 |
| योग : यूजीसी से प्राप्त अनुदान, भारत सरकार तथा राज्य सरकार ने पूंजीगत व्यय के लिए किया गया उपयोग | 0 | 0 |
| योग : निर्धारित धनराशि से परिसंपत्तियों की खरीद | 0 | 0 |
| योग : प्रायोजित परियोजनाओं से परिसंपत्तियों की खरीद, जहां, संस्था का निहित, स्वामित्व है | 0 | 0 |
| योग : दान/उपहार से प्राप्त परिसंपत्तियां | 0 | 0 |
| योग : अन्य योगदान | 0 | 0 |
| योग : आय और व्यय खाते से सीनांतरित अतिरिक्त आय पर व्यय | 0 | 0 |

| | | |
|---|---|---|
| कम : वर्ष के दौरान मूल्य ह्रास के खाते में दी गई समतूल्य राशि | | |
| वर्ष 2012–13 के दौरान | 4,19,51,821 | |
| वर्ष 2013–14 के दौरान | 3,10,67,649 | |
| वर्ष 2014–15 के दौरान | 2,72,00,305 | |
| चालू वर्ष | 2,42,20,442 | |
| **उप योग (ख)** | **1,14,64,47,385** | **64,46,71,947** |
| | | |
| **सामान्य निधि** | | |
| वर्ष के प्रारंभ में शेष | 3,10,02,996 | 3,10,02,996 |
| योग : वर्ष के दौरान समग्र/पूंजी निधि में योगदान | 0 | 0 |
| योग : यूजीसी से प्राप्त अनुदान, भारत सरकार तथा राज्य सरकार ने पूंजीगत व्यय के लिए किया गया योगदान | 0 | 0 |
| योग : निर्धारित धनराशि से परिसंपत्तियों की खरीद | 0 | 0 |
| योग : प्रायोजित परियोजनाओं से परिसंपत्तियों की खरीद, जहां संस्था का स्वामित्व निहित है | 0 | 0 |
| योग : दान/उपहार से प्राप्त परिसंपत्तियां | 0 | 0 |
| योग : आय और व्यय खाते से स्थानांतरित अतिरिक्त आय पर व्यय | 0 | 0 |
| कम : पूंजी निधि से स्थानांतरित राशि | -3,10,02,996 | 0 |
| **उप योग (ग)** | **0** | **3,10,02,996** |
| **योग (क+ख+ग)** | **1,14,64,47,385** | **67,59,78,693** |
| (घाटा) कमी आय और व्यय खाते से स्थानांतरित | 0 | 0 |
| **वर्ष के अंत में शेष** | **1,14,64,47,385** | **67,59,78,693** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र की अनुसूचियां

अनुसूची 02 नामित/निर्धारित निधियां/अक्षय निधियां

| विवरण | निधियों का विभाजन | | | | | | | | | | योग | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | सामान्य विकास अनुदान | ओबीसी आरक्षण के कार्यान्वयन हेतु जीडी का अनुदान | कोलकाता और इलाहाबाद केंद्र के लिए अनुदान | 12वीं सामान्य विकास अनुदान योजना | डॉ. जाकिर हुसैन अध्ययन केंद्र | शिक्षा विद्यापीठ की सीपना | कंप्यूटर केंद्र की सीपना/उन्नयन | ओबीसी छा;वास की केंद्र प्रायोजित योजना | अक्षय निधियां 2 क | अनुसूची 2 (ख) के अनुसार अन्य | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
| क. निधि/अनुदान का अथ शेष | 32,32,05,821 | 1,30,58,801 | 5,00,00,000 | 33,40,00,000 | 50,000 | 2,00,00,000 | 40,00,000 | 1,40,00,000 | 20,19,302 | 2,45,30,003 | 78,48,63,927 | 75,04,58,668 |
| अप्रयुक्त अनुदान से निधि/अनुदान हस्तांतरण की शेष राशि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,01,80,439 | 0 | 1,01,80,439 | 0 |
| ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन | | | | | | | | | | | | |
| दान/अनुदान | 0 | 0 | 0 | 30,00,00,000 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4,40,76,303 | 0 | 34,40,76,303 | 3,17,66,953 |
| निधियों के निवेश से आय | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| निधियों के निवेश से उपार्जित ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| बचत खाते पर ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,35,924 | 0 | 1,35,924 | 0 |
| साभ.नि. का अशदान (साभ.निऋ का शुद्ध) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 80,54,803 | 80,54,803 | 26,42,225 |
| अन्य शुल्क | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,78,100 | 0 | 1,78,100 | 0 |
| **योग (क)** | **32,32,05,821** | **1,30,58,801** | **5,00,00,000** | **63,40,00,000** | **50,000** | **2,00,00,000** | **40,00,000** | **1,40,00,000** | **5,65,90,068** | **3,25,84,806** | **1,14,02,63,261** | **78,48,67,846** |
| ग. निधियो के उद्देश्यो के अंतर्गत अनुदान का उपयोग/व्यय | | | | | | | | | | | | |
| निधि के उद्देश्य | | | | | | | | | | | | |
| **1. पूंजीगत व्यय** | | | | | | | | | | | | |
| स्थायी परिसपत्तिया | 0 | 0 | 2,95,94,262 | 11,71,93,922 | 0 | 0 | 32,00,000 | 0 | 6,00,950 | 0 | 15,05,89,134 | 1,950 |
| अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| मुख्य निर्माणाधीन कार्य | 13,25,85,889 | 1,30,58,801 | 0 | 29,86,75,087 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 44,43,19,777 | 0 |
| **उप योग (1)** | **13,25,85,889** | **1,30,58,801** | **2,95,94,262** | **41,58,69,009** | **0** | **0** | **32,00,000** | **0** | **6,00,950** | **0** | **59,49,08,911** | **1,950** |
| 2. राजस्व व्यय | | | | | | | | | | | 0 | |
| वेतन तथा मजदूरी | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य प्रशासनिक खर्च | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,05,61,232 | 0 | 1,05,61,232 | 0 |
| वर्ष के दौरान प्रदान मूल्य ह्रास के बराबर राशि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 10,02,19,776 |
| 3. अनुदान की वापसी/समापन (बंद योजना का समायोजन) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 8,00,000 | 0 | 36,480 | 0 | 8,36,480 | 1,969 |
| **उप योग (2)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **8,00,000** | **0** | **1,05,97,712** | **0** | **1,13,97,712** | **10,02,21,745** |
| 4. आय पर अर्जित ब्याज | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **21,01,504** | | **18,93,370** |
| कम : व्यय | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | | **678** |
| विनियोजन के लिए उपलब्ध शेष | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **21,01,504** | **0** | **18,92,692** |
| कम : वर्ष के दौरान विनियोजित आय | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **15,19,006** | | **18,92,692** |
| अंतिम शेष | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **5,82,498** | **0** | **0** |
| **उप योग (3)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **5,82,498** | **0** | **0** |
| योग (ख) उप योग (1) + (2) + (3) | **13,25,85,889** | **1,30,58,801** | **2,95,94,262** | **41,58,69,009** | **0** | **0** | **40,00,000** | **0** | **1,11,98,662** | **5,82,498** | **60,63,06,623** | **10,02,23,695** |
| **वर्ष के अंत में शेष (क – ख) रु.** | **19,06,19,932** | **0** | **2,04,05,738** | **21,81,30,991** | **50,000** | **2,00,00,000** | **0** | **1,40,00,000** | **4,53,91,406** | **3,20,02,308** | **53,39,56,638** | **68,46,44,151** |

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नगद और बैक जमा राशियां निवेश द्वारा दर्शायी गई है परतु अर्जित ब्याज देय नही है | | | | | | | | | | | | |
| योग | | | | | | | | | | | | |

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र की अनुसूचियां

अनुसूची 02 (क) नामित/निर्धारित निधियां/अक्षय निधियां (राशि रु. में)

| विवरण | निधियों का विभाजन | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | शोध परियोजना | बी.वोक. कार्यक्रम | सामुदायिक महाविद्यालय | महात्मा गांधी की कर्मभूमि में सामाजिक जीवन | राष्ट्र बनाम कथित राष्ट्रवाद | | | हिंदी व्याकरण कोश परियोजना | हिंदी के विकास में अनुवाद का योगदान | लोक नाट्यों और नुक्कड़ नाटकों में प्रतिरोध के स्वर | समाजवाद तथा गांधीवाद की संकल्पना | वन्य जीव सरंक्षण और आदिवासी विकास के मुद्दे | पारसी हिंदी थिएटर में महिलाएं |
| क. निधि/अनुदान का अथ शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अप्रयुक्त अनुदान से निधि/अनुदान हस्तांतरण की शेष राशि | 0 | 0 | 0 | 1,34,700 | 0 | 0 | 0 | 1,37,089 | 23,796 | 2,45,800 | 19,005 | 1,16,887 | -322 |
| ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन | | | | | | | | | | | | | |
| दान/अनुदान | 14,76,600 | 65,00,000 | 43,00,000 | 1,80,000 | 7,20,000 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| निधियों के निवेश से आय | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| निधियों के निवेश से उपार्जित ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| बचत खाते पर ब्याज | 0 | 179 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| सा.भ.नि. का अंशदान (सा.भ.निक्र. का शुद्ध) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य शुल्क | 0 | 0 | 1,54,100 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग (क)** | **14,76,600** | **65,00,179** | **44,54,100** | **3,14,700** | **7,20,000** | **0** | **0** | **1,37,089** | **23,796** | **2,45,800** | **19,005** | **1,16,887** | **-322** |
| ग. निधियों के उद्देश्यों के अंतर्गत अनुदान का उपयोग/व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| निधि के उद्देश्य | | | | | | | | | | | | | |
| **1. पूंजीगत व्यय** | | | | | | | | | | | | | |
| स्थायी परिसंपत्तियां | 0 | 6,00,950 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| मुख्य निर्माणाधीन कार्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (1)** | **0** | **6,00,950** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| 2. राजस्व व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| वेतन तथा मजदूरी | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य प्रशासनिक खर्च | 49,486 | 7,930 | 1,89,981 | 1,31,796 | 4,580 | 0 | 0 | 0 | 41,963 | 0 | 0 | 1,06,535 | 27,010 |
| वर्ष के दौरान प्रदान मूल्य ह्रास के बराबर राशि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. अनुदान वापसी (यदि हो तो) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (2)** | **49,486** | **7,930** | **1,89,981** | **1,31,796** | **4,580** | **0** | **0** | **0** | **41,963** | **0** | **0** | **1,06,535** | **27,010** |
| 4. आय पर अर्जित ब्याज | | | | | | | | | | | | | |
| कम : व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| विनियोजन के लिए उपलब्ध शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कम : वर्ष के दौरान विनियोजित आय | | | | | | | | | | | | | |
| अंतिम शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (3)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| योग (ख) उप योग (1) + (2) + (3) | 49,486 | 6,08,880 | 1,89,981 | 1,31,796 | 4,580 | 0 | 0 | 0 | 41,963 | 0 | 0 | 1,06,535 | 27,010 |
| **वर्ष के अंत में शेष (क – ख) रु.** | **14,27,114** | **58,91,299** | **42,64,119** | **1,82,904** | **7,15,420** | **0** | **0** | **1,37,089** | **-18,167** | **2,45,800** | **19,005** | **10,352** | **-27,332** |

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नगद और बैंक जमा राशिया निवेश द्वारा दर्शायी गई है | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| परंतु अर्जित ब्याज देय नही है | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| योग | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2016 समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र की अनुसूचियां

**अनुसूची 02 (क) नामित/निर्धारित निधियां/अक्षय निधियां** (राशि रु. में)

| विवरण | निधियों का विभाजन | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | हिंदी के विकास में अनुवाद का योगदान | लोक नाट्यों और नुक्कड़ नाटकों में प्रतिशोध के स्वर | समाजवाद तथा गांधीवाद की संकल्पना | वन्य जीव संरक्षण और आदिवासी विकास के मुद्दे | पारसी हिंदी थिएटर में महिलाएं | शिक्षक कल्याण निधि | गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए विश्वविद्यालय निधि | नवाचारी कार्यक्रम | एनएसएस अनुदान | ई–पीजी पाठशाला | उदारीकरण और निजीकरण की नीति का प्रभाव | पीएमएमएनएमटीटी (आवर्ती) | |
| क. निधि/अनुदान का अथ शेष | 23,050 | 2,50,000 | 40,000 | 50,000 | 36,031 | 12,953 | 2,07,268 | 14,00,000 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अप्रयुक्त अनुदान से निधि/अनुदान हस्तांतरण की शेष राशि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | -31,957 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन | | | | | | | | | | | | | |
| दान/अनुदान | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 53,088 | 2,01,885 | 0 | 93,902 | 7,00,000 | 8,00,000 | 2,69,00,000 | 0 |
| निधियों के निवेश से आय | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | |
| निधियों के निवेश से उपार्जित ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | |
| बचत खाते पर ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 808 | 8,085 | 0 | 0 | 173 | 0 | 10,760 | 0 |
| सा.नि. का अंशदान (सा.नि.क. का शुद्ध) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य शुल्क | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 24,000 | 0 |
| **योग (क)** | **23,050** | **2,50,000** | **40,000** | **50,000** | **36,031** | **66,849** | **4,17,038** | **14,00,000** | **61,945** | **7,00,173** | **8,00,000** | **2,69,34,760** | **0** |
| ग. निधियों के उद्देश्यों के अंतर्गत अनुदान का उपयोग/व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| निधि के उद्देश्य | | | | | | | | | | | | | |
| **1. पूंजीगत व्यय** | | | | | | | | | | | | | |
| स्थायी परिसंपत्तियां | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| मुख्य निर्माणाधीन कार्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (1)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| 2. राजस्व व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| वेतन तथा मजदूरी | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य प्रशासनिक खर्च | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,04,016 | 1,42,598 | 0 | 7,17,554 | 0 |
| वर्ष के दौरान प्रदान मूल्य ह्रास के बराबर राशि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. अनुदान वापसी (यदि हो तो) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (2)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **1,04,016** | **1,42,598** | **0** | **7,17,554** | **0** |
| 4. आय पर अर्जित ब्याज | | | | | | | | | | | | | |
| कम : व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| विनियोजन के लिए उपलब्ध शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कम : वर्ष के दौरान विनियोजित आय | | | | | | | | | | | | | |
| अंतिम शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (3)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| योग (ख) उप योग (1) + (2) + (3) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,04,016 | 1,42,598 | 0 | 7,17,554 | 0 |
| **वर्ष के अंत में शेष (क – ख) रु.** | **23,050** | **2,50,000** | **40,000** | **50,000** | **36,031** | **66,849** | **4,17,038** | **14,00,000** | **-42,071** | **5,57,575** | **8,00,000** | **2,62,17,206** | **0** |

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नगद और बैंक जमा राशियां निवेश द्वारा दर्शायी गई हैं | | | | | | | | | | | | | |
| परंतु अर्जित ब्याज देय नहीं है | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| योग | | | | | | | | | | | | | |

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र की अनुसूचियां

**अनुसूची 02 (क) नामित/निर्धारित निधियां/अक्षय निधियां** (राशि रु. में)

| | निधियों का विभाजन | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| विवरण | कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति | राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | प्रौढ़ शिक्षा कार्य[म | पीएचडी के छात्रों के लिए शोधवृत्ति | आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ | शोध गंगा परियोजना | नवाचारी कार्यक्रम (आवर्ती) | स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम | डॉ. जाकिर हुसैन अध्ययन केंद्र | नेहरू अध्ययन केंद्र | डॉ. अंबेडकर अध्ययन केंद्र | बौद्ध अध्ययन केंद्र |
| क. निधि अनुदान का अथ शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अप्रयुक्त अनुदान से निधि/अनुदान हस्तांतरण की शेष राशि | 15,12,095 | 54,42,115 | 7,62,965 | 5,46,098 | -27,604 | 4,13,514 | 14,000 | 1,45,000 | 5,60,000 | 93,884 | 1,06,080 | -1,37,058 | 2,822 |
| ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन | | | | | | | | | | | | | |
| दान/अनुदान | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| निधियों के निवेश से आय | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| निधियों के निवेश से उपार्जित ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| बचत खाते पर ब्याज | 0 | 1,15,919 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| सा.भ.नि. का अंशदान (सा.भ.नि.ऋ का शुद्ध) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य शुल्क | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग (क)** | **15,12,095** | **55,58,034** | **7,62,965** | **5,46,098** | **-27,604** | **4,13,514** | **14,000** | **1,45,000** | **5,60,000** | **93,884** | **1,06,080** | **-1,37,058** | **2,822** |
| ग. निधियों के उद्देश्यों के अंतर्गत अनुदान का उपयोग/व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| **1. पूंजीगत व्यय** | | | | | | | | | | | | | |
| स्थायी परिसंपत्तियां | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| मुख्य निर्माणाधीन कार्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (1)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| 2. राजस्व व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| वेतन तथा मजदूरी | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य प्रशासनिक खर्च | 42,17,739 | 26,32,858 | 0 | 0 | 0 | 93,405 | 0 | 79,077 | | 0 | 0 | 51,626 | 0 |
| वर्ष के दौरान मूल्य ह्रास के बराबर राशि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. अंतिम शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (2)** | **42,17,739** | **26,32,858** | **0** | **0** | **0** | **93,405** | **0** | **79,077** | **0** | **0** | **0** | **51,626** | **0** |
| 4. आय पर अर्जित ब्याज | | | | | | | | | | | | | |
| कम : व्यय | | | | | | | | | | | | | |
| विनियोजन के लिए उपलब्ध शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कम : वर्ष के दौरान विनियोजित आय | | | | | | | | | | | | | |
| अंतिम शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (3)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| योग (ख) उप योग (1) + (2) + (3) | **42,17,739** | **26,32,858** | **0** | **0** | **0** | **93,405** | **0** | **79,077** | **0** | **0** | **0** | **51,626** | **0** |
| **वर्ष के अंत में शेष (क – ख) रु.** | **-27,05,644** | **29,25,176** | **7,62,965** | **5,46,098** | **-27,604** | **3,20,109** | **14,000** | **65,923** | **5,60,000** | **93,884** | **1,06,080** | **-1,88,684** | **2,822** |

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नगद और बैंकों में जमा राशियां निवेश द्वारा दर्शायी गई है | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| परंतु अर्जित ब्याज देय नहीं है | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| योग | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2015 समाप्त वर्ष के लिए तुलन–पत्र की अनुसूचियां

अनुसूची 02 (क) नामित/निर्धारित निधियां/अक्षय निधियां (राशि रु. में)

| विवरण | निधियों का विभाजन | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जनजातीय अनुसंधान अध्ययन परियोजना मंत्रालय | संगोष्ठी और कार्यशाला | पोस्ट डॉक्टरल शोधवृत्ति | डॉक्टरल अध्येतावृत्ति | गांधी दर्शन समिति कार्यशाला | दर्शन शास्त्र अनुसंधान की भारतीय परिषद | राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग | पीएच.डी. के छात्रों के लिए शोध पद्धति |
| क. निधि अनुदान का अथ शेष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अप्रयुक्त अनुदान से निधि/अनुदान हस्तांतरण की शेष राशि | 51,875 | 70,941 | 99,046 | -1,20,332 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| दान/अनुदान | 0 | 0 | 4,33,600 | 10,59,000 | 1,16,250 | 4,50,000 | 48,446 | 43,732 |
| निधियों के निवेश से आय | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| निधियों के निवेश से उपार्जित ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| बचत खाते पर ब्याज | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| सा.भ.नि. का अंशदान (सा.भ.निऋ का शुद्ध) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य शुल्क | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग (क)** | **51,875** | **70,941** | **5,32,646** | **9,38,668** | **1,16,250** | **4,50,000** | **48,446** | **43,732** |
| ग. निधियों के उद्देश्यों के अंतर्गत अनुदान का उपयोग/व्यय | | | | | | | | |
| निधि के उद्देश्य | | | | | | | | |
| **1. पूंजीगत व्यय** | | | | | | | | |
| स्थायी परिसंपत्तियां | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| मुख्य निर्माणाधीन कार्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (1)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| 2. राजस्व व्यय | | | | | | | | |
| वेतन तथा मजदूरी | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य प्रशासनिक खर्च | 0 | 0 | 6,00,516 | 7,26,478 | 1,36,084 | 5,00,000 | 0 | 0 |
| वर्ष के दौरान मूल्य ह्रास के बराबर राशि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. अनुदान वापसी (यदि हो तो) | 36,480 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग (2)** | **36,480** | **0** | **6,00,516** | **7,26,478** | **1,36,084** | **5,00,000** | **0** | **0** |
| 4. ब्याज/आय | | | | | | | | |
| कम : व्यय | | | | | | | | |
| विनियोजन के लिए उपलब्ध शेष | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| कम : वर्ष के दौरान विनियोजित आय | | | | | | | | |
| अंतिम शेष | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| **उप योग (3)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| योग (ख) उप योग (1) + (2) + (3) | **36,480** | **0** | **6,00,516** | **7,26,478** | **1,36,084** | **5,00,000** | **0** | **0** |
| **वर्ष के अंत में शेष (क – ख) रु.** | **15,395** | **70,941** | **-67,870** | **2,12,190** | **-19,834** | **-50,000** | **48,446** | **43,732** |
| | | | | | | | | |
| नगद और बैंकों में जमा राशियां निवेश द्वारा दर्शायी गई हैं | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| परंतु अर्जित ब्याज देय नहीं है | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| योग | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2015 समाप्त वर्ष के लिए तुलन–पत्र की अनुसूचियां

**अनुसूचि 02 ख – अक्षय निधि** (राशि रु. में)

| क्रम संख्या | अक्षय निधि का नाम | प्रारंभिक शेष | | ब्याज सहित परिवर्धन | | योग | | व्यय/प्रतिदाय | | अंत शेष | | योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अक्षय निधि | संचित ब्याज | अक्षय निधि | संचित ब्याज | अक्षय निधि | संचित ब्याज | अक्षय निधि | संचित ब्याज | अक्षय निधि | संचित ब्याज | |
| | | | | | | | | | | | | |
| 1 | सामान्य भविष्य निधि | 1,94,88,036 | 0 | 67,70,546 | 15,84,843 | 2,62,58,582 | 15,84,843 | 0 | 15,19,006 | 2,62,58,582 | 65,837 | 2,63,24,419 |
| 2 | एनपीएस (कर्मचारी का हिस्सा) | 24,09,687 | 0 | 53,62,022 | 2,58,330 | 77,71,709 | 2,58,330 | 52,30,500 | 0 | 25,41,209 | 2,58,330 | 27,99,539 |
| 3 | एनपीएस (नियोक्ता का हिस्सा) | 26,32,280 | 0 | 58,00,737 | 2,58,331 | 84,33,017 | 2,58,331 | 52,30,500 | 0 | 32,02,517 | 2,58,331 | 34,60,848 |
| | | | | | | | | | 0 | | | |
| | **योग** | **2,45,30,003** | **0** | **1,79,33,305** | **21,01,504** | **4,24,63,308** | **21,01,504** | **1,04,61,000** | **15,19,006** | **3,20,02,308** | **5,82,498** | **3,25,84,806** |
| | **पिछला शेष** | **2,20,91,046** | | **1,76,57,149** | **18,92,692** | | | **1,52,18,192** | **18,92,692** | **2,45,30,003** | | |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016, समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र की अनुसूचियां

अनुसूची – 03 देयताएं एवं प्रावधान

(राशि रु. में)

| क. चालू देयताएं | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| 1. कर्मचारियों द्वारा जमा | | 0 | | 0 |
| 2.. छात्रों द्वारा जमा (सुरक्षा जमा) | | | | 10,69,701 |
| वर्तमान छात्रों से | 0 | | 0 | |
| पूर्व छात्रों से | 12,44,776 | 12,44,776 | 10,69,701 | |
| 3. विविध लेनदार | | | | |
| क. वस्तुओं और सेवाओं के लिए | 0 | | 0 | |
| ख. अन्य के लिए | 23,509 | 23,509 | 23,509 | 23,509 |
| 4. अन्य जमा (बयाना जमा राशि तथा सुरक्षा जमा के साथ) | | 2,20,84,037 | | 1,61,01,069 |
| शॉपिंग कॉम्प्लेक्स जमा | 1,20,933 | | 1,20,933 | |
| ठेकेदारों की सुरक्षा जमा | 2,18,58,604 | | 1,58,75,636 | |
| विशेष सुरक्षा जमा | 1,04,500 | | 1,04,500 | |
| 5. सांविधिक देयताएं (जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यू सी टैक्स, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस) | | | | |
| क. अतिदेय | 0 | | 0 | |
| ख. अन्य (सूची संलग्न) | | 2,80,22,364 | | 2,66,23,525 |
| उपादान देय | 2,41,00,000 | | 2,31,00,000 | |
| व्यवसाय कर | 19,480 | | 51,010 | |
| पेंशन एवं छुट्टी वेतन | 37,15,163 | | 13,86,795 | |
| वेतन बचत योजना (एलआईसी) | 24,783 | | 3,44,571 | |
| (जीआईसी) | -476 | | 27,529 | |
| पैतृक संस्था वसूली | 78,117 | | 3,49,354 | |
| नई पेंशन प्रणाली (कर्मचारियों की कटौती) | 0 | | 3,87,194 | |
| डब्ल्यू.एन.एस.ए.बी. | 4,700 | | 7,200 | |
| म.गां.अं.हिं.वि.वि., की कर्मचारी साख संस्था | 80,597 | | 4,55,937 | |
| टीडीएस | 0 | | 5,13,935 | |
| 6. अन्य चालू देयताएं | | | | |
| क. वेतन | 1,16,58,910 | | 73,81,855 | 0 |
| ख. प्रायोजित परियोजनाओं के अंतर्गत प्राप्तियां (उप अनुसूची '3 क') | 0 | | 0 | 0 |
| ग. प्रायोजित अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति के अंतर्गत प्राप्तियां (उप अनुसूची '3 ख') | 0 | | 0 | 0 |
| घ. अप्रयुक्त अनुदान | | | 0 | 0 |
| योजना निधि | 32,45,60,682 | | 26,21,31,598 | 0 |
| गैर–योजना निधि | 8,77,41,123 | | 2,58,41,060 | 0 |
| मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | 0 | | 97,400 | 0 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| च. अग्रिम अनुदान | | | | |
| योजना निधि | 0 | | 0 | 0 |
| गैर–योजना निधि | 0 | | 0 | 0 |
| छ. अन्य निधि | 0 | | 1,00,83,039 | 0 |
| ज. अन्य देयताएं (सूची संलग्न) | | | 0 | |
| अग्रिम धन | 6,83,413 | | 7,61,613 | 0 |
| ठेकेदारों से सुरक्षा जमा | 19,34,104 | | 19,34,104 | 0 |
| रेनबो ग्रीनरिज, नागपुर | 12,59,939 | | 12,59,939 | 0 |
| मोबाइल कार्यालय मुबई | 3,99,416 | | 3,99,416 | 0 |
| अन्य | 89,598 | 42,83,27,184 | 12,578 | 30,99,02,602 |
| **योग (क)** | | 47,97,01,871 | | 35,37,20,406 |
| **ख. प्रावधान** | | | | |
| 1. कराधान | 0 | | 0 | |
| 2. उपादान | 0 | | 0 | |
| 3. अधिवर्षिता पेंशन | 21,73,486 | | 21,73,486 | |
| 4. संचित छुट्टी का नकदीकरण करना | 0 | | 0 | |
| 5. देय खर्च | 72,05,929 | | 69,56,741 | |
| 6. व्यापार वारंटी दावा | 0 | | 0 | |
| 7. अन्य उल्लेख | 0 | 93,79,415 | 0 | 91,30,227 |
| | | | | |
| **योग (ख)** | | **93,79,415** | | **91,30,227** |
| **योग (क +ख)** | | **48,90,81,286** | | **36,28,50,633** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

**अनुसूची 04 – स्थायी परिसंपत्तियाँ**

**(राशि रु.)**

| विवरण | कुल ब्लॉक | | | | मूल्यह्रास | | | | निवल ब्लॉक | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | वर्ष के प्रारंभ में कुल मूल्य लागत | वर्ष के दौरान परिवर्धन | वर्ष के दौरान कटौतियां | वर्ष के अंत में कुल लागत/मूल्यांकन | वर्ष के प्रारंभ में 31 मार्च, 2015 | वर्ष के दौरान परिवर्धन | वर्ष के दौरान कटौतियां | कुल | चालू वर्ष के अंत तक | पूर्व के अंत तक |
| क. स्थायी परिसंपत्तियाँ | | | | | | | | | | |
| 1. भूमि/भूमि विकास : | | | | | | | | | | |
| क) निःशुल्क भूमि | 3,07,18,707 | 0 | 0 | 3,07,18,707 | 0 | | 0 | 0 | 3,07,18,707 | 3,07,18,707 |
| ख) पट्टा भूमि | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ग) भूमि विभाग एवं परिसर सौंदर्यीकरण | | 0 | 0 | | | | | | | |
| परिसर सौंदर्यीकरण | 3,21,07,259 | 59,639 | 0 | 3,21,66,898 | 0 | | 0 | 0 | 3,21,66,898 | 3,21,07,259 |
| 2. भवन: | | | | | | | | | | |
| क) निःशुल्क भूमि पर | | | | | | | | | | |
| ख) पट्टा भूमि पर | 27,35,34,936 | 0 | 0 | 27,35,34,936 | 6,59,50,496 | 1,03,79,222 | 0 | 7,63,29,718 | 19,72,05,218 | 20,75,84,440 |
| 3) संयंत्र मशीनरी और उपकरण | 11,18,245 | 0 | 0 | 11,18,245 | 3,02,080 | 1,22,425 | 0 | 4,24,505 | 6,93,740 | 8,16,165 |
| 4) वाहन | 30,43,470 | 0 | 0 | 30,43,470 | 26,32,909 | 82,112 | 0 | 27,15,021 | 3,28,449 | 4,10,561 |
| 5) फर्नीचर, जुड़नार | 4,71,45,958 | 19,95,572 | 0 | 4,91,41,530 | 2,15,23,791 | 40,22,341 | 0 | 2,55,46,132 | 2,35,95,398 | 2,56,22,167 |
| 6) कार्यालय उपकरण | 3,55,98,723 | 11,79,329 | 0 | 3,67,78,052 | 2,01,22,745 | 24,35,171 | 0 | 2,25,57,916 | 1,42,20,136 | 1,54,75,978 |
| 7) कंप्यूटर / परिधीय | 3,87,14,879 | 17,00,632 | 0 | 4,04,15,511 | 3,24,60,976 | 31,20,920 | 0 | 3,55,81,896 | 48,33,615 | 62,53,903 |
| 8) विद्युतीय प्रस्थापन | 24,45,166 | 0 | 0 | 24,45,166 | 11,07,715 | 2,00,618 | 0 | 13,08,333 | 11,36,833 | 13,37,451 |
| पुस्तकालय में पुस्तकें | 6,88,57,907 | 3,11,305 | 0 | 6,91,69,212 | 6,34,95,712 | 22,22,509 | 0 | 6,57,18,221 | 34,50,991 | 53,62,195 |
| 10) हैंडपम्प तथा पानी आपूर्ति | 1,72,39,946 | 95,120 | 0 | 1,73,35,066 | 73,73,997 | 14,87,026 | 0 | 88,61,023 | 84,74,043 | 98,65,949 |
| **11) अन्य स्थायी परिसंपत्तियाँ** | | | | | | | | | | |
| मूर्ति एवं पेंटिंग्स | 20,89,222 | 0 | 0 | 20,89,222 | 12,46,184 | 1,26,456 | 0 | 13,72,640 | 7,16,582 | 8,43,038 |
| एलसीडी प्रोजेक्टर्स और अनुशांगी | 4,50,850 | 0 | 0 | 4,50,850 | 3,98,250 | 7,890 | 0 | 4,06,140 | 44,710 | 52,600 |
| वीडियो फिल्म्स | 32,85,975 | 0 | 0 | 32,85,975 | 32,83,953 | 809 | 0 | 32,84,762 | 1,213 | 2,022 |
| संगीत वाद्ययंत्र | 0 | 1,15,240 | 0 | 1,15,240 | 0 | 8,643 | 0 | 8,643 | 1,06,597 | 0 |
| भाषा प्रयोगशाला (कंप्यूटर) | 12,00,000 | 0 | 0 | 12,00,000 | 11,89,250 | 4,300 | 0 | 11,93,550 | 6,450 | 10,750 |
| **उप–योग (क) रु.** | **55,75,51,243** | **54,56,837** | **0** | **56,30,08,080** | **22,10,88,058** | **2,42,20,442** | **0** | **24,53,08,500** | **31,76,99,580** | **33,64,63,185** |
| ख) चालू पूँजीगत कार्य | | | | | | | | | | |
| सीपीडब्ल्यूडी और यूपीएसकेएनएन के माध्यम से निष्पादित भवन निर्माण कार्य | 53,00,35,473 | 26,53,88,899 | | 79,54,24,372 | 0 | 0 | 0 | 0 | 79,54,24,372 | 53,00,35,473 |
| भवन निर्माण अन्य व्यय | 3,33,23,432 | 0 | 0 | 3,33,23,432 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3,33,23,432 | 3,33,23,432 |
| कम: संपत्ति के लिए स्थानांतरण | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप–योग (ख) रु.** | **56,33,58,905** | **26,53,88,899** | **0** | **82,87,47,804** | **0** | **0** | **0** | **0** | **82,87,47,804** | **56,33,58,905** |
| ख) अमूर्त संपत्तियाँ | | | | | | | | | | |
| कंप्यूटर सॉफ्टवेयर | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ई–पत्रिकाएं | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| पेटेंट्स | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप–योग (ग)** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| **योग (क+ख+ग) रु.** | **1,12,09,10,148** | **27,08,45,736** | **0** | **1,39,17,55,884** | **22,10,88,058** | **2,42,20,442** | **0** | **24,53,08,500** | **1,14,64,47,384** | **89,98,22,090** |
| **पूर्व वर्ष रु.** | **1,07,93,76,284** | **4,15,33,864** | **0** | **1,12,09,10,148** | **19,38,87,753** | **2,72,00,305** | **0** | **22,10,88,058** | **89,98,22,090** | **88,54,88,531** |

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

### 31मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र की अनुसूचियां

**अनुसूची – 05 निर्धारित/धर्मस्व निधियों से निवेश** (राशि रु. में)

| | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| **निर्धारित/धर्मस्व निधियों से निवेश** | | | | |
| 1. केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में | | 0 | | 0 |
| 2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में | | 0 | | 0 |
| 3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में | | 0 | | 0 |
| 4. शेयर्स | | 0 | | 0 |
| 5. डिबेंचर्स और बॉण्ड | | 0 | | 0 |
| 6. बैंक के साथ सावधि जमा | | 0 | | 0 |
| योजना | | | | |
| बी.ओ.आई. एस.पी. खाता (योजना) | 0 | | 0 | 0 |
| कैनरा बैंक के साथ सावधि जमा | 1,03,33,493 | | 0 | |
| सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 16,69,82,728 | | 0 | |
| बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 23,45,48,233 | 41,18,64,454 | 28,82,01,629 | 28,82,01,629 |
| गैर–योजना | | | | |
| बी.ओ.आई. एस.पी. खाता (गैर–योजना) | 0 | | 4,29,78,000 | 0 |
| कैनरा बैंक के साथ सावधि जमा | 1,03,08,783 | | 0 | |
| सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 7,10,58,540 | | 0 | |
| बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 3,20,63,357 | 11,34,30,680 | 4,22,56,495 | 8,52,34,495 |
| एन.पी.एस. | | | | |
| बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 56,48,730 | | 48,85,967 | 0 |
| बी.ओ.आई. एस.पी. खाता | 0 | 56,48,730 | 3,98,000 | 52,83,967 |
| दूर शिक्षा | | | | |
| सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 76,67,187 | | 1,26,03,812 | |
| बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 1,62,90,409 | | 0 | |
| महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की कर्मचारी सहकारी साख संस्था के साथ सावधि जमा | 30,69,334 | | 0 | |
| बी.ओ.आई. एस.पी. खाता | 0 | 2,70,26,930 | 1,15,03,000 | 2,41,06,812 |
| जीपीएफ | | | | |
| बैंक ऑफ इंडिया के साथ सावधि जमा | 1,79,76,096 | | 1,27,72,742 | |
| बी.ओ.आई. एस.पी. खाता | 0 | 1,79,76,096 | 27,71,000 | 1,55,43,742 |
| 7. अन्य का उल्लेख | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **वर्ष के अंत में शेष** | | **57,59,46,891** | | **41,83,70,644** |

अनुसूची – 05 (क) निर्धारित/धर्मस्व निधियों से निवेश (निधिवार)

| निधि | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| **योग** | | 0 | | 0 |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31मार्च, 2016, समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र की अनुसूचियां

अनुसूचियां – 06 अन्य निवेश

| | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| 1. सरकारी प्रतिभूतियों से | | 0 | | 0 |
| 2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों से | | 0 | | 0 |
| 3. शेयर्स | | 0 | | 0 |
| 4. डिबेंचर और बॉण्ड | | 0 | | 0 |
| 5. समानुषंगी और संयुक्त उद्यम | | 0 | | 0 |
| 6. अन्य (उल्लेख करें) | | 0 | | 0 |
| | | | | |
| योग | | **0** | | **0** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31मार्च, 2016, समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र की अनुसूचियां

**अनुसूचियां – 07 चालू परिसंपत्तियां**

(राशि रु. में)

| | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| **क. चालू परिसंपत्तियां** | | | | |
| 1. स्टॉक | | | | |
| क. स्टोर और पुर्जे | 0 | | 0 | |
| ख. फुटकर औजार | 0 | | 0 | |
| ग. प्रकाशन | 19,34,104 | 19,34,104 | 19,34,104 | 19,34,104 |
| घ. प्रयोगशाला के रसायन, उपयोज्य तथा कांच का सामान | 0 | | | |
| च. निर्माण सामग्री | 0 | | | |
| छ. विद्युत सामग्री | 0 | | | |
| ज. लेखन सामग्री | 0 | | | |
| झ. जल आपूर्ति की सामग्री | 0 | | | |
| 2. विविध देनदार | | | | |
| क. 06 माह से अधिक अवधि के लिए बकाया देनदारी | 0 | | 0 | |
| ख. अन्य | 20,262 | 20,262 | 20,262 | 20,262 |
| | | | | |
| 3. हाथ में रोकड़ | 0 | 0 | | 0 |
| 4. बैंक शेष | | | | |
| क. अनुसूची बैंकों के सज्ञथ | | | | |
| – चालू खाते में | 0 | | 0 | |
| – सावधि जमा खाते में | 0 | | 0 | |
| – बचत खाते में (अनुलग्नक क) | 11,79,25,448 | 11,79,25,448 | 85,91,940 | 85,91,940 |
| | | | | |
| ख. गैर–अनुसूची बैकों के साथ | | | | |
| – चालू खाते में | 0 | | 0 | |
| – सावधि जमा खाते में | 0 | | 0 | |
| – बचत खाते में | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 5. डाक घर बचत खाता | 0 | 0 | 0 | 0 |
| योग रु. | | **11,98,79,814** | | **1,05,46,306** |

## अनुलग्नक क

| 1. बैंक बचत खाता | खाता संख्या | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
|---|---|---|---|
| बैंक ऑफ इंडिया (पुराना) | 972110210000004 | 804 | 83,335 |
| बैंक ऑफ इंडिया गैर–योजना | 972110210000005 | 9,04,50,369 | -11,42,337 |
| बैंक ऑफ इंडिया एन.सी.पी.एस. | 972110210000003 | 2,80,317 | 26,104 |
| बैंक ऑफ इंडिया जी.पी.एफ. | 972110210000002 | 36,12,958 | 41,850 |
| बैंक ऑफ इंडिया शिक्षक कल्याण निधि | 972110210000018 | 67,523 | 13,953 |
| बैंक ऑफ इंडिया कायिक निधि | 972110210000019 | 4,18,650 | 2,12,268 |
| बैंक ऑफ इंडिया दूर शिक्षा (पुराना) | 970010210000028 | -1,453 | -1,453 |
| बैंक ऑफ इंडिया दूर शिक्षा खाता | 972111021000001 | 37,39,484 | -2,60,245 |
| बैंक ऑफ इंडिया योजना खाता | 972111021000020 | 52,24,760 | 56,07,901 |
| बैंक ऑफ इंडिया आर.जी.एन.एफ. | 972110110000026 | 15,41,355 | 39,95,294 |
| बैंक ऑफ इंडिया (बी.वोक.) | 972110210000028 | 58,70,836 | 0 |
| बैंक ऑफ इंडिया (ई.–पीजी पाठशाला) | 972110210000027 | 5,83,456 | 0 |
| बैंक ऑफ इंडिया (पीएमएमएमएनएमटीटी) | 972110210000020 | 61,21,119 | 0 |
| बैंक ऑफ इंडिया सीजीईजीआईएस | 970010210022577 | 15,269 | 15,269 |
| **योग** | | **11,79,25,448** | **85,91,940** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31मार्च, 2016 के समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र की अनुसूचियां

अनुसूचियां – 08 ऋण, अग्रिम और जमा

(राशि रु. में)

| | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| 1. कर्मचारियों को अग्रिम (ब्याज रहित अग्रिम) | | | | |
| क. वेतन/स्थानांतरण अग्रिम | 1,84,117 | | 1,89,296 | 0 |
| ख. त्योहार | 1,41,152 | | 1,08,302 | 0 |
| ग. एलटीसी | 10,72,873 | | 9,15,532 | 0 |
| घ. चिकित्सा अग्रिम | 0 | | 0 | 0 |
| च. जीपीएफ अग्रिम | 43,62,517 | | 18,24,568 | 0 |
| छ. व्यय के लिए | 8,33,248 | 65,93,906 | 14,66,193 | 45,03,890 |
| 2. कर्मचारियों को दीर्घकालीन अग्रिम (सब्याज अग्रिम) | | | | |
| क. गृह ऋण | 5,45,378 | | 6,80,177 | 0 |
| ख. वाहन ऋण | 2,14,554 | | 1,16,598 | 0 |
| ग. कंप्यूटर ऋण | 2,45,915 | 10,05,847 | 1,33,092 | 9,29,867 |
| 3. अग्रिम और अन्य राशि नगद वसूली योग्य या अन्य प्रकार या मूल्य प्राप्त किया जाना | | | | |
| क. पूंजीगत खाते में | | | | |
| सीपीडब्ल्यूडी, नागपुर | 1,15,26,998 | | 6,14,33,531 | |
| यूपीएसकेएनएल, लखनऊ | 29,10,63,545 | | 30,23,06,691 | |
| एमजेपी वर्धा | 77,78,500 | | 77,78,500 | |
| ख. केंद्रों की | | | | |
| निदेशक, भाषा केंद्र लखनऊ | 9,66,799 | | 9,66,799 | |
| प्रभारी निदेशक, भाषा केंद्र लखनऊ | -87,397 | | -87,397 | |
| महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा | 5,72,490 | | 5,72,490 | |
| क्षेत्रीय निदेशक, कोलकाता | 7,69,002 | | 10,14,083 | |
| क्षेत्रीय निदेशक, इलाहाबाद | 11,21,310 | | 11,65,442 | |
| क्षेत्रीय निदेशक, नई दिल्ली | 1,07,896 | | 1,07,896 | |
| ग. अन्य | 32,43,684 | 31,70,62,827 | 37,52,855 | 37,90,10,890 |
| 4. पूर्वदतत व्यय | | | | |
| क. बीमा | 0 | | 0 | |
| ख. अन्य | 96,616 | 96,616 | 50,562 | 50,562 |
| 5. जमा | | | | |
| क. टेलीफोन | 27,786 | | 17,786 | |
| ख. पट्टा किराया | 0 | | 0 | |
| ग. बिजली | 39,91,500 | | 39,25,520 | |
| घ. ए आई सी टी ई | 0 | | 0 | |
| च. ई झेड सी सी, कोलकाता | 2,25,000 | | 0 | |
| छ. अन्य | 13,000 | 42,57,286 | 13,000 | 39,56,306 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 5. प्राप्त ब्याज | | | | |
| क. निर्धारित/धर्मस्व निधियों से निवेश | 0 | | 46,40,521 | |
| ख. अन्य निवेश पर | 0 | | 0 | |
| ग. ऋण और अग्रिम पर | 0 | | 0 | |
| घ. अन्य पर | 0 | 0 | 0 | 46,40,521 |
| 6. अन्य प्राप्य | | | | |
| क. प्रायोजित परियोजनाओं के नामें शेष | 0 | | 0 | |
| ख. अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति के नामें शेष | 0 | | 0 | |
| ग. अनुदान और वसूली योग्य | 8,32,851 | | 15,32,851 | |
| घ. प्राप्ति योग्य टीडीएस | 36,41,672 | | 18,449 | |
| च. केंद्रीय विद्यालय, वर्धा | 8,00,000 | | 0 | |
| छ. प्राप्ति योग्य अन्य | 1,46,450 | 54,20,973 | 91,100 | 16,42,400 |
| 7. प्राप्य दावे | | 0 | | 0 |
| **योग रु.** | | **33,44,37,455** | | **39,47,34,436** |

स्थान : वर्धा
दिनांक : 15.06.2016

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र
कुलसचिव/वित्ताधिकारी

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति

# आय एवं व्यय खाता

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान खाता की अनुसूचियाँ

अनुसूची – 09 अकादमिक प्राप्तियां

(राशि रु. में )

| विवरण | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| | योजना | गैर–योजना | योजना | गैर–योजना |
| **अकादमिक** | | | | |
| **छात्रों से प्राप्त शुल्क** | | | | |
| 1. शिक्षण शुल्क | 0 | 18,26,441 | 0 | 4,91,670 |
| 2. प्रवेश शुल्क | 0 | 7,50,384 | 0 | 6,56,925 |
| 3. नामांकरण शुल्क | 0 | 0 | 0 | 66,700 |
| 4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क | 0 | 1,88,900 | 0 | 2,82,474 |
| 5. प्रयोगशाला प्रवेश शुल्क | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 6. साहित्य तथा सांस्कृतिक शुल्क | 0 | 71,750 | 0 | 40,740 |
| 7. पंजीकरण शुल्क | 0 | 1,40,642 | 0 | 30,850 |
| 8. खेलकूद शुल्क | 0 | 7,500 | 0 | 7,275 |
| 9. एमबीए/बीबीए शुल्क | 0 | 0 | 24,70,665 | 0 |
| 10. दूरशिक्षा शुल्क | 73,92,963 | 0 | 12,87,157 | 0 |
| 11. अकादमिक परियोजना शुल्क | 0 | 66,323 | 0 | 0 |
| **योग (क)** | **73,92,963** | **30,51,940** | **37,57,822** | **15,76,634** |
| **परीक्षा** | | | | |
| 1. प्रवेश परीक्षा शुल्क | | | 0 | 0 |
| 2. वार्षिक परीक्षा शुल्क | | 2,66,150 | 0 | 1,98,663 |
| 3. अंक पत्र, प्रमाण पत्र | | 5,850 | 0 | 0 |
| 4. पूनर्मल्यांकन शुल्क | | 7,600 | 0 | 10,400 |
| **योग (ख)** | **0** | **2,79,600** | **0** | **2,09,063** |
| **अन्य शुल्क** | | | | |
| 1. पहचान पत्र शुल्क | | 19,575 | 0 | 13,070 |
| 2 दंड/विविध शुल्क | | 54,803 | 0 | 32,218 |
| 3. चिकित्सा शुल्क | | 51,150 | 0 | 31,810 |
| 4. परिवहन शुल्क | | 0 | 0 | 1,200 |
| 5. छात्रावास शुल्क | | 18,47,295 | 0 | 11,50,858 |
| 6. इंटरनेट शुल्क | | 2,54,450 | 0 | 1,14,200 |
| 7. एनएसएस शुल्क | | 0 | 0 | 40,285 |
| 8. भोजनालय शुल्क | | 6,40,854 | | |
| **योग (ग)** | **0** | **28,68,127** | **0** | **13,83,641** |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **ँप्रकाशनों की बिक्री** | | | | |
| 1. प्रवेश पत्र/प्रकाशनों का विवरण | | 1,76,277 | 0 | 1,95,272 |
| 2. पाठ्यक्रम तथा प्रश्नपत्र इत्यादि का विवरण | | 0 | 0 | 0 |
| 3. विवरण पत्रिका के साथ प्रवेश पत्र का विक्रय | | 8,10,370 | 0 | 4,56,987 |
| **योग (घ)** | **0** | **9,86,647** | **0** | **6,52,259** |
| | | | | |
| **अन्य अकादमिक प्राप्तियां** | | | | |
| 1. कार्यशाला, कार्यक्रमों के पंजीकरण शुल्क | | 2,18,541 | | |
| 2. पंजीकरण शुल्क (अकादमिक स्टाफ कॉलेज) | | | | |
| **योग (च)** | **0** | **2,18,541** | **0** | **0** |
| | | | | |
| **योग (क+ख+ग+घ+च)** | **73,92,963** | **74,04,855** | **37,57,822** | **38,21,597** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान खाता की अनुसूचियां

अनुसूची –10 अनुदान/अनुवृत्ति

(राशि रु. में)

| विवरण | योजना | | | कुल योजना | गैर–योजना यूजीसी | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | भारत सरकार | यूजीसी | | | | | |
| | | योजना | *निर्दिष्ट योजना | | | | |
| **मॉजूदा शेष बी/एफ** | | | | | | | |
| **1. केंद्र सरकार** | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **2. राज्य सरकार** | | | | | | | |
| राष्ट्रीय सामाजिक सेवाए | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 01 अप्रैल, 2014 को अप्रयुक्त शेष अनुदान | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **3. सरकारी एजेसियां** | | | | | | | |
| विश्वविद्यालय अनुदान आयोग | | | | | | | |
| गैर–योजना निधि | | | | | | | |
| 01 अप्रैल, 2014 को अप्रयुक्त शेष अनुदान | 0 | 0 | 0 | 0 | 2,58,41,060 | 2,58,41,060 | 4,91,40,096 |
| योजना निधि | | | | | | | |
| 01 अप्रैल, 2015 को अप्रयुक्त शेष अनुदान | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| सामान्य सहायता अनुदान | | | | | | | |
| सामान्य विकास अनुदान (वेतन अनुदान सहित) | 0 | 18,21,31,598 | 0 | 18,21,31,598 | 0 | 18,21,31,598 | 29,36,03,197 |
| पीएच.डी./एम.फिल. के छात्रो के लिए गैर– नेट अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कम : डीईबी तथा छात्रवृत्ति की अनुदान वापसी, जो गैर–योजना खाते में गलती से डाली गई थी | 0 | 0 | 0 | 0 | 20,97,268 | 20,97,268 | 0 |
| जोड़ : डीईबी तथा छात्रवृत्ति के अनुदान की वापसी, जो पूर्व में गलती से जोड़ी गई थी | 0 | 20,97,268 | 0 | 20,97,268 | 0 | 20,97,268 | 0 |
| शिक्षा विद्यापीठ की स्थापना | 0 | 3,00,00,000 | 0 | 3,00,00,000 | 0 | 3,00,00,000 | 0 |
| वेतन सहायता अनुदान | | | | | | | |
| शिक्षा विद्यापीठ की स्थापना | 0 | 5,00,00,000 | 0 | 5,00,00,000 | 0 | 5,00,00,000 | 0 |
| अन्य सहायता अनुदान | | | | | | | |
| बौद्ध अध्ययन केंद्र | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2,822 |
| डॉ. अबेडकर अध्ययन केंद्र | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 90,000 |
| डॉ. जाकिर हुसैन अध्ययन केंद्र | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 93,884 |
| नेहरू अध्ययन केंद्र | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,06,080 |
| हिंदी व्याकरण कोष परियोजना | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,37,089 |
| शोध–अध्ययन परियोजना | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 51,875 |
| स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम अनुदान | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5,60,000 |
| प्रौढ़ शिक्षा परियोजना | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5,46,098 |
| मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 6,65,565 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 54,42,115 |
| कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 15,12,095 |
| पोस्ट डॉक्टरल अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | -1,03,600 |
| डॉक्टरल अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 53,468 |
| नवाचारी कार्यक्रम | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1,45,000 |
| हिंदी के विकास में अनुवाद का योगदान | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 23,796 |
| लोक नाट्यों और नुक्कड़ नाट्यों में प्रतिरोध के स्वर | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2,45,800 |
| समाजशास्त्र और गांधी दर्शन परियोजना के संदर्भ में | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | -97,475 |
| वन्य जीव संरक्षण एवं आदिवासी विकास के मुददे | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2,05,059 |
| पारसी हिंदी थिएटर में महिलाएं | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 34,719 |
| राष्ट्रीय सामाजिक सेवाएं, पुणे | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | -31,957 |
| संगोष्ठी एवं कार्यशाला | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 70,941 |
| **उप योग (31/03/2015 को अनप्रयुक्त शेष)** | | **26,42,28,866** | **0** | **26,42,28,866** | **2,37,43,792** | **28,79,72,658** | **35,24,96,667** |
| **जोड़ वर्ष के दौरान अनुदान** | | | | | | | |
| **1. केंद्र सरकार** | | | | 0 | | 0 | 0 |
| **2. राज्य सरकार** | | | | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **3 सरकारी एजेंसियां** | | | | 0 | | 0 | 0 |
| विश्वविद्यालय अनुदान आयोग | | | | 0 | | 0 | 0 |
| गैर योजना अनुदान | | | | 0 | 25,10,66,000 | 25,10,66,000 | 10,01,10,000 |
| योजना निधि | | | | | | | |
| सामान्य विकास अनुदान | | | | | | | |
| सामान्य सहायता अनुदान | | | | 0 | | 0 | 52,50,000 |
| वेतन सहायता अनुदान | | 5,00,00,000 | | 5,00,00,000 | | 5,00,00,000 | |
| सामान्य विकास अनुदान | | 3,40,00,000 | | 3,40,00,000 | | 3,40,00,000 | 2,80,00,000 |
| अन्य अनुदान | | | | | | | |
| समाजशास्त्र और गांधी दर्शन परियोजना के संदर्भ में | | | | 0 | | 0 | 1,16,480 |
| महात्मा गांधी की कर्मभूमि वर्धा | | | | 0 | | 0 | 1,80,000 |
| दूर शिक्षा खता | | | | 0 | | 0 | 19,31,583 |
| पोस्ट डॉक्टरल अध्येतावृत्ति | | | | 0 | | 0 | 5,34,000 |
| शोध गंगा परियोजना | | | | 0 | | 0 | 14,000 |
| पीएचडी छात्रों के लिए शोध पद्धति | | | | 0 | | 0 | 4,95,000 |
| आंतरिक गुणवत्ता | | | | 0 | | 0 | 4,50,000 |
| एमबीए/बीबीए छात्रों को छात्रवृत्ति | | | | 0 | | 0 | 1,65,685 |
| डॉक्टरल अध्येतावृत्ति | | | | 0 | | 0 | 8,60,000 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **4. संस्थागत / कल्याण निकाय** | | | | 0 | | 0 | |
| **5. अंतरराष्ट्रीय संगठन** | | | | 0 | | 0 | 0 |
| **6. अन्य उल्लेख** | | | | 0 | | 0 | 0 |
| **उप–योग (वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान)** | **0** | **8,40,00,000** | **0** | **8,40,00,000** | **25,10,66,000** | **33,50,66,000** | **13,81,06,748** |
| **योग** | **0** | **34,82,28,866** | **0** | **34,82,28,866** | **27,48,09,792** | **62,30,38,658** | **49,06,03,415** |
| **जोड़ : वर्ष 2015–16 के व्ययों के लिए 2014–15 में प्राप्त अनुदान** | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **कम : वर्ष के दौरान अनुदान की वापसी (डीईसी अनुदान)** | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप–योग** | | **34,82,28,866** | **0** | **34,82,28,866** | **27,48,09,792** | **62,30,38,658** | **49,06,03,415** |
| **कम : स्थायी संपत्तियों के अर्जन में अप्रयुक्त अनुदान** | | | | | | | |
| गैर–मूल्य ह्रास योग्य संपत्ति– पूंजी रिजर्व को हस्तांतरित | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| मूल्य ह्रास योग्य संपत्ति– स्थगित अनुदान को हस्तांतरित | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **उप योग** | **0** | **34,82,28,866** | **0** | **34,82,28,866** | **27,48,09,792** | **62,30,38,658** | **49,06,03,415** |
| | | | | | | | |
| कम : 31 मार्च 2016 तक अप्रयुक्त शेष | | 32,45,60,682 | 0 | 32,45,60,682 | 8,77,41,123 | 41,23,01,804 | 29,80,55,697 |
| | | | | | | | |
| **राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त अनुदान** | | **2,36,68,184** | | **2,36,68,184** | **18,70,68,669** | **21,07,36,854** | **19,25,47,718** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान खाता की अनुसूचियां

**अनुसूची –11 निवेशों से आय** (राशि रु. में)

| विवरण | निर्धारित /धर्मस्व निधियां | | अन्य निधियां | |
|---|---|---|---|---|
| | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
| 1. ब्याज | | | | |
| क. सरकारी प्रतिभूतियों पर | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ख. अन्य बंध– पत्र/डिबेंचर्स | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2. जमा की अवधि में प्राप्त आय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. प्रोद्भूत आय परंतु देय नहीं | | | | |
| क. प्रत्येक निधि अलग से | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ख. कर्मचारियों को ब्याज सहित दिया गया अग्रिम | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4. बैंक बचत खाते से प्राप्त आय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 5. अन्य (उल्लेख करें) | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **कुल** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| निर्धारित/ धर्मस्व निधि को हस्तांतरित | | | | |
| 1. ब्याज | | | | |
| क. सरकारी प्रतिभूतियों पर | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ख. अन्य बंध–पत्र/डिबेंचर्स | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2. जमा की अवधि में प्राप्त आय | | | | |
| 1. अनुसूचित बैंक के साथ | | | | |
| योजना निधि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| गैर–योजना निधि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| दूर शिक्षा खाता | 0 | 0 | 0 | 0 |
| सामान्य भविष्य निधि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| नई पेंशन योजना निधि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2. गैर–अनुसूचित बैंक के साथ | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. संस्थाओं के साथ | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4. अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. प्रोद्भूत आय परंतु देय नहीं | | | | |
| क. प्रत्येक निधि अलग से | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ख. कर्मचारियों को ब्याज सहित दिया गया अग्रिम | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4. बैंक बचत खाते से आय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 5. अन्य (उल्लेख करें) | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग** | **0** | **0** | **0** | **0** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान खाता की अनुसूचियां

अनुसूची –12 अर्जित ब्याज (राशि रु. में)

| विवरण | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| | योजना निधि | गैर–योजना निधि | योजना निधि | गैर–योजना निधि |
| **1. अनुसचित बैंकों में बचत खाता** | | | | |
| क. अनुसूचित बैंक के साथ | 0 | 0 | 0 | 2,01,924 |
| ख. गैर–अनुसूचित बैंक के सज्ञथ | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ग. संस्थाओं के साथ | 0 | 0 | 0 | 0 |
| घ. अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **2. ऋण पर** | | | | |
| क. कर्मचारी स्टाफ | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ख. अन्य | 0 | 0 | 0 | 1,396 |
| 3. देनदार तथा अन्य प्राप्तियोग्य | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4. सावधि जमा पर प्राप्त आय | | | | |
| अनुसूचित बैंक के साथ | | | | |
| योजना निधि | 2,47,32,214 | 0 | 2,82,88,704 | |
| गैर–योजना निधि | 0 | 55,61,342 | 0 | 47,99,426 |
| दूर शिक्षा खाता | 20,60,502 | 0 | 15,77,650 | |
| सामान्य भविष्य निधि | 0 | 0 | 0 | |
| नई पेंशन योजना निधि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अनुसूचित बैंकों के साथ (फ्लेक्सी सावधि जमा) | | | | |
| योजना निधि | 11,98,359 | 0 | 0 | 0 |
| गैर–योजना निधि | 0 | 8,86,816 | 0 | 0 |
| दूर शिक्षा खाता | 5,20,619 | 0 | 0 | 0 |
| सामान्य भविष्य निधि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| नई पेंशन योजना निधि | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | | | | |
| **योग** | **2,85,11,694** | **64,48,158** | **2,98,66,354** | **50,02,746** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2016, समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

**अनुसूची –13 अन्य आय** (राशि रु. में)

| विवरण | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| | योजना निधि | गैर–योजना निधि | योजना निधि | गैर–योजना निधि |
| **क. भूमि और भवन से आय** | | | | |
| 1. छात्रावास के कमरे से किराया | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2. लाइसेंस शुल्क | 0 | 3,32,003 | 0 | 3,60,600 |
| 3. ऑडिटोरियम,/खेल मैदान/कन्वेंशन सेंटर से प्राप्त प्रभार | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4. बिजली और जल प्रभार | 0 | 72,090 | 0 | 36,362 |
| 5. अतिथि गृह प्रभार | 0 | 6,06,406 | 0 | 1,28,165 |
| 6 . शॉपिंग कॉम्प्लेक्स किराया | 0 | 51,692 | 0 | 20,353 |
| 7. विविध आय | 0 | 34,615 | 0 | 22,309 |
| **योग** | **0** | **10,96,806** | **0** | **5,67,789** |
| **ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री** | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **ग. गतिविधियों के आयोजन से आय** | | | | |
| 1. गतिविधियों से सकल प्राप्तियां | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कम : गतिविधियों से प्रत्यक्ष खर्च | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2. उत्सव से सकल प्राप्ति | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कम : उत्सव पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3. शैक्षिक पर्यअन के लिए सकल प्राप्तियां | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कम : पर्यअन पर किया प्रत्यक्ष व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4. अन्य (निर्दिष्ट किया जाए और अलग से खुलासा किया जाए) | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| **घ. अन्य** | | | | |
| 1. कैंसलटेंसी से आय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2. आरटीआई शुल्क | 0 | 4,052 | 0 | 4,783 |
| 3. स्वामित्व से आय | 0 | 1,30,030 | 0 | 40,390 |
| 4. आवेदन पत्र की बिक्री (भर्ती) | 0 | 3,05,350 | 0 | 200 |
| 5. निवेदन पत्र की बिक्री | 0 | 5,000 | 0 | 5,900 |
| 6. बिक्री पर लाभ/परिसंपत्तियों का निपटान | 0 | 0 | 0 | 0 |
| क. स्वामित्व की संपत्ति (सॉफ्टवेयर की बिक्री) | 0 | 0 | 0 | 30,750 |
| ख. मुफ्त में प्राप्त परिसंपत्तियां | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 7. संस्थानों से दान/अनुदान, कलयाण समितियां तथा अंतरराष्ट्रीय संगठन | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 8. अन्य (उल्लेख करें), (मूल्य ह्रास के बराबर समानुपातिक राशि) | 2,42,20,442 | 0 | 2,72,00,305 | 0 |
| **योग** | **2,42,20,442** | **4,44,432** | **2,72,00,305** | **82,023** |
| **कुल योग** | **2,42,20,442** | **15,41,238** | **2,72,00,305** | **6,49,812** |

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

अनुसूची –14 आय के पूर्व की अवधि

(राशि रु. में )

| विवरण | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
|---|---|---|
| | | |
| 1. अकादमिक प्राप्तियां | 0 | 0 |
| 2. निवेश से आय | 0 | 0 |
| 3. अर्जित ब्याज | 0 | 0 |
| **4. अन्य आय** | 2,00,000 | 0 |
| योग | 2,00,000 | 0 |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016, समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

अनुसूची –15 स्टाफ भुगतान तथा हितलाभ

(राशि रु. में )

| विवरण | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| | योजना निधि | गैर–योजना निधि | योजना निधि | गैर–योजना निधि |
| **शैक्षणिक स्टाफ** | | | | |
| वेतन तथा मजदूरी | | | | |
| शैक्षणिक स्टाफ | 1,41,66,809 | 7,35,14,640 | 5,80,62,919 | 5,69,18,888 |
| गैर– शैक्षणिक स्टाफ | 11,25,171 | 4,67,36,697 | 0 | 0 |
| भत्ते और बोनस | 0 | 2,45,234 | 65,626 | 1,93,424 |
| स्थानांतरण यात्रा भत्ता | | 2,63,688 | | |
| भविष्य निधि में अंशदान | 0 | 0 | 0 | 0 |
| एनसीपीएस में अंशदान | 2,27,873 | 51,66,039 | 25,80,417 | 19,39,611 |
| स्टॉफ कल्याण व्यय | 0 | 53,545 | 6,465 | 1,06,666 |
| कर्मचारियों का प्रशिक्षण तथा अभिविन्यास | 0 | 51,521 | 0 | 0 |
| सेवानिवृत्ति तथा सेवांत हित लाभ | | | | |
| उपादान | 0 | 10,00,000 | 0 | 10,00,000 |
| पेंशन और छुट्टी वेतन | 0 | 6,00,000 | 0 | 7,62,876 |
| छुट्टी यात्रा रियायत व्यय | 25,232 | 10,65,354 | 13,40,173 | 6,70,826 |
| चिकित्सा सुविधा/प्रतिपूर्ति | 16,92,764 | 24,81,192 | 9,42,588 | 19,43,611 |
| संतान शिक्षा भत्ता | 18,000 | 21,33,170 | 5,08,822 | 16,81,371 |
| मानदेय | 0 | 0 | 7,69,477 | 4,75,728 |
| अन्य (उल्लेख करें) | 0 | 0 | 0 | 0 |
| शेष महंगाई भत्ता | 0 | 0 | 8,87,446 | 9,54,912 |
| अवकाश नगदीकरण | 0 | 1,06,686 | 1,05,114 | 3,82,269 |
| टीए डीए व्य | 0 | 8,64,949 | 57,825 | 4,06,028 |
| परिवार पेंशन व्यय | 0 | 22,56,534 | 0 | 8,99,592 |
| | | | | |
| **योग** | **1,72,55,849** | **13,65,39,249** | **6,53,26,872** | **6,83,35,802** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2016, समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

**अनुसूची –15 (क) कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति तथा सेवांत लाभ** (राशि रु. में )

| विवरण | पेंशन तथा छुट्टी का नगदीकरण | उपादान | | योग |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| 01 अप्रैल, 2015 को अधिकतम मूल्य (ओ पी) शेष | 21,73,486 | 2,31,00,000 | 0 | 25273486 |
| योग : अन्य संगठनों से प्राप्त अंशदान के पूंजीकृत मूल्य | 0 | 0 | 0 | 0 |
| योग (क) | 21,73,486 | 2,31,00,000 | 0 | 25273486 |
| कम : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख) | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 31.03.2016 को उपलब्ध शेष ग (क – ख) | 21,73,486 | 2,31,00,000 | 0 | 25273486 |
| | | | | |
| 31.03.2016 को अपेक्षित प्रावधान (घ) | 27,73,486 | 2,41,00,000 | 0 | 26873486 |
| | | | | |
| क. चालू वर्ष में बनाए गए प्रावधान (घ – ग) | **6,00,000** | **10,00,000** | **0** | **16,00,000** |

| विवरण | चालू वर्ष | | पूर्व वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| | योजना निधि | गैर–योजना निधि | योजना निधि | गैर–योजना निधि |
| ख. नई पेंशन योजना को अंशदान | 2,27,873 | 51,66,039 | 0 | 0 |
| ग. सेवानिवृत्त कर्मियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति | 0 | 0 | 0 | 0 |
| घ. सेवानिवृत्ति पर गृह नगर की यात्रा | 0 | 0 | 0 | 0 |
| च. निःपक्ष सहबद्ध बीमा भुगतान | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग** | **2,27,873** | **51,66,039** | **0** | **0** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 के समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

**अनुसूची –16 अकादमिक व्यय** (राशि रु. में )

| विवरण | योजना | गैर–योजना | योजना | गैर–योजना |
|---|---|---|---|---|
| प्रयागशाला व्यय | 0 | 58,761 | 0 | 15,300 |
| अतिथि प्राध्यापकों को भुगतान | 0 | 12,98,728 | 0 | 11,50,575 |
| परीक्षा | 0 | 11,24,619 | 0 | 5,66,936 |
| छात्र कल्याण व्यय | 0 | 40,633 | 0 | 57,192 |
| प्रशासनिक व्यय | 0 | 38,307 | 0 | 0 |
| शैक्षणिक भ्रमण | 0 | 1,21,917 | 0 | 1,86,698 |
| **वृत्तिका/छात्रवृत्ति** | | | | |
| कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 28,99,078 | 0 |
| राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 18,25,343 | 0 |
| एमफिल/पीएचडी. छात्रों को नॉन नेट अध्येतावृत्ति | 2,77,03,304 | 0 | 1,99,95,674 | 0 |
| पोस्ट डॉक्टरल अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 3,31,354 | 0 |
| डॉक्टरल अध्येतावृत्ति | 0 | 0 | 10,33,800 | 0 |
| एमए छात्रों के लिए छात्रवृत्ति | 13,28,000 | 0 | 0 | 0 |
| अध्ययन केंद्रों के शेयर्स | 14,88,086 | 0 | 5,13,680 | 0 |
| अभिदान | 0 | 3,50,000 | 0 | 1,37,159 |
| अन्य | | 0 | 0 | 0 |
| **अनेकानेक परियोजनाओं पर व्यय** | | | | |
| डॉ. अंबेडकर अध्ययन केंद्र | 0 | 0 | 2,27,058 | |
| मध्य भारत में आदिवासी शांति | 0 | 0 | 7,118 | 0 |
| वन्य जीव संरक्षण और अन्य आदिवासी मुद्दे | 0 | 0 | 88,172 | 0 |
| महात्मा गांधी की कर्मभूमि वर्धा | 0 | 0 | 45,300 | 0 |
| पारसी हिंदी थिएटर में महिलाएं | 0 | 0 | 35,041 | 0 |
| पीएचडी के छात्रों के लिए शोध पद्धति | 0 | 0 | 5,22,604 | 0 |
| आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ | 0 | 0 | 36,486 | 0 |
| अंबेडकर के विचारों पर आधारित राष्ट्रीय कायशालाा | 0 | 0 | 46,923 | 0 |
| ोध अध्ययन परियोजना | 0 | 0 | 2,02,500 | 0 |
| हिंदी के विकास में अनुवाद का योगदान | 0 | 0 | 4,883 | 0 |
| | | | | |
| **योग** | 3,05,19,390 | 30,32,965 | 2,78,15,014 | 21,13,860 |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 के समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

अनुसूची –17 अकादमिक व्यय (राशि रु. में )

| विवरण | योजना | गैर–योजना | योजना | गैर–योजना |
|---|---|---|---|---|
| **क. बुनियादी ढांचा** | | | | |
| बिजली और ऊर्जा | 0 | 1,07,04,889 | 0 | 1,05,86,645 |
| जनरेटर रखरखाव व्यय | 0 | 2,08,899 | 0 | 3,34,605 |
| पानी प्रभार | 0 | 46,32,049 | 0 | 47,51,482 |
| बीमा | 0 | 0 | 0 | 0 |
| किराया, दर और कर (संपत्ति कर के साथ) | 0 | 3,60,000 | 0 | 0 |
| वार्षिक रखरखाव अनुबंध | 0 | 4,39,216 | 0 | 4,29,101 |
| **ख. संचार** | | | | |
| डाक तथा तार | 0 | 2,48,227 | 0 | 2,89,657 |
| टेलीफोन तथा इंटरनेट प्रभार | 0 | 6,53,717 | 0 | 7,58,116 |
| **ग. अन्य** | | | | |
| छपाई एवं स्टेशनरी | 0 | 14,19,758 | 0 | 15,36,860 |
| यात्रा और वाहन | 0 | 1,65,790 | 0 | 10,39,503 |
| आतिथ्य | 0 | 2,63,560 | 0 | 2,11,879 |
| लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक | 0 | 0 | 0 | -2,68,365 |
| वृत्तिक कर | 0 | 7,33,878 | 0 | 1,63,739 |
| विज्ञापन एवं प्रचार | 0 | 8,78,698 | 0 | 14,83,799 |
| पत्रिका तथा जरनल | 0 | 2,22,167 | 0 | 1,85,814 |
| अन्य (उल्लेख) | | | | |
| समारोह तथा उत्सव | 0 | 12,24,069 | 0 | 15,15,364 |
| अतिथि गृह खर्च | 0 | 1,23,190 | 0 | 74,248 |
| वर्दी खर्च | 0 | 0 | 0 | 0 |
| आवास और भोजन | 0 | 54,287 | 0 | 61,191 |
| दवाईयां (अस्पताल के लिए) | 0 | 3,20,112 | 0 | 1,27,428 |
| संविदा कर्मचारियों के लिए चिकित्सा सुविधा | | 4,70,053 | | 1,18,039 |
| साक्षात्कार खर्च | 0 | 6,67,440 | 0 | 89,410 |
| मेस | 0 | 5,57,729 | 0 | 1,20,887 |
| कार्यालय खर्च | 0 | 9,21,770 | 0 | 10,71,380 |
| आउटसोर्सिंग एजेंसी द्वारा लगे कर्मियों का वेतन तथा मजदूरी | 0 | 2,44,63,766 | 0 | 2,61,97,905 |
| बैठक भत्ता | 0 | 0 | 0 | 85,923 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| एनएसएस | 0 | 49,944 | 0 | 0 |
| सुरक्षा और सतर्कता | 0 | 68,61,141 | 0 | 71,47,485 |
| हिंदी की उन्नति एवं प्रचार | 0 | 8,17,386 | 0 | 4,500 |
| नाटक तथा वृत्तचित्र प्रभार | 0 | 81,995 | 0 | 0 |
| माल ढुलाई और गाड़ी भाड़ा | | 2,050 | 0 | 0 |
| बैठक व्यय | | 2,40,521 | 0 | 0 |
| खेलकूद व्यय | 0 | 2,41,432 | 0 | 0 |
| **केंद्र आवर्ती व्यय** | | | | |
| इलाहाबाद केंद्र | 24,67,952 | 0 | 11,82,077 | 0 |
| कोलकाता केंद्र | 15,81,734 | 0 | 7,99,044 | 0 |
| **सामान्य विकास अनुदान व्यय** | | | | |
| दूर शिक्षा व्यय | 5,98,378 | 0 | 30,34,701 | 0 |
| दूर शिक्षा व्यय | 1,56,561 | 0 | 0 | 0 |
| दूर शिक्षा सामग्री | 4,03,983 | 0 | 0 | 0 |
| शिक्षा आवर्ती व्यय | 1,68,661 | 0 | 0 | 0 |
| प्रकाशन व्यय | 28,28,250 | 0 | 13,79,367 | 0 |
| अतिथि प्रोफेसर/अध्येताओं की नियुक्ति | 24,34,250 | 0 | 4,86,396 | 5,47,752 |
| स्वास्थ्य केंद्र | 4,000 | 0 | 0 | 0 |
| संगोष्ठी और कार्यशालाओं पर व्यय | 11,53,833 | 0 | 5,21,458 | 0 |
| नेट कोचिंग व्यय | 0 | 0 | 1,06,100 | 0 |
| **योग** | **1,17,97,602** | **5,80,27,733** | **75,09,143** | **5,86,64,347** |

**अनुसूची –18 परिवहन व्यय**

| **विवरण** | **योजना** | **गैर–योजना** | **योजना** | **गैर–योजना** |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| क. वाहन (संस्था का स्वामित्व) | | | | |
| 1. चालू व्यय | 0 | 7,82,941 | 0 | 6,79,663 |
| 2. मरम्मत एवं रखरखाव | 0 | 3,12,541 | 0 | 3,08,064 |
| 3. बीमा प्रभार | 0 | 47,930 | 0 | 45,909 |
| ख. वाहन (लीज पर लिए गए/किराए पर) | | | | |
| 1. लीज पर व्यय | 0 | 4,49,311 | 0 | 2,64,292 |
| ग. टैक्सी वाहन का किराया | | 0 | | |
| घ. समयोपरि भत्ता | 0 | 59,790 | 0 | 45,304 |
| **योग** | **0** | **16,52,513** | **0** | **13,43,232** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च, 2016 के समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

**अनुसूची –19 मरम्मत एवं रख्रखाव** (राशि रु. में )

| विवरण | योजना | गैर–योजना | योजना | गैर–योजना |
|---|---|---|---|---|
| भवन | 0 | 18,10,177 | 0 | 17,09,078 |
| फर्नीचर एवं जुड़नार | 0 | 1,39,904 | 0 | 1,88,474 |
| संयंत्र एवं तंत्र | 0 | 0 | 0 | 1,39,421 |
| कार्यालय उपस्कर | 0 | 6,17,817 | 0 | 3,34,309 |
| कंप्यूटर | 0 | 2,99,822 | 0 | 11,34,834 |
| प्रयोगशाला तथा वैज्ञानिक उपकरण | 0 | 0 | 0 | 0 |
| ऑडियो विजुअल उपकरण | 0 | 0 | 0 | 0 |
| साफ–सफाई की सामग्री एवं सेवाएं | 0 | 1,38,259 | 0 | 1,34,641 |
| जिल्दसाजी पर व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| बागवानी | 0 | 0 | 0 | 8,56,192 |
| संपत्ति रखरखाव | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | **0** | **30,05,979** | **0** | **44,96,949** |

**अनुसूची – 20 वित्तीय लागत** (राशि रु. में )

| विवरण | योजना | गैर–योजना | योजना | गैर–योजना |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| बैंक प्रभार | 0 | 38276.49 | 14561 | 26269 |
| अन्य उल्लेख करें | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग** | **0** | **38,276** | **14,561** | **26,269** |

**अनुसूची – 21 अन्य व्यय** (राशि रु. में )

| विवरण | योजना | गैर–योजना | योजना | गैर–योजना |
|---|---|---|---|---|
| अशोध्य और संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अवसूलीय शेष बट्टा खाता | 0 | 0 | 0 | 0 |
| संस्थानों/संगठनों के लिए अनुदान/सहायता (अनुवृत्ति) | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **योग** | **0** | **0** | **0** | **0** |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च, 2016 के समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की अनुसूचियां

**अनुसूची – 22 पूर्व अवधि व्यय** (राशि रु. में )

| विवरण | योजना | गैर–योजना | योजना | गैर–योजना |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| स्थापना व्यय | 0 | 3,66,205 | 0 | 0 |
| अकादमिक व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| प्रशासनिक व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| परिवहन व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| रखरखाव तथा मरम्मत व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अन्य व्यय | 0 | 0 | 0 | 0 |
| योग | 0 | 3,66,205 | 0 | 0 |

स्थान : वर्धा
दिनांक : 15.06.2016

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र
कुलसचिव / वित्ताधिकारी

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति

# प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

### 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

राशि रु.

| | प्रतियाँ | | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष | | भुगतान | | चालू वर्ष | पूर्व वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | पिछला शेष | | | | I | व्यय | | | |
| | मौजूदा राशि | | 0 | 0 | | | | | |
| | बैंक शेष | | | | | संस्थागत तथा प्रशासनिक व्यय | 6,07,10,339 | | 13,52,66,161 |
| | चालू खाते मे | | | | | वेतन | 14,95,18,043 | | 6,54,17,628 |
| | जमा खाते मे | | | | | अन्य प्रशासनिक व्यय | 0 | | 0 |
| | योजना निधि | | | | | प्रकाशन व्यय | 27,20,550 | | 13,79,367 |
| | सावधि जमा | 28,82,01,629 | | 28,89,55,449 | | बैंक प्रभार | 38,276 | | 12,616 |
| | बीओआईएसपी खाता | 0 | | 3,91,79,658 | | छात्र सुविधाए | 3,400 | | 0 |
| | गैर–योजना निधि | | | | | संगोष्ठी एवं कार्यशाला पर व्यय | 11,53,833 | | 5,21,458 |
| | सावधि जमा | 4,22,56,495 | | 1,05,15,890 | | अतिथि अध्यापक/अध्येताओं की नियुक्ति | 24,34,250 | | 10,34,148 |
| | बीओआईएसपी खाता | 4,29,78,000 | | 9,51,93,131 | | डे–केयर सेंटर | 4,000 | | 0 |
| | दूर शिक्षा | | | | | अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए नेट कोचिंग योजना | 0 | | 1,06,100 |
| | सावधि जमा | 1,26,03,812 | | 0 | | दूरशिक्षा पर व्यय | 5,98,378 | | 0 |
| | बीओआईएसपी खाता | 1,15,03,000 | | 0 | | दूरशिक्षा परीक्षा पर व्यय | 1,56,561 | | 0 |
| | जीपीएफ | | | | | शिक्षा व्यय | 1,68,661 | | 0 |
| | सावधि जमा | 1,27,72,742 | | 0 | | अध्ययन सामग्री की खरीद | 4,03,983 | | 0 |
| | बीओआईएसपी खाता | 27,71,000 | | 0 | | अध्ययन केंद्रों के शेअर्स | 14,88,086 | 21,93,98,360 | 0 |
| | एनसीपीएस | | | | | | | | |
| | सावधि जमा | 48,85,967 | | 0 | | गैर–नेट/एम. फिल/पीएच.डी. छात्रों को अध्येतावृत्ति | | | |
| | बीओआईएसपी खाता | 3,98,000 | 41,83,70,645 | | | छात्रों को छात्रवृत्ति/अध्येता वृत्ति | | 2,77,03,304 | 2,31,86,171 |
| | | | | | | ओबीसी आरक्षण हेतु सामान्य विकास अनुदान | | | |
| | बचत खाते मे | | | | | ओबीसी आवर्ती खर्च | | 0 | 0 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (दूरशिक्षा) 00028 | -1,453 | | 0 | | **इलाहाबाद एवं कोलकाता सेंटरों की स्थापना** | | | |
| | बैंक ऑफ इंडिया (दूरशिक्षा) 0018 | -2,60,245 | | 0 | | कोलकाता केंद्र | 15,81,734 | | 11,82,077 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (एनपीएस) 0003 | 26,104 | | 0 | | इलाहाबाद केंद्र | 24,67,952 | 40,49,686 | 7,99,044 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (योजन) 0004 | 83,335 | | -2,10,245 | II | **विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधि का भुगतान** | | | |
| | बैंक ऑफ इंडिया (गैर–योजना) 0005 | -11,42,337 | | 86,880 | | पीएच.डी. छात्रों के लिए शोध पद्धति | 0 | | 5,22,604 |
| | बैंक ऑफ इंडिया आरजीएनएफ खाता | 39,95,294 | | 56,18,713 | | डॉ. अंबेडकर अध्ययन केंद्र | 51,626 | | 2,27,058 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (योजना) 00020 | 56,07,901 | | 0 | | डॉ. जाकिर हुसैन अध्ययन केंद्र | 0 | | 0 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (अध्यापक कल्याण) 18 | 13,953 | | 0 | | राष्ट्रीय सामाजिक सेवाए | 1,53,960 | | 0 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (University Cordus) 19 | 2,12,268 | | 0 | | कनिष्ठ अनुसंधान अध्येतावृत्ति | 42,17,739 | | 28,99,078 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (जीपीएफ) 18 | 41,850 | | 0 | | पोस्ट डाक्टरल अध्येतावृत्ति | 6,00,516 | | 0 |
| | बैंक ऑफ इंडिया (सीजीईआईएस) 958 | 15,269 | | 15,269 | | प्राप्त करने योग्य नेक अनुदान | 1,00,000 | | |
| | बैंक ऑफ इंडिया | 0 | 85,91,939 | | | डाक्टरल अध्येयतावृत्ति | 7,26,478 | | 0 |
| | | | | | | आनतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ | 93,405 | | 36,486 |
| II | **प्राप्त अनुदान** | | | | | अनुसंधान अध्ययन परियोजना | 49,486 | | 0 |
| | विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त | | | | | भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद | 5,00,000 | | |
| | गैर–योजना | 25,10,66,000 | | 12,69,10,000 | | महात्मा गाधी की कर्म भूमि | 1,31,796 | | |
| | योजना | | | | | | 0 | | 0 |
| | यामान्य विकास योजना | 30,00,00,000 | | 3,17,50,000 | | बी–वोक व्यय | 7,930 | | 0 |
| | सामान्य विकास अनुदान (आवर्ती) | 3,40,00,000 | | 52,50,000 | | हिंदी के विकास मे अनुवाद का योगदान | 41,963 | | 6,833 |
| | सामान्य विकास अनुदान (वेतन) | 5,00,00,000 | | 2,80,00,000 | | वन्यजीव संरक्षण और आदिवासी विकास के मुद्दे | 1,06,535 | | 88,172 |
| | शिक्षा विद्यापीठ की स्थापना | 0 | 63,50,66,000 | 0 | | पारसी हिंदी मे थियेटर मे महिलाए | 27,010 | | 37,010 |
| | अन्य अनुदान | | | 0 | | राष्ट्र बनाम कथित राष्ट्र वाद | 4,580 | | 7,118 |
| | शिक्षकों और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन | 2,69,00,000 | | | | गांधी दर्शन समिति संगोष्ठी | 1,36,084 | | |
| | राजीव गांधी अध्येयता वृत्ति | 0 | | 0 | | कम्यूनिटी कॉलेज | 1,89,981 | | |
| | कनिष्ठ अनुसंधान अध्येयता वृत्ति | 0 | | 0 | | शिक्षकों और शिक्षण पर प. मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन योजना | 7,17,554 | | |
| | राष्ट्रीय सामाजिक सेवा | 93,902 | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | पोस्ट डॉक्टरल अध्येयतावृत्ति | | 4,33,600 | | 5,34,000 | | एम. ए. के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति | 13,28,000 | | |
| | डॉक्टरल अध्येयतावृत्ति | | 10,59,000 | | 8,60,000 | | नवाचारी कार्यक्रम | 79,077 | | 0 |
| | ई–पीजी पाठशाला | | 7,00,000 | | 0 | | मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येयतावृत्ति | 0 | | 30,500 |
| | उदारीकरण की निति के प्रभाव | | 8,00,000 | | 0 | | पीएच.डी. छात्रों के लिए शोधपद्धति | 0 | | 46,923 |
| | भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद | | 4,50,000 | | 0 | | महात्मा गाधी की कर्मभूमि वर्धा | 0 | | 45,300 |
| | हिंदी के विकास मे अनुदान का योगदान | | 0 | | 0 | | अनुसंधान अध्ययन परियोजना | 0 | | 2,02,500 |
| | राष्ट्रीय मानवाधिकार | | 48,446 | | 0 | | समाजशास्त्र तथा गांधीवाद की संकल्पना | 0 | | 0 |
| | राष्ट बनाम कथित राष्ट्रवाद | | 7,20,000 | | 0 | | राजीव गाधी राष्ट्रीय अध्येयतावृत्ति | 26,32,858 | 1,18,96,578 | 0 |
| | आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्राकोष्ठ | | 0 | | 4,50,000 | | | | | |
| | अनुसंधान अध्ययन परियोजना | | 14,76,600 | | 0 | | | | | |
| | बी–वोक कार्यक्रम | | 65,00,000 | | 0 | | | | | |
| | महात्मा गाधी की कर्मभूमि वर्धा | | 1,80,000 | | 0 | III | **निर्धारित/धर्मदा निधि से प्राप्त निवेश तथा जमा** | | | |
| | कम्यूनिटी कॉलेज | | 43,00,000 | | 0 | | | | | |
| | गाधी दर्शन समिति सगोष्ठी | | 1,16,250 | | 0 | | क. निर्धारित एवं धर्मस्व निधि से | | 0 | 0 |
| | पीएच.डी. की शोध पद्धति | | 43,732 | | 4,95,000 | | ख. स्व निधियों से (अन्य निवेश) | | 0 | 0 |
| | ाेध गगा | | 0 | | 14,000 | | | | | |
| | समाजशारुत्र और गाधीवाद की कल्पना | | 0 | | 1,16,480 | IV | **स्थाई परिसंपत्तियों एवं पूँजीगत निर्माण कार्यों पर व्यय** | | | |
| | राज्य सरकार से | | | | | | स्थाई परिसंपत्तियों | 54,56,837 | | 82,47,676 |
| | एमबीए/बीबीए के छात्रो को अध्येयतावृत्ति | | 0 | | 0 | | प्रगति के तहत पूँजी कार्य (निवल) | 26,53,88,899 | 27,08,45,736 | 3,32,86,188 |
| | राष्ट्रीय समाज सेवाएँ, पुणे | | 0 | | 0 | | | | | |
| | महात्मा गाधी की कर्मभूमि वर्धा | | 0 | | 1,80,000 | V | **अधिशेष राशि/ऋण की वापसी** | | 36,480 | 0 |
| | सामाजिक एव न्याय मंत्रालय, नई दिल्ली | | 0 | | 0 | VI | **वित्तीय प्रभार (ब्याज)** | | 0 | 0 |
| | आईसीसीआर, नई दिल्ली | | 0 | 4,38,21,530 | 0 | | | | | |
| | | | | | | VII | **अन्य भुगतान** | | | |
| III | **निवेश से आय** | | | | | | स्रोत पर कर कटौती | 1,34,28,105 | | 1,07,41,997 |
| | क) निर्धारित/धर्मस्व निधियाँ | | | 0 | 0 | | **वेतन से वसूली एवं कटौती** | | | |
| | ख) स्व–निधियाँ (अन्य निवेश) | | | 0 | 0 | | सामान्य भविष्य निधि से | 39,44,249 | | 39,80,691 |
| IV | **ब्याज प्राप्ति** | | | | | | एन.सी.पी.एस. खाता | 57,20,257 | | 49,24,166 |
| | अन्य पर | | 0 | | 1,396 | | वृत्ति कर | 4,38,570 | | 4,54,615 |
| | बचत खाते पर | | 1,15,919 | | 2,01,924 | | पोस्टल जीवन विमा और लघु बचत | 45,40,208 | | 41,21,362 |
| | सावधि जमा पर | | 4,17,21,882 | 4,18,37,801 | 3,30,88,130 | | समूह विमा योजना | 3,17,440 | | 3,06,417 |
| V | **अन्य आय** | | | | | | पैतृक संस्था वसूली | 6,07,160 | | 9,84,386 |
| | छात्रों से शुल्क | | | | | | वर्धा नागरी सहकारी बैंक वर्धा | 7,500 | | 30,000 |
| | शिक्षा शुल्क | | 18,26,441 | | 4,91,670 | | शैक्षणिक कर्मचारी संगठन | 52,400 | | |
| | दूर शिक्षा शुल्क | | 73,92,963 | | 0 | | अधिकारी एवं शिक्षक क्लब | 1,10,250 | | 1,26,007 |
| | प्रवेश शुल्क | | 7,50,384 | | 6,56,925 | | महात्मा गाधी कर्मचारी सहकारी साख संस्था | 5768177 | | 3599296 |
| | अन्य शुल्क | | 54,803 | | 0 | | राहत कोष | 336813 | | 0 |
| | बस शुल्क | | 0 | | 1,200 | | गैर–शैक्षणिक कर्मचारी संगठन | 24,457 | 3,52,95,586 | 29,550 |
| | क्रीड़ा शुल्क | | 7,500 | | 0 | | | | | |
| | परिचय पत्र शुल्क | | 19,575 | | 13,070 | | छात्रों को जमानती राशि की वापसी | | 67,100 | 1,50,500 |
| | राजस्व | | 74,680 | | 40,390 | | पूर्व प्रदत्त सदस्यता शुल्क | | 96,054 | 0 |
| | पंजीकरण | | 1,40,642 | | 30,850 | | | | | |
| | प्रयोगशाला शुल्क | | 77,900 | | 2,82,474 | | | | | |
| | साहित्य/सास्कृतिक कार्यक्रम शुल्क | | 71,750 | | 40,740 | | | | | |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | कर्मचारियों के लिए | | | |
| | अकादमिक/परियोजना शुल्क | | 66,323 | | 0 | | खर्च के लिए | 1,00,22,498 | | 59,39,061 |
| | चिकित्सा पंजीकरण शुल्क | | 51,150 | | 31,810 | | व्यक्तिगत | 23,02,32,928 | | 34,73,517 |
| | छात्र कल्याण शुल्क | | 0 | | 0 | | छात्र | 9,500 | | 14,000 |
| | इंटरनेट शुल्क | | 2,54,450 | | 1,14,200 | | अन्य | 65,32,461 | 24,67,97,387 | 5,87,64,794 |
| | पुस्तकालय शुल्क | | 1,11,000 | | 66,700 | | **निधि के लिए योगदान** | | | |
| | पुनर्मूल्यांकन शुल्क | | 7,600 | | 10,400 | | एन.सी.पी.एस. खाता (नियोक्ता) | | 52,30,500 | 0 |
| | एनएसएस | | 0 | | 40,285 | | एन.सी.पी.एस. खाता (कर्मचारी) | | 52,30,500 | 0 |
| | भोजन शुल्क | | 6,40,854 | | 0 | | डब्ल्यूसीटी तथा श्रम उपकर | | 18,04,342 | 328484 |
| | छात्रावास शुल्क | | 18,47,295 | 1,33,95,310 | 11,50,858 | | केंद्रों को अग्रिम | | 0 | 0 |
| | सामुदायिक कॉलेज | | | 1,54,100 | 0 | | सुरक्षा जमा | | 3,00,980 | 1,89,413 |
| | शॉपिंग कॉम्पलेक्स किराया | | | 51,692 | 20,353 | | अग्रिम धन | | 1,88,200 | 17,82,040 |
| | प्राप्त परीक्षा शुल्क | | | 2,66,150 | 1,98,663 | | जीपीएफ खाते को अग्रिम | | 0 | 0 |
| | प्रकाशन से आय | | | 1,76,277 | 1,95,272 | | दूरशिक्षा को अग्रिम | | 0 | 0 |
| | प्रपत्र बिक्री (आवेदन पत्र शुल्क) | | | 8,10,370 | 4,56,987 | | टीडीएस की कटौती | | 36,23,223 | 7,550 |
| | अन्य आय | | | 72,090 | 98,164 | | सॉफ्टवेअर परामर्श भुगतान | | 0 | 0 |
| | लाइसेंस शुल्क | | | 3,32,003 | 3,60,600 | | देय व्यय का भुगतान | | 25,84,396 | 51,60,342 |
| | अन्य प्राप्तियाँ (अतिथि गृह प्रभार) | | | 6,06,406 | 1,28,165 | | बैंक ऑफ इंडिया खाता (बैंक द्वारा चेक गलती से मंजूर किया गया) | | 0 | 19,50,000 |
| | प्रपत्र बिक्री (भर्ती) | | | 3,05,350 | 200 | | शिक्षक कल्याण निधि को अग्रिम | | 0 | 1,000 |
| | प्रपत्र बिक्री (निविदा प्रपत्र) | | | 5,000 | 5,900 | | 2013–14 को मंजूर अग्रिम | | 0 | 2,68,00,000 |
| | सॉफ्टवेयर सलाह | | | 0 | 30,750 | | विश्वविद्यालय कायिक निधि के लिए अग्रिम | | 0 | 5,000 |
| | अन्य/दंड | | | 34,615 | 0 | | दूरशिक्षा के लिए अग्रिम | | 0 | 92,001 |
| | अंकपत्र/प्रमाणपत्र शुल्क | | | 5,850 | 0 | VIII | **अंत शेष** | | 0 | 0 |
| | आरटीआई शुल्क | | | 4,052 | 4,783 | | मौजूदा राशि | | 0 | 0 |
| | सेमिनार शुल्क | | | 2,42,541 | 0 | | बैंक मे जमा | | | |
| VI | **निवेश का नकदीकरण** | | | 0 | 0 | | चालू खाते मे | | 0 | 0 |
| VII | **अन्य प्राप्तियाँ** | | | | | | जमा खाते मे | | | |
| | स्रोत पर कर कटौती | | 1,26,47,996 | | 1,15,22,034 | | सावधि जमा (योजना) | 41,18,64,454 | | 28,82,01,629 |
| | | | | | | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (योजना) | 5,94,46,000 | | |
| | **वेतन से वसूल एवं कटौती** | | | | | | सावधि जमा (गैर–योजना) | 11,34,30,680 | | 4,22,56,495 |
| | समूह बीमा योजना | | 2,89,435 | | 3,32,118 | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (गैर–योजना) | 9,26,26,000 | | 4,29,78,000 |
| | समानय भविष्य निधि | | 37,62,231 | | 41,63,383 | | सावधि जमा (जीपीएफ) | 1,79,76,096 | | 0 |
| | व्यवसाय कर | | 4,07,040 | | 4,82,815 | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (जीपीएफ) | 35,74,000 | | 0 |
| | शैक्षणिक कर्मचारी संगठन | | 46,200 | | 0 | | सावधि जमा (दूरशिक्षा) | 2,70,26,930 | | 0 |
| | अधिकारी एवं शिक्षक क्लब | | 1,01,400 | | 1,29,450 | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (दूरशिक्षा) | 37,48,000 | | 0 |
| | गैर–शैक्षणिक कर्मचारी संगठन | | 22,717 | | 31,860 | | सावधि जमा (एनसीपीएस) | 56,48,730 | | 0 |
| | एन.सी.पी.एस. खाता | | 53,33,063 | | 53,11,360 | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (एनसीपीएस) | 2,51,000 | | 0 |
| | पोस्टल जीवन बीमा और लघु बचत | | 41,98,751 | | 44,37,788 | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (शिक्षक कल्याण) | 40,000 | | 0 |
| | वर्धा नागरी सहकारी बैंक, वर्धा | | 5,000 | | 32,500 | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (विश्वविद्यालय कायिक कोष) | 3,90,000 | | 0 |
| | पैतृक संस्था वसूली | | 5,56,400 | | 10,69,495 | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (ई–पीजी पाठशाला) | 5,88,000 | | 0 |
| | | | | | | | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (शिक्षकों और शिक्षण पर पं. मदनमोहन मालवीय राष्ट्रीय मीशन योजना) | 60,92,000 | | 0 |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | राहत कोष | | 3,36,813 | | 0 | बी.ओ.आई.एस.पी. खाता (बी–वॉक) | 64,46,000 | 74,91,47,891 | |
| | महात्मा गांधी कर्मचारी सहकारी साख संस्था | | 53,92,837 | 3,30,99,883 | 40,73,733 | बचत खाते से | | | 0 |
| | कर्मियों से | | 0 | | | बैंक ऑफ इंडिया (972110210000005) | -21,75,631 | | -11,42,337 |
| | खर्च | | 1,06,55,443 | | 53,63,456 | बैंक ऑफ इंडिया (972110210000004) | 804 | | 83,335 |
| | व्यक्तिगम | | 28,67,12,140 | | 32,66,075 | बैंक ऑफ इंडिया (972110210000026) | 15,269 | | 15,269 |
| | छात्र | | 4,728 | | 14,000 | बैंक ऑफ इंडिया (972110210000020) | -5,42,21,240 | | 56,07,901 |
| | अन्य | | 37,33,520 | 30,11,05,831 | 7,14,88,335 | बैंक ऑफ इंडिया 20577 | 15,41,355 | | 39,95,294 |
| | | | | | | बैंक ऑफ इंडिया (दूरशिक्षा) 00028 | -1,453 | | 0 |
| | **निधि के लिए योगदान** | | | | | बैंक ऑफ इंडिया (दूरशिक्षा) 0001 | -8,516 | | 0 |
| | गरीबों को राहत के लिए विश्वविद्यालय की कायिक निधि | | | 2,01,685 | 0 | बैंक ऑफ इंडिया (एनपीएस) 0003 | 29,317 | | 0 |
| | अध्यापक कल्याण | | | 53,088 | 0 | बैंक ऑफ इंडिया (शिक्षक कल्याण) 18 | 27,523 | | 0 |
| | जीपीएफ खाता | | | 52,51,540 | 0 | बैंक ऑफ इंडिया (विश्वविद्यालय कायिक निधि) 19 | 28,650 | | 0 |
| | एनसीपीएस खाता (कर्मचारी) | | | 58,00,737 | 0 | बैंक ऑफ इंडिया (जीपीएफ) 18 | 38,958 | | 0 |
| | एनसीपीएस खाता (कर्मचारी) | | | 53,62,022 | 0 | बैंक ऑफ इंडिया (सीजीईआईएस) 968 | 0 | | 0 |
| | | | | | | बैंक ऑफ इंडिया (पीएमएमएमएनएमटीटी) | 29,119 | | 0 |
| | **अन्य देनदारियाँ** | | | | | बैंक ऑफ इंडिया (बी–वॉक) | -5,75,164 | | 0 |
| | कैंद्र | | | 2,89,213 | 0 | बैंक ऑफ इंडिया (ई–पीजी पाठशाला) | -4,544 | -5,52,75,552 | 0 |
| | अग्रिम धन | | | 1,10,000 | 13,22,000 | | | | |
| | ठेकेदार के पास सुरक्षा जमा | | | 59,82,968 | 23,60,699 | | | | |
| | देय उपादान | | | 10,00,000 | 10,00,000 | | | | |
| | देय पेंशन और छुट्टी–वेतन | | | 22,60,032 | 8,43,850 | | | | |
| | डब्ल्यूसी तथा श्रम उपकार | | | 1804342 | 3,28,484 | | | | |
| | विविध लेनदार | | | 1,62,159 | 81,975 | | | | |
| | टीडीएस पर ब्याज | | | 0 | 7,580 | | | | |
| | अनुसरणीय राशि | | | 60,370 | 0 | | | | |
| | सामान्य अवधान राशि | | | 2,42,175 | 2,12,500 | | | | |
| | पेंशन खाता | | | 68,336 | 0 | | | | |
| | सॉफ्टवेयर सलाह | | | 16,650 | 0 | | | | |
| | विशेष सुरक्षा जमा | | | 0 | 0 | | | | |
| | पूर्वादत्त सदस्यता शुल्क | | | 50,000 | 0 | | | | |
| | जीपीएफ खाते से अग्रिम | | | 0 | 0 | | | | |
| | जमा राशि पर अर्जित ब्याज | | | 0 | 9,71,733 | | | | |
| | दूर शिक्षा से अग्रिम | | | 0 | 15,684 | | | | |
| | बीओआई खामा (धनवापसी) | | | 19,50,000 | 0 | | | | |
| | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | |
| | कुल रु. | | | **1,52,90,20,751** | **79,05,39,991** | कुल रु. | | **1,52,90,20,751** | **79,05,39,991** |

स्थान : वर्धा
दिनांक : 15.06.2016

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र
कुलसचिव / वित्ताधिकारी

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
## 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए निवेश का विवरण

(राशि रु.)

| क्रम संख्या | निवेश की तिथि | निवेश राशि | बैंक/संस्था का नाम | ब्याज दर | निवेश की अवधि | परिपक्वता की तिथि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| गैर–योजना | | | | | | |
| 1 | 18-09-2015 | 1,03,08,783.00 | कैनरा बैंक, वर्धा | 7.75% | 180 दिन | 18-08-2016 |
| 2 | 14-02-2016 | 1,06,71,119.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 9 महीने | 14-11-2016 |
| 3 | 14-02-2016 | 1,06,71,119.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 9 महीने | 14-11-2016 |
| 4 | 14-02-2016 | 1,06,71,119.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 9 महीने | 14-11-2016 |
| 5 | 25-04-2015 | 50,000.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 2 वर्ष | 25-04-2017 |
| 6 | 08-01-2016 | 1,01,51,220.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.35% | 91 दिन | 08-04-2016 |
| 7 | 08-01-2016 | 1,01,51,220.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.35% | 91 दिन | 08-04-2016 |
| 8 | 08-01-2016 | 1,01,51,220.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.35% | 91 दिन | 08-04-2016 |
| 9 | 08-01-2016 | 1,01,51,220.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.35% | 91 दिन | 08-04-2016 |
| 10 | 08-01-2016 | 1,01,51,220.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.35% | 91 दिन | 08-04-2016 |
| 11 | 08-01-2016 | 1,01,51,220.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.35% | 91 दिन | 08-04-2016 |
| 12 | 08-01-2016 | 1,01,51,220.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.35% | 91 दिन | 08-04-2016 |
| योजना | | | | | | |
| 1 | 03-03-2016 | 1,03,33,493.00 | कैनरा बैंक, वर्धा | 7.75% | 6 महीने | 03-09-2016 |
| 2 | 26-02-2016 | 14,48,34,103.44 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 26-02-2017 |
| 3 | 09-07-2015 | 1,05,47,072.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.25% | 9 महीने | 04-04-2016 |
| 4 | 09-07-2015 | 1,05,47,070.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.25% | 9 महीने | 04-04-2016 |
| 5 | 09-07-2015 | 1,05,47,072.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.25% | 9 महीने | 04-04-2016 |
| 6 | 09-07-2015 | 1,05,47,071.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.25% | 9 महीने | 04-04-2016 |
| 7 | 09-07-2015 | 1,05,64,911.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.25% | 9 महीने | 04-04-2016 |
| 8 | 09-07-2015 | 1,05,47,071.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 04-04-2016 |
| 9 | 09-07-2015 | 52,81,927.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 04-04-2016 |
| 10 | 09-07-2015 | 52,82,984.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 09-07-2016 |
| 11 | 09-07-2015 | 52,82,984.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 09-07-2016 |
| 12 | 09-07-2015 | 52,82,984.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 09-07-2016 |
| 13 | 09-07-2015 | 52,82,984.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 09-07-2016 |
| 14 | 01-03-2016 | 1,01,00,780.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.00% | 45 दिन | 16-04-2016 |
| 15 | 01-03-2016 | 1,01,00,780.00 | सेंट्रल ऑफ इंडिया, वर्धा | 7.00% | 45 दिन | 16-04-2016 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 16 | 29-02-2016 | 51,11,457.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 17 | 02-03-2016 | 1,01,00,780.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 46 दिन | 17-04-2016 |
| 18 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.00% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 19 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 20 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 21 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 22 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 21 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 22 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 23 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 24 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 25 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 26 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 27 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| 28 | 29-02-2016 | 1,01,20,687.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 91 दिन | 30-05-2016 |
| **दूर शिक्षा** | | | | | | |
| 1 | 7.5.2015 | 18,20,323.00 | हिंदी विश्वविद्यालय कर्मचारी साख संस्था | 10.50% | 1 वर्ष | 07-05-2016 |
| 2 | 20-01-2016 | 6,24,505.42 | हिंदी विश्वविद्यालय कर्मचारी साख संस्था | 10.50% | 1 वर्ष | 20-01-2017 |
| 3 | 20-01-2016 | 6,24,505.42 | हिंदी विश्वविद्यालय कर्मचारी साख संस्था | 10.50% | 1 वर्ष | 20-01-2017 |
| 4 | 31-12-2015 | 1,10,07,426.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.75% | 1 वर्ष | 30-12-2016 |
| 5 | 09-07-2015 | 52,82,983.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 09-07-2016 |
| 6 | 29-02-2016 | 76,67,187.00 | सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया | 7.35% | 3 महीने | 30-05-2016 |
| **सामान्य भविष्य निधि** | | | | | | |
| 1 | 14.5.2015 | 32,06,964.00 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 14-05-2016 |
| 2 | 2.4.2015 | 21,31,656.13 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.75% | 18 महीने तथा 6 दिन | 08-10-2016 |
| 3 | 4.10.2014 | 51,86,390.33 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 9.05% | 18 महीने तथा 6 दिन | 10.04.2016 |
| 4 | 15-03-2016 | 22,44,974.29 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 9.05% | 18 महीने तथा 6 दिन | 16-09-2017 |
| 5 | 24.6.2015 | 52,06,111.57 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 24-06-2016 |
| **एनसीपीएस** | | | | | | |
| 1 | 18-02-2016 | 56,48,730.19 | बैंक ऑफ इंडिया, वर्धा | 8.50% | 1 वर्ष | 18-02-2017 |
| | **योग** | **57,59,46,890.79** | | | | |

# महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन–पत्र की अनुसूचियाँ
## अनुसूची 22 की महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

### 1. लेखा परिपाटी

सामान्यतः वित्तीय विवरण ऐतिहासिक मूल्य परिपाटी पर तैयार किया गया है और जब तक अन्यथा घोषित न हो, लेखा की प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर तैयार किया गया है।

### 2. वस्तुसूची मूल्यांकन

2.1 विश्वविद्यालय प्रकाशन

क) विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग का खर्च जैसे कि पत्रिकाओं, वीडियो फिल्मस तथा किताबों की छपाई या उसके डिजिटल रूप में होता। इसका एकमात्र उद्देश्य हिंदी साहित्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढावा देने का होता है, मुनाफा कमाना नहीं। इसिलिए उस पर होने वाले खर्च को राजस्व खर्च माना जाता है। प्रकाशन स्टॉक का मूल्यांकन नीचे (ख) में उल्लेखित नीति के अनुसार किया गया है।

ख) हिंदी साहित्य को बढावा देने के लिए विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित विश्वविद्यालय प्रकाशन, किताब तथा पत्रिकाओं का मूल्यांकन लागत या कुल वास्त्विक लागत, जो कम हो उस आधार पर किया गया है।

ग) विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित सात वर्ष से अधिक पुरानी पत्रिकाओं के लिए 100 प्रतिशत प्रावधान किया गया है।

2.2 **कागज, स्टेशनरी एवं अन्य खर्च योग्य वस्तुओं का स्टॉक :** कागज, स्टेशनरी एवं अन्य खर्च योग्य वस्तुओं इत्यादि की खरीदी पर उन्हे सीधे व्यय में दिखा दिया जाता है, यद्यपि उन वस्तुओं का उपयोग खरीदी दिनांक के 12 माह के उपरांत भी किया जाता है।

### 3. निवेश

3.1 निवेश का वर्गीकरण "दीर्घकालीन निवेश" के रूप में कर लागत के आधार पर आगे ले जाया गया है। कुछ निवेशों के क्षय का प्रावधान अन्य की अपेक्षा लागत वहन पर किया गया है।

3.2 निवेश का वर्गीकरण "चालू निवेशों" के रूप में कम लागत तथा सही कीमत पर किया गया है। निवेशों के मूल्य का प्रावधान प्रत्येक निवेश पर अलग किया गया है न कि वैश्विक आधार पर।

3.3 अर्जित खर्च जैसे कि दलाली, स्टैंप शुल्क इत्यादि लागत में मूल्य में समाविष्ट होता है।

### 4. स्थायी परिसंपत्तियां

4.1 भूमि को छोड़कर सभी स्थायी परिसंपत्तियां अर्जन की लागत पर दर्शायी गई हैं, जिसमें आवक भाड़ा, कर और परिकर तथा अर्जन से संबंधित अनुषांगिक एवं प्रत्यक्ष व्यय भी सम्मिलित हैं।

4.2 कुआं तथा हैंडपंप पर हुए खर्च को पूंजीगत किया है, जिसके अंतर्गत वही कुआं एवं हैंडपंप आते हैं जिसमें पानी की मात्रा पर्याप्त है, तथा बाकी खर्च को राजस्व खर्च माना गया है।

### 5. मूल्यह्रास

5.1 परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास को निम्नलिखित दरों के अनुसार "Written down value" के आधार पर किया

गया है।

| | |
|---|---|
| क) भवन | 5 प्रतिशत |
| ख) कम्प्यूटर तथा वीडियों फिल्म्सध भाषा प्रयोगशाला | 60 प्रतिशत |
| ग) वाहन | 15 प्रतिशत |
| घ) पुस्तकालय किताबें | 60 प्रतिशत |
| ड) बिजली स्थापना | 15 प्रतिशत |
| च) कार्यालय उपकरण | 15 प्रतिशत |
| छ) फर्नीचर एवं जुडनार | 10 प्रतिशत |
| ज) संयंत्र और मशीनरी | 15 प्रतिशत |

5.2 पहले साल में अर्जन की गई परिसम्पत्तियों पर लागू किया गया मूल्यह्रास अर्जन की गई तिथियों के अनुसार
क) 30 सितंबर के पहले अर्जन की गई– उपरोक्त दरों के अनुसार
ख) 30 सितंबर के बाद अर्जन की गई– उपरोक्त दरों का 50 प्रतिशत।

## 6. राजस्व निर्धारण

6.1 छात्रों से जिस वर्ष की फीस प्राप्त होती है, उसे उसी वर्ष में आय के रूप में निर्धारण किया गया है।
6.2 आवधिक बैंक जमा तथा अन्य निवेशों से प्राप्त ब्याज का निर्धारण प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर किया गया है।
6.3 पत्रिकाओं के पंजीकरण से प्राप्त आय का निर्धारण उसी वर्ष में किया जाता है, जिस वर्ष में वे प्राप्त होती हैं।
6.4 विश्वविद्यालय प्रकाशन से प्राप्त रॉयल्टी का आय में निर्धारण वितरक से बिक्री विवरण प्राप्त होने के पश्चात किया गया है।

## 7. सरकार/यूजीसी अनुदान

7.1 सरकारी अनुदान और यूजीसी अनुदान प्राप्ति के आधार पर गणना कर रहे हैं। हालांकि, वित्त वर्ष से संबंधित स्वीकृत अनुदान 31 वें मार्च से पहले ही प्राप्त होता है तथा अगले वित्त वर्ष में प्राप्त होने वाला अनुदान प्रोद्भवन आधार पर होता है तथा एक समान राशि अनुदाता से वसूली के रूप में दर्शाई गई है।
7.2 कुछ हद तक पूंजीगत व्यय (प्रोद्भवन आधार पर) का उपयोग करने के लिए सरकारी अनुदान और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान को पूंजीगत व्यय में डाल दिया जाएगा।
7.3 राजस्व व्यय (प्रोद्भवन आधार पर) के लिए सरकारी अनुदान और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान उपयोजित कर वर्ष के आय के रूप में माना जाएगा।
7.4 अप्रयुक्त अनुदान (अग्रिमों सहित इस तरह के अनुदान का भुगतान) को आगे बढाया गया है और बैलेंस शीट में एक दायित्व के रूप में प्रदर्शित किया गया है।

8. समस्त गैर–अनुबंधित व्यय जैसे कि सांविधिक शुल्क, कर सेवा, अधिभार एवं वे सभी व्यय जैसे कानूनी शुल्क, वृत्तिक शुल्क आदि किसी समय–सीमा के साथ निर्धारित नहीं किए जा सकते, उन पर दावे की प्राप्ति व संबद्ध प्राधिकारी/व्यक्ति के पत्र व्यवहार के आधार पर विचार किया जाएगा।

## 9. सेवानिवृत्ति लाभ

9.1 उपदान

उपादान हेतु बीमांकिक प्रावधान में उपादान के मूल्यांकन के अभाव में उपादान की गणना निम्नानुसार की जाएगी–

1) सेवा अवधि में कुल पूर्ण प्रत्येक वर्ष के लिए 15 दिवस का वेतन (छः माह से) अधिक सेवा समय को एक वर्ष पूरा

मानकर)

2) इस हेतु माह को 26 दिवस का माना जाए।

3) उपादान का प्रावधान उन कर्मचारियों हेतु जो कि प्रतिनियुक्ति पर अन्य विश्वविद्यालयों में स्थानांतरित हैं, नहीं किया गया है। परंतु अभी प्रतिनियुक्ति की समाप्ति पर उपरोक्त प्रावधान लागू होगा।

## 10. निर्धारित/धर्मदा निधि :

लंबी अवधि के निधियां विशिष्ट प्रयोजनों के लिए निर्धारित की गई है। अधिकांश निधियों के बैंक के अलग– अलग खाते हैं। जिन खातों में अधिक राशि है वे खाते सावधि जमा में निवेशित किए गए है। प्रोद्भवन आधार पर निवेश से प्राप्त आय तथा बैंक खातों की बचत पर ब्याज के रूप में प्राप्त आय को संबंधित खातों में जमा कर दिया गया है। व्यय को कोष में डेबिट कर दिया गया है। जहां संस्था के साथ स्वामित्व निहित है वहां परिसंपत्तियों निर्धारित धनराशि से बाहर रखा गया है। इन्हें पूंजी निधि के साथ एक समान राशि जमा करने के लिए संस्था की संपत्ति के साथ विलयित किया गया है। संबंधित निधि में शेष राशि आगे बढ़ाया गया है तथा यह बैंक, निवेश, और अर्जित ब्याज पर संतुलन द्वारा संपत्ति पक्ष पर प्रतिनिधित्व किया है।

## 11. आयकर

विश्वविद्यालय की आय को आयकर अधिनियम 1961 की धारा U/S 10 (23C) (iiab)) के अंतर्गत छूट प्राप्त है। इसलिए इसका प्रावधान खाते में नहीं किया गया है।

## 12. पूँजीगत निधि

जहां संस्था के साथ स्वामित्व निहित है वहां परिसंपत्तियों निर्धारित धनराशि/अनुदान से बाहर रखा गया है। इन्हें पूंजी निधि के साथ एक समान राशि जमा करने के लिए संस्था की संपत्ति के साथ विलयित किया गया है। संस्था के लाभ और नुकसान सभी कार्डिनल सिद्धांत पर आधारित है, व्यय के अतिरिक्त अधिक आय को पूंजिगत निधि में जोड़ दिया जाएगा तथा आय के अतिरिक्त हुए व्यय को पूंजिगत निधि से कटौती की जानी चाहिए।

## 13. निर्धारित धनराशि का निवेश तथा ऐसे निवेश से अर्जित आय से प्राप्त ब्याज :

यदि राशि की तुरंत व्यय की आवश्यकता नहीं थी तो इस राशि को बैंक या महत्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की कर्मचारी साख संस्था में सावधि जमा कर दिया गया है तथा शेष राशि को बचत खाते में शेष है।

प्राप्त ब्याज, अर्जित ब्याज और बकाया तथा अर्जित ब्याज लेकिन बकाया नहीं, इस तरह के निवेश पर संबंधित निधियों से जोड़े जाते हैं और ये संस्था की आय के रूप में नहीं माने जाते हैं।

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन–पत्र की अनुसूचियां

### अनुसूची 23 आकस्मिक देयताएं एवं लेखा टिप्पणियां

क) आकस्मिक देयताएं

1. कोई भी आकस्मिक देयताएं नहीं है।

ख) लेखा नीति में बदलाव

1. सरकार अनुदान/अनुवृत्ति

पिछले वर्ष तक किसी भी विशिष्ट या निर्धारित उद्देश्यों के लिए प्राप्त अनुदान जब तक निर्धारित उद्देश्यों उपयोग में नहीं लाया जाता तब तक निर्धारित निधि में ही रखा जाता था। एक स्थिर आधार पर सामान्य उद्देश्यों तथा विश्वविद्यालय के लक्ष्यों के लिए प्राप्त अनुदान, अनुवृत्ति या तत्सम सहायता को निम्नलिखित रूप से उल्लेखित किया गया है:

i) पूर्व अवधि में प्राप्त अनुदान या इस प्रकार कोई दान व्यय नहीं हो पाता तो उसे एक प्रकार की आय माना जाएगा ।

ii) मूल्यह्रास स्थाई परिसंपत्ति से संबंधित अनुदान आस्थगित आय के रूप में माना जाएगा और अधिक समय होने पर यह आय एवं व्यय खाते में चला जाएगा और इसी अनुपात में मूल्यह्रास आरोपित किया जाएगा।

iii) गैर– मूल्यह्रास संपत्ति से संबंधित अनुदान "आरक्षित पूंजी निधि" में जमा किया जाएगा जब तक उसकी आवश्यक पूर्व शर्तें पूरी नहीं होती।

iv) अन्य सभी अनुदान, अनुवृत्ति या इसी तरह की सहायता 'देय' सिध्दांत पर आय के रूप में व्यव्हरत होगी जैसे कि इस तरह के अनुदान जारी करने के लिए इसकी मंजूरी के वर्ष में उपयुक्त प्राधिकारी के द्वारा मान्यता प्राप्त होगी।

**सरकारी अनुदान के चालू वर्ष लेखांकन से निम्नलिखित लाइनों में बदल दिया गया है।**

i) सरकारी अनुदान और यूजीसी अनुदान प्राप्ति के आधार पर गणना कर रहे हैं। हालांकि, वित्त वर्ष से संबंधित स्वीकृत अनुदान 31 वें मार्च से पहले ही प्राप्त होता है तथा अगले वित्त वर्ष में प्राप्त होने वाला अनुदान प्रोद्भवन आधार पर होता है तथा एक समान राशि अनुदाता से वसूली के रूप में दर्शाई गई है।

ii) कुछ हद तक पूंजीगत व्यय (प्रोद्भवन आधार पर) का उपयोग करने के लिए सरकारी अनुदान और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान को पूंजीगत व्यय में डाल दिया जाएगा।

iii) राजस्व व्यय (प्रोद्भवन आधार पर) के लिए सरकारी अनुदान और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान उपयोजित कर वर्ष के आय के रूप में माना जाएगा।

iv) अप्रयुक्त अनुदान (अग्रिमों सहित इस तरह के अनुदान का भुगतान) को आगे बढाया गया है और बैलेंस शीट में एक दायित्व के रूप में प्रदर्शित किया गया है।

**2. निर्धारित/धर्मदा निधि तथा निर्धारित निधि के निवेश से अर्जित आय से प्राप्त ब्याज :**

पिछले वर्ष तक योजना निधि के तहत अनुदान जो राजस्वध्आवर्ती के तहत आते थे वे संस्थान की आय के रूप में माने जाते है। अनुदान में से राजस्व व्यय संबद्ध अनुदान से डेबिट किया गया है तथा शेष अप्रयुक्त अनुदान, अप्रयुक्त योजना निधि अनुदान के तहत चालू देनदारियों में जमा कर दिया गया है। वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान, निवेश पर प्राप्त आय और ब्याज और किसी भी प्रकार का अन्य शुल्क और आय निधि में जोड दिया गया है, तथा निधि खाते की शेष राशि में से राजस्व व्यय साथ ही साथ पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग में लाए गई राशि कम कर दी गई है।

पिछले वर्ष तक ब्याज प्राप्त, अर्जित ब्याज और बकाया तथा अर्जित ब्याज लेकिन बकाया नहीं इस तरह के निवेश संस्था की आय के रूप में माने जाते रहे हैं। इस वर्ष से निर्धारित निधि की तुरंत व्यय की आवश्यकता नहीं है तो इस राशि को बैंक या महत्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की कर्मचारी साख संस्था में सावधि जमा कर दिया जाएगा तथा शेष राशि को बचत खाते में शेष रहेगी तथा प्राप्त ब्याज, अर्जित ब्याज और बकाया तथा अर्जित ब्याज लेकिन बकाया नहीं

इस तरह के निवेश पर संबंधित निधियों से जोड़े जाएंगे।

**3. उपादान :**
महत्वपूर्ण लेखा नितियों के अनुसार उपादान का प्रावधान सेवा अवधि में कुल पूर्ण प्रत्येक वर्ष के लिए 15 दिवस का वेतन (छः माह से) अधिक सेवा समय को एक वर्ष पूरा मानकर) किया गया है। हालांकि, साल के दौरान रू. 10.00 लाख का एकमुश्त प्रावधान उपादान में किया गया है। सेवा के पूरे वर्ष का विवरण के रूप में उपदान उपलब्ध नहीं है।

**4. लेखा निति में कोई बदलाव नहीं हैं।**

**ग. लेखा टिप्पणियां**

**1. निर्धारित धनराशि का निवेश तथा ऐसे निवेश से अर्जित आय से प्राप्त ब्याज :**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियों के अनुसार निर्धारित निधि की तुरंत व्यय की आवश्यकता नहीं है तो इस राशि को बैंक या महत्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की कर्मचारी साख संस्था में सावधि जमा कर दिया जाएगा तथा शेष राशि को बचत खाते में शेष रहेगी तथा प्राप्त ब्याज, अर्जित ब्याज और बकाया तथा अर्जित ब्याज लेकिन बकाया नहीं इस तरह के निवेश पर संबंधित निधियों से जोड़े जाएंगे
और ये संस्था की आय के रूप में नहीं माने जाएंगे।
**2.** हालांकि, वर्ष के दौरान फ्लेक्सी बचत तथा शिक्षकों और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन की योजना के लिए बैंक खातों की बचत, शिक्षक कल्याण कोष, बी–वोक, जरूरतमंद और गरीब लोगों के लिए विश्वविद्यलय की कायिक निधि की व्यवस्था की गई है तथा शेष राशि योजना निधि के तहत समेकित सावधि जमा खाते तथा फ्लेक्सी बचत खाते में निवेशित की गई है। प्राप्त ब्याज, अर्जित ब्याज और बकाया तथा अर्जित ब्याज लेकिन बकाया नहीं इस तरह के निवेश पर संबंधित निधियों से जोड़े जाएंगे और ब्याज की शेष राशि संस्था की आय मानी जाएगी।

**3. निर्धारित/धर्मदा निधि**
वर्ष के दौरान लेखा नीतियों के परिवर्तन के अनुसार अनुप्रयुक्त योजना निधि अनुदान की मौजूदा राशि तुलन–पत्र की अनुसूची 02 (नामित/धर्मदा निधि) में जमा कर दी गई है।

**4 स्थायी परिसंपत्तियां**
क) महाराष्ट्र सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को अक्षय पट्टे अधिकार पर 4 हेक्टर भूमि मौजा उमरी, जिला वर्धा में 30 वर्ष के लिए 4 रूपये टोकन मूल्य पर दी गई है। सभी भवन तथा अधिरचना इसी भूमि पर बनाए जाने हैं।
ख) समापन प्रमाण पत्र की प्राप्ति के समय प्रगति में काम उचित परिसम्पत्तियों को सौंप दिया जाएगा। कुछ भवनों को उपयोग में लाया जाएगा परंतु परिशिष्ट 8 के अनुसार समापन प्रमाण–पत्र के अभाव में भवनों का कार्य शीर्ष कार्य के तहत किया जाता है तथा ऐसी परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास शुल्क नहीं लगाया गया है।
ग) नए दिशा–निर्देशों और केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए वित्तीय विवरण के प्रारूप के अनुसार स्थाई परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पध्दति के आधार पर दर्शाया गया है तथा वर्ष के दौरान परिवर्धन पर मूल्यह्रास पूरे साल के लिए प्रदान किया गया है। हालांकि आवश्यक रिकॉर्ड के अभाव में, स्थाई परिसंप्पत्ति के रजिस्टर तथा स्थाई परिसंप्पत्ति के मूल्यह्रास की अन्य संबद्ध जानकारी न होने के कारण मौजूदा लेखा निती पर शुल्क लगाया गया है।

**5. मूल्यांकन सूची**
क) i) मुद्रण, संकलन और पुस्तकों के निर्माण, कैलेंडर, डायरी आदि पर किए गए वास्तविक खर्च को

विश्वविद्यालय का प्रकाशन माना जाएगा इसलिए ऐसे सभी व्यय को प्रकाशन व्यय में डेबिट कर दिया गया है। दैनिक प्रकाशन के आंकडों का रेकॉर्ड वर्ष के अंत में नहीं बनाया गया है। इसलिए 19,34,104 रूपए का ओ पी स्टॉक उसी रूप में आगे बढाया गया है।

ii) वित्तीय वर्ष 2008–09 तक की प्रकाशन स्टॉक सूची बनाई गई है लेकिन आधार–सामग्री की मात्रा में निरंतर वृध्दि होते रहने के कारण संस्थान को प्रकाशन की लागत रिकार्ड बनाए रखना संभव नहीं है इसलिए प्रत्येक प्रकाशन की लागत को सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है। अतरू विश्वविद्यालय प्रकाशन पर हुआ सभी खर्च प्रकाशन व्यय में डेबिट कर दिया गया है

**6. आयकर**

विश्वविद्यालय का एकमात्र प्रयोजन शैक्षणिक है तथा पूरी तरह केंद्र सरकार द्वारा वित्तापोषित है। इसलिए विश्वविद्यालय की आय को आयकर अधिनियम 1961 की धारा U/S 10 (23C) (iiab) के अंतर्गत छूट प्राप्त है। इसलिए इसका प्रावधान खाते में नहीं किया गया है।

**7. मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण, अग्रिम और जमाओं**

जैसे कि मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण, अग्रिम और जमा को बैलेंस शीट में दर्शाया गया है उसका सामान्य क्रम में प्राप्ति पर एक मान है कम से कम बैलेंस शीट में दिखाई गई कुल राशि के समान है।

**8. नकद और बैंक बैलेंसः**

बैंक के बचत खातों, चालू खातों, फ्लेक्सी जमाओं और बैंकों और सहकारी साख संस्थाओं में सावधि जमा खातों के के विवरण मौजूदा परिसंपत्तियों के अनुसूची में संलग्न हैं।

**9. प्राप्तियां एवं भुगतान विवरणः**

पिछले वर्ष तक लेखा में प्रत्येक लागत केन्द्र को अलग रखा गया था (अर्थात योजना, गैर–योजना,दूर शिक्षा, जीपीएफ, एनसीपीएस,विश्वविद्यालय कोष, शिक्षक कल्याण कोष आदि।) इस कारण प्राप्ति और भुगतान के विवरणों को प्रत्येक लागत केंद्र के लिए अलग–अलग बनाया गया था। परंतु इस वर्ष प्रत्येक लागत केंद्र के लिए अलग–अलग लेखा नहीं बनाया गया है इसलिए सभी लेनदेन के लिए समेकित प्राप्तियां और भुगतान बनाया गया है।

**10**. रू. 3,03,750/– की राशि कायिक निधि तथा रू. 3,10,02,996/– की राशि सामान्य निधि के तहत दर्शाई है जो योजना निधि के तहत जमीन की खरीद को दर्शाता है। महत्वपूर्ण लेखा नीतियों के अनुसार स्थिर परिसंपत्तियों को अनुदान से घटाना होगा और तदनुरूप साख पूंजी निधि में देनी होगी, बदले हुए लेखा नीतियों का पालन करने के लिए इसे पूंजी निधि में स्थानांतरित कर दिया गया है।

**11.** वित्तीय वर्ष 2011–12 तक, निर्धारित निधि से डेबिट कर योजना निधि से स्थाई परिसंपत्ति को आस्थगित क्रेडिट देनदारियों (पूंजी निधि) में जमा कर दिया गया है। वर्ष के दौरान प्रदान की गई मूल्यह्रास के सम राशि आय खाते में स्थानांतरित की गई है। वर्ष के दौरान आस्थगित क्रेडिट देनदारियों के तहत कुल बकाया राशि रू. 64,46,71,947/– पूंजी निधि खाते में स्थानांतरित कर दी गई है।

**12.** वित्तीय वर्ष 2011–12 से,लेखा नीति को एक बार पुनरू बदल गया तथा सरकारी अनुदान जो मूल्यह्रास की स्थाई परिसंपत्तियों से संबंधित था उसे आस्थगित आय के रूप में व्यवहार में लाया गया तथा आय और व्यय खाते में समय पर अनुरूप मूल्यह्रास प्रभारित किया गया। हालांकि मूल्याह्रास का निधि वार (अनुदान के अनुसार) वर्गीकरण प्रदान करना हमारे लिए संभव नहीं था इसलिए मूल्यह्रास की पूरी राशि कुल सभी निर्धारित धनराशि/अनुदान के योगफल से काट दी

गई है। मूल्यह्रास की कुल राशि रू. 10,02,19,776/– निर्धारित धनराशि से काट ली गई है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

| वर्ष | विवरण | राशि |
|---|---|---|
| 2012–13 | मूल्यह्रास | 4,19,51,822 |
| 2013–14 | मूल्यह्रास | 3,10,67,649 |
| 2014–15 | मूल्यह्रास | 2,72,00,305 |
| | योग | 10,02,19,776/– |

वर्ष के दौरान कुल राशि रू. 10,02,19,776/– पूंजी निधि खाते में स्थानांतरित की गई तथा पूंजी निधि से उसकी कटौती भी की गई।

13. वर्ष के दौरान 2012–13 से 2014–15 के लिए मूल्यह्रास की स्थिर संपत्तियों से संबंधित अनुदान को आस्थगित आय के रूप में माना गया। अब सरकारी अनुदान के नई लेखा नीति का पालन करने के लिए अनुदान की राशि जमा करने से योजना/निर्धारित निधि से मूल्यह्रास स्थिर संपत्तियों को पूंजी निधि में स्थानांतरित कर दिया गया है। विभिन्न अनुदानों के अलावा स्थिर परिसंपत्तियों का विवरण इस प्रकार है :–

| वर्ष | सामान्य विकास अनुदान की 11 वीं योजना | | ओबीसी आरक्षण के कार्यान्वयन के लिए जी डी का अनुदान | इलाहाबाद और कोलकाता केंद्र के लिए प्राप्त अनुदान | सामान्य विकास अनुदान की 12 वीं योजना | | कंप्यूटर केन्द्र का उन्नयन | योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | स्थाई परिसंपत्तियां | चालू कार्य | | | स्थाई परिसंपत्तियां | चालू कार्य | | |
| 2012–13 | – | 3,83,84,713 | – | 2,95,94,262 | 8,89,24,730 | – | 8,15,000 | 15,77,18,705 |
| 2013–14 | – | 9,42,01,176 | 1,30,58,801 | – | 1,51,65,629 | | 23,85,000 | 12,48,10,606 |
| 2014–15 | – | | | | 82,47,676 | 3,32,86,188 | – | 4,15,33,864 |
| **योग** | – | 13,25,85,889 | 1,30,58,801 | 2,95,94,262 | 11,23,38,035 | 3,32,86,188 | 32,00,000 | 32,40,63,175 |

इसलिए कुल राशि रू. 32,40,63,175/– अनुदान से पूंजी निधि में स्थानांतरित किए गए।

**14.** वर्ष के दौरान 2014–15 के लिए निर्धारितध्अनुदान निधि से राशि रू. 27,08,45,736/– की मूल्यह्रास परिसंपत्ति खरीदी गई

**पूंजीगत व्यय का निधि वार विवरण इस प्रकार है :**

| वर्ष | बी–वोक कार्यक्रम | सामान्य विकास अनुदान की 12 वीं योजना | | योग |
|---|---|---|---|---|
| | | स्थाई परिसंपत्तियां | चालू कार्य | |
| 2015–16 | 6,00,950 | 48,55,887 | 26,53,88,899 | 27,08,45,736 |

**15.** विलय योजना अनुदान योजना को बंद कर दिया गया तथा इस कारण विलय योजना अनुदान की शेष राशि सामान्य विकास अनुदान की 12 वीं योजना में स्थानांतरित कर दी गई।

**16.** राशि रू. 40.00 लाख कंप्यूटर विभाग की स्थापना/उन्नयन के तहत मंजूर की गई थी जिसमें से राशि रू. 32.00 लाख पहले ही प्राप्त हो गई है और जिस उद्देश्य के लिए यह राशि मंजूर हुई थी उसी के लिए उपयोग में लाई गई है। शेष राशि रू. 8.00 लाख का अनुदान यूजीसी से प्राप्य के रूप में बैलेंस शीट में प्रदर्शित किया गया है। यूजीसी इस योजना को बंद कर दिया गया है तथा इसलिए अब यह निश्चित है कि शेष राशि प्राप्त नहीं होगी इसलिए इसे (अप्राप्त राशि) को निर्धारित निधि खाते में स्थानांतरित किया गया है।

**17.** वर्ष के दौरान कुल राशि रु. 60,370/– अलग–अलग तिथियों पर सीधे विश्वविद्यालय के खाते में जमा की गई है। विश्वविद्यालय के खाते में जमा राशि रु. 60,370/– किसने जमा की इसका पता हम नहीं लगा पाए हैं इसलिए उपरोक्त अनुसरणीय राशि को अन्य देनदारियों के तहत दर्शा दिया है। जब इसका विवरण प्राप्त होगा तब इसका समाधान कर दिया जाएगा।

**18.** सीएजी प्रावधान के अनुसार लेखापरीक्षा आपत्ति अवकाश वेतन और पेंशन अंशदान बीमांकिक द्वारा प्रावधान राशि की गणना के द्वारा किया जाना चाहिए। यद्यपी बीमांकिक की उपलब्धता के कारण एकमुश्त राशि रूपए 6,00,000/– लाख का प्रावधान पेंशन और अवकाश वेतन तथा राशि रूपए 1000000/– का प्रावधान उपदान के अंतर्गत किया जाना चाहिए।

**19.** आय और व्यय खाते में पूर्व की अवधि के खर्च और पूर्व अवधि आय को अलग– अलग रखा गया हैं।

**20.** पिछले वर्ष मनोनीतधनिर्धारित निधि के लिए कोई अलग से बैंक का खाता नहीं था इसलिए वित्तीय विवरण के अनुसूची–2 में हम नकद और बैंक में अतिशेष, निवेश और अर्जित ब्याज परंतु देय नहीं का निधि वार विवरण देने में असमर्थ हैं।

**21.** सभी आंकडे रुपये में पूर्णांकित किए गए है।

**22.** पूर्व वर्ष के सभी आंकडे जहाँ आवश्यक है वहीं पुनरू वर्गीकृत तथा व्यवस्थापित किए गए है।

**23.** संलग्न 1 से 24 तक की अनुसूचियां तथा वर्ष के अंत अर्थात 31 मार्च, 2016 को समाप्त तुलन–पत्र, आय तथा व्यय खाता तथा प्राप्तियां और भुगतान का विवरण वार्षिक लेखा का अभिन्न हिस्सा है।

| | | |
|---|---|---|
| स्थान : वर्धा<br>दिनांक : 15.06.2016 | डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र<br>कुलसचिव/वित्ताधिकारी | प्रो. गिरीश्वर मिश्र<br>कुलपति |

एनएसएस द्वारा गणेशपुर गांव में आयोजित विशेष शिविर का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र। बाएं से डॉ. सुप्रिया पाठक, सरपंच निर्मला ढुमणे, तथा दाएं से प्रदीप दाते व प्रो. अरबिन्द झा।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra inaugurating the special camp organized by NSS at Ganeshpur village, From left Dr. Supriya Pathak, Sarpanch Nirmala Dhumne, From right Pradeep Datey and Prof. Arbind Jha.

चीनी विद्यार्थियों के स्वागत समारोह के अवसर पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, अनिर्वाण घोष, डॉ. रवि कुमार व चीनी विद्यार्थी।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra, Registrar Dr. Rajendra Prasad Mishra, Prof. Hanuman Prasad Shukla, Anirban Ghosh, Dr. Ravi Kumar and Chinese students at the welcome ceremony organised for the Chinese Students.

डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन स्मृति व्याख्यान देते हुए भदन्त विमलकित्ती गुणसिरी। मंच पर दाएं से प्रो. एल. कारुण्यकारा, कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र व डॉ. सुरजीत कुमार सिंह।

Dr. Bhadant Anand Kausalyayan Memorial lecture being deliverd by Bhadant VimalKitti Gunasiri, On the dais from the right Prof. Karunyakara, Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra and Dr. Surjeet Kumar Singh.

बिरसा मुण्डा जयंती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थी।

Students presenting cultural programmes on Birsa Munda Birth Anniversary.

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए चीनी विद्यार्थी।

Chinese Students presenting cultural activities.

भोपाल में आयोजित दसवें विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ बहुवचन एवं पुस्तक–वार्ता का लोकार्पण करते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.के. कुठियाला, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, राइटर–इन–रेजिडेंस डॉ. अरुणेश नीरन व अन्य महानुभाव।

Chief Minister of Madhya Pradesh Shivraj Singh Chauhan, Vice-Chancellor of Makhanlal Chaturvedi Rashtriya Patrakarita University Prof. B K Kuthiyala, Vice-Chancellor of the University Prof. Girishwar Misra, Writer-in-Residence Dr. Arunesh Neeran and other dignitaries launching 'Bahuvachan' and 'Pustak-Varta', journals published by the University at the 10th World Hindi Conference organised at Bhopal.

दसवें विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'प्रवासी भारतीय हिंदी साहित्य' का विमोचन करते हुए गोवा के राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा, कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, प्रो. सुरेश शर्मा व अन्य महानुभाव।

Governor of Goa Smt. Mridula Sinha, Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra, Pro-Vice-Chancellor Prof. Chittranjan Mishra, Registrar Dr. Rajendra Prasad Mishra, Prof. Suresh Sharma and other dignitaries releasing the book 'Pravasi Bhartiya Hindi Sahitya' published by the University at 10th. World Hindi Conference.

डॉ. एच.ए. हुनगुन्द की पुस्तक 'बालशौरि रेड्डी और उनका कथा साहित्य' का लोकार्पण करते हुए गोवा के राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा, कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र व अन्य महानुभाव।

Governor of Goa Smt. Mridula Sinha, Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra, Pro-Vice-Chancellor Prof. Chittranjan Mishra, Registrar Dr. Rajendra Prasad Mishra and other dignitaries releasing the book 'Balshouri Reddy aur Unka Katha Sahitya' by Dr. H.A. Hungund.

एनएसएस द्वारा परिसर में आयोजित स्वच्छता अभियान के दौरान कुलपति प्रो. गिरीश्वर के साथ सफाई करते हुए विश्वविद्यालय परिवार।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra along with University team participating in a cleanliness drive organised by NSS.

गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उद्‌बोधन देते हुए गांधीवादी चिंतक डॉ. उल्हास जाजू तथा उनके बाएं कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र तथा दायें डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी।

Gandhian Philospher Dr. Ulhas Jaju addressing at the occasion of Gandhi Birth Anniversary. From his left Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra, Registrar Dr. Rajendra Prasad Mishra and on the right Dr. Nripendra Prasad Modi.

विश्वविद्यालय एवं बहार नेचर फाउंडेशन द्वारा आयोजित वन्यजीव चित्र प्रदर्शनी का उद्‌घाटन करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र व उनके बाएं प्रो. किशोर वानखेड़े, संजय इंगले तिगांवकर, दायें प्रो. अनिल कुमार राय, गिरीशचंद्र पाण्डेय व अन्य महानुभाव।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra inaugurating a Wildlife Photo Exhibition organised jointly by the University and Bahar Nature Foundation. On his left Prof. Kishor Vankhede, Sanjay Ingle Tigaonkar. On his right Prof. Anil Kumar Rai, Girishchandra Pandey and other dignitaries.

पथनाट्य के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश देते हुए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी गण।

Students of the University spreding awareness about intoxicant eradication through a street play.

सवित्रीबाई फुले जयंती के अवसर पर सावित्रीबाई फुले छात्रावास के केयरटेकर शांताबाई को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र व उपस्थित अन्य महानुभाव।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra felicitating Shantabai, the caretaker of Savitribai Phule Hostel on the Birth Anniversary of Savitribai Phule in presence of other dignitaries.

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक भ्रमण पर नागपुर से आए विद्यार्थियों के साथ कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र व अन्य महानुभाव।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra and other dignitaries along with students from Nagpur on academic visit to the University.

विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'तानाबाना' का लोकार्पण करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र व उनके बाएं राकेश श्रीमाल, प्रो. के. के. सिंह, डॉ. राकेश मिश्र, दायें कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र व अन्य महानुभाव।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra and to his left Rakesh Shrimal, Prof. K. K. Singh, Dr. Rakesh Mishra, to his right Registrar Dr. Rajendra Prasad Mishra and other dignitaries releasing 'Tanabana' a journal published by the University.

राष्ट्रीय युवा योजना कार्यकर्ता शिविर के दौरान गांधी हिल्स पर एस.एन.सुब्बाराव को बुद्ध की प्रतिमा भेंट करते हुए शोधार्थी नेहा नेमा, प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र।

Research Scholar Neha Nema, Pro Vice Chancellor Prof. Chittranjan Mishra and Registrar Dr. Rajendra Prasad Mishra presenting a Buddha statue to S N Subbarao during National Youth Scheme Volunteer Camp at Gandhi Hills.

विश्वविद्यालय द्वारा मुंबई में आयोजित सीबीसीएस कार्यशाला के दौरान छह राज्यों के कुलपति/संस्था प्रमुखों के मध्य वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र मंच पर हैं यूजीसी के उपाध्यक्ष प्रो.देवराज, मुंबई विश्वविद्यालय के कुलपति राजन वेलुकर, प्रतिकुलपति प्रो. दिनेश चंद्र, विश्वविद्यालय के कुलसचिव संजय गवई व अन्य महानुभाव।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra giving a statement amid the Vice Chancellor/ Head of the Institutes from six states at a workshop on CBCS organised by the University at Mumbai. On the dais are present Deputy Chairman of UGC Prof. Devraj, VC of Mumbai University Shri Rajan Velukar, Pro V.C. Shri Dinesh Chandra and Registrar of MHAVh Sanjay Gawai.

राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उद्‌बोधन देते प्रो. अनिल कुमार राय, मंच पर बाएं से बी. एस. मिरगे, नवनीत मिश्र व अशोक मिश्र।

Prof. Anil Kumar Rai speaking on the occasion of National Public Relation Day. On the dais, from left B.S. Mirge, Navneet Mishra and Ashok Mishra.

कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, कुलसचिव संजय गवई, प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल के साथ विश्वविद्यालय के कर्मी।

Pro Vice-Chancellor Prof. Chittaranjan Mishra, Registrar Sanjay Gawai and Prof. Hanuman Prasad Shukla along with University employees at the valediction ceremony of Computer Training Workshop.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगासन करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र एवं अन्य महानुभाव।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra and other dignitaries doing Yoga on International Yoga Day.

18वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी 'चेतना का दीप' का उद्घाटन करते हुए डॉ. अनंतराम त्रिपाठी। साथ में हैं साहित्यकार चित्रा मुद्गल, कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, डॉ. राजीव रंजन राय व अन्य महानुभाव।

Dr. Anantram Tripathi inaugurating the exhibition 'Chetna ka Deep' on the occasion of 18th Foundation day of the University. Along with him are : Author Chitra Mudgal, Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra, Dr. Rajeev Ranjan Rai and other dignitaries.

18वें स्थापना दिवस के अवसर पर हिंदी सेवी से सम्मानित डॉ.जयराम फगरे, डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, डॉ. यशोधारा मिश्रा, डॉ. प्रतिभा राय के साथ कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र व अन्य महानुभाव।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra and other dignitaries along with recipients of the Hindi Sevi Award Dr. Jayram Fagre, Dr. Suryanarayan Ranshubhe, Dr. Yashodhara Mishra and Dr. Pratibha Rai on the 18th. Foundation day.

सुप्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना पद्मश्री शोभना नारायण का स्वागत करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra extending a warm welcome to well known Kathak Dancer Padmashri Shobna Narayan.

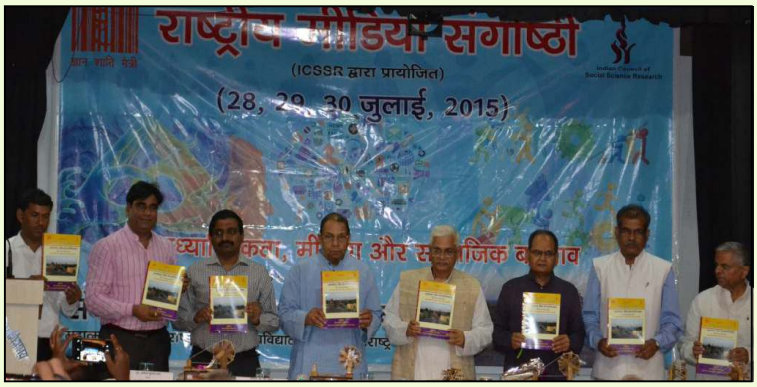


आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सोवीनियर का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, डॉ. अच्युतानंद मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, कुशाभाऊ ठाकरे, पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति डॉ. मानसिंह परमार, प्रो. राममोहन पाठक व अन्य महानुभाव।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra, Dr. Achyutanand Mishra, Pro Vice-Chancellor Prof Chittaranjan Mishra, Vice-Chancellor of Kushabhau Thakre Patrakarita Vishwavidyalaya, Raipur Dr. Mansingh Parmar, Prof. Rammohan Pathak and other dignitaries inaugurating the souveneir for the Natinal Seminar on Spirituality, Media and Social Change.

कुलसचिव संजय भास्कर गवई को विदाई एवं नवनियुक्त कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र को स्वागत करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र तथा प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra and Pro Vice-Chancellor Prof. Chittaranjan Mishra bidding farewell to Registrar Sanjay Bhaskar Gawai and extending welcome to newly appointed Registrar Dr. Rajendra Prasad Mishra.

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण के उपरांत विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra addressing the extended University family after hoisting the National flag on the Independence Day.

साहित्य विद्यापीठ की वॉल मैग्जीन का लोकार्पण करते हुए कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र। साथ में हैं प्रो.के.के. सिंह व अन्य महानुभाव।

Registrar Dr. Rajendra Prasad Mishra inaugurating the wall magazine at the School of Literature. Along with him Prof. K.K. Singh and other dignitaries.

गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण के उपरांत विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र। ।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra addressing the extended University family after hoisting the National flag on the Republic Day.

सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में पारंपारिक लोकगीत प्रस्तुत करते हुए कलाकार चंदन तिवारी व उनका दल।

Singer Chandan Tiwari and Cher group presenting a folk song at the Cultural Night programme.

विश्वविद्यालय परिसर में केंद्रीय विद्यालय का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र। साथ में हैं प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, प्रो. अनिल कुमार राय, प्रो. अरबिंद झा, अजय नासरे व अन्य महानुभाव।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra inaugurating Kendriya Vidyalaya in the University campus. Along with him are Pro Vice-Chancellor Prof. Chittaranjan Mishra, Prof. Anil Kumar Rai, Prof. Arbind Jha, Ajay Nasre and other dignitaries.

शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान लायन्स क्लब, वर्धा द्वारा कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र को सम्मानित किया गया। इस दौरान मंच पर हैं– प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, प्रो. अरबिंद झा व अन्य महानुभाव।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra being felicitated on the occasion of Teacher's day by Lion's Club, Wardha. On the dais are present Pro Vice-Chancellor Prof. Chittaranjan Mishra, Prof. Arbind Jha and other dignitaries.

10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में विश्वविद्यालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र के साथ उपस्थित विश्वविद्यालय के अध्यापक, अधिकारी व कर्मी।

Pro Vice-Chancellor of the University Prof. Chittaranjan Mishra along with the Professors, Ofiicers and Employees of the University at the exhibition organised by the University at 10th World Hindi Conference.

10वें विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के साथ विश्वविद्यालय के अध्यापक, अधिकारी व विद्यार्थी।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra along with the Professors, Ofiicers and students at the 10th World Hindi Conference.

10वें विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान वक्तव्य देते कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र। मंच पर हैं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, बी.के. कुठियाला व अन्य महानुभाव।

Dr. Rajendra Prasad Mishra giving a statement at the 10th World Hindi Conference. On the dias can be seen Chief Minister of Madhya Pradesh Shivraj Singh Chauhan, B.K. Kuthiyala and other dignitaries.

10वें विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी के दौरान संदेश लिखते हुए वरिष्ठ पत्रकार मृणाल पाण्डेय।

Senior Journalist Mrinal Pandey writing her message at the exhibition organised by the University at the 10th World Hindi Conference.

10वें विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान हिंदी के विकास पर सत्यव्रत चतुर्वेदी से चर्चा करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र। साथ में हैं प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra engaged in a conversation with Satyavrat Chaturvedi on the issue of development of Hindi, at the 10th World Hindi Conference. Along with him Pro Vice-Chancellor Prof. Chittaranjan

10वें विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान उद्‌बोधन देते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र। मंच पर हैं श्री ज्ञानेश्वर मुले, सत्यव्रत चतुर्वेदी, अतुल खरे व अन्य महानुभाव।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra addressing the gathering at the 10th World Hindi Conference. On the dias: Shri Gyaneshwar Muley, Satyavrat Chaturvedi, Atul Khare and other dignitaries.

विश्वविद्यालय के कोलकता केंद्र में प्रो. रामशरण जोशी को टैगोर रचित 'गीतांजलि' की प्रति भेंट करते हुए केंद्र के प्रभारी डॉ. कृपाशंकर चौबे व विद्यार्थीगण।

Dr. Kripashankar Chaubey, In charge of the Kolkata centre, along with the students, presenting a copy of 'Tagore's 'Gitanjali' to Prof. Ramsharan Joshi at Kolkata Centre of the University.

विश्वविद्यालय के एनएसस द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान करते हुए विद्यार्थी। उपस्थित हैं कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, राजेश लेहकपुरे और डॉक्टरों की टीम।

Students donating blood at a Blood Donation Camp organised by the NSS team of the University. Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra, Registrar Dr. Rajendra Prasad Mishra, Rajesh Lehakpure and a team of Doctors present at the camp.

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती समारोह के दौरान राष्ट्रीय एकता दौड़ में शिरकत करते हुए प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र व विश्वविद्यालय परिवार।

Pro Vice-Chancellor Prof. Chittaranjan Mishra and the Extended University Family participating in the National Unity Run on the occasion of the Birth Anniversary of Sardar Vallabh bhai Patel.

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयंती समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता के दौरान बौद्ध स्तुति गान करते हुए विद्यार्थी। मंच पर हैं बाएं से डॉ. सुरजीत कुमार सिंह, प्रो. एल. कारुण्यकारा, प्रो. चित्तरंजन मिश्र व प्रो. अरबिंद झा।

Students presenting a Buddhist psalm during a debate competition organised on Baba Saheb Dr. Bhimrao Ambedkar's 125th Birth Anniversary. On the dais from left are Dr. Surjeet Kumar Singh, Prof. L. Karunyakara, Prof. Chittaranjan Mishra and Prof. Arbind Jha.

10वें विश्व हिंदी सम्मेलन पर आधारित पुस्तक 'हिंदी जगत : विस्तार एवं संभावनाएँ' का लोकार्पण करते हुए विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज, दाएं कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू तथा बाएं विदेश राज्य मंत्री वी. के. सिंह।

External Affairs Minister Smt. Shusma Swaraj releasing the book 'Hindi Jagat : Vistar aur Sambhavnaye' based on the 10th World Hindi Conference on the right Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra, Union Minister of State for Home Affairs Shri Kiran Rijiju on the left Union Minister of State for External Affairs Gen (retd.) V K Singh.

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित खेल प्रतियोगिता में सहभागिता करते कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र तथा साथ में हैं विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कर्मी।

Vice-Chancellor Prof. Girishwar Misra participating along with teaching faculty in the Sports Competition organised by the University.

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित खेल प्रतियोगिता में सहभागिता करते कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र तथा साथ में हैं विश्वविद्यालय के गैर–शैक्षणिक कर्मी।

Registrar Dr. Rajendra Prasad Mishra participating with the non teaching employees in the Sports meet organised by the University.